

सं॰ 19] नई बिह्ली, शनिवार, मई 12, 1984 (वैशाख 22, 1906) No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 12, 1984 (VAISAKHA 22, 1906)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संशलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filled as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached

and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा भ्रायोग

· नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 मार्च 1984

मं ० ए० 32018/1/83-प्रशा० II----इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रिधिस्चना दिनांक 25 नवस्बर, 1983 के ग्रनुकम में ग्रध्यक्ष, संघ लोक मेवा श्रायोग एतद्द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में स्थायी वरिष्ठ प्रोग्रामर श्री जे० के० खन्ना को 18 फरवरी, 1984 से 17 मई, 1984 तक तीन मास की श्रग्रेनर ग्रवधि के लिए ग्रथवा ग्रागामी ग्रावेगों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में प्रबंधक (इ० डी० पो०) (ग्रुप "क)" ए० 1500-60-1800) के पद पर स्थानापन रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करने हैं। नियुक्ति की यह वर्तमान श्रवधि संघ लोक सेवा ग्रायोग के ग्रनुमोदन के ग्रध्याधीन है।

2. प्रबंधक, (इ० डी० पी०) के पद पर श्री जे० के० खन्ना की नियुक्ति पूर्णत. तदर्थ आधार पर है और इसमें इन्हें प्रबन्धक (इ० डी० पी०) के पद पर नियमित नियुक्ति अथवा वरिष्टना का कोई हक नहीं मिळेगा।

> एमर् पीर्जन श्रवर सचिव (प्रशा) क्ते श्रध्यक्ष संग लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-1100 11, दिनांक 12 श्रप्रैल 1984

मं० ए० 19014/7/79-प्रशा० 1—संघ लोक सेवा आयोग में उप सचिव के पद पर प्रतितियुक्ति पर केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा के प्रधिकारी श्री बी० रामाभद्रम के कार्यकाल समाप्त हो जाने के परिणाम स्वरूप उन्हें 31-3-1984 (प्रपराह्न) से संघ लोक संवा आयोग के कार्यालय से कार्यभार मुक्त किया गया है। श्री रामाभद्रम को 1-4-1984 से 31-5-1984 तक दो मास का आजित अवकाण प्रदान किया गया है। श्रवकाण की समाप्ति पर श्री रामाभद्रम अपने मूल विभाग अपित् केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली में कार्यभार अहण करेंगे।

एम० पी० जैन, अवर मचिव (प्रशा) संघ लोह सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 मार्च 1984

मं० ए० 35014/2/83-प्रणा० $\Pi(ii)$ —सचिव, लोक संघ लोक सेवा धायोग एतद्द्वारा संघ लोक सेवा धायोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के सहायक श्री एस० पी० कांणिक को 2-4-1984 (पूर्वाह्म) से 3 वर्ष की प्रविध के लिए श्रयवा धागामी धायेशों तक जो भी पहले हो, श्रायोग के कार्यालय में स्थानास्तरण के आधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्वागत धिकारी नियुक्त करते हैं।

(10285)

2. जी एस० पी० कौणिक का वेतन समय समय पर यंगा पंशोधित बित्त मंदालग (त्याम निभाग) के कार जार संर एफ० 1(ii)-ई०-III(बी०)/75 दिनांक 7-11-1985 में उल्लिखित गर्नों के स्रमुसार विनियमित होगा।

मुहास बनर्जी, (प्रशा) श्रवर सचिव **फ्ते** सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग

नर्ड दिल्ली, दिनांक 29 मार्च 1984

मं० ए०-32014/1/84-प्रणा० iii— राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा धायोग के निम्नलिखित धनभाग श्रिधकारियों को, उनके सामने निर्विष्ट श्रवधि के लिए अथवा ग्रागामी श्रादेशों तक जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में डेस्क श्रिधकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	ग्रवधि
1	2	3
1.	श्री सुदेश- कुमार	1-3-1984 से
•	,	29 = 3-1984 तक
2.	श्री एन० पी० एस० गुजराल	−वही−

उपर्युक्त ग्रधिकारी कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के का० शा० मं० 12/1/74-सी० एस० (1) दिनांक 11 दिसम्बर., 1977 की शर्तों के श्रनुसार २० 75/-श्र ति मास की दर मे त्रिशेक वेसन प्राप्त करेंगे।

दिनांक 31 मार्च 1984

सं० ए० 3501 4/2/83-प्रशा० II(1)—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के अनुभाग अधिकारी श्री श्रो० पी० गोयल संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्वागत श्रिधकारी के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति के चौथे वर्ष की 31-3-84 (अपराह्म) को समाप्ति के फलस्वरूप अपने संवर्ग पद पर एतद्- द्वारा 31-3-1984 (अपराह्म) से प्रत्यावर्तित किये जाते हैं।

सुहास बनर्जी (प्रशा) श्रवर सचिव मंघ लोक सेका श्रायोग

प्रवर्गन निदेशालय

विदेशी सुद्रा विनियमन प्रधिनियम नई दिल्ली, दिनांक 11 ग्रप्रैल 1984

सं० ए०-II/1/84--श्री एस० एस० वियायानी, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शृत्क, हैदराबाद समाहातिलय को इस के द्वारा इस निदेशालय के हैदराबाद फील्ड यूनिट में दिनांक 31-12-1983 (धपराह्न) से प्रतिनियुक्ति पर प्रवर्तन धिष्ठकारी के रूप में ियका किया जाना है।

सं० ए०-111/2/84—श्वी के० युगेन्धर, निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद-मुख्क हैदराबाद ममाहर्तालय को इसके द्वारा इस निदेशालय के हैदराबाद फील्ड यूनिट में दिनांक 31-12-1983 (ग्रपराह्म) से प्रवर्तन श्रिष्ठकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया जाता है।

बी० जे० के० तम्पी,

उपनिदेशक (प्रशा)

केन्द्रीय महर्कता आयोग

नई दिल्ला, दिनांक 12 अप्रैल 1984

सं० 2/15/83-प्रशासन--प्रतिनियुक्ति कार्यकाल की समाप्ति पर, श्री के० आर० जुग, सहायक अभियन्ता (सिक्लि), निर्माण महानिदेशालय, जो अब तक इस आयोग में सहायक तकनीकी परीक्षक (सिक्लि) के पद पर प्रतिनियुक्ति में कार्यरत थे, की सेजाएं दिनांक 10 अप्रैल 1984 अपराह्म से निर्माण महानिदेशक, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को निर्वातित की जाती है।

सं० 2/15/83-प्रशासन केन्द्रीय संतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा निर्माण महानिदेशालय के श्री एस० के० गौतम, सहायक अभियन्ता (सिविल) को इस आयोग में सहायक तकनीकी परीक्षक (सिविल) के पद पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तथा ६० 75/-प्रति माह अतिरिक्त विशेष वेतन पर स्थानापन्न रूप से दिनांक 10 अप्रैल 1984 अपराह्म से अगले आवेश तक नियुक्षे करते हैं।

> कृष्ण लाल मस्होला, अज्ञर सम्बद्ध कते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंद्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 9 अप्रैल 1984

सं० ए०-13018/2/83-प्रशासन (पर्स-I)--राष्ट्रपति, समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) गृह मंत्रालय के स्थायी सहायक निदेशक तथा स्थानापम्न संयुक्त निदेशक श्री के० जे० मोहन राज को 3-4-84 से समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में उप निदेशक के पद पर मौलिक रूप से नियुक्ट करते हैं।

मं० ए०12012/2/84-प्रशा० (पर्स-I)-राष्ट्रपति, समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार), गृह मंद्रालय के स्थानापन्न सहायक निदेशक (बीजलेख) श्री सोहन लाल को समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में 28-3-84 से सहायक निदेशक (बीजलेख) के पद पर मोलिक रूप से नियुक्त करते हैं।

सं ए०-13018/2/84-प्रणासन (पर्स-I)---राष्ट्रपति, समन्वय निवेशासय (पुलिस बेतार) गृह मंद्रालय के स्थार्था सहायक निवेशक 'बीजलेख) व स्थानापन्न उप-निवेशक (बीज- लेखं) श्री कें एस अगर भूति को 3-4-84 से समन्वय निर्देशालय (पुलिस बेतार) में उप -निर्देशक (बीजलेख) के पर पर मौलिक रूप से नियुक्त करते हैं

एन० **एस० शर्मा** अवर स**विव**

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 16 अप्रैल 1984

सं० की० एक० 34/83-स्थापना-I---निम्नलिखित पुलिस उप-अधीक्षकों, के० रि० पु० वल के आसाम पुलिस में प्रतिनियुक्ति पर जाने के फलस्थरूप उनकी सेवाएं आसाम सरकार को उनके सामने दर्शाई गई तिथियों से निवर्तित की जाती हैं:--

- 1. श्री एस॰ एस॰ सन्ध्, -- 20-12-83 (अपराह्म)
 4 वाहिनी
- 2 श्री इरदेव सिंह, 20-12-83 (अपराह्म) 63 वाहिनी

बाई० एन० सक्सेना उप-निदेशक (स्थापना)

नई दिल्ली-110003, दिनांक 17 अप्रैल 1984

मं० डी० एक-8/84-प्रणासन-3--वायु सेना मुख्यालय, शिक्षा निदेशालय (हिन्दी अनुभाग) के श्री प्रेम चन्द्र धस्माना, बरिष्ठ अनुवादक को महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में प्रतिनियुक्ति की मानक णतौं के अनुसार तदर्थ तौर पर हिन्दी अधिकारी के पद पर छः महीने की प्रारम्भिक अवधि के लिए अथवा भर्ती नियमों के अनुसार नियुक्ति होने तक, इसमें जो भी पहले हो, के लिए नियुक्त किया जाना है।

2. श्री धस्माना ने दिनांक 11 अप्रैल, 1984 (पूर्वास्त) को महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई दिल्ली में अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। -

> इन्द्र भगत[®] नेगी उपनिदेशक (प्रशासन)

महानिदेशालयः, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-110 003, दिनांक 10 अप्रैल 1984

सं० ई०-16013/1/5/82-कार्मिक--प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री डी० डी० पुरंदरे ने 3 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्न में के० औ० सु० ब० मुख्यालय के उप-महानिरीक्षक (कायर) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

> ह० अपठनीय महानिदेशमा, के० औ० सु• स०

भारत के मेहारिजिस्ट्रीर का कामलिय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 अप्रैल 1984

सं० 10/39/82-प्रणा०-1-राष्ट्रपित, असम सरकार, विसपुर में योजना और विकास विभाग में अनुसंधान अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री सममुल हुन मजुमदार को नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 20 मार्च, 1984 (पूर्वीक्ष) से एक वर्ष से अनिधिक अधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए जो भी अवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा पूर्णतः अस्थायी रूप से तदर्थ आधार पर श्रीरुठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर सहूर्ष नियुक्त करते हैं।

बी० एस० वर्मा भारत के महारजिस्ट्रार

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय

श्रम न्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 5 मर्च 1984

• निवंश सं. 23/3/84-सी. पी. आर्क.—मार्च, 1984 में आधारिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) फरवरी, 1984 के स्तर में तीन अंक घट कर 558 (पांच सौ अठावन) रहा। मार्च, 1984 माह को सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 678 (छः सौ अठहतर) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज निद्यास

वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनांकः 7 अप्रैल 1984

सं० 8 वि० आ० 2 (30)-ए/82--इस आयोग की दिनांक 6-1-1984 की समसंद्रम्य अधिसूचना के सिलसिले में, आठवें वित्त आयोग में पुनर्नियोजित अनुसंधान अधिकारी श्री आर० एल० खन्ना की नियुक्ति की अवधि आयोग द्वारा अन्तिम रिपोर्ट दिये जाने की तारीख अथवा 30 अप्रैल, 1984 तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ा दी जाती है।

> तरलोक चन्द तन्दा प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

वित्त मंत्रालय ग्राथिक कार्यविभाग प्रतिभूति कागज करखाना होशंगाबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1984

सं० पी० डी०-3/694--इस नामित्य की अधिमूचना कमांना पी० डी०-3/9269 दिनांक 9-12-1983 के तारतम्य में श्री एस० के० आंनन्द की, वेतनमान क० 840-40-1000-- द० अ०-40-1200 में सहायक कार्य-प्रबन्धक के पद पर सदर्थ नियुक्ति की अयधि दिनांक 1-3-84 से 6 माह या अग्रिम आदेश इनमें से जो भी पहले हो, तक बढ़ाई जाती है।

म० रा० पाउन महाप्रयन्धक

सीमाधुल्क उत्पादन शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय अधिकरण नई विक्ली, विनांक 18 अप्रैल 1984

संख्या 1/सी. शू. उ. शू स्व. अधि /84—सीमाश्ल्क उत्पादन शूल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलींय अधिकरण, केन्द्रीय उत्पादन शूल्क और नमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) की धारा 35 (घ) की उपधारा (1) और स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम 1968 (1968 का 45) की धारा 81 (ख) की उपधारा (1) के साथ पठित सीमाशुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 129 (ग) की उपधारा (6) द्वारा प्रदस्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, एतद्द्वारा तुरन्त प्रभाव से दिनांक 20 नवम्बर, 1982 के शासकीय राजपत्र के भाग ।।। खण्ड 1 में यथा प्रकाशित सीमाशुल्क, उत्पादन शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय अधिकरण (प्रक्रिया) में निम्नलिखित संशोधन करते हैं:

नियम 48 में अंत में निम्निलिखित स्पष्टीकरण अंतः स्थापित किया आएगा अर्थात :--

''स्पष्टीकरण—ह्स नियम के प्रयोजन के लिए किसी पक्ष (पार्टी) का नियमित कर्मचारी अभिव्यक्ति के अंतर्गत सीमाशुल्क अथवा केन्द्रीय उत्पादन शूल्क विभाग का कोई कर्मचारी जो कि नियम 2 के उपनियम (ग) के उप खण्ड (।।) के अनुसरण में प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया जाता है, नहीं आएगा।'

एफ. एस. गिल अध्यक्ष

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय, निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-110002. दिनांक 23 अप्रैल 1984

मं० प्रणा० 1/का० आ० सख्या-17---निषेशकः लेखा-परीक्षाः केन्द्रीय राजस्य इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिवयरी श्री हिम्मत जीत सिंह को 840-1200 रु० के समय-मान में विनांक 1-2-1984 से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

मं० प्रमा० 1/का० आ० संख्या 47—इस कार्यालय के एक स्थार्था लेखापरीक्षा अधिकारी श्री करण सिंह वर्मा वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणामस्यरूप 30 अप्रैल 1984 अपराह्म की भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जाएंगे।

उनकी जन्मतिथि 22 अप्रैल 1926।

विजया मूर्ति उप निवेशक लेखापरीका (प्र०)

कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1984

सं प्रशासन-11/2(8)/सं व ले प अ अ | 84-85 | 63--- दिनांक 1-3-1984 से भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में संवंगों के धुनंगठन के परिणामस्वरूप निदेशक लेखा परीक्षा. वाणिज्य, निर्माण कार्य एवं विविध, नई विल्ली, निम्नलिखिल

अनुभाग अधिकारियों की उनके नाम के आगे दशिया गई तिथि में अनन्तिम आधार पर 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040 रुपयों के वेतनमान में अस्थायी सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी वर्ग-ख "राजपन्नित" के रूप में पदोन्नत करने के आदेश देते हैं:--

ऋ∘ सं०	नःम	पदोन्नति की तिथि
1	2	3
1.	के० सी० अग्निहोद्गी	1-3-1984
2.	एम० के० जैन	वहीं
3.	एम० एम० भारङाज	वहीं
	एस० एस० बुटश	ब ही
5.	ओ० पी० मनचन्दा	वर्हा
6.	ऑं० पी० मित्तल	वही
	हरी हर प्रसाद सिक्ता	वही
	नन मोहन सिंह	ब ही
9.	पी० एस० कृष्णामूर्ति	म हीं
	एम० वी० रामामूर्ति	वहीं
	रिसाल सिंह शर्मा	वर्ही
	र्वा० के० दास	· —वर्हा—
13.	र्वा० डी० वासुदेश	यहीं
	जे० पी० मिस्तल-I जे० पी० मिस्तल-II	यह ी
	जार पार ामसल—[ा डॉ॰ डॉ॰ गुप्ता	यहां
	बी० एस० शर्मा	— <u>च</u> र्हा—
	याण एसण शमा योध राज	──व हैं।
	एस० एम० मेहन	-व र्ह्। बर्हा
	आर० डी० माथुर	बर्हा ब र्हा
	टी० के० दसा	—
	वी वासुदेवा मूर्ति	व हीं
23.	जी ० सी ० श्रीवास्तव	वह ी
	जी० एस० सक्सेना	व र्हा
	जे० एस० मिक्का	⊸चही -
	जे० एन० निगम	, — य ही:—
27.	एस० सी० बजाज	वही
28.	आर० डी० तायल	a c (
	एन० के० जैन	घही
	बी० पी० मुदगिल	यही
	श्री कृष्ण	वही
32	एम० एल० स चदे वा	वर्हां
33.	राम सिंह ठाकुर	वहीं
	ए० डी० नारंग	वहीं
	वी० वी० गुप्ता	बर्हा
	आर० एल० कपूर	- ब र्हा
	गी० पी० पर्मा	-ध हीः
	क्री अपी अपी सम्बद्ध	2-4-1984
39.	एस० के० दाम	1-3-1984

·		المراقب بالمشار وي والدين والمناز		
(1) (2)	(3)	(1) (2)	(3)	
सर्वश्री	انی این سو دی افغانس سوا این اوسیدی این سیدستههای این این این است. است	सर्वश्री		
40. जे० सी० गुप्त	1-3-1984	86 सत्या नारायण गर्मा	1-3-1984	
4.1. भी० के० कु		87. रोशनलाल शर्मा	वही	
42. मधन लाल -	 agi -	88ः जी० के० माथुर	वह 1	
43. जै० एन० जुनै		89. पी० वी० एल० सक्सेना	वही	
44 यशपाल स्री		90. श्रीमती के० जयालक्ष्मी	वही	
45. देव राज आ	~	91. श्रीमती आर ० चन्द्रागेखा न	वहीं	
46. एस० एस० ३		92. सी० एल० गान्धी	वहीं	
47. रोग न लाल	-	· 93. कु ं टी ० के० कींग्र ल्या	a gi	
48. सुरेश चन्द्र	— -व ही-—	94. एम० एल० पराशर	6-3-1984	
49. राजेन्द्र सेठी	यह ी	95. एस० सी० वर्मा	वही	
50. इन्दर लाल		96. बोद राम शर्मा	वही	
51. एन० के० अ	-	97. देवेन्द्र सिंह (एस० सी०)	व ही '	
52. के० आ र ०	•	98. जी० एल० कटारिया	य ही	
53. ओ० पी० प्रा	~	99. एम० एल० खुराना	यह ी~	
54. एस० के० र	~	100. एष० सी० बधवा	13-3-1984	
55. वी० एन० अ		101. बी० थी० गर्ग	वही 	
56. एस० एन० या		102. अ० क० दसा	ब र्ही	
57. ओ० पी० गौ	-	103. प्रेम चन्द (ए० सी०)	ब हा	
58. ए० प ा० त्या		103. त्रम अप्य (ए० सा०) 104. के० के० ने ख् यर	बर्हा	
59. दीप्ति लाल		105. हरीश अन्दर	बहीं	
60. आर० के० स	त्वसेना — वही	105. हराश अन्यर 106. सुशील बाबू सब्सेना	वही	
61. बी० पी० भट्टा		-	-	
62. ऑ०पी० बत	•	107. एस० पी० श्रीवास्तव	वही 	
63. मुरारी लाल		108. एम० एस० चौहान	वही	
64. के० सा० शम		109. अर्थ केंट्र गोयस	बही 	
65. नरेन्द्र देव	य ह <i>ि</i>	1,10. जगदीश सिह	वहीं	
66 के० एन ० भन	नारवर्हो	111. आर० एस० पाठक	28-3-1984	
67. श्री मोहन	वहौ	112. किशन सिंह	वही	
68. गिरीण चन्द्र ः	गु ^ए तायही	113. के० सी० मित्तल	31-3-84 (अप०)	
69. प्रेम नाथ सेह	ान व ही	114. आर० एम० औ० पिल्लैं,	30-3-84	
70. ए० वी० एस	'० अग्रद्याल' ——वहीं——	<u> </u>		
71. ঠা০ আৰ০ 🏻	ार्माबही		ए० के० पटनायक	
72 हरी ओम गु	प्ता व र्हा		उपनिदेशक (प्र०)	
73. एस० एस०	भौह ान यह ी		•	
74. रोशन लाल	कौ ल वही			
ं 75. के० के० अग्रह		कार्यालय, महालेखाकार जम्मू	व काश्मार	
76 . ত্তা ০ পা০ প্ৰ	~	श्रीनगर, धिनांक 17 अप्रै	ल, 1984	
77. केशव देख	वही	He were	9.1—9.5/1.40—— IIII.	
78. के० सी० गुप	ता वहा		सं । प्रणा - एतथाई/60/(102)/84-85/140 महा-	
79. हरीम जन्द्र	सक्सेना बही		लेखाकार जम्मू व काश्मीर ने 16 जनवरी 1984 (पूर्) से प्रभावी	
80. उजागर सिंह	~_ब ही -	अगले आदेश होने तक, एक स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री के० के० चावला को रुपए 840-40-1000-दक्षता रोध-40-		
81. के० आर० गु	लार्ट। यही	कर चावला का रुपए 840-40-100 1200 के वेतनमान में स्थानापन्न धारि		
82. जोगिन्दर नाथ			ता न राज्या आसमारा क	
83. भारमे भूषण		रूप में नियुक्त किया है ।		
6				
८४. श्रीमती सुधन	' बाजा -वर्ह्		मी० एल० गृप्ता	

रक्षा मंद्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा आर्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकता-16, दिनांक 17 अप्रैल 1984

सं० 22/जी/84—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधि-कारी को स्थानापन्न सहायक निदेशक के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:---

श्री एस० पी० चक्रवर्ती, एस० ए० --31 मार्च, 1984। वी० के० मेहसा निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र विभाग

वस्त्र आमुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 17 अप्रैल 1984

मं० 2(69)/ई० एस० टी०-1/84/1914--इस कार्यालय के श्री सी० श्रीधरन सलाहकार (६ई) मेन्नानिवृत्ति की श्रायु पूरी करते हुए दिनांक 31 मार्च, 1984 के अपराह्म से सेवानिवृत्त हो गए।

> एस० राममूर्ति वस्त्र आयुक्त

बस्बई-20, दिनांक 18 अप्रैल 1984

सं० ई० एस० टी०-1-2(714)/1942--इस कार्यालय की श्रीमती आए० मुखर्जी, सहायक निदेशक, श्रेणी-11, सेवा निवृत्ति की आयुपूरी करती हुई दिनांक 31 मार्च 1984 के अपराह्म से सेवा निवृत्त हो गई।

एस० रवीन्द्रन उप-निदेशक (प्रशासन)

उद्योग मंत्रालय

श्रौद्योगिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1984

सं० 12(212)/61-प्रणा० (राज०) खण्ड-2-राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय के निदेशक, ग्रेड-2 (धातु कर्म) श्री जे० एन० भक्त को इसी कार्यालय में दिनांक 9 अप्रैल, 1984 (पूर्वान्त) से, अगले आदेशों तक, तदर्थ आधार पर, निदेशक, ग्रेड-1 (धातुकर्म) के रूप में नियुक्त करने हैं।

दिनांक 17 अप्रैल 1984

संव 12(565)/67-प्रणाव (राजव)--राष्ट्रपति, लघ् उद्योग संत्रा संस्थात, गुवाहाटी व उप निवेशक, श्री बीव एमव बहल (यांत्रिकी) की सेवा-निवृत्ति की आयु पूरी हो जाने पर, दिनांक 29-2-84 (अपराह्म) से, सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

सं० ए०-19018(6145)/82-प्रमा० (राज०)राष्ट्रपति, श्री बी० के० पंडिता को विकास आयुक्त (लघु उद्योग)
का कार्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 3 फरवरी 1984 (पूर्वाह्म)
से, अगले आदेशों तक, उपनिदेशक (धातुकर्म) के रूप में नियुक्त
करते हैं।

सं० ए० 19018 (680) / 83-प्रशासन (राजपितत),---राष्ट्रपति, श्री सत्येन्द्र विष्णु सिंह को, दिनांक 5-3-84 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, सोलन में, सहायक निवेशक, ग्रेड-1 (इलेक्ट्रानिक्स) के पद पर नियुक्त करते हैं।

एस० के० पुरकायस्य उपनिदेशक (प्रशासन)

इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 16 अप्रैल 198**4**

सं० 2675बी/ए-19012(1-सी० टी०)/83-19ए-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री सी० तनावेलु
को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप
में 650 रु० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-74035-810-द० री०-35-880-40-1000-द० रो०-401200 रु० के वेतनमान पर, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश
होने तक 29-2-84 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 2688की/ए-19012 (1-बी० वी० एस०)/83-19ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री किज भूषण शर्मा की सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650- रु० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान पर, स्थाना-पन क्षमता में, आगामी आदंश होने तक 7-3-84 के पूर्वाह्र के निमुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी निदेशक (कार्मिक) कृते महानिदेशक

कलकत्ता-700016, दिनांक 12 अप्रैल 1984

सं० 2626की/ए-19012(1-कं व्वावसी0)/81-19ए--भारतीय भूबैज्ञानिक संबेंशण के सहायक भूबैज्ञानिक डा०
के० वेंकटरमाचारी ने भारतीय भूबैज्ञानिक संबेंशण से सहायक
भूबैज्ञानिक के पद का कार्यभार 28-4-83 के पुत्रीह्न से स्याग-

सं० 2633बी—-ए-19012(1-एम० एस० के० बी) | 83-19ए—-भारतीय भूबँगानिक मर्बेक्षण के महानिकात, श्री एम० एस० के० बी० भगवान को भारतीय भूबँगानिक सर्बेक्षण में सहायक भूबँगानिक के रूप में 650 रु० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतन-मान पर, स्थानापन क्षमता में, आगाभी आदेश होने तक 1-3-

दिनांक 16 अप्रैल 1984

सं० 2701नी/ए-19012(1-एल० डी०)/83-19ए-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री लोकनाथ
दिवाकर को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक
सर्वेक्षण में 650 रु० प्रति माह के प्रारम्भिक बेसन पर 65030-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०
रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में,
आगामी बादेश होने नक 20-2-1984 के पूर्वाह्न से नियुक्त

अमितं कुशारी निदेशक (कार्मिक)

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 श्रप्रैल 1984

सं० 11/3/84-स्मा०-प्राचीन संस्मारक, पुरातात्विक स्थल एवं ग्रवमेष नियमावली के नियम 6 के श्रधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, मुनीशचन्द्र, जोशी, निदेशक (ग्रन्वेषण), यह निर्देश जारी करता हूं कि राजगिरी पर्वत दुर्ग, गिंजी, दक्षिण श्रारकोट जिला, तमिलना हु के संस्मारकों में दिनांक 7 मई से 16 मई, 1984 (इसमें दोनों नारीखों में सम्मिलित हैं) तक देवी कमलन्कान्तिग्रम्मन के वार्षिक उत्सव के उपलक्ष्य में प्रवेश नि:शुल्क होगा।

मुनीशचन्द्र ओशी निदेशक (श्रन्वेषण)

श्राकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 18 अर्थैल 1984

सं० 1/7/84-एस-2--महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री डी० एल० चण्डोक हैंड क्लर्क को उच्च शक्ति प्रेषित, श्राकाशवाणी, खामपुर में दिनांक 29-3-1984 (पूर्वाह्म) से प्रशासनिक ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्त रूप में नियुक्त करने हैं।

रुक्मिणी दास गृप्ता, उपनिदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 21 ग्रप्रैल 1984

सं० 3/61/83-एस-3/4-पवोन्नति के परिणामस्वरूप, निम्मलिखित वरिष्ठ अभियांत्रिकी सहायकों ने प्रत्येक के भागे लिखी तिथियों से आकाशवाणी के विभिन्न कार्यालयों/दूरदर्शन कार्द्रों पर, तदर्थ प्राधार पर सहायक अभियन्ता के पद का कार्यभार सम्भाव लिया है :---

क्र० मं ० नाम कार्यालय जहां तैनात किए कार्यभार गए हैं संभालने की तिथि

		•	
1.	श्री एस० स्वीन्द्रन	मुख्य इंजीनियर (दक्षिण)	12-1-84
	नय्यर	का कार्यालय भाकाण-	(पूर्वाह्न)
		वाणी मद्रास ।	/ ////
2.	श्री ग्राशुतोष मिश्रा	रखरखाव केन्द्र,	31-1-84
	ū	फैजाबाद	(पूर्वाह्न)
3.	श्री झार० एम०	मुख्य इंजीनियर(प०)	29-2-84
	कुलकर्णी	का कार्यालय, श्राकाण	(पूर्वाह्म)
		वाणी सम्बद्दी	(1)
4.	श्री घ्रार० सी० जैन	दूरदर्शन रिले केन्द्र,	25-2-84
		मसूरी	(पूर्वाङ्ग)
5.	श्रीके० ग्रार०	मुख्य इंजीनियर (पूर्वी)	5-3-84
	ग्रनन्ताकु <u>ष्</u> णन	का कार्यालय, स्नाकाश-	(पूर्वाह्न)
		वाणी कलकत्ता ।	10 00
6.	श्री के० एन०	र ख -रखाव केन्द्र,	9-3-84
	सुबामणियन	दूरदर्शन बेलगांव	(पूर्वास्त्र)
7.	श्री पी० एम०	एल०पी०टी० परभणी	16-3-84
	मुकेवर		(पूर्वाह्न)
8.	श्री एन० ग्रार०	रख-रखाव केन्द्र,	22-3-84
	अयरा मन	हासपेट	(पूर्वाह्न)
9.	श्री एम०ए० मोदक	दूरदर्णन केन्द्र, पुणे	1-3-84
			(पूर्वाञ्च)
10.	श्रीडी० के० जैन	ू दूरदर्णन केन्द्र, रायपुर	2-4-84
-	, ,	d	्पूर्वाह्म)
11.	श्री रामानन्द मिश्रा	दूरदर्णन केन्द्र, लखनऊ	3-1-84
'		4	उ−1- ७ 4 (पूर्वाह्म)
			(A 3 1 (8)

मार्क्स एन० एलियास, प्रशासन उपनिदेशक (ई) कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नर्ड दिल्ली, दिनांक 17 भ्राप्रैल 1984

सं० ए०-12026/2/82-एम०-(एफ० एण्ड एस०)-राष्ट्रपति ने श्री एस० जार्ज को 27 जनवरी, 1982 (पूर्वाह्म)
मे ग्रागामी ग्रादेशों तक प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर जवाहरलाल
स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवम् श्रनुसंधान संस्थान, पांडिवेरी
में रजिस्ट्रार (एकादमिक) के पद पर नियुक्त किया है।

पी० एन० ठाकुर, उप निवेशक प्रशासन (सी० एण्ड बी०)

कृषि मंत्रालय

(कृषि अं) र सहकारिता विभाग) बमस्पति रक्षा, संगरोध श्रौर संग्रह निवेणालय फरीदाबाद, दिनांक 12 अप्रैण 1984

सं० 7-67/83-प्रशासन श्रनुभाग-1 (ख)--इस निदेशालय में नियुक्त श्री प्राई० एस० तिरपुड़े, बनस्पति संगरोध निरीक्षक को सहायक कीटिविज्ञानी के पद पर रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के बेतनमान में 14 मार्च 1984 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेश होने तक वनस्पति संगरोध एवं प्रधुमन केन्द्र, भावनगर में श्रम्थायी तौर पर नियुक्त किया जाता है।

के० डी० पहारिया वनस्पति रक्षा सलाहकार भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग नरौरा परमाणु वि**द्यु**त परियोजना

न०प०वि०प० कालोनी विनांक, 21 ग्रप्रैल, 1984

सं न० प० वि० प०/प्रशा/भर्ती/11(6)/84/एस/2944—स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्त चयन श्रेणी लिपिक श्री स्रोम प्रकाश की, प्रधिसूचना सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/11(1)/एस/3046 दिनांक 10-04-1984 द्वारा तवर्ष स्राक्षार पर इस परियोजना में स्थानापन्न सहायक कार्मिक प्रधिकारी के पद पर की गई नियुक्ति, दिनांक ग्रप्रैल 10, 1984 के श्रपरान्त से समाप्त की जाती है।

एम० एस० राव मुख्य प्रशासन श्रधिकारी

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 मप्रैल 1984

सं० ए०-32014/1/83-ई० एस०--क्षेत्रीय निदेशक विस्ली क्षेत्र, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिस्ली के कार्यालय के श्री एस०एन० शर्मा, प्रशासनिक स्रधिकारी (तद्यं) (समूह "ख" पद) ने निवर्तन स्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 29 फरवरी, 1984 स्रपराङ्ग से प्रशासनिक प्रधिकारी के पद से स्रपना कार्य-भार छोड दिया है।

वि० भौमिक सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 19 मप्रैल 1984

सं० ए० 32013/10/83-ई० सी०—राष्ट्रपति ने महा-निदेशक नागर विमानन कार्यालय नई दिल्ली के श्री के० एस० कृष्णा मूर्ति, सहायक निदेशक संचार को दिनाक 19-1-84 (पूर्वाह्म) से 6 भास की श्रवधि के लिए या पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तर्द्य धाधार पर उप-निर्देशक नियलक संनार के ग्रेड में सियुक्त किया है लगा उन्हें अंबोध नियंत्रक सचार के रूप में बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई पर तैनात किया है ।

> श्रो० पी० अग्रवाल महायक निदेशक प्रशासन

वन घनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 21 श्रप्रैल 1984

सं ० 16/411/83-स्थापना-ाँ—संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली की सिफारिश पर श्रद्यक्ष, वन श्रनुसंद्यान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री के० सुकुमार की राज्य वन सेवा महाविद्यालय एवं श्रनुसंद्यान केन्द्र, वर्नीहाट (श्रसम) में व्यायाम एवं श्रीड़ा श्रनुदेशक पद पर दिनांक 26 श्रगस्त 1983 के पूर्वाह्र से श्रागामी श्रादेश होने तक श्रम्थायी रूप से महर्ष नियुक्त करते हैं।

गृरवख्श सिंह ग्रोवर कुलसचिव वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

विधि, न्याय और कम्पनी कार्यं मंत्रालय (कम्पनी कार्यं विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कस्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर मैन्चुरी टावर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

नई दिल्ली, दिनांक 10 भ्रप्रैल 1984

स॰ 12015/8671—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्ढ़ारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सैंचुरी टावर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत ने किया गया तो रिजस्टर से काट दिया आयेगा और उक्स कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

हर लाल सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी मिधिनियम 1956 और "एस० ए० बी० पटेल प्राइवेट लिमिटेड" के विषय में ।

पांडिचेरी, दिनांक 16 घ्रप्रैल 1984

सं ० 128/560(3)-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अधसान पर "एस ए० बी० पटेल प्राइवेट लिमिटेड" का नाम इसके प्रतिकृत कारण

दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायना और उक्त कम्पनी विश्वटित कर दी जायगी।

> बी० कोटेप्रवर राव कम्पनियों का रजिस्ट्रार, पांडियेरी ।

आध्र प्रदेश टेक्नोकाटस इंडस्ट्रियल एस्टेट प्राइदेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है ।

भम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर विशाखा मूबिस लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 23 भ्रप्रैल 1984

सं० 896/टी० ए०-111/560-कम्पनी ग्रिधिनियम की धारा 560 की (5) के ग्रनुसरण के एतद्द्वारा सूचना दी जाती हैं कि विशाखा मूविस लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विष्टित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर श्रांश्र प्रदेश टेक्नोकाटसं इन्डट्रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 23 ग्रप्रैल 1984 सं॰ 1395/टी ए III/560—कम्पनी प्रधिनियम की धारा 560 की (5) के श्रनुसरण के एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर काट सिल्क श्रपरत्स श्राइवेट - लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 23 श्रप्रैल 1984

सं० 2014/टी० ए० III/560—कम्पनी ग्रिधिनियम की धारा 560 की (5) के अनुसरण के एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि काट सिल्क ग्रपरल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम धाज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

त्रि० एस० राजू कम्पनियों का रजिस्ट्रार ग्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद प्रेंक्प बाह⁴. टी. एन. एस. *----*

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निर्देश सं० अ ई०-4/37 ई० ई०/1533/83-84--अत: मुझे, विजय रंजन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी मं० भाँप नं० 14, ग्राउंड क्लोर, जयेश आपार्टमेंट्, ज्युराज नगर, बोरीबली (पिष्चम) बम्बई-92 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रक्षिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 2-8-1983

को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विदयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मुश्कि है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क न निम्नीस्थित उद्देश्य से उस्त अंतरण निश्चित में बास्तिक क्य से कृषित नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के अंतरक के दामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/मा
- (ब) ऐसी किसी आम वा किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा औ विष्:

भात: अब, उपला अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभाग (1) के अभीन, निरनित्तित व्यक्तियों, अभीत्:--- (i) जयं राज जिल्डसी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिनी रवृनायन ग्रीर श्री ए० सी० रवृनायन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उन्त स्थात्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के एकपन में श्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जनिथ, को भी अविध नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वाए;
- (क) इस सूचना को राज्यका में प्रकाशन की तारींक से 45 वितृ को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकचुच किसी अन्य स्थावत द्वारा, अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थळीकरण:---इसमें प्रमुक्त कर्कों और पर्वों का, जो उक्त विश्वीकरण:---इसमें प्रमुक्त कर्का क्ष्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिया गया हुँ।

जम्सूची

शॉप नं० 14 ग्राउंड फ्लीर, जयेण आपर्टीमेंट्स, जयराज नगर, बोरीक्ली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थितहै। अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० आई-4/1533/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-4-1984

मोहर:

प्रकृत नार्षः, दी. सुन्, एवं हु----------------

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्थना

भारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निर्वेण सं० अ ई०-4/37 ई० ई०/1576/83-84---अतः मुझे, विजय रंजन,

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रकार प्रवाद 'उन्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, वह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी मं० विनायक अपार्टमेंट्स, 593, गांवठाण रोड़ है तथा जा दिहसर (पिश्वम), बम्बई-400,068 में स्थित है भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 9 अगस्त 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित वाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का वृत्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्नसिविक उद्वोद्य से उनत बन्तरण लिवित में वास्तिक कम से किथत नहीं किया गया है :-

- (क) शन्तरण वे हुई कियी- नाय की वायत, अवस वीधीनयत के संधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कभी करने या जबसे त्यने में नृतित्य के लिए; बीड/वा
- (च) ऐसी किसी नाव या किसी भन या वस्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जावकार विधीनसर्थ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर व्यथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया वाना वाहिए था, जिन्माने में सुविभा के सिए;

नतः जन, उस्त निमिनियम की भारा 269-ग के ननुसरण में, में, उस्त निभिनियम की भारा 269-च की उपभाषा (1) कै कभीन, निम्नसिसिस न्यन्तियों, स्थात् इ--- (1) मेसर्स वाख्या बिरंडर्स

(अन्तरक)

(2) श्री होसाबेटटी नारायणा

(अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्च भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्याख्डीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

विनायक अपार्टमेंट्स, 593, गांत्रठाण रोड़, वहिसर (पश्चिम), बम्बई-400 068 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कं सं अ ई०-4/1576/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजे•४, बम्बई

दनांक: 12-4-1984

मोहर ह

प्ररूप भार .टी. एन. एस. ------

सायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1984

निर्देश सं० अ ६०-III/37 ६० ६०/2788--अतः मुझे, अ० लहीरी,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 8, सी है तथा जो बिल्डिंग बीप भवन, पुष्पा पार्क, दफ्तरी रोड़ मालाड बंबई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा झायकर अधिनियम की 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, विनांक 1 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उच्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; अरि/या
- (प) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अपित्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, ज़िम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) श्रीमती पी० पी० शाह,

(अन्तरक)

(2) चंद्रकला थानवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अध्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लैट नं० 8, सी बिस्डिंग, दीप भवन, पुष्पा पार्क, वफ्तर रोड़ मालाड बंबई ।

जिसका करारनामा बम्बई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 1-8-83 को अनुसूची ऋं० सं० अ ई०/III/1144 को रजिस्टई हुआ है।

अ० लहींरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11-4-1984

प्रकथ् नार्ह्यं, टी. १५ तु एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुधीन सुचना

भारत सुरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विनांक 9 अप्रैल 1984

निर्देश सं० अ ई०III/2823/83-84—अत: मुझे अ० लहीरी। जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० पलैट नं० ई-1, श्रीराम भवन, म्युनिसिपल कालोनी के सामने है तथा जो मालवाना मार्ल्य रोड, मालाड बम्बई में स्थित है 269 का, ख के आधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है, दिनाक 17 मार्च 1983 को पृत्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित

में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपक्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिशियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों:—— (1) श्रीराम बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री एम० मेहता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी क्यन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बुधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनस ची

क्लैट नं ६-1, श्रीराम भवन, म्युनिसिपल कालोनी के सामने, मालवानी मार्वे रोड़ मालाइ बंबई ।

अनुसूची जैसा कि कं र सं व्य ई र III/37 ई र ई र 1126 भौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० महीरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांघः: 9-4-1984

प्ररूप माइ . टी . एन . एस . -----

नायकरु अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के मुभीत सुच्ता

माउत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निर्देश सं० अ ई०-4/37 ई० ई०/1573/83-84--अतः मुझा, विजय रंजन,

नायकर निर्मायम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सुम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

बौर जिसकी सं० रूम नं० 10, विराज आपर्टमेंट की-आपरेटिय सोसायटी, विहलेज एक्सार, दौलते नगर, बोरीवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 का, ख के अशेन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्याजय में रजिस्ट्री है, दिनांक 9 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उभित बाजार गूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के जीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से द्राय अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से द्राय अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से द्राय अन्तरण निम्नलिखित जैं वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण् से हुई किसी बाग की बागत उक्त विभिनियम के वभीन कर दोने के कम्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भूत या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर जीभीनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभीनियम, वा भन-कर अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था छिपाने में सुविभा के सिए;

बतः अव, उन्त विधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) जयदीय कम्स्ट्रमहास कंपनी

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती प्रतिभा पी० कामवार और अन्य (अन्तरिती)
- (3) श्री धनेन्द्र भगवानदास कामदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) अन्तरिती
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसवक्ष है)

को यह भूचना जारी अध्रके पूर्वितत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कार्ड भी आक्षेप रे---

- (क) इस सूचना के राज्यक् में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की अवधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वापः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबब्ध किसी जन्य स्थावत द्वाप जभोहस्ताक्षरी के शक्त लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उकत विभिन्नमा, को कथ्याय 20-क को परिभाषिक ही, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याद को विका गया है।

मन्पूर्या

क्रम नं० 10, विराज अपार्टमेंट को-आप० सोसायटी, विहलेज एक्सार दीलत नगर, बोरीवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋं० सं० अ ई०-4/1573/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन; सक्षम प्राधिकारी सहायन आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांका: 12-4-1984

प्रकृत सार्द . सी . एवं . एक . -----

जासकर जीधनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्वना

शारत बरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निर्देश सं० अ ई०-4/37 ई० ई०/1504/83-84---अत: म्झे, विजय रंजन,

नायकर निभिन्नयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिन्नयम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार भूल्य 25,000/रा. से निभक है

और जिसकी सं० गाप नं० 6, जगन्नाथ अपार्टमेंट, रोकाडिया लेन, बोरीवली (पश्चिम), बस्वई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कररारनामा आककर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बस्वई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 22 अगस्त 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पामा गया प्रति-क्ला निम्निसित उद्वेद्य से क्ला कल्पूर्ण सिधित में शस्तिक कम से कि भित नहीं किया ग्या हैं.--

- (क्य) जन्तरण तंहुदं कियी बाव का बाबत, अक्स विधित्रवृत के जधीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के शिष्ट: और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 शि 1922 का 11) या उनत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती हुवारा प्रकट नहीं किया गना था सि या जिन्या जाना थाहिए था, छिपान में वृद्धिया की जिन्दा

जतः जयः, उक्त अधिनियमः, की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियमः की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीनः, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् स—— (1) प्रगति बिल्डेसी

(अन्तरक)

(2) श्री दिलीप हरिकान दास महता

(अन्तरिती)

(3) प्रगति बिरूडर्स . (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियों करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सर्कोंगे।

स्वाचीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों गूँद पूर्वों का, जो अवत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही नर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नमृत्यी

शाप नं० 6, जगभाय अपार्टमेंट, रोकाडिया लेन, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋं० सं० आ ई०-4/1504/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनांक 22-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

विनांक: 12-4-1984

मोहर 🖫

प्रकृष कार्यः, दी_ल थ्न_ल एत्_ल------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सकता

भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक कायकर भाग्यत् (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अप्रैल 1984

निर्देश सं० अई०—III/37ई०ई०/2550/83—84——अतः मुझे, ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूट. से अधिक है"

और जिसकी सं० शाप नं० 10, ग्राउंड फ्लोर, 59, नेहरू रोड़, वाकोला क्रिज, मांताकुज (पूर्व), बम्बई—55 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका कररारनामा आमकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के शायिलय में रजिस्ट्री है, दिनांक 6 अगस्त 1983

क्यं पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात कारने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य., उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी वार्य की वावत, शब्द बीधीनवम् के बुधीन कार दोने के बन्तरक के वावित्य में कभी कारने या सबसे वचने में जनिया के सिए; बीड़/वा
- (थ) एसी किसी बाव वा किसी धन या अन्य बास्तियों को, चिन्हें भारतीय बायकर विधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अव, उन्त अधिनियन की भारा 269-म के जनुसरक भें, में उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री विठठ्लभाई बल्लमभाई गिरनारा

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद इक्तवाल कुरेशी

(अन्त(रती)

(3) श्री विठ्युलभाई वल्लभगाई गिरनारा (यह व्यक्ति, जिसके अधिशोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्मृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🎞

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशांकत अ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यादत व्यादत;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

क्युक्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

मन्त्रकी

णाप नं ० 10, ग्राउंड फ्लोर, 59, नेहरू रोड़, वाकोला ग्रिज, सांताकुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋं० सं० अ ई०—III/37 ई० ई०/1085/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 4-4-1984

भोहर :

प्ररूप <u>जाह[®], टी. एन_ः एस.-------</u>

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

(1) मै० रोकजिया इंटरप्राइसेस

(अन्तरक)

(2) श्रीएल० के० शाह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निर्देश सं० अ ६०-II/37 ६० ६०/5315---अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 /- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 51,15 वां माला, रोकडिया निकेतन, पारसी पंचायत रोड़ अंधेरी तम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 1 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से काम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती '**(अंतरितियों) के बीच ए**से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैंंः—

- (का) जन्तरण से हुड़ किसी शाय की बाबत, उक्त मिपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दासित्व में कमी करने या उससे बचने में स्थिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाता चाहिए था, छिपार यो तिवधा केलिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मौं, उक्त अधिनियन की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात: —

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित**बद्ध** किसी अन्य व्यक्ति दुनारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

नम्स्ची

फ्लैट नं० 51, पांचवामाला, रोक्षड़िया निकेतन, सी० टी० एस० नं० 141 बी सं० नं . 50 हिस्सा नं० 3, मौजा मोग्रा, पारसी पंचायत रोड़, अंधेरी बंबई ।

अनुसूची जैसा कि ऋं० सं० अ ई०/2/37 ई० ई०/5315/ 83-84 और जो बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में हिनांक 1-8-83 को रजिस्टर्ड किया गया।

> एस० एच० अब्बास आबिदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैज-2, बम्बई

दिः(का: 12-4-1984

मोहर:

3-56GI/84

प्ररूप वाइं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली वस्वई, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निर्वेश सं० अ ६०-2/37 ६० ६०/5431/83-84-अतः मुझे, एस० एच० अब्जास सबिदीः,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 303, 3री मंजिल, ए-विंग, धनश्याम कृपा को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड मनीष नगर, चार बंगला, जे० पी० रोड़ अंधेरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 8 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रथमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार
मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्रथमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
बया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित
के वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के प्रंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कतो, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया, गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिम्धा के लिए:

भतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (।) के नधीम, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री कंजेटन झेवीयर लोबो।

(अन्तर्क)

(2) मेससं स्पन इंजिन कूलींग सिस्टम प्राईवेट लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिहार कार्यवाहियां करता हुएं।

उन्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्स क्यितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्यी

पलैट नं० 303, 3री मंजिल, ए—विंग, श्री घनश्याम कृपा को—आपरेटिव हाऊर्सिंग सोसाईटी लिमिटेड, मनीष नगर, चार बंगला, जे०पी० रोड, अंधेरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि फं० सं० अ ई० -2/37 ई० ई० 5431/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 8-8-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एस० एष० अब्बास अबिदी, संक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 12-4-1984

शक्य वाहाँ दी प्रदापका ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सचना

तार्व बर्जा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 12 अप्रैल 1984

निर्देश सं० अ ई०-2/37 ई० ई०/5361/83-84-अतः मुझे, एस० एच० अञ्बास अबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उमत अधिनियम' कहा ग्या है), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव बेंशीर माप नंव 14 तल मंजला, 4 बंगला अंधेरी बंबई में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 262 क, खके अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 6 अगस्त 1983

को प्यामित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक स्पृ से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अभिनिय्स के अभीन कर दोने की अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे अजने में सृविधा को लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा थे लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;---

(1) मै० रवीराज कंस्ट्रक्शन

(अन्तरक)

(2) मैं । तीरूमती इंटरप्राइसेस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के हैं सूछ कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पृक्तियों में से किसी स्पृक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के ट्राअपन में प्रकाशन की तारीं स ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितव्यूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५वीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हीं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

अनुसूची

बेंसीर शाप नं 0 14, तल मंत्रना, प्लाट नं 0 9/9 अ, सं० ऋ० 41, 4 बंगली, ओर्शावारा अधेरी बंदई।

अनुसूची जैसा कि कं० सं० अ ई०/II/5361/83-84 और जो बंबई के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिलांक 6-8-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अन्त्रास अबिदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायन आयार आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेंज-2, बम्बद

दिनांब : 12-4 1984

मोहर 🗈

प्रस्कृताई : ठी : एव : एस : ५-----

· भ----- (1) मै० रोकड़िया इंटरप्रा**इ**सेस

(अन्तरक)

(2) श्रीकी० एम० पटेल

(अन्तरिती)

नायकपु स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के स्थीन स्चाना

शारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निर्देश सं० अ० ई०⊸II/37 ई० ई०/5316/83--84---अतः मृझे, एस० एच० अब्बास अविदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11, पहला माला, राकडीया निकेतन, पारसी पंचायत रोड़ अंधेरी बंबई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्रांधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार स्म्य उसके रूपमान प्रतिफल के एसे रूपमान प्रतिफल का पन्तर अपित का अचित वाजार स्म्य उसके रूपमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरण के लिए तम पामा ग्या प्रतिकस, निम्नलिकित उद्देश्य से उसल मृत्तरण कि सिंस में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उस्त अधिपियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे यचने में सुविभा के बिए; जोड़/भा
- (या) एसी किसी बाय या किसी ध्रा या क्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आप कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

वृत्तः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा १८०-व की स्पनारा (1) अं अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- करे यह सुचना भारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

टक्त सम्पत्ति के अर्जन के संसंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँकत ज्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच थे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हिसवय्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अभोहस्ताक्षरी के पाध निखित में विन्ए पा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त लिटिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही भूथ होगा, जो उस अध्याय में वियां गया हुँ।

अनुसुची

फ्लैट नं 11, पहला माला, रोकड़िया निकेतन, सी० टी० एस० नं 141व सं० नं 50 मौजी मोग्रा, पारसी पंचायत रोड़ अंधेरी बंबई।

अनुसूची जैसा कि कं० सं० अ० ई० III/37 ई० ई०/5316/83-84 और जो बंबई के सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में दिनांक 1-8-83 को राजस्टर्ड किया गया है।

> एच० एस० अञ्जास, अबिषी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, **बम्बई**

दिनांभ: 12-4-1984

मोहर:

प्रकृप आहें . टी . एम . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, धंबई

बंबई, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निर्वेश सं ० अ० ई०-III/37 ई० ई०/2614/83-84---अत: मुझे, ए० लाहिरी,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं फ्लैट नं 7, गारेडिया नगर गीता की -आप हा जिसग सोसायटी निमिटेड, प्लाट नं 166, गरोडिया नगर, घाटकोपर, बम्बई- 400 077 में स्थित है (और इससे जपबाइ अनुसूची में; और पूर्णस्प से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बंबई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 16 अगस्न 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण मिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वार अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अत्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, किया सृष्या के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) श्री प्रदीप कांतीलाल देसाई

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रूपालता नरेन्द्र धुल्ला और, श्रीमती खुशमन सुरेश धुल्ला

(अन्तरिती)

कां यह सूचना वारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विषय कार्यवाहियां करता हो।

तजत सम्पत्ति के अर्जन के समयत्व मां कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाछ निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पत्नैट नं० 7, गरोडिया नगर गीता को-आपरेटिव्ह हार्जीसंग सीसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 166, गरोडिया नगर, घाटकोपर, बम्बई-400 077 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फं० सं० अ० ई०-III/37 ई० ई०/1101/* 83-84और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज III, बस्बई

दिनांक : 9-4-1984

मोहर 🖫

प्रसम आहाँ.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन स्थना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निर्देश सं० अ० ई०:-4/37 ई० ई०/1523/83-84--अत: म्झे, विजय रंजन

नामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम्' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थावर सम्प**न्ति, जिसका उधित **थाजार मृ**ल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० प्लाट नं० 9, 2र्रा मं जिल, ''बी'' विग, 'आदित्य पार्क', सी० एस० रोड़, परिरार (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, खंक अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्दी है, दिनांक 20 अगस्त 198 3.1

को प्रान्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य संकम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करनं का कारण है कि यथापूर्वीक्त सेपीस का उचित बाजार मुल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आप की यामत, **अन्त** अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक की बाबित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुनिधा के सिए; भरि√या
- (का) ए सी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्ही भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को सिए:

अतः अध, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

(1) गोयल बिल्डर्स प्राईवेट लिभिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री एम० विठठ्लदास प्रभू और, श्रीमती सुधा वी० प्रभ्

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**वा से** 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, भो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितवद्भ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वासकेंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त कृद्धों और पदौका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं। ं

भग्सूची

फ्लैट नं० 9, 2री मं जिल, ''बी'' विग, ''आदित्य पार्क'', सी० एस० रोड़, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋं० सं० अ० ई०-4/1523/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 20-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनोक: 12-4-1984

मोहर:

प्ररूप आर्ड.टी. एन. एस. -----

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1984 निर्देश सं० अ० ६०-III/37 ६० ६०/2601/83--84---अतः मुझे, अ० लहीरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

अगैर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी०/13, सी०टी० एस० नं० 694 से 699, व्हिलेज कोले कल्याण, वाकोला बम्बई—55 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन् सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी किया है, दिनाक 16 अगस्त 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिक्कित में वास्तविक रूप से किश्रत नहीं किया गया है —

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और /या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिन्हों भारतीय आय-फार अधिनिएम, 1922 (1922 वा 11) या जनम अधिनिएम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकार नहीं किया क्या था भा किया जाना चाहिए था, छिपाने में साँवभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स गोल्ड काइन बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गरीया अलेक्स डिमुझा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त संपरित के अर्थर के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपंच में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकश्याः ---इसभी शहात शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित श्री, कहा तथ होति। को उन अध्याय में दिया गमा हा।

अन्स्ची

फ्लैटनं० बी/13, सी०टी० एस० नं० 694 से 699, विहलेज कोले कल्याण, वाकोला, बम्बई–55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फिल्सं अरुई । III/37ई । ई । 1105/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अं लहीरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 3, बस्बाई

दिनांबः: 9-4-1984

मोहर :

प्ररूप् आह्र . टी . एन् . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जंन रेंज II, बम्बई बम्बई, विनांक 12 अप्रैल 1984 निर्देश सं० अ० ई० II/37 ई० ई०/5487/83-84--अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं मिनिष सोनल को-आप व हाउसिंग सोसायटी, बिलिंडिंग नं 25/26, मनीप नगर, अंधेरी (पिक्चिम), बम्बई — 400 058 में स्थित है (और इससे उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 म, ख के अधीन सक्षम प्राधि - कारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 12 अगस्त

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्दर्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित स्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) श्री रमेण कें बालानी और सिमा रमेश बालानी (अन्तरक)
- (2) श्रीमती बालसुक्रहमण्यन संगलम (अन्तरिती)
- (3) अन्तरक (वह ध्यनित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुस्ची

मनिष सोनल को-आपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी, बिल्डिंग नं० 25/26, मनिष नगर, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋं० सं० अ० ई०-II/37 ई० ई०/5487/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अश्विदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त ॄै(निरीक्षण) अर्जन रेंज II, नुसर्फ्

विनोक: 12-4-1984

मोहुरु 💈

प्रस्य नाइ. टी. एन्. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंझ, पूता

पूना दिनांक 20 मार्च 84

निर्वेश सं० सी० ए० 5/1096/83-84--अत: मुझे, शशिकांस कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० नं० 717/1बी/1/1ए/12 बी प्लाट नं० 12/4बी पाटिल कामोनी लेन नं० 3 नासिक है तथा जो नासिक में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णक्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक नासिक में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी माम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दीने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उसते समाने में सूर्तिभा के सिए: और/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में स्विधा के लिए;

(1) श्री बी॰ डी॰ खेडकर,269, फावड़े लेन,नारिक-1,

(अन्तरका)

(2) श्री एन० एल० पोदार, 4612/के पोदार भवन, पुराना आंग्रा रोड़, पंचवटी नासिक,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् 🏖

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वमा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितयव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताकरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरमः :---इसमें प्रयुक्त सन्धां भीर पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं नर्थ होगा को उस मध्याय में दिया गया है।

अनसर्वी

शार० एस० नं० 717/141/1/1/1241 प्लाट मं० 12/441 पाटिल कालोनी लेन नं० 3 नासिक।

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3545 जो तारीख सितम्बर 1983 को दुग्यम निबंधक नासिक के दफ्तर में जिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 20-3-84.

प्रकृप काइ . ही . एन . एस . : :------

नायकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय सहायक बायकार **बायुक्त** (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 5 अप्रैल 84

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/562/84-85---अत: मुझे, शश्चिकांत कुलकर्णी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, राजिकरण अपार्टमेंट, प्लाट नं० 87, सं० नं० 50-52-53 (ए), पार्वेती, पूना 9 है तथा जो पूना-9 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णेरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नं० 975/अगस्त 1983

को पूर्वीक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान इतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चरेय से उच्च अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत न उक्त अधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या जुन्ते अधिनियस, या धन-कार अधिनियस, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

क्षतः अय, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरणं मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स चोपड़ा डेव्हल्यर्स,
 219, सोलापुर, बझार,
 पूना-1,

(अन्तरकः)

(2) श्री चंद्रकांत बिटुल मानमधे299, घौरपडे पेठ,पूना~ 2,

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उस्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ा--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पुर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास चिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हो।

असम्ब

पलैट नं० 3 राजिकरण अपार्टमेंट प्लाट नं० 87, सं० नं० 50-52-53 (ए) पर्वेती, पूना-9। (जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/975/पूना/83-84 तारीख अगस्त 83, को सहायक क्षायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (नरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 5-4-84.

मोहर:

प्रकृप भाई • टी • एन • ए स • -----

मायकर मिलियम, 1981 (1981 का 43) की छारा 269 व (1) के प्रधीन सुबना

भारत तरकार

कार्यांसय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 5 अप्रैल 1984

निदेश नं० सी०ए० 5/37ईई/563/84-85-अस: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं आफिस नं 107, 501, घोरपडे पेठ, पूना-2 है तथा जो पूना-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, नं 882/ तारीख अगस्त 83

को पूर्वोक्त सम्परित के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व है और मूक्ते यह जिल्हाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निष्कित में बास्तिक है से से किया गया है है—

- (क) बन्तरण सं हुन्दं किसी बाय की बाबत उप्तत आर्थ-ट्रिनयम् के अभीन् काट दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा औं लिए;

बतः अधः, अवतं विधिनियमः, को धारा 269-ए के अनुसङ्ख में, में,, उबतं अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) हे अधीतः, निम्निलिवित स्योगित्यों, अधीतः हम्म (1) श्री हरिनारायण पन्नालाल मालयाणी, 538, गुक्रवार पेठ, पूना-2,

(अन्तरक)

(2) श्री रिवकांत वसामय खेडनर,496, शुक्रवार पेठ,पूना-2,

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

भ्यष्टीक्षरणः --इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पर्दों का, जो सक्त जिल्लानियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही धर्म होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 107 पन्ना चेम्बर्स, 501 घोरपडे पेठ, पूना-2।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/882/पूना/83-84 ता० अगस्त 83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिक्षांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, पूना

तारीखाः 5-4-84 मो**हर**् प्रकृष् बाह्यं, द्वा युद् तु युद्ध -------

बायकर मुर्टिभियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के मुभीन सुचना

भारत प्रकार

कार्याक्ष्य हाराक भागकर नायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, पूना

पना विनोक 5 अप्रैल 84

निवेश नं सी ०ए० 5/37ईई/564/84-85--अत: मुझे, शशिकांस कुलकर्णी,

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ब के सभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मुस्य 25,000/- रा. से सिथक ही

और जिसकी सं० आफिस नं० १ और 11 601, धारपडें पेठ, पूना—2 है तथा जो पूना—2 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, नं० 430 तारीख अगस्त 83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को वास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के बन्तपुक को दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आहु/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिल्ह भारतीय आयकर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम् की भाग 269-व के अनुसरण जै, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) श्री हरिनारायण पन्नालाल मालयाणी, 1538, गुक्तवार पेठ, पूना-2,

(अन्तरक)

(2) शेठी उद्योग भंडार, 501, घोरपडे पेठ, पूना-2,

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कंटके पूर्वीक्त संपृत्ति के सूर्वन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उस्त स्व्यिति के सूर्वन के सम्बन्ध में कोइ भी बाधोप इ--

- (क) इस सूचना के ग्रुजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, चो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स म्युक्तियों में से किसी म्युक्ति द्वाग्रः
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस ये 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी बच्च व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वी

आफिस नं० 9 और 11 पन्ना चेंत्रसं, 501, घोरपडें पेठ, पूना-21

(जैसे कि राजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/430/पूना/83-84 नाउ अगस्त 83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलक्षणीं सन्नम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारी**ख**ः 5-4-84

मोहुदु 🛭

प्रकृत वाही, ही, एन, एवं

जायकपु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा .269-ज (1) के जुभीन सूचना

भारत सहकार

. कार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्त (निरुक्षिण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-50513, दिगांक 5 अप्रैल 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37-ईई/84-85/565---यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० काटेज यूनिट नं० 17की, सि० सं० नं० 116/1 है तथा जो लेनावल, जि० पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-8-1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थामन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफन, निम्नसिचित उद्देष्य से उक्त बन्तरण जिन्ति के बाल्तिक क्य वे कीन्त् वहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबस उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) इसी किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियों को, विन्हें भारतीय नायकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, मा भन-कर अभिन्यम, 1957 (1957 का 27) अर्थे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत ज्ञान निम्तियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत जिधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखक व्यक्तियों, जर्थात् ः--

(1) श्रीमती सत्यवती कश्यप,वायोमिंग, 12-ए, लिटा गिल्त रोड,मलबार जिल०- बम्बई-6

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सेलया अन पादुआ कृष्ण कुंज, गोखले रोड, बादर बस्बई—28 ।

(अम्लरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया युवा है।

अनुसूची

काँटेज यूनिट नम्बर 17-बी, सी० एस, नम्बर 116/1, तंर्गाल, ता० कावल, जि० पूना ।

. (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नम्बर 37 ईई/937/83-84 तारीख 9-8-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के सपतर में लिखा है।)

> शशिकीत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कर्जन रेंज, पूना

विनीमः : 5-4-1984

मोहर 🖫

प्रकृष् आई.टी.एन.एस.-----

कायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के मभीन सुभना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, 50513, दिनांक 27 मार्च 1984

निवेश सं० सी ० ए० 5/37ईई/84-85--यतः मुझे, शशिकांत कूलकर्णी,

श्रायक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, दूसरी मंजिल, आर० एस० नं० 69, एच० नं० 1/1/5 है तथा जो डोंबीवर्ल, में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णरूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोक अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमाम प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण कि लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण के लिए तय

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया भागा भाहिए था, कियाने में सुविधा से दिक्या

अतः उक्ष, उक्षत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात .क- (1) श्री मोन जी कोरणी णाह, सुवामा भवन, घ० गुप्ते रोड, गेंबिवर्ल (वेस्ट) जि० थाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकांत पुरुषोत्तम मोक , 20, मिबाजी हाउसिंग, सोसायटी, पुना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के अर्जन के निष्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 विन की जबिध, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्र्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिमित में किए जा सकींगे।

स्पृथ्वीकरण :--इसमें प्रयुक्त सख्यों और पूर्वों का, जो उक्त विश्वनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 202, दूसरी मंजिल, भार० एस० नं० 69,हा० नं० 1/1/5, तिलक रोड, डोंबिवर्ल (ईस्ट), जि० थाना / क्षेत्र-468 स्कवे० फीट ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नम्बर 37 ईई/याना/83-84/अगस्त 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के बक्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 27-3-1984

प्ररूप मार् ुटी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत बुदकार

कार्यांन्य, सहायक अत्यक्तर आगुवत् (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, 50513; दिनांक 6 अप्रैल 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/1097/37 जी/84-5-यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें परचात उक्त अधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-स कें अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं प्रलाट नं 4 सी एस ० नं 231-ए ई० बार्ड की ल्हापुर एरिया 8500 चीरस मीटर है तथा जी की ल्हापुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबन्धक की ल्हापुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के सिए; और/या
- (क्य) एसी किसी जाय वा किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः भा या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब्, उत्सर्जाधीनयम की भाषा 269-ग के जनुसरक में, में उक्त अधीनयम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री व्ही ० एस० भोसले,
 2. श्री ए० एस०, भोसले,
 3. जे० एस० भोसले,
 231/ए ई० वार्ड ताराबई पार्क कोल्हापुर।
 . (अन्तरक)
- (2) श्री सांजन लक्ष्मण दास दुधानी

 2. सुजान लक्ष्मणवास दुधानी

 शंकर लक्ष्मणवास दुधानी

 37/18 गांधी नगर कोल्हारपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावित संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त शांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

प्लाट नं० 4 सी० एस० नं० 231/ए ई बार्ड कोल्हापुर एरिया 8500-भीरस फुट । (जैसे कि रिजिस्टीकत नस्बर 3808 जो धारीख का

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नम्बर 3808 जो सारीख अगस्त 1983 को दुय्यम निबन्धक कोल्हापुर के वफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 6-4-1984

मोहर:

प्ररूप आई. दी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

. भारत् सुरकार्

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

ंपूना, दिनांक 5 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/1098/84-85---यतः, मुझे, शशिकांस कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रह. से अधिक है

ष्प्रीप जिसकी सं० सी० टी० कोल्हापुर सी० एस० नं० 1141/ के, एरिया 885. 4 षीरस मीटर, कोल्हापुर है तथा जी कोल्हापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबन्धक करिवर कोल्हापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उच्त बंतरण लिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबतः, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्व में कभी करने या उससे व्यन में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयवार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भी स्थिना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती उमा पश्चन्त घोरपडे श्रीमती शुभागी यश्चम्त घोरपडे श्रंगद यश्चन्त घोरपडे भाग्य लक्ष्मी यश्चम्त राव घोरपडे सालाखे नगर प्लाट नं० 188, कोल्हापुर ।
- (2) मीनल को० आ० हाउसिंग सोसायटी लि० चीफ प्रमोटर श्री भूपेन्द्र चन्दुलाल शहा कोल्हापुर ई० थार्ड मकान नं० 616 गली नं० 12, कोल्हापुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप ु---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

मनसर्ची

सी० टी० कोल्हापुर ई-वार्ड सी० एस० नं० 1141/ख/2-अ एरिया—-885.40 चौरस मीटर कोल्हापुर ।

(जैसा कि रजिट्रीकृत नं० 3918 जो तारीख अगस्त 1983 को दुय्यम निबन्धक, कश्विर कोल्हापुर के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॅज, पूना

दिनांक : +5--4--1984

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर आधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन समना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिन:क 6 अप्रैल 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/1099/84-85---यत: मर्से. गणिकांत कुलकर्णी,

जायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार भल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० ६० वार्ड सी० एस० नं० 2922/ए, क्षेत्र 738 भौरस मीटर है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण,रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, द्रय्यम निबन्धक कहिवर कोल्हापूर में, रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक सितम्बर

को पूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रसिवात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्य में कमी करने या उससे अभने में सविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा केलिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात 🔄

(1) श्री संतीष सुरैख मीने कोरेगांस पार्कपुना।

(अन्तरक)

(2) नियाजित अयोध्या का० आ० हाउसिंग सोसायटी प्रमोटर श्री ए० एम० देसाई. र्ध० वार्ष कोल्हापुर, प्लाट नं ०, 590 । मृद्रिया कामोनी --मोल्हापूर ।

(अन्तरिनी)

को यह सचना जारी करके पर्योक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सुभाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां भं से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में **परिभाषित** हैं, बही अर्थहोगाओं उस अध्याय में दिया गया हु।

अनुस्ची

ई० वार्ड सी० एस० नं० 2922/ए, क्षेत्र 738 भीरत मीटर कोल्ह्यापुर ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4829 जो सितम्बर 1983 की दुय्यम निबन्धक करुबिर कोल्हापूर के दपतर में लिखा है)

> शशिकांस कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 6-4-1984

मोहर ५

5-56GI/84

प्रकृप आहें दी , एन , एस . - - - -

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 कर 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांक 5 अप्रैल 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/1100/83-84--थतः मुझे, णशिकात कूलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त शिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

न्नौर जिसकी सं० सी० टी० कोल्हापुर ई० वार्ड सी० एस० नं० 249-ए-9/62 एरिया -1002.7 जीरस मिटर कोल्हापुर है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है, (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ड रूप से विणक्ष है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निवन्धक कोल्हापुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्स, 1983,

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सृतिथा के निए;

अतः अब, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, सें, उत्कत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिति व्यक्तियों. अर्थात् :-- (1) श्रीमती मिलन मैलिम माकोस्मर 3-वार्ड-होस गॅ० 1186 राजाराम पूरी-गली नं०-6 कोल्हापूर ।

(अन्सरक)

(2) निल्मंगा अनार्टमेंट कोआपरेटिय हार्आसग सोसायटी चिक मोटर डा० विजया दिनकर कोरे इ बार्ड-- मकान नं०249/35 कोल्हापुर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृशींक्त सम्पृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हो।

ं सकत सम्परित को जर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियाँ में से किसी स्पक्ति ब्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया स्था हैं।

अनुसूची

सी॰ टी॰ कोल्हापूर इ वार्ड सी॰ एस॰ नं॰249-ए-9/62 एरीया-1002.7 चौरस मिटर ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 347 जो तारीख अगस्य 1983 की द्य्यम निबंधक कोल्हापुर के दफतर में लिखा है)

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

भारीख : 5--4--1984

मोहर :

प्ररूप आहं.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 मार्च 1984

निदेश सं० सी० ए०5/1101/83-84--यतः मुझे, शामिकांत कुलकर्णी.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं॰ मौजे सावेडी तहसील अहमदनगर सर्वे तं॰ 161/1, प्लाट तं॰ 41, एरीया 301 चौरस मीटर है तथा जो सावेडी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक अहमदनगर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विषशास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीध एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उभत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

अतः गग, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) विरावली जीवन दास मोबेराय अहमधनगर।

(अन्तरक)

(2) निर्मेल सह० गृह निर्माण संस्था मर्याविल चेक्परमैन गुलशन कुमार जीवनदास श्रोबेराय लाल टाकी, अहमदनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगै।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

मीजे॰ सावेशी तहसील अहमदनगर सर्वे नं॰ 161/1 प्लाट नं॰ 41 एरीया 301 चौरस मीटर । (जैसी की रजिस्ट्रीकृत नं॰ 2825/जी मारिटम अगस्त 1983 की दुट्यम निबंधक अहमदनगर के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम त्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूगा

सारीख : 21-3-84

मोहर 🖫

प्रकप् नार्<u>षः</u> टो ् एन् ् पुर्यः ------

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निऱरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 मार्च 1984

निवेण सं० सी० ए.०5/1102/84-85--यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या मौजे सावेडी तालुक अहमदनगर सर्वे नंज 161/1 प्लाट नंज 42 एरीया 301 चौरस मीटर है तथा जो मौजे सावेडी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक अहमदनगर में, रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नृहीं किया गया है:--

- (क) वन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत जक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बार/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भून या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए:

बतः अब, उस्त मिनियम की धारा 269 म के बन्सरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) विरावली जीवन दास स्रोबेराय अहमदनगर।

(अन्तरक)

(2) निर्मल सह० गृह निर्माण संस्था मर्यादीत चेअरमैन—गुलशन कुमार जीवन दास श्रोबेराय लालटाकी, अहमदनगर ।

(अन्तरिर्धा)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरितृ को अर्जन् को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्थित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्योकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

मौजै साबेडी सालुका अहमवनगर सर्वे नं० 161/1 जाट नं० 42 एरीया 301 चौरस मीटर।

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं० 2826 जो तारीख आगस्त 1983 को दुय्यम निबंधक अहमवनगर के दक्तर में लिखा है)।

> मशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्रर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख ; 21-3-84

मोहर 🖫

प्रक्रम शाह्र⁴. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पुना, बिनांक 21 गार्व 1984

निवेश संव सीव एव 5/1103/84~85—यतः मुद्दो, शशिकात कुलकर्णी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धूसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा उचित बाजार मृल्य 25,000/-- रु. से अधिक है

म्नीर जिसकी सं मींज सावेडे प्लाट सर्वे नं 161/1 प्लाट नं 13 एरिया 301 चीरस मीटर है तथा जो सावेडी में स्थित है, (म्नीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्नीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्निधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक म्नहमदनगर में, रजिस्ट्रीकरण म्निधिनयम, 1908 (1908 का 16) के म्नधीन, दिनांक म्नगस्त 1983.

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नितिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) बस्तरण से हुई फिसी बाय की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक के दासित्व में कभी करने या उसमें बचने के मृतिका . के लिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय साय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोधनार्थ जन्दिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए के जन्दरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कवल कुमारी गुलशन कुमार श्रोबेराय श्रहमदनगर ।

(ग्रन्तरिती)

(2) निर्मल सह० गृह निर्माण संस्था मर्याधित चेग्ररमेन----गुलशन कुमार जीवनदाम भ्रोबेराय लालटाकी-----ग्रहमदनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्वांबत संपर्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत स्थानित यो में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्ची

भे।जे **सावेडी** प्लाट सर्वे नं० 161/1, प्लाट नं० 13 एरिय 301 च**ीरस मीटर** ।

(जैसे कि रिजर्स्ट्रीकृत नं० 2827 जो ग्रगस्त 1983 को दुय्यम निबन्धक श्रहमदनगर के दफ्तर में लिखा है।)

पशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहाबक ग्रापकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, पूना

विनांक : 21-3-1981

मोष्ठर ह

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

माय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन स्थना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 श्रप्रैल 1984

निर्वेश सं० निरवाना/9/83/84—म्प्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 426|2|9 वर्गगज है तथा जो माडल टाउन के पास, नरवाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, नरवाना में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम. $1908 (1908 \, \text{min} \, 16)$ के श्रिधीन, विनांक श्रगस्त 1983,

को पूर्वीक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीध एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उथत अन्तरण लिखित व दितिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपभाग (1) के अभीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शिवरांम वास पुत्र श्री गंगाराम खत्री निवासी—माडल टाउन, नरवाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला रानी
पितन श्री देवन लक्ष्मन देव
पुत श्री नानूमल,
निवासी—नरवाना मण्डी, जनपद—जींद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जार। करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जनुके लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (■) घस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित हु⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

सम्पत्ति प्लाट नाप 426-2/8 वर्गगज जो माडल टाउन नरवाना में स्थित है। जिसका भ्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नरवाना में रजि॰ संख्या --942 विनोक 19-8-1983 पर विया है।

> श्चार० के० भयामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज, रोहतक ।

दिनोक : 7-4-1984

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 ग्रप्रैल 1984

निदेण सं० सोनीपत/13/83-84-श्रतः मुझे, श्रार० के० े भयाना,

अग्रयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल प्लाट नं० एम०-7 है तथा जो इण्डस्ट्रियल एरिया, सोनीपत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रगस्त 1983,

को पूर्वोक्त सम्पिति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, न्मिनिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूनिधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थीन :--

- (1) श्रीमती कृष्णा राती विद्यता श्री साजैन्द्र कुमार पुत्र श्री कुन्दन लाल नि०—रम-7, इण्डस्ट्रियल एरिया, सोनीपत । (श्रनारक)
- (2) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री सीनाराम पुत्र श्री मुर्गा राम म० नं० 114, एल०, माँडल टाउन, सोनीपत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान। की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सची

सम्पत्ति इण्डस्ट्रियल प्राट नं एम०-7 इण्डस्ट्रियल एरिया, मोनीपत में स्थित है, जिसका श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में, रजिस्ट्री संख्या 3283 विनांक 8-8-83 पर दिया है।

> श्रार**ू** के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, रोहराक ।

दिनांक : 7-4-1984

मोहर 👙

प्ररूप आह". टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-घ (1) के प्रजी**न सू**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 ग्रप्रैल 1984

निदेश सं० सोनीपत/12/83-84---श्रतः मुझे, श्रार० ग्रार० के० भयाना,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रह. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं. इण्डस्ट्रियल प्लाट क्षेत्र० 562 1/2 व० ग० है तथा जो इण्डस्ट्रियल एरिया, सोनीपत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1983 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह, विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्बंध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ को अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री बनारसी लाल पुत्र मोहन लाल सम्बदेश नि >--एम-7, डण्डस्ट्रियल एरिया, मोनीपत ।

(ग्रत्यरक)

(2) 1- श्री सीता राम पुत्र श्री मुन्शीराम
2. श्री तरसीम लाल पुत्र श्री जगत ना।
3 श्री तरेण कुमार पुत्र श्री पृथ्वी जन्द
में नं । 14-एल, मॉडल टाइन, सोनीयन ।
(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की शारी करें 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति प्लाट क्षेत्र० 562 1/2 व० ग० इण्डस्ट्रियल एरिया सोनीपत में स्थित है, जिसका म्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ती के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्री संख्या 3282 दिनांक 8-8-83 पर दिया है।

> श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी संहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्यन रेंज, रोहसक

दिनांक : 7-4-1984

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहराक, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निदेश सं० करनास/46/83-84-अत: मुझे, झार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो मॉडल टाउन, करनाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिज़स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंश्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों)। के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सित्तः;

 श्रीमती पुष्पेन्द्र कौर विधवा श्री समर जीत सिंह सेक्टर---2, चण्डीगढ़

(अन्तरक)

(2) श्री सुखदेन सिंह पुन्न सरदार करतार सिंह नि०-विसरा रोड, रूडकेला जिला---उड़ीसा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उद्यक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशायित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सची

सम्पत्ति मकान मॉडल टाउन, करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्री संख्या 2904 दिनांक 19-8-83 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्_त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--6—56GI/84

विनांक : 9-4-1984

मोहर:

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निदेश सं० जगाधरी/49/83-84--अतः मुझे, आर**०** के भयाना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो खजूरी रोड, यमुना नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृभ्रे यह विद्यास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्ति विक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य गास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणंजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) ो श्री सुन्दर सिंह पुत्र श्री आशा सिंह 2. श्री आज्ञापाल सिंह पुत्र दिवान सिंह नि०--यमुनानगर ।

(अन्तरक)

(2) मैं अवार के नर्ग एण्ड कं इण्टरप्राइजेज बजरिये श्री राज कुमार गर्ग एवम् श्री अमृत लाल श्री रामा नन्द कपूर पुत्र राम लाल कपूर नि --- 226 आर नॉडल टाउन, यमुनानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कार्यन् के सम्बन्ध् में कोई भी आक्षेप् हं---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकेंगे।

स्थव्यीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गुवा है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट खजूरी रोड, यमुना नगर में स्थित है, जिसका विधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जगाधरी में, रिजस्ट्री संख्या 3627 दिनॉक 18-8-83 पर दिया है।

आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक ।

विनांक : 9-4-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

नायकर श्रीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के श्रधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निवेश सं० जगाधरी/57/83-84--अतः मुझे, आर० के० भयाना,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 2 बीघे हैं तथा जो गढ़ी मुण्डो त० जगाधरी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1928 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1983,

की पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बस्तरण से हुई िकसी बाय की बाबत, उन्तर बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉट/या
- (च) ऐसी किसी आव का किसी अन या जन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

्अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1). के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री राजेश्वर प्रसाद व टेक चन्द एवम् चतुर्भुज पुतान श्री बाबू राम, श्रीमती रामरती विधवा श्री अपनर नाथ नि०—जगाधरी ।

(अन्तरक)

(2) श्री भूपेन्द्र कुमार पुत्र श्री शान्ति सरूपे नि०—गांधी धाम, जगाधरी श्री राम प्रकाश पुत्र ज्ञान चन्द निवासी—3 बेलगधान मोहल्ला, जगाधरी, श्रीमती राम मूर्ति पत्नि श्री रारता राम व श्री राम गोपाल पुत्र नारोता राम निवासी—गांधी धाम, जगाधरी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

वन्त्रची

सम्पत्ति भूमि 2 नीये गढ़ी मुण्डो त० जगाधरी में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरी में, रजिस्ट्री संख्या 3471 दिनांक 9-8-83 पर विया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक ।

विनोक : 9~4~1984

मोहुर 🛭

प्ररूपः भार्षः टी. एन्. एसः, -----

ंबायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

क्षजंन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 7 क्षप्रैल 1984

निवेश सं० हांसी/8/83-84-अतः मुझे, आर० के० भयाना,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ. के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य. 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 77 है तथा जो नई ग्रनाज मण्डी, हांसी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय हांसी में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1983,

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वर्ध से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ,अर्थात :--- (1) श्री अगधर मल पुत्र श्री फूल चन्द जैन निवासी—हासी।

(अन्तरक)

(2) श्री दयानन्द, राम बिलास, बीर भार्न एवम् पुरुषोत्तम दास पुत्रान श्री रामेश्वरदास गोयल । दुकान नं० 77, नई अनाज मण्डी, हांसी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्रके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त बंपत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्प्रति दुकान नं० 77 नई अनाज मण्डी, हांसी में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हांसी में, रिजस्ट्री संख्या 1107 दिन्नांक 24-8-83 पर विया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक ।

विनोक : 7-4-1984

मोहर ः

प्ररूप आहें. टी. एन., एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं (1) के अधीन सूचना

भारत तरकारु

कार्यालय सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 अप्रैल 1984

निदेश सं० सिरसा 30/83-84--अतः मुझे, आर० के० भयाना,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० म० नं० है तथा जो सिरसा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिरसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 18) के अधीन, विनांक अगस्त 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं हैं और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल, से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) सर्वश्री बलबीर सिंह, सुरेन्द्र सिंह, कर्नेल सिंह सन्स सर्व श्रीमती हरजिन्द्र कौर, बलबिन्द्र कौर, श्रीमती मोहिन्द्र कौर पुत्र एवं पुत्री श्री मेघर सिंह म० नं० 362, गली काबवन वाली (पंखा) श्री मंगल सिंह ए डवोकेट पुत्र श्री माखन सिंह पुत्र श्री लाभ सिंह

(अन्तरक)

(2) श्री चननमल पुत्र श्री रतीराम पुत्र श्री हुन्नामल नि०---गांव---गोरपुरा, सह०---सिरसा ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

सम्पत्ति घर (मकान) सिरसा में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय क्रमांक 2857 सिरसा दिनांक 7-9-1983 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

विनोक : 7--4--1984

मोहर 🖫

प्रकृप बाह् , टी., एन्., एन्.,------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के बभीन सूचना भारत करकार

कार्याक्रय, सहायक भायकर वायुक्त (निर्देशका) अर्जन रेंज, रोहसक रोहसक, दिनांक 9 अप्रैल 1984 निदेश सं० अम्बाला/87/83-84--अतः मुझे, आर० के० भयाना,

नायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-, रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० सम्पत्ति प्लाट 480 व० ग० है तथा भो अम्बाला जगाधरी रोड, अम्बाला में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 18) के अधीन, दिनांक अगस्त 1983,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल हो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वायत्, उक्त प्रक्षितियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के बिए; और/बा
- (का) एसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था कियाने में सुविधा के सिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत :—

(1) सर्व श्री साधु सिंह पुत्र चिन्ना—अजमेर सिंह पुत्र गैंदा
2. चोटा पुत्र हरी राम , 3. बलबीर सिंह पुत्र रामजीदास 4. श्रीमती चांदी विद्यवा जीवन सिंह 5. थाथ
सिंह पुत्र बखतावर सिंह 6. माला पुत्र हंस राम
7. कशमीर सिंह पुत्र बखतावर सिंह, 8. बीर सिंह
पुत्र बिशन सिंह, 9. केझ सिंह पुत्र गैंदा सिंह, 10.
धनपाल हिंह पुत्र सुखबीर सिंह, 11. माखन सिंह
पुत्र नसीब सिंह, 12. मिट्टन सिंह पुत्र सूरत सिंह
13. रतन सिंह पुत्र अभय सिंह, मामराज पुत्र जगतू

श्रीमती वर्शनी वेबी बिधवा सुखवर्शन सिंह द्वारा मुख्त्यारे आम श्री दुर्गा सिंह पूत्र अभय सिंह द्वारा मुख्त्यारे आम श्रीमती चमेली पत्नी जगतू द्वारा द्वी दुर्गा सिंह, 14 जगदीश पुत्र सरवण, 15. 15 रतन सिंह पुत्र इ दौलट सिंह, 16 जगदीश पुत्र रतन सिंह, 17. पूर्ण पुत्र बिशन, 18. सतपाल सिंह पुत्र राम शरण 19 लखपत सिंह पुत्र बिशन सिंह, 20 नन्द राम पुत्र बब्दावर सिंह 21 टीका पुत्र लॉल सिंह 22. जगदीश चन्द्र पुत्र खुलिया सिंह 23. राज कुमार पुत्र मेहर सिंह 24. चेतन सिंह पुत्र कमाली सिंह द्वारा चेतन सिंह 25. चसितू सिंह, धनपाल सिंह पूलान लीला, 26 लता द्वारा बसीट सिंह, 27. चन्द्रावती विषया बावाम सिंह 28. सरस्वती-नरेश बलाल पुत्रीयां ग्रोम प्रकाश पुत्र बादाम सिंह पुत्र दौलत सिंह द्वारा साधु सिंह, अजमेर सिंह, **षोला, बलबीर सिंह, 28** हंसराज 29. 30 सत्याव देवी, शकुन्तला देवी पुत्री सचेत सिंह, 31. राम चन्दर पुत्र चाधत सिंह, विद्यावती पुत्री बख्तावर सिंह, दयावती रा-सवती सुपुत्रीयां चावत सिंह, धनपाल सिंह, पुत्र अमरोआ सिंह स्वयं व मुख्स्यारे आम कमला देवी पत्नी विधवा नरपत सिंह 34. ध्यान सिंह पुत्र जरमन सिंह, 35. लाजपत सिंह पुत्र अमरोआ सिंह, बलबीर देवी, श्रीमती जागीरो सौमी देवी पूत्रीयां अमरोआ सिंह

निवासी—वर्षयाल । (अन्तरक)

(2) श्री जसबीर सिंह पुत्र सतपाल सिंह पुत्र चन्दा सिंह, निवासी—गांव घसीटपुर, त—जि०—अम्बासा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रव्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वस्तीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्तुनी

सम्पत्ति प्लाट क्षेत्र 480 व० ग० मैन अम्बाला जगाधरी रोड, अजीत नगर रोड, अम्बाला में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, अम्बाला में, रिजस्ट्री संख्या 3702 दिनाक 16-8-83 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) (अर्जन रेंज, रोहतक)

दिनांक : 9-4-1984

मोहर ः

कार्थांसय, सहायक नायकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जेम रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निदेश सं० अम्बाला/88/83-84-अतः मुझे, आर० के० भयाना,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट 330 व० ग० है तथा जो मेन अम्बाला जगाधरी रोड, अम्बाला में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 18) के अधीन, दिनांक अगस्त 1983,

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, ऐसे रूरयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उध्वरेष से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के एसए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिल्ला गया था या किया जाना चाहिए था, छिटाने में सुनिधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) सर्व श्री सुखदेव सिंह, राम सिंह पुतान विमल सिंह रतन सिंह पुत्र गैंदा, जती पुत्र हीरा राम 4. बाबू सिंह, जय कुमार पुतान मेहर सिंह , 5. इन्दर सिंह पुत्र नाथू सिंह, 6. अभय सिंह, बलबीर सिंह पुतान रोशोल सिंह 7. चांद रूप सिंह पुत्र गल्बा सिंह, 8. खेर सिंह पुत्र मुंशी राम 9. राज कुमार पुत्र शमशेर सिंह, 10. हिर कुमार 10. शिव कुमार, बलराम सिंह पुत्र शमशेर सिंह 11. सरवार पुत्र शाहजादा 12. रणजीत सिंह, राजकुमार पुतान रतन सिंह 13. माम राज पुत्र बिशन 14. कान्ति वेवी, श्रीमती देवी, दशंनी देवी पुत्रीयां मुनी राम, श्रीमती कस्तूरी देवी पुत्री मुनी राम।

(अन्तरक)

(2) श्री तेज बीर सिंह पुत्र सतपाल सिंह निवासी—घोसिट पुर (अम्बाला)

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तानीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कम्प अधिकत द्वारा संथोहस्ताक्षरी के बाब सिवित में किए बासकों ने।

स्यख्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा गंबा है।

जनसूची

सम्पत्ति प्लाट 330 व० ग० मेन अम्बाला जगाधरी रोड, अजीत नगर रोड, अम्बाला में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, अम्बाला में, र्राजस्ट्री संख्या 3740 विसाक 18-8-83 पर दिया ।

> आर० के० भयाना सझम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहसक

दिनांक : 9-4-198

मोहर 🛭

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 अप्रैल 1984

निर्देश स० सी० आर० 63/39002/83—84——य**त**ः

·**मुझे** मंजु, माधवन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० न्यू सर्वे सं० 10-2वी०5 पुराना सं० 10-2, दरवाजा नं० 2-7-560, 561 श्रीर 562 है, सथा जो 89-बी०,कोडियल बैल विलज बिजै वार्ड, मंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए जन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में धास्त-विक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की वायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके अचने में सुविधा के लिए; बार्ड/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए?

जतः जज, उपत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) श्री सतूर नैन मासकारेन्हास, लेट डेविड मासकारेन्ह्राम के पुत्र, बिजै, कापिकाड, मंगलूर--4 ।

(अन्तरक)

(.2) श्री अन्तोनि फ़न्सिस डैस, श्री सैप्रियन डैस के पुत, रिसैंडिंग नियर डरवा चर्च, मंगलूर--6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उत्पत्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र 🚈

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिस की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ब) इस सुपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाब तिबित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 491/83-84 दिनांक 11-8-83) सम्पत्ति है, जिसकी सं० 89, बी, जो कोडियल बैल विलेज, मंगलूर, उसका नापना 0.20 सेटस (820 स्क्वेर मीटर्स) दरवाजा नं० 2-7-560, 561 और 562 में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

विनांक : 7—4—1984

मोहर 🛭

प्ररूप **बार**े टी एन **एस** ------

थायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 की 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, विनांक 7 अप्रैल 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/38959/83-84---यतः मर्शे, मंज माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० आ४० एस० नं० 602/2 टी॰ एस० नं० 186/2वी 1 जी॰ आ४० है, तथा जो 13 मारकेट वार्ड, कस्वा बाजार विलेज, मंगलूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनोक 26-8-83

को पूर्वेक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिसित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वावत, उन्तर अधिनियम के जनीन कर दोने के जन्तरक के वासिएइ में कभी करने वा अच्छे क्यने में जुनिभा की लिए; अरि/भा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में निवा के लिए;

(1) श्री मनोहर निवास बैं जिं पि ए श्री ए हो जालर्फेंड, सन/आफ हेनरी आलर्फेंड, नियर आजाद फैक्ट्री, जेप्यू, मंगलूर—2 ।

(अन्तरिती)

(2) श्री ए० सी० मोहम्मद ,
2. श्री एम० अन्दुल रहिमान,
सन/आफ सि० एच० अन्दार हाजी,
अन्दुल खादर के पुत्र,
चित्रारि, होसवर्ग तासुक,

(अन्तरक)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के नर्चन के एस्ए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहन्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकरेंगे।

श्वक्किरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

जन्स्**यी**

(वस्सावेज सं० 602/83-84 दिनांक 26-8-83) सम्पत्ति है, जिसका सं० 13-4-440, 441+0446, जो 13 मारकेट वार्ड, कस्बा बाजार विलेज, मंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

विनोक : 7-4-84

मोहर ह

प्ररूप भाइ . टी. एन. एस. -----

अस्थकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 7 अप्रैल 1984

निदेश सं० मी० आर० 62/39019/83-84--यतः मभे, मंज माधवन

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सर्वे नं० 8/22 ग्रौर सर्वे नं० 9/1 बियरिंग केनेण्वरी नं० 133 है, तथा जो आलहिल्ल विलेज, उत्त रहिल्लहोबिल बंगलूर दक्षिण तालुक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर दक्षिण तालुक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-8-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिकात में आधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उत्वरेषों से उक्त अन्तरण निम्नलिकित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उपन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) मों अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, सर्भात् :--- (1) श्री रामचन्द्रा बर्मा पै, नं० 1583/ए, 26 कास, 30मैन बनाशंकरि, II स्टेज, बेंगलुर—70 ।

(अन्तरकः)

(2) मेसर्स विट्ठल फुटस केन्द्रंग प्रा० लि० 14, डाक्टर दि ा० वि० गुण्डापा रोड, बसवनगुड, बेंगलूर—4 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कंपके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू कारता हुं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पूना के राज्य में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा का उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

जनसचीं

(दस्तावेज सं० 3534/83-84, दिनांक 15-8-83) खाली जगह है, जिसका सर्वे नं० 8/2 और सर्वे नं० 9/1 जिसका सं० 133/, जो आलहिल्लि विलेज, उत्तरहिल्ल होबलि, बेंगलूर दक्षिण तालुक, में स्थित है

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 7-4-1984 ·

महिर:

प्ररूप बाह्य, दी, एन, एस, ------

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की आय 269-न (1) के निधीत तुन्ता

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/41279/83-84--यतः

मुझे, मंजु माधवन,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 1-23-1904 से 1915 तक है, तथा जो 90 की बोलूर ग्राम—मंग्रमूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर सिटी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-8-1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के अंजित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचिर बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्निलिसित उद्दर्भ से उचन अन्तरण निम्नित मा बण्दिश्व रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक्षे हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन क्रार दोने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (थ) एसी किसी काय या किसी धन या करव वास्सियों को, जिन्हें भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के जन्सरण् क्षे, क्षे, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती के० लीलाबाई वै०/आ० कुष्णा खेठ, उसवा मार्केट के पास मंगलूर—575006 ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० सूर्यकुमार शेठ 'शेठ सदन' बैंक रोड, कासर गोड तालुक केरला ।

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पस्ति के सर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वी क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूक्षना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निचार में किया ना सके गा।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

नम्स्यी

(दस्तावेज सं∘ 522/83→84, विनांक 26-8-83) वह सभी सम्पत्ति है, जिसकी सं० है 1-23-1904 से 1915 सक और जो 90-बी बोलूर ग्राम, मंगलूर सिटी कारपोरेशन में स्थित है ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

विनांभ : 7-4-1984

मोहर:

प्रकथ कार[®]् टी<u>ं</u> एश्⊴ एस_{ं व} ⇒ -- •

भावकर गाँभुनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श्र (1) के अभीन सुषता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निर्द्रीक्षण)

म्रर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निर्वेश सं०सी० श्रार० 62/38955/83-84--यतः मुझे मंजु माधनन,

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित प्रियका उचित बाजार मृस्य 25,000/- फ. से मिथक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 1-4 है, तथा जो जोप्पिन मतेगरू ग्राम मंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मंगलूर सिटी में रिजस्ट्रीकरण मिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन दिनांक 22-8-1983

को पृवोंकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए कन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- निक्त म्प मे किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण चे इन्हें किसी नाय की बावत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दियाल में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; आहु/वा
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही आरसीय आयकार अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियस, या भनकार अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ जन्मरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा से रिता;

भतः नग, उक्त निमित्तम की भारा 269-म की वृत्त्रक मी, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को नभीत, निम्नितिनित व्यक्तिस्यों, अभीत .--

(1) श्री मोहम्मद संसीम नं० 406 जे० एम० रोड, मंगलूर-2

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नबाब जान् शेरीफ जी० पी० ए० शिके० मोहम्मद शरीफ से, बालिका श्रम, कंकनाडी, मंगलूर-2

(ध्रन्तरिती)

का' यह सूचना जारी कारकं पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में को**इंभी वाक्षेप:---**

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बक्भ किसी बन्ध व्यक्ति क्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकती।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आहि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 584/83-84 ता० 22-8-1983) वह मभी संपत्ती है जिसकी ग्रार० एस० सं० है 10-4, टी० एस० सं० है 731/4, श्रौर जो जोप्पिन मोगरू ग्राम जेप्यु वार्ड में, मंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवत सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर.

तारीख :-- 9-4-1984 मोहर :

प्ररूप नाइ. दर्जे. एम. एस्. ------

कायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवक् (निरीक्षण) अर्जन रेंज , बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 ग्रप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/38903/83-84—-यतः मुझे, मजुं माधवनं

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संदित्त जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. सं अधिक है

भौर जिसकी सं० 45,है तथा जो, ग्राध्वानंदा भवन रोड़, वि० वि० पुरम बंगलूर-4 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन ता० 6-8-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के क्ष्यभाभ प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्च श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धून या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा वो लिए;

मत नव, सन्ति अधिनियम, को भारा 269-ग की अनुसरण मो, मो, उन्ति मधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के मधीग, निम्नलिखित स्पितियों, मधीत् ह्य- (1) श्रीमती कमलम्मा
नं० 45, प्रश्र्यानंदा भवन रोड़,
 वि० वि० पुरम,
 बंगलूर-4,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वि० एस० कृष्णप्पा,

(2) श्री के० नारायणा राजु,

(3) श्री के० श्रीनियासा राजु भौर श्री के० नागराजु, श्राल रिसैडिंग एट नं० 94, श्रारमुगम मुदलयार स्ट्रिट, चिकपेट कास,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

(धस्तावेज सं॰ 1647/83-84 ता॰ 6-8-83) सम्पति है जिसका पुराना सं॰ 115, 120, 176, ँग्राज का कारपरेणन सं॰ 45, जो श्रष्टदानंदा भवन रोड, वि॰ वि॰ पुरम, बंगलूर-4, में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर,

विनांक 7-4-84 मोहर

प्रकण बाई . डी . एन् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत बरकार

कार्यालय,, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्तण) प्रजीन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 श्रमेंल, 1984

निवश सं० सि० श्रार० 62/38958/83-84 - श्रतः मुझे मंजु माधवन

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भ्रार० एस० 117-1ए, टि० एस० नं० 53-1ए, है, तथा जो कोडियल बैल, विलेज, कोडियल बैल, वार्ड, मंगलूर में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रोर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ला श्रधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 26-8-1983 .

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का, निम्नलिशित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ध्

- (क) जलरण वे हुए किसी जाग की बाबत, उनके जिन्दान के जभीन कर वेने के अन्तरक के बाजिए में कमी करने या उससे बचने में सविधा के जिए; जौड/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियनमें, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर कृषिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री जाममिन डिसौजा, श्रमुकोडि हाउस, बनडेस, मंगसूर-8

(भ्रन्तरक)

(2) डाक्टर, श्रक्षोक मेट्टी, मात्र-भाषा-I, फ्लोर, ग्रपोजिट डाक्टर बेडेकरम हासपिटल, महर्षि कारवे रोड, नानापाडा, शाने डिस्ट्क्ट, महाराष्ट्र।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के क्रिए कार्ववाहियां करता हुं।

उनत सम्पृत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोग्डन्न

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों यें से किसी स्वित्त इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नग्त्यां

(दस्तावेज, सं० 600/83-84, ता० 26-8-83) खाली जगह है जिसका सं० भार० एस० 117-1ए, टी० एस० नं० 53-1ए, जो कोडियल बैल, विलेज; कोडियल, बैल, वार्ड, मंगनूर में स्थित है।

> मंजु माधयन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, बगलुर,

तारी**ख 7-4-**1984 **मोहर** ⊌

प्रक्ष बाद् .टी.एन.एस.------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार*

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज, अंगल्र

बंगजुर, दिनांक 7 श्राप्रैल, 1984

निदेश सं० सि० ग्रार० 62/38968/83-84---ग्रतः मुझे, मंजु माधवन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कार्य है कि स्थानर सम्पत्ति, प्रिच्का विष्या वाचार मूक्त 25,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 40 है, तथा जो III, टेंपल रोड, मल्लेश्वरम, बंगलूर में स्थित है '(श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19-8-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की जाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ज्ञाने में सृविधा के लिए; जोर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविभा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिबित व्यक्तियों कर्धात् :——

(1) श्री मारकन्डेस्या, नं० 40, प्रश्, टेंपल रोड, सिक्कारता, ब्लाक, मल्लेख्यरम, बंगलूर-3

(श्रन्तरक)

(2) श्री बी० नारायना नं० वि०-81, III क्रास रोड, मल्लेग्वरम, बंगलूर-3

(भन्तरिती)

का यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त संपहित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्यों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ , कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्सूची

(दतावेज सं० 1495/83-84 ता० 19-8-1983) भूमि धौर बिल्डिंग जिसका पुराना सं० 20, नवा सं० 40, उसका नापना 70'×22' एट बंगलूर सिटी, कारपोरेशन, V, डिविजन, मल्लेश्वरम, सिद्धरित व्लाक, III, टेंपल रोड, में स्थिस है।

> मैजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर सायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज बंगलूर

विनांक 7-4-1981 मोहर प्ररूप आईंट टी. एन एस .-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार,

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 अप्रैल, 1984

निदेश सं० भार०-656/83-84/37ईई—यत: मुझे मंजु माधवन

नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 19 है, तथा जो I, मैन रोड, जयामहल एक्सटेंगन, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूधी में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक 22-8-1983

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित व वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के सिए; बॉड/वा
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिये था, क्षिपान में भविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित काकितयों, अर्थात :——

- 1. (1) मिसर्स जगत कुमारी भरत मिन्ह ती
 - (2) श्री विद्युत मिनः जी,
 - (3) मिसर्स श्रलकानन्दा देवी
 - (4) मिममं विश्वादरा देवी
 - (5) कुमारी जगदीशवारि देवी
 - (6) श्री संजय सिन्ह जी,
 - (7) श्री राम चन्द्रा सिंह जी,
 - (8) मिसर्स सुशीला कुमारी.
 - (9) मिसर्स जागृति देवी
 - (10) श्री हनुमान सिंह जी
 - (11) कुमारी उमादेवी
 - (12) कुमारी भवानि वेवी ग्रीर
 - (13) श्रीमती कत्यानि देवी समस्त निवासी नं० 19.1 मैन रोड, जया महल एक्सटेंशन, बेंगलूर~46 (श्रन्तरक)
- मैसर्स शिवम इन्टरप्राइसेस,
 10-डी, एवरेस्ट, टारडीवो रोड,
 बम्बई-400034 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्परित के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः— सुमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 476/83-84 ना० 22-8-83) सन समानि है जिसका सं० 19 जी । जैन रोह

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 19, जो $^{\mathrm{I}}$, मैन रोड, जया-महल एक्सटेंशन, बेंगलूर में स्थित है ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राथकर श्राथुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रंज, बंगलूर

तारीख 6-4-1984 मो**हर** ≰ प्रस्त नाहाँ, दी, एन, एस,-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 27 मार्च , 1984

निर्देण सं० ग्रार-830/83-84/37ईई—ग्रात: मुझे मंजु माधवन

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करचे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० बी० 5, है, तथा जो गार्शन ब्यू श्रपार्ट मेंटस, मरगोवा, गोवा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 29-10-83

को पूर्विक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जान की नावत अवत अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के निए; अन्तर था
- (थ) एसी किसी अपन या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिधा की लिए;

 मैसर्स अलकन एस्टेट्स प्रा० लिपिटेड बेल्हो बिल्डिंग, पनजी, गोवा ।

(अन्तरक)

 श्री जी० एन० अग्रवाल वरदे वल्युलिकर रोड मरगोबा, गोबा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के नर्चन् के लिए कार्यवाहियां कारता हाँ।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपन में प्रकासन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मित्य में हित्ब्ह्थ किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अभेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित कही प्रथ होगा जो उस शब्दाय में दिया प्रभाषी।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 674/83-84 ता० 29-10-83) फ्लाट नं० कि० 5, उसका नापना 75.00स्क्वेयर मीटरम, जो गार्डन व्यू अपार्टमैंटन, मरगोवा, गोवा में स्थित है

> मंजु माधवत सक्षम प्राधिकारी .(सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख 27-3-1984 भोहर: प्ररूप बाहा. टी. एन. एस.-----

भायेकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, बंगसूर

बेंगलूर, दिनांक 27 मार्च, 1984

निर्देश सं० ग्रार-886/83-84/37ईई----ग्रत: मुझे मंजु माध्रवन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात 'उनक अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० 7 है, तथा जो गार्डन व्युश्रपार्टमेंट्स, मरगोवा, गोवा में स्थित है (श्रौर उससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक 29-12-1983

को पूर्वेदित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेदित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल का एवि दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उदत अन्तरण निसित्त में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आज की जानत, उसस अधिनियम के अधीन कर दोने के जल्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे वचने मों स्विधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में मिक्सा के लिए.

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिरियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजियिन व्यक्तियों, अर्थान :-- मैंसर्स म्नालकन रियल एस्टेट प्रा० लि० बेल्हो बिल्डिंग, पण जी , गोवा ।

(भ्रन्तरक)

 श्री ग्रब्दुल रजाक श्रौर श्री इम्राहीम हगाम, घर मं० 181, मालबट, मरगोवा, गोवा।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए का सकरेंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 724/83-84 ता० 29-12-83)

शाप मं० 7, गार्डन ब्यु भ्रपार्टमेंट्स, उसका नापना 35.50 स्क्वायर मीटर्स, मरगोबा, गोबा में स्थित है।

मंजु माधवन सक्तम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

्तारी**ख 27-3**-84 .

मोहर :

प्रकष जार्च . टी . एस . एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कायस्थि, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

देंगलूर, दिनांक 3 म्रप्रैल, 1984

निवेश सं० सी० श्रार० €2/39000/83-84—यतः मझे, मंजु माधवन,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 29-2ए, 29-6 बि०, 29-2ए, 3ए-ए-6 ग्रौर 34-ए6 है, तथा जो कद्भि विवेज, मंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 11-8-1983

को पृषेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सृत्रिक्षा के मिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- श्री श्रालबर्ट विकटर लसराडो, सुपुत्र श्री एम० लसराडो, रैसिडेंट श्राफ बम्बर्ड—नी रिसैडिंग एट पाम रोड, उरवा स्टोर्स, मंगलूर। (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री के० गोविन्दा भट, पोल्या हाउस, कवाका पुत्तूर तालुक रेप्रोजेन्टेड बाई : श्री के० सीताराम भट, बिजै, मंगलूर

- (2) गोपाला फूष्ण भट, बदलापुर, नाना डिस्ट्रिक्ट, महाराष्ट्रा. स्टेट, प्रतिनिधि : श्री के० सीताराम भट्ट, बेजै, मंग्लूर
- (3) श्री के० शंकर नारायण भट,
 कुलामरूवा घर, कुनिलकाना, कासरगोड तालुक,
 - (4) डाक्टर कृष्ण कंडिंगे, मंगलूर नर्रांसंग होम, ग्रप्पर बेन्दोर, मंगलौर
 - (5) श्री के० ईप्रतर भटे, राजाजी नगर, दोम्बिविलि, महाराष्ट्रा स्टेट, प्रतिनिधि: श्री के० सीताराम भट, बेजै, मंगलूर ।
 - (6) श्री पी० नारायण भट. श्रार्या समाज रोड, मंगलूर
- (7) मैसर्स कें अंग्रिदिन श्रम्मा, कोल्लारामाजालु घर कारियगला, विलेज, विलेज बंटवाल, तालुक 6 ग्रीर 7 के प्रतिनिधि: श्री कें केशवा भट, कद्रि, मंगलूर।
- (8) चरलस लसराडो, वर्राक्षग, ग्रबराड, प्रतिनिधि : श्री एस० एम० लसराडो, बेजे, मंगलूर : (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बवृध् किसी बन्स व्यक्ति व्वारा, जभोहस्ताकरी के पास निवित में किसे जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उचल मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित एँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

(दस्तावेज स॰ 493/83-84 ता॰ 11-8-1983)

सम्पत्ति है जिसका सं० 4-20 श्रीर 4-204 कब्रि बिविलेज, मंगलूर श्रीर 29-2 ए कब्रि बिविलेज, श्रीर एस० नं० 32-4, कोडियल बैल वि बिलेज, मंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, बंगलर

ता**रीख 3-4-1**984

भौहर 🖫

प्रकप बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

बेंगलूर, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/39067/83-84---अतः मुझे, मण माधवन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ईसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 30 है, तथा जो 8, मैंन रोड, मस्लेश्वरम, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन दिनांक 19-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूप्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विध-अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, -1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में स्विभा के लिए।

अतः अब ाफ्त अधितियम की धारा 269-ग की अंतुभरण मी, मी, उक्त अधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- डा० एम० एल० नरासिम्हन,
पी० ए० होल्डर, आफ श्री एम० सूर्यानारायना,
एच० नं० 3, मंचल गेसी, 4/8, 1030,
नैन आस्ट्रीया, श्रीर नं० 30, 8 मैन, मल्लेक्बरम,
बेंगलूर-3

(अन्तरक)

एस० रजानिकान्स, एस० सुब्बाराव के पुत्र, मं० 4267, णांतिनिवास, सुब्बमन्यानगर, बेंगल्र-21

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृष्यना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसची

(दस्तावेंज सं० 1965/83-84 ता० 18-8-83) सम्पत्ति हैं जिसका सं० एच० 30, जो 8, मैन रोड, मल्लेंश्वरम, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधयन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख 6-4-1984 मोहरं : प्ररूप भार्ष: टी. एन. एसं. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 अप्रैल, 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/38997/83-84→-अतः मुझे मंजु माधवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० आर० एस० नं० 304/3, जि० टी० एस० नं० 147/3 जि०, है तथा जो कन्टोनमेंट, बार्ड, अतावर विलेज, मंगलूर सिटी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-8-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिसित उद्देश्य से उसते अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त किथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिनियत व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमती एच० भ बांनी, विधवाश्री एच० रामा, घोल्ड केंग्ट रोड, मंगलुप-1

(अन्तरक)

2. श्री एम० हसीनर, सुपुत्र श्री इज्ञाहिम (2) श्री एम० मूसा, सुपुत्र श्री इज्ञाहीम, उनके प्रतिनिधि : श्री एस० अब्युल खावर, ग्रोस्ड केन्ट, रोड, मंगलूर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टिकिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

(दस्ताबेंज सं० 440/83-84 ता० 5-8-83) सम्पत्ति है जिसका सं० 19-226-228 जो कन्टोनमेन्ट वार्ड, अत्तावर, विलेज, मंगलूर सिटी (आर० एस० नं० 304-3-जि-1 टी० एस० नं० 147/3 जि) में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

ाारीख 3-4-1984 - **मोहर** ॥ प्ररूप गार्च. टी. एन ् एस्. ------

नाथकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 6 अप्रैल, 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/39018/83-84---यतः मुझे, मंजु माधवन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1218 श्रीर 1147 के भाग है, तथा जो हासपिटल रोड, एलाहंन्का, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर उत्तर तालुक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-8-1983 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिता की गई है और मुक्ते यह विष्ठस्स करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी नाम की नावत उक्त जिथित नियम के मधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या तससे वचने में सुविधा के लिए, जौर/या
- (स) एरेती किसी अाय या जिल्ली भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारताय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इकारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिवधा के शिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ह— श्रीमती मुनिस्त्नाम्मा, नं० 5, गांधीनगर, एक्सटेंशन, एलाहम्का, बेंगलूर उत्तर।

(अन्तरक)

श्री सुविदिनात जैन, प्रवेतास्वर,
मूर्ति पुजक संध, बाई इट्स सेकेटरी श्री के० सुगलचन्दजैन
बजार रोड, ए लाह्नका,
बेंगलूर उत्तर तालुक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के सिए कार्यसाहियां करता हो।

उन्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अविधि या नत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

कर सामी

(दस्ताबेज सं० 3188/83-84 ता० 29-8-83)

प्रिमिसस जिसका पुराना म्युनिसिपल नं० 770, लेटर नं० 1144 ग्रीर नया म्युनिसिपल नं० 1218 ग्रीर नं० 1147 के भाग ग्रीर लेटर नं० 1220, हासपिटल रोड, एलाहम्का, बेंगलूर, उत्तर क्षालुक, में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अंगलूर

विनाक: 6-4-1984

मोहर 🔭

प्रकृष बाई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

बेंगलूप, दिनांक 6 अप्रैल, 1984

निदेश सं० मी०आर० 62/38908/83-84—यतः म्,झे मंजु माधवन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रहे. में अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० 19/97 (पुराना सिएटिबि नं -19) है तथा जो II ब्लाक, 20 मै.न, रोड, राजाजीनगर, बेंगलूर में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्नौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर में जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन दिनांक 12-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के द्रायमान प्रतिफाल के जिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफाल से एसे द्रायमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री के० अबिमन्यु श्रीर मिसर्स ऊषा, नं० 303, 16 काम सदाशिवानगर, बेंगलूर-6

(अन्तरक)

श्री बी० आर० विजेन्द्रा,
नं० 47, 11 कास II, ब्लाक,
जयानगर, बेंगलूर-11

(अन्सरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुंू।

उक्त संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **व से**45 दिन की अथि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ति
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित रू, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गगसची

(बस्तावेज सं० 1896/83-84 ता० 12-8-83)

खाली जगह की सं० 19/97 (पुराना सी॰ए०टी०बी॰ नं० 19), जो Π ज्लाक, 20 मैंन, राजाजीनगर, बेंगलूर-10 में स्थित है।

भंजु माधवन, शक्षम अधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बैगसूर।

तारीख: 6-4-1984

मोहर:

प्ररूप बाइ . ही. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगसूर

बेंगलूर, विनांक 31 मार्च, 1984

निवेश सं० सी० भार० 62/39012/83-84---यत: मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1104 है, तथा जो एच० ए० एल० II स्टेज, इंदिरानगर, बेंगलूर-38 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णिन है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वश्यमान प्रतिफल का पेबह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिबित में शास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उकत अधि-नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के जिए:

कतः तथः, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, नर्भात् ह—

- श्रीमती कमलाम्मा भीर कुछ लोग,
 नं 1104, एच० ए० एव० पि; स्टेंज,
 इंदिरा नगर, बेंगलूर-38।
 (अस्परक)
- श्री जी० की० शस्सुगम, नं० 559, III, स्टेंज, III ब्लाब्स, वेस्ट आफ कार्ड रोड, बेंगलुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सम्बना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित विस्था किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकारणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

मृत्ची

(दस्ताबेज, सं० 1222/83-84 ता० 15-8-83) सब सम्पत्ति जिसका सं० 1104, जो एच० ए० एल० ११, स्टेज, इंदिरानगर, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारी**व**: 31-3-1984

मोहर 🕉

श्रुक्ष्य आहें. टर्ने एन् एस _-------

नावकर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-मु (1) के स्थीत सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल, 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 1/84-85---अतः मुझें, एम० जेगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० पलैट है तथा जो हिमायत नगर हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वीक्कडपल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1983

को पूर्वों कर। संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी लाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा में सिए; बरि/बा
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवान में हिष्या के हिष

 मैं सर्स यूनाइटेड, हाऊसिंग कारपोरेशन बाह श्री एस० आर० फडके,
 5-2-361, हैदरबस्ती,
 सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रमीला हाट्टी, 5-2-361, हैदराबस्ती, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान भारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के अर्थन के जिल्ला मार्थवाहियां करता हूं।

एक्त सम्परित **के मर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप** है—--

- (क) इस सूजना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिल की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी ज्विध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पृथां कर व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के हाजपन में प्रकाशन की तार्रोंक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगी।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ह", वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

नकृत्यी

पलैट नं० 1, इन सेंकन्ड फ्लोर, डी०नं० 3-6-779, हीमायत नगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 875 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 551/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कडपल्ली।

> एम० जेंगन मोह्न सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तिया अर्थात् ---

9-56GI/84

तारीख: 6-4-1984

मोहर:

वृक्त सार्व दी एवं एक , च्यान्यवस्थान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नभीन सुभना

ब्राइत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल, 1984

निदेश मं० आर० ए० मी० नं० 2/84-85—यनः मृझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्र्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं घर है, जो चौराहा जेंसी, हैदराबाद में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबद अनुमूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दूधवावली, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलियत उद्याग्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हथ से कथित नहीं किया गया है हिन्द

- (क) जन्तरण से हुई जिसी शास की बायत, स्वया श्रीपनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के शासित्य में कभी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया सवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविभा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण भें, भैं:, उक्त अधिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिक्ति व्यक्तियों अर्थात् :—

- भी मोहस्मद करीमुद्दीन, पिता खेट गुलाममाहीउद्दीन, 14-11-728, चौराहा, जेंसी, मंगल हाट, हैदराबाद।
 - (अन्तरक)
- श्री नरसिंग राव पिता एस० राम स्वामग, इन साइड याकुतपुरा, हैदराबाद ए० पी०

(अन्तरती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पृतित के नर्धन के सम्बन्ध में कोई ही बाधोर्:--

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीचा वे 45 विन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविभि, को भी अविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुन।राः।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पोस्त में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास तिवित में किए का सकोंगे।

वपृत्त्वी

घर सम्पत्ति नं० 14-11-726 चौराह जेंन्सी, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 760/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी दूधवावली ।

एम० अंगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीचा : 6-4- <u>६</u>4 मोहर ‼ प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, विनांक 6 अप्रैल, 1984

निवेश स० आर० ए० सी० नं० 3/84-85--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उनत मिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

मीर जिसकी स० पर्लंट है, जो कीग कोठी, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रार जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथुपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से किनत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः अब. उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित क्यक्तियों, वर्धात् :--- मैसर्स नटराज बिल्डर्स, 3-5-796, कींगॅकोठी, रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

 श्रीमती टी० प्रभावती पति, टी० रामांजनेयुल, 15-8-347, फील खाना, हैदराबाद।
 श्रन्तरिती)

को यह स्थाना आरी करके पूर्विक्त सम्पंति 🖥 अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- स्थावर किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उत्कल अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैंट नं० 201, दूसरा, मंजिला, माहाविकर अपार्टमेंट कींग कोठी, रोड, हैदराबाद विस्तीर्ण 912 ची० फुट, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 4163/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मो**हन** सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 6-4-1984

मोहर 🚁

प्ररूप , बाहर् ु टी ु एन् ु एस् ,

बायकड नाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय,, सहायक भायकर भायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंबुराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 4/84-85--- यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का अन्य है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अभिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो दोमलगडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एमं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और√या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपानं में सविभा की लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

(1) मैसर्स सागर कन्सद्रवशनस्,
 1-2-624, दोमलगुडा,
 हैवराबाद,

(अन्सरम)

(2) श्रीमती राकुमारी पति हान्सराजक्यादा, 4-3-48 बैंक स्ट्रीट, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगर्गी

पर्लंट नं 101, प्रथम तल, 1-2-524, सागर अपार्टमेंटस्, दोमलगुडा, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 1000 ची० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 4179/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैंदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 6-4-1984.

मोहर 🕄

प्रकृष कार्ष , दी , एवं , एक , ------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के भ्रमीन सुमना

पार्त् सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अप्रैल 84

निदेश नं० आर० ए० सी० नं० 5/84~85--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरिस, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट हैं, जो कींग कोठी, हैदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1983।

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सस्परित का उचित बाजार मूल्स, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय क्री वाबत, उक्त अधिनिवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सृविचा के शिए; बीर्/या
- (क) इसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922, (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती ब्वाधा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, जियाने में व्यक्तिया के निए;

 मेसर्स नटराज बिल्डर्स, 3-5-796, कींगकोठी रोड़, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री रणमीकांत सुलसीवास और अन्य, 10-3-181, सेंट जॉन्स रोड़, तुलसी भवन, सिकदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**इ भी** आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीज के 45 बिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, ने भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबहुध किसी बन्य स्थानत ब्वारा अभोहस्ताकारी के पाइ तिकिस में किए या सकेंगे।

स्पर्वाकरण:--इसमें प्रयुक्त काब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सवा है।

फ्लैटैं नं ० 106 प्रथम तल, महाबीर अपार्टमेंटस्, 3-5-796, कांग कोठी; रोड़, हैदराबाद, विस्तीर्ण 950 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 4165/83, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायम आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैंबराबाद

करें अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के बचीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :—

दिनांग: 8-4-1984

मोहर 🏻

प्रस्य भारते, टीन एन न एस न्यानन

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की, भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

नारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैवराबाद

हैवराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 6/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसका सं० फ्लैट है तथा जो दोमलगुडा, हैंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1983।

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेड्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ), के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नितिस्त उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बार्क उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूर्यित के लिए; और/या
- (स) ए'सी, किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिलाभे में सुविधा के लिए;

जतः जन, उनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उन्तर अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) भी अधीन, गुनम्मसिचित व्यास्तिती, जनति प्रस्क (1) मैसरी सीगर कन्स्ट्रक्शन्सें, 1-2-524, दोमलनुजा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नूर बी पति लेट सुलतान अहमव, 14-2-358, रझाकपुरा, हैंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बादी ब्हुबी वृथींबड ब्रॉबीस्त को अर्थन के लिए कार्यमाहियां करता हो।

उन्त संपरित के मर्जन के संबंध में कोई भी बाधाय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वेक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकांगे।

स्यक्तोकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दी बर्गिर क्वों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

नन्त्रकी

फ्लैट नं० 307, तीसरा मंजला, 1-2-524, सागर अपार्ट-मेंट्स, दोमलगुडा, हैंदराबाद, बिस्तीर्ण 970 ची० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4178/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैंदराबाद।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांका: G-4-1984

मोहर

श्रुक्त_ा नार्रं _{वे} द्वी_य एक्_य एक्_य -----

नायकर निधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भाउर 269-म् (1) के नभीन स्वना

भारत बरकाइ

कार्यासय, सहायक नामकर नामुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, हैंदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 7/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचार, 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-आ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजिल बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो दोमलगुड़ा, हैदराबाद में दूरियत है (और इससे उपाबद अनुसूर्वा में और पूर्ण कप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता है अधिकारी के कियालिय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकर्ता है अधिकारी के कियालिय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास कपने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नितिश्चित उद्योग्य से उक्त अंतरण निश्चित में बास्तविक रूप से कथित नहाँ किया गया है दि—

- (क) बंतरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बौर/या
- (क) इसी किसी आम या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इनारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिल्पाने में स्वीक्था के लिए।

कतः जब उकत जिभिनियम की भाग 269-ग के जनसरण भें, भें, उकत अभिनियम की भाग 269-च की उपधारा (1) के अभीत, निम्नलिचित अभिकत्यों, वर्णात् ह (1) मैंसर्स सागर कन्स्ट्रम्यान्स, 1-2-524, • वोमलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री के॰ शरीफ हूणन पिता मोहम्मद अर्ला हूणन, 3-4-66/3/26, नारायणगुडा, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं

उक्त सम्पंति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्धभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के पात सिचित में किए का सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्यी

पलैट नं 107, प्रथम तल, सागर अपार्टमेंट्स, घोमलगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1000 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 4182/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी · सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-4-1984

मोहरू 🛭

प्रकथ बाह्र , टी ्र एत ् एस ्-----

कांयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 8/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

जीर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो किंग कोठी रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पृत्रेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; औद्व/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मिनिशा के लिए;

मतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ६~~ (1) मैसर्स नटराज बिल्डर्स 3-5-796, किंग कोठी रोड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलदीप सिंह नागपाल पिता प्रीतमदास नागपाल, 1-2-593 17, गगन महल कालोनी, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थहोगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नन्तर्यो

फ्लैट नं० 408, चौथा मंजला, महाबीर अपार्टमेंट्स, किंग कोठी, रोड, हैंदराबाद, बिस्तीर्ण 1350 घौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 4167/83, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, हैंदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक: 6-4-1984

मोहरु 🖫

प्रस्प बाइ . टो . ध्रुन् . ध्रुच् , :-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निर्वेश सं० आर० ए० मी० नं० 9/84→85→यतः सुझे, एम० जेगन मोहन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्रलैट है तथा जो कींग कोठी रोड, हैवराबाय में स्थित है (और इससे उपाबद अनुवनी में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैवराबाय में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगरमे 1983

करे पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृष्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्विधा कें लिए; और/गा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित अपिकतयों अधीत् :--10—56GI/84

(1) भैसमी नटराज जिल्ह्यों 3-5-796, भीग नोठी गोष्ठ, हैदराबाद।

(अन्तरका)

(2) श्रीमर्ता गायत्री देवी पति राजराम भाटिया, 15-2-500, किमानगंज, हैंदराबाव ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त तुम्मरित के वर्षम् के सम्बन्ध में स्प्रेष्टं भी बाक्षेप्ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधिहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया हैं।

अनुमुची

फ्लैंट नं० 411, चीथा मंजला, महावीर अपार्टमेंट्स, किंग फोठी, रोड हैवराबाद, विस्तीर्ण 1389 चीर्ल्युफुट, रजिस्ट्री-कृत बिलेख नं० 4166/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विमांन: 6-4-1984

मोहर 🌣

प्ररूप आई.टी.एनं.एस. -----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आर० ए० मी० नं० 10/84-85-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो दोमलगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के वार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विकित में बास्यविक अप से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया प्राना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के सिद्;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (†) के अधीर निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं सर्स सागर कन्स्ट्रक्शन्स, 1-2-524, वोमलगुडा, हैसराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरर्जात सिंह पिता रावडल सिंह 3-6-3616/, बर्मारबाग, हैदराबाद-29।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी स्थितत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उन्नत विभिनिवस के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस वध्याय में विवा गया है।

अन्सूची :

फ्लैट नं॰ 310, तीसरा मंजला, सागर अपार्टमेंटस्, बोमलगुडा, हैवराबाद, विस्तीर्ण 1250 ची॰ फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 4172 83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी, हैदराबाद ।

> एस० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, हैदराबाद

दिनांक: 6-4-1984

महित्र :

प्रकर बाद . दी . एन् . एस . -------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 11/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन भोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाप् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो दोमलगुड़ा, हैं दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1988।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की वावत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर वोने के लम्परक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के कचीन, निम्निलिनत स्यक्तियों, भर्मात् :— (1) मैसर्स सागर कन्स्ट्रक्शन्स, 1-2-524, दोमलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) डा॰ काझी मोहम्मद बसी घई।न, 23-2-538, हारी रोड, शाहाआली बंडा, हैस्राबाद ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी कारके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में जिल्ला का सकेंगा।

स्थव्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैट नं॰ 106, प्रथम तल, सागर अपार्टमेंट्स, दोमलगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1000 चौ॰ फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 4177/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 6-4-1984

मोहर 🖫

प्ररूप नाइ टी. एन्. एस. ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्योत्तय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांकः 14 मार्च 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 12/84~85—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो दोमलगुड़ा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीवार्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी नाय की नानत्, उन्तर निधनिन्दम के नधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कनी करने या उससे नचने में सुनिधा के लिए; और/ना
- (क) एंसी किसी अाय या किसी धन या ब्रंथ आस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-त के बनुसर्ज मीं, मीं, अक्त संधिनियमं की धारा 269-त की उपधारा (1) को अधीयः निम्नसिवित व्यक्तियों, अधीत १००० (1) मैसर्स सागर कल्स्ट्रकान्स, 1-2-524, वोमलगुडा, हैदराबाद ।

(अन्सरक)

(2) मोहम्मद अन्दुल फाता, पिता मोहम्मद मूमा, 21-1-64.0/2, रक्षाम गंज, मदीना बिरुडींग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की जबिथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, वो उसत अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

नम्ब्रुची

फ्लैट नं० 306, तीसरा मंजना, सागर आपर्टमेंट्स, वोमलगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1000 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4176/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन. राक्षम प्राधिकारी राक्षायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

使而: 14-3- 1984

माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आर० ए० सिं० नं० 13/84~85—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं प्रेंग एकैट है तथा जो दोमलगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाद्य अनुसूर्यः में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के वार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983।

का पूर्वा कित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतिरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त बन्तरण मिश्वित में वास्तिवक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की वावत, सब्बं जिथिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्वने में सुविधा के किए; जीर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीत, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं सर्स सागर कन्स्ट्रक्शन्स, 1-2-524, वोमलगृडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) भैसर्स वोसा गांधा एंटरप्राइस्स, बाइ श्री एम० पी० दोसी, 9-पारसी वर्ष स्ट्रीट सैकंड फ्लोर कलकत्ता-1

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध मां कांड्री भी आक्षाप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, के उक्त विभिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा आ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301 तीसरा मंजना, 1-2-524 सागर अपार्टमेंद्स, दोमलगुडा, हैदराबाद, बिस्तीर्ण 1000 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4181/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, **हैवराबाद**

दिनोक: 6-4-1984

प्रकल बाह् .टी. एन . एस . -----

बानकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 श्रप्रैल 1984

निवेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 14/84-85-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है)., की भारा 269-व के मभीन सभूम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् माजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट हैं तथा जो चिराग ग्रली लेन, हैदराबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रगस्त 1983

को पूर्वों कत सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार जून्य उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरतिता (अन्तरितयों) क बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चें स्म उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई फिली जाम की वाबत उपत अधिनियम को अधीम कर दोने को अन्तरक को वायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) फिरोज बिल्डर्स, करीमाबाद कालोनी, चिराग ग्रली लेन, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) सद्रहीन, मार्केट रोध, महबूगनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर। स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भार पदों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिशाँ व्या है।

मन्त्र्या

णोप नं० 2, 5-8-492, भौर 493, विराग भली लेन, हैदराबाद, विस्तीर्ण 300 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5059/83, रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, हैदराबाद ।

> ्एम० जगन मो**हन,** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, **हैदराबाद**

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक: 6-4-1984

मोहर:

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

मायकर् मिथिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदरांबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रेंस 1984

निर्देश सं० भार० ए० सी० नं० 15/84-85-यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो दोमलगुडा, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, ऐसे खरमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पासा समा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तर्थ से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा की लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिहित व्यक्तियों अर्थात् :-- मैसर्स सागर कन्स्ट्रक्शत्स, 1-2-524,
 दोमलगुडा, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रनिलकुमार णाहा पिता रामनिकलाल णाहा, श्रीमती प्रभावती श्रार० णाहा पित रामनिक लाल णाहा, 38, जीरा, सिकन्द्राबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों।
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किंसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

फ्लैट नं ० 305, तीसरा मंजला, सागर अपार्ट मेंट्स, दोमलगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1000 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 4174/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम ब्राधिकारी, सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-4-1984

मोहर ः

प्ररूप आर्ड टी, एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निर्िक्षण) प्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 श्रप्रैल 1984

निर्वेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 16/84-85--यत: मृष्टे, एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो घोमलगुडा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ला ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उसित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उसित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को बास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाम की बानत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् उ—

(1) मौसर्म सागर कन्स्ट्रकानमः 1-2-524, दीमलग्डा, टैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभावती कल्याणजी, पति कल्याणजी केशव जी गाला, 14-2-332/18, ग्यनबाग कालोनी, हैंदराबाद ।

(अस्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

अक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत् स्थीकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबह्स किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्तुवी

फ्लैट नं० 103, प्रथम तल, सागर अपार्टमेंट्स, दोमलगुष्ठा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1000 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4175/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

दिन्दिः 6-4-1984

मोहर 🐠

प्ररूप आई. की. एन. एस. ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यात्त्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 श्रप्रैल 1984

निर्देश सं० प्रार० ए० सी० न० 17/84-85—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो दोमलगुडा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ग्रीस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत सकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, वक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :—— 11—56GI/84 $\binom{1}{1}$ मेंसर्स सागर कन्स्ट्रक्शन्स, 1-2-524, दोमलगुडा, हैदरायाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी सुंदरम्मा पिता लेट एल० बी० सोमयाजूलू, 132-ए, इस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए . कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधेहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्पी

फ्लैट नं० 104, प्रथम तल, सागर श्रपार्टमेंट्स; दोमलगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 970 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4169/83, रजिस्ट्रीकर्ता; श्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-4-1984

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)। प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 श्रप्रैल 1984

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 18/84—85—यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परचार 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रोर जिसकी मं० पत्रैट है तथा जो दोमलगुडा, हैदराबाद में स्थित है (श्रकेर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त 1983

को पूर्वाक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार अल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एमें स्थमान प्रतिफल का पंस्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जिली जाय की वाबत, उनते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अर, उत्त विधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त स्यक्तियों, अर्थात् ;---- (1) मेसर्स सागर कन्स्ट्रक्णन्स्,
 1-2-524, दोमलगृडा, हीदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री चांद जी० कर्मचंदानी पिता गोवर्धन दास, श्री० कर्मचंदानी, 203-ए, नंदनम श्रपार्टमेंट्य, फतेह मुलतान लेन, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में क्रांडिंभी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विका की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित्त में किए वा सुकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 409, चौथा मंजला, सागर ग्रपार्टमेंट्स, दोमलगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1250 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4170/83, रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन राक्षम प्राधिकारी सहायक आयक€ आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-4-1984

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदरावाद

हैदरावाद दिनांक 6 अप्रैल 1984

निर्वेण मं० अतर० ए० मा० नं० 19,84-85-यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट है, तथा जो दौमलगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपायद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25 अगस्त 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमा प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :--

(1) औतस सागर कन्स्ट्रक्शन्स, 1-2-524, वोमलगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री जहीर अहमद सिद्दीको केर आफ गुलाम अहमद सिद्दीकी, 3-6-196 हिमायतनगर हैदराबाद-29

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया गया है।

जगसची

फ्लैट नं 109, प्रथम तल, सागर अपार्टमेंट्म, घोमलगुडा, हैदराबाद, बिस्तीर्ण 1250 ची फुट, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं 4171/83, रजिस्ट्रीकृत्ती अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 6-4-1984

मोहर 🕄

प्ररूप .. बार् .. दी.. एन... एस... ----

भायक द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण्(1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 20/84-85-यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो दोमलगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है, (रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय) हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास के रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिक रूप से किया वया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्थियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्ष व्यक्तिसम्मा, अर्थात् :-- (1) मेसर्स सागर कन्स्ट्रकशनस्स, 1-2-524, दोमलगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लता गर्मा पति शिवप्रकाश शर्मा, 21-7-436, रिकाबगंज, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सर्ची

पर्लैट नं० 304, तीसरा मंजला, सागर अपार्टमेंट्स, दोमलगुडा; हैदराबाद; विस्तीर्ण 970 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4168/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; हैदराबाद

दिनोबा: 6-4-1984

मोहर 🕹

rı

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

आयक्ट अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०-3/8-83/910--यत:, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-51 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीट पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्री तो अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1988

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निस्त में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण वं हुए किसी नाद की नावल उक्स नहिं-निमम से नदीन कर दोने से नन्तरक के समित्न में कमी करने या अससे नमने में सुविधा के लिए; सहिश्वा
- (क) ऐसी किसी बाग वा किसी धन् या अन्य जास्तियों को, चिन्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत जीधीनयम् या धन् कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोख-नार्थ जन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया जवा वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के रिवह;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) श्रीमती गिश सेठी, पत्नी श्री के० पी० सेठी, श्रो अशोक के० सेठी सुपुत्र श्री के० पी० सेठी, निवासी—सी-60, जंगपुरा एक्सटेंनशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरबंस कौर पत्नी लेपिट० कर्नल बलबीर सिंह, श्री राजीव सिंह सुपुत्र लेपिट० कर्नल बलबीर सिंह, श्री विरेन्द्र सिंह सुपुत्र एल० कर्नल बलबीर सिंह, श्रीमती उमा सिंह सुपुत्री एल० कर्नल बलबीर सिंह, सभी निवासी,—16—औरंगजेब रोड, नई दिल्सी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वे(कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स् ची

प्लाट मं० ई-51, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, तादादी 300 वर्गगज ।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-!, नई दिल्ली

विनांक . 5-4-1984 मा**हर** ॥

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

नासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नवीन क्वमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ला, दिनाक 5 अधैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी \circ |एक्यू \circ |||एक्स० आर \circ -3/8-83/969--यतः, मुझे, सधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपित्ति शिक्षिका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ओर जिसके। सं० एस-350, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्लों में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीट पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत दिनांक अगस्त 1983

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निनिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिचित में बास्त- विक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन् किसी भाग की गामत उक्त अधि-विक्य के न्यीन कर दोने के बन्दरक के शावित्व में कनी करने वा उक्त क्या में मृत्या के निए; भौर/गा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जीहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः जन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अभिनियम की भारा 269-व की स्वभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित स्विक्तस्यों , अर्थात् रु—~ (1) श्रीमिती अमृत कीर,
पत्नी स्व॰ श्री मुरजीत सिह,
श्री कुलदीप सिह और श्री मानकायत सिह,
सुपुत्रगण स्व॰ श्री सुरजीत सिह,
और श्रीमिती अनुप कौर सुपुत्नी स्व॰ श्री सुरजीत सिह,
निवासी—28 जमरूदपुर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री हरबंस सिंह कैंथ,
सुपुत स्व० श्री अमर नाथ कैंथ,
निवासी---ई-128, मोहमदपुर,
निवासी---आर० के० पुरम, सैक्टर-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुधना के राजण्य में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वश्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

एस-350 ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली, तादावी 300 वर्गगज ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ला

दिनांभ : 5-4-1984

प्ररूप बाद¹् टी_ु एन ् एस्. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के भभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 5 मर्प्रल 1984

निर्देश सं अाई० ए० सी ०/एक्य् ०/1/एम० आर०-3/8/83/ 922—यसः, मुझे,

स्धीर चन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० एस-438 है तथा जो ग्रेटर कलाम-1 नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबड अन्सूची में भ्रीर पूर्ण रूप संवर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीक्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रामान प्रतिफल से एसे श्रामान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रीविक रूप से कर्थित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुद्द किसी माय की बानत, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों, अर्थात् मान (1) श्रो के० एस० कृष्णन और श्रीमती ललीका कृष्णन, निवासी—एस—438. ग्रेटर कैलाण—1, नई दिल्ली।

(अन्धर्क)

(2) श्रीमतो गणि केठो और श्री अगोश कुमार सेठी, निधामी सी-60, जंगपुरा एतस०, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाँ;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसुधी

1-1/2 मंजिला भागान नं० एस-438, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, सादादी 218 वर्गगण, 1

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज- , नई दिल्लो

दिनांक 5-4-1984. मोहर : प्ररूप आहू . टी. एन. एस. ------

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन मुचना

भारत तरकार

कार्यांत्रिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०-3/8-83/909--यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं क्यां—185, है तथा जो प्रेटर कैलाण—1, नई दिल्लो में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्लो में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल, निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के मन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तयिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुं कि सी आय की बाबत, उचत अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिर्यो को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मेजर थासु देव वोहरा, निवासी—सी-185, ग्रेटर कैलाम--1, निर्दिल्ली।

(अस्तरक)

(2) श्रोमती रेवल कौर मार्फत जैनिश्र साड़ी हाउस, 2402/3, हरध्यान सिंह रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्मरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए भार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ::---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पच्छीकरणः --इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमसची

प्रो० नं ० सी-185, ग्रेटर की लाश-1, मई दिल्ली, तावादी 332 वर्गगन, ।

सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण), अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 5-4-1984

मोहर:

प्रकप् बाइं .थी .धन् . एस . -----

वास्कृष्ट वृश्वित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन् सूचना

बाउब स्टब्स्ट

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1984

निर्वेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ा/एस० आर०-3/8-83/ 906---यत:, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं तथा जो ग्रेटर कैलाण-2, नई

आर जिसका स० ६-83 ह तथा जा ग्रंटर कलाश-2, नइ विल्लो में स्थित है (और इससे -उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अल्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री राकेश जैन सुपुत्र श्री घन्द्र सेन जैन, गार्फत एस० गो० अग्रवास, निवासी- →ई/482 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती कींगल्या वर्मा पत्नो श्रो धर्म पाल वर्मा, निवामी—ई—85, ग्रेटर कैलाण—2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अपिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी वयिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसंची

यूनिट नं० बी, प्रो० नं० ई-85, तादादी 1605 वर्गफीट, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

> सुधीर **प**न्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण); अर्जन रेंज-¹, नई दिल्ली

दिनांक: 5→4−1984

मोहर 🗯 🕆

प्रकम आहे . दी . एन् . एव् . -----

आमकर अधिनयम 1961 (1961 का 43) की पारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनोक 5 अप्रैल 1984
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०-3/8-83/
918---यत:, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-139 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के खिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में भासाविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती रमन जानन्द पत्नी श्री शशोक आनन्द, निवासी--डी-289 डिफेंस कालोनी, नर्द दिश्ली।

(अन्तरक)

(1) मास्टर पंकज अग्रवाल सुपुत श्री पी० सी० अग्रवाल, मास्टर प्रनय अग्रवाल सुपुत श्री पी० सी० अग्रवाल, वेबी कुमारी वन्दना अग्रवाल और कुमारी अलका अग्रवाल सुपुत्री श्री पी० सी० अग्रवाल, निवासी—416, कुमा बृजनाथ फतेहपुरी, चांदनी चौंक, दिल्ली, द्वारा मदर श्रीमती शशि बाला अग्रवाल और दादा श्री भान्द राय ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति है अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

मकान नं ० एस-139,नादावी 29 8 वर्गगज, ग्रेटरकैलाश-2, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण); अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 5~4~19**8**4

मोहर 🕨

प्रारूप बाइं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/1/एस० आर०~3/8~83/ 928--यतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 203 है तथा जो ओखला इंडस्ट्रीयल एस्टेंट्स भाग-2, में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथामुन्नोंकृत संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रितिकाल संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रितिकाल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है जिल्ला के अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्ह भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) मैं० दत्ता साइन्टीफिक वर्क (दिल्ली), 51-ओखला इंडस्ट्रीयल इस्टेट, नई दिल्ली, द्वारा वाई० डी० शर्मा, ।

(अन्तरक)

(2) सरफ स्टील प्रा० लि०, अलोपुर रोड, विस्ली-54, द्वारा एम० डी० श्री विजय सरफ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

भनुसूची

प्रो० नं० 203, ओखला इंडस्ट्रीयल इस्टेंट, भाग-3, नई दिल्ली, तादादी 1202 वर्गगज ।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-, नई दिल्ली

दिनांक: 5-4-1984

मोहर 🖫

प्ररूप नार्दे हो . एव . एस . ------

भागकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई पिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर०—3/8—83/ 978——अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० डी/34, है तथा जो कालकाजी, नई विस्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक अगस्त 1983

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय, की बाबत, उबस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आरित्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) है अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री जी० एल० गगनाजा सुपुत्त श्री बी० एम० गगनाजा, निवासी छी-33, कालकाजी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस॰ सुरजीत सिंह सुपुत्र एस॰ सजन सिंह, निवासी-डी/30, कालकाजी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीं से 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर ज़क्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में कि

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के बध्याय 20-के में परिभाषित है, बही वर्ध होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

मन्स्यो

प्लाट नं ० डी/34, कालकाजी, नई दिल्ली ।

सुधीर धन्द्रा; सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

दिनांक: 5-4-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. :-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1, नई सिट्डी

गर्र जिल्ली, विनांक 5 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस० आर०-3/8-83 959--अत: मुसे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-540, है तथा जो डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा- प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

जतः जब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः—— (1) मैं • गोपाल दास इस्टेट्स एंड हाउसिंग प्रा० लि •, 28--बाराखम्बा रोड़, नई दिल्लो ।

(अन्तरक)

(2) मैं ० ए० सी० टी० डेवलपर्स प्रा० लि०, एम-65, कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सी-540 डिफोंस कालोनी, नई दिल्ली, ताबादी-325, वर्गगज.

सुर्धार भन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहाय ग्रंथिकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

दिनांक: 5-4-1984

मोहर 🖫

प्रक्ष आई. टी. एन. एस ,------

श्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269क (1) के श्रमीन सुवना

मारत चरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०-3/8-83/ 996--यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि हैं तथा जो ग्राम सलाहपुर, नई दिल्लो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से ऐसे धरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-बिक्षितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के रायिश्व में कमी अर्थ या एसटे बचने में सुविधा के बिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी प्रायमा किसी धन या प्रनय प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायहर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिष्ठिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रसारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पर किया जाना चाहिए था छिपाने में सूर्विधा के लिए।

जतः अन, उक्त अधिनियम् की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथितः --

- (1) श्री होशियार सिंह और कंवर लाल, सुपुत्रगण श्री पूरन सिंह और श्रीमती रुकमणी देवी, पत्नी श्रीकंवर लाल, निवास —ग्राम-बिजवाशन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती बीना मेहरा, पत्नी मेलर पी० के० मेहरा निवासी---डी-7/6, वसन्त विहार, नई विस्ती। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के हिल्पू कायवाहियां शुरू करता हुं।

सकत सम्मतित् के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इन मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की प्रविध या शरसम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, औं भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र्य किसी अन्य व्यक्ति प्नारा अओहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 22 बीघे और 8 बिस्बे, एम० नं० 16, किला नं० 21(4-16), एम नं० 17, किला नं० 25 (4-16), एम० नं० 22, किला नं० 4/2(2-8), 5(4-16), 6/1(0-16), एम० नं० 23, किला नं० 1(4-16), के स्पाध ट्यूब-बैल इत्यादि, ग्राम—सलाहपुर, तहसील—महरौली, नर्ष दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा ाक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली

विनांख: 5-4-1981

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०-3/8-83/973---यतः, मुझो, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् (उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हो कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकी सं० एस-15 है तथा जो पंचित्रला पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हे एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है बौर अंतरक (अंतरकार) बौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में मास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण **रंहुई किसी बाय की बाबत्। उब्बर** वीधनियंत्र को अधीन कर दोने के जन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के के लिए; वॉर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय नायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किना गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के बनुसर्भ में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) हे अधीन, निम्निलिस्त व्यक्तियों, स्वीत ह

(1) श्रीमती लक्ष्मी मजूनदार, तिवासी—एस-15, पंच-शिला पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारता डालिमया, श्रीमती सराज डाल-मिया, श्रीमती कुमुम डालिमया, श्री रमेश डालिमया, श्री संजीव डालिमया, निवासी--एस-306, पंचिशिला पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का वह सूचना भारी करके पृशांकित सुम्मतित् के वर्षन् के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (अ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, को सक्छ अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

शनसर्ची

प्रो॰ नं॰ एस-15, पंचिशला पार्क, नई विल्ली, तादादी 800 वर्गगज।

सुन्नीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, विल्ली

विनांक: 5-4-1984

प्ररूप आर्च. दी. एन. एस.- - - ----

कांगकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/8-83/974—-अतः मुझे, सुधीर घन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25.000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 4986 है तथा जो एस० बीजार, जंगपुरा भोगल, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के मुस्ए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रा सुमेर वन्य जैन, सुपुत्र सरंग सिंह जैन निवासी-63-मर्राज्य रोड, जंगपुरा, भोगल, नई बिल्ली।

(अन्तर्क)

- (2) श्रीमती श्रेष्ठा रानी परित शी मदन कियोर (2) शामती दिस्त रानी, परिन प्रेम पाल, विश्वासी 4986, बाजार लैंन, भोगन, नई दिल्ला।
 - (3) श्री वैश नाथ सुपुत्र श्री मुरारी लाल, निवासी-टी०-52, समन बाजार, भोगल, नई दिल्ली (4) श्रीमती किरन खट्टर पत्नि श्री डी० आर० खट्टर, निवासी प्लाट नं० 29, ब्लाक नं० 2, डब्स्पू०-एच०-एम०. कितीं नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्जान के राजपत्र में श्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्जान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रायः
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीव ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त्यी

एम० सी० डी० नं० 4986, प्लाट नं० 806, तादादी 342 वर्गगण, एस० बाजार, जीगुरा, भोगल, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांस: 9-4-1984

मोहर 🤢

प्ररूप बाई. टी. एम. एस. -----

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-1, नई विस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 8-83/911--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् वाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं • ई-46,/6, है तथा जो ओखला इन्डस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान यतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके पुश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे पुश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरच के लिए तय

पावा गया प्रतिकत, निम्नमिक्ति छड्डेन से उन्त बन्तरण चिक्तिमें नास्तिक रूप से भीयत नहीं किया नया है:---

- (क) जन्तरक से हुए किसी जाव की बावत, उक्त जिम्मियम के जभीन कर दोने के सम्बद्ध औं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जीर/या
- (वा) एसी किसी नाय या किसी धन या नन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिवत व्यक्तियों, वर्धात्ः— 13—56GI/84

- (1) मैं अाटो इन्जीनियरिंग इन्डस्ट्रीज, द्वारा भागीदार सोहन लाल और नेवल कृष्ण निवासी 60/26, अशोक नगर, नई दिल्ली। (अन्सरक)
- (2) प्रगती एक्सेसरंज [प्रा० लि०, नई विस्सी (अन्सरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उत्तत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विन्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबबूध किसी कृत्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताकरी के पास सिखित में किए जा सकीने।

स्पक्षीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उच्च अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

अगुलुची

ण्लाट नं० ई० 46/6 तावाची 619.4 वर्गगण, जोजला इन्डस्ट्रियल एरिया भाग 2, नई विल्ली।

> सुधीर, जन्मा ससम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, दिस्ली, मई दिस्सी।

विनांक: 9-4-1984 -

मोहर 🕫

प्ररूप जाहें ु टी ु एन ् एक - ----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की चाच 269-च (1) के अभीन कुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 9 अप्रैल, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० ए० /एस्यू०/1/एस०्झार० 3/8 83/983—अत: मुक्षे, सुधिर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-राप्य से अधिक है

्रजीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सतधारी महरौली, नई दिल्ली, में स्थित है (क्रोर इससे उपावस अनु-स्वी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन, दिनोक अगस्त, 1983

क्षेत्र पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे उपयमान प्रतिफल का प्रतुष्क प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण निष्कित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे कचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया को किया जाना साहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिएत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती स्ववेव प्रतिक्षी शामलाल सनवेवा, निवासी-एम-72, ग्रेटर कैलाश-2, नई विल्ली १ (अन्तर्क)
- (2) श्री वीपनः वेव सुद्धातः श्री गिरधारी लाल वेव, निवासी 3-सी/4, लाजपतनगर, नई विस्ली। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करूके पूर्वोक्त सुम्महित के अर्चन व कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कार्य मानुष्राक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तारीय से स्थान की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी मुद्दीन वाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के क्रिक्ट में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तार्तिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर स्माति में हित्बुंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षत्री के पास लिखित में किये जा सकत्री।

स्थळीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्धों और पर्दों का, श्री श्रद्भेता अधिनियम, के अध्याय 20-के के प्रदेश-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, थो उन अश्रद्धेत्र में विया गया है।

्नवुतुन्ती

कृषि भूमि तादावी 12 बीधे और 17 बिश्वे, खारस नं० 690(3-5), 691(4-16), 692 (4-16), बाम--सतवारी, तहसील--महरौरली, नई दिल्ली।

> मुधीर जन्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर मायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली।

विन्कि: 9-4-1984

नोहर 🖫

प्रस्य नार्द्द टी । एन : एस : :----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सुचना

पार्टेस सरकार

कार्यासय, सहायक गायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांच 9 अप्रैल, 1984

निवेश संव आई० ए० सी०/एक्यू०/एस० आर०-III/8-83/ 921---अत: मुझे, श्री सुधीर चन्द्रा

बार्षकर के विनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात (उचत जिमियम) कहा गया है), की भारा 269 के के विभीत सक्त्र प्रतिविकारी को यह विश्वास करने का बार्स है कि स्वविद्ध स्वयोद्ध , विश्वका उचित्र वावार जुन्व 25,000/- इस् से विश्वक है

बौंद जिसेकी सं ई०-540 हैं तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्व रूप से बॉणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक अगस्त, 1983

कि विसेति सम्मिति के उचित बाजार बुल्य से कम के स्थमान प्रतिकर्ति के लिए जितरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्य, उसके स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बल्तिरती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसस अन्तरण दिल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क), अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त विधिनियम के स्थीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; स्रोह/वा

(1) मैसर्स भाटिया एपार्टमेंट्स, ए-18, कैलाश कासोनी, नई दिस्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रानी कपूर, परिन श्री जे० सी० कपूर 76, विनचेस्टर ड्राइव हेरन नारिस स्टाक्पोर्ट चेशायर, यू० के०।

(अन्तरिती)

को यह कृषवा पारी करके पृत्रों का बस्पृत्ति के वृर्वतृ के विवृ कार्यवाहियां शुरू करता हुं को

उनते संपरित को नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप हु--

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकींगे।

स्वाकरणः --- भ्रमें प्रयुक्त कर्कों और वदों का, जो उक्क जीवीनयम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया न्या है।

अनुसूची

ई—540(बंगिंगज 550) ग्रेटर कैंगाश-र्मा, नई विल्ली में स्थित है।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्लो।

बतः बंब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के बंधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, नर्भात् :—

दिनां इ : 9-4-1984

मोहर 🟅

मुक्त आहे । हो । पुर । हुन् अञ्चलकार

बावकर विधितयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) से वधीन सूचना

भारत सहकार

कायीलवं, संद्वायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निर्वेशं सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3 8-83/960--अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

वायकर विधिनियमं, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके वश्यातः 'उन्त अधिनियमं' कहा गया ही, की भारा 269-व के न्थीन सक्तमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्यक्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये हे विधिक है

और जिसकी सं र ६०-101 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई विस्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण इस से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विस्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनाक अगस्त, 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यभान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से निभक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितार्थों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश से अक्त अम्तरण निकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी गाय की वायत, उपत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; अडि/या
- (वा) एंसी किसी अाय या किसी भग या अस्य आस्तियों की जिस्ह भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के सिष्।

(1) श्री घोम प्रकाश घग्नवाल सुपुत्र एल० देवी दयाल निवासी ई-101, ग्रेटर कैलास-2, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) वे हाउस बिल्डर्स, थी-17, ग्रीन पार्क-एक्सटेंशम, नई दिल्ली, द्वारा भागीदार श्री राजेश अरोहा। (अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्ची

पहली मंजिल, प्रो० नं० ई-101, तावादी 250 वर्ग गज, ग्रेट्स कैलाश-2, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

भतः नवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के ननुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिक्ति व्यक्तियों, अधीन :----

दिनांक: 9-4-1984

प्रकम कार्यं हु टी ु एन<u>ु</u> एस्.------

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दोक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली , दिनांक 9 भ्राप्रैल, 1984

निर्देश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० भ्रार०-3/8-84---951---भ्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० ए०-58/2, है तथा जो भोखला इन्डस्ट्रियल एरिया-2, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपावद अनुसूची में भौर पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण भिक्षितियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन, दिनांक भ्रगस्त, 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंबह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रतिफल, निम्निलिखत उद्येषयों से उक्त अंतरण सिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की वावल, उत्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग औं अनुसरण भौ, भौ. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैं० ग्रलायड मेटल एण्ड इन्जीनियरिंग वर्क, 4, पार्क एरिया, करोगल बाग, नई दिल्ली, द्वारा भागीदार एस० एस० लाल कोहलीं, ग्रौर एस० पी० ए०, श्री एच० सी० कोहली, ग्रौर विवन कोहली ।

(मन्तरक)

'2) लक्ष्मण एक्सपोर्टस प्रा० लि०, ए-58/2, भोखला इन्डस्ट्रियल एरिया भाग-2, नई विल्ली, द्वारा डाइरैक्टर, श्री एस० एस० लाल कोहली। (भन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता हो।
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध भ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जबत अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रपी

प्रो॰ प्लाट मं॰ ए॰-58/2, तादादी 1007.60 वर्गगज, भोखला इन्डस्ट्रीयल एरीया भाग-2, नई विल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, मई दिल्ली।

विनोक: 9-4-1984

मोहर 🖫

श्रह्म कार्ड टी एन एस ---

वाधकेषु विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर गायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल, 1984

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रुप. से अधिक है

धौर जिसकी सं० एष० 62 है तथा जो कोटला मुबारकपुर विस्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विस्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक अगस्त, 83

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करेंगे का कारण है कि यथापृष्वित सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय क्या गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित अ

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उत्तसे बुचने में सुविधा की निए; बार/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना था, छिपाने में सृविधा के सिए;

नतः सर्व, उस्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उस्त मधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) फ़्रे नभीन निम्मलिखित व्यक्तियों, क्योत् :--- (1) श्रीमती पुष्पा देवी पत्नि स्व० श्री सारवा सिंह निवासी एच०-61, सुभाष मार्केट कोटला मुनारक-पुर, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती चमेली देवी पत्मि श्री छीतर मल ग्रग्रवाल, निवासी-मकान मं० 360 कोटला मुबारकपुर, नई विल्ली।

(मन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षोप :---

- (क) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर' सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्तं स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त सन्धों जीर पूर्वों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुना हैं।

मन्स्ची

एक मंजिला मकान एम० सी० डी० नं० एच०-62, खसरा मं० 633/21, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली, तांबादी 45 वर्गगज।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, विल्ली, मई विल्ली

विनोक: 9-4-1984

मोहर:

भूकप आहें.टीं.एम्.एस्.--------

नायकर अधिनियम, 1961-(1961 का 43) की धारा 2,69-व (1) के बधीन सृचना

भारत बरकाड

कार्यालयं, सहायक भायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 ग्राप्रैल, 1984

तिवेश सं प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०मार०-3/8-83/ 927---मतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

्वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (थिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त व्यथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से विधिक है

, भौर जिसकी सं० बी०-261, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, ,नई दिल्ल्ली में स्थित है (भौर इससे उपावक्र भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय, दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण भिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक भ्रगस्त, 83

को शुनाँजत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान हित्त को मिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सूर्विधा के लिए; नीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के बन्धरच में, में उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री एस० रिवन्दर सिंह मुपुत्र स्व० श्री सुरिन्दर सिंह, निवासी-डब्ल्यू-103, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रनूप कुमार जलोटा सुपुत्र श्री रूप लाल जलोटा, निवासी-बी-211, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली। श्री मदन कुकरेजा सुपुत्र श्री डी० के० कुकरेजा, निवासी-23, फीरोज गांधी रोड, लाजपतनगर, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन नके विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की सविभि था तत्सम्बन्धी स्थानित साँ ज्वा स्थानित साँ ज्वा स्थानित सो 30 दिन की जविभ , को , जी अविभ बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्या किता में से किसी स्थानित व्या दिन सुं
- (स) इस सूचना के राजपन में शकावन की तार्तीया है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बहुं के किसी अन्य स्थानत स्वारा वशोहस्ताकारी के पुता निस्ता में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्यों का, का . क्षेत्र अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिप्राधिक्य ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में ब्रिका एका ही।

वन्सूची

1/4 भाग प्रो० नं० बी०-261, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली तादादी-351, धर्मगज्।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

विनोक: 9-4-1984

मोहर ः

प्ररूप नाइ टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निह्रिक्षण) प्रजन रॅज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 9 ग्रप्रैल, 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्य्/1/एस० म्रार०-3/8-83

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उनत निधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, जिसका उचित बाबार मूक्य 25,000/- रह. से निधक है

भौर जिसकी सं० 115, है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वॉजत है), रजिस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय, विल्ली में रजिस्ट्रीकरण भिर्धानयम, 1908 (1908 का 16) के भिर्धान, विनांक श्रगस्त, 83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार सूम्ब से कम के ध्यममाथ प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यममान प्रतिफल का बन्ग्रह प्रतिक्षत अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तस पासा बमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अंतरण किचित ब बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किनी नाग की वायतः, उन्तर विधिनियन के संधीत कर बोने के वंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वद, उक्त विधीनयम कौ धारा 269-ण के अनुतरण में, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-ण की उपधारा (1) खें सधीन विदन्तिवित व्यक्तियों, वर्षात् र---

- (1) श्रीमती नीना सेठ, पत्नि श्री सतीश चन्द सेठ, निवासी जी-1/16, दरिया गंज, नई दिल्ली। (मन्तरक)
- (2) श्री एस० के० म्राहूजा सुपुत्र स्व० श्री म्रार० के० माहूजा, श्रीमती के० के० म्राहूजा, पत्नि श्री एस० के० म्राहूजा, निवासी सी-3, ग्रेटर कैलाश, 1, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोड्रे भी वासोप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारीच वै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस की 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

नग्त्वी

प्लाट मं० एस-1, प्लाट नं० 115, ग्रेटर फैलाश, नई विख्ली, तादादी 43 वर्गगज।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, दिल्ली

दिनांक: 9-4-1984

मोहद्र 🕸

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 9 ग्रप्रैल, 1984

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०भ्रार०-3/8-83/ 930—भ्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 5-4/30 है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रगस्त, 83

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफात के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रभोजनार्थ-अंतरिणी द्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) श्री वेद प्रकाश सुपुत्र श्री बसन्त राम, निवासी-2876, कुचा चेलान, दरिया गुंज, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री सतीश कुमार सूव ग्रौर श्री पूरवन्य सूव, निवासी-ए-4/6, डी० स्टोरी, लाजपतनगर, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 5-4/38, घ्रोल्ड डबल स्टोरी, लाजपतनगर नई दिल्ली, तादादी 288 वर्गफीट।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:—

14 - 56GI/84

विनांक: 9-4-1984

मोहर :

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.----

बायकर मिश्रिनयम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-स (1) के बशीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल, 1984

निदेश स० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस० श्रार०-3/8-83/

941---- ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मंडी, महरौली, नई विल्ली में स्थित (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रगस्त, 83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृष्टों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती

'(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक

रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उसने वचने में सविभा के लिए; सौर/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा था या किया जाना पाहिए था, खिपाने में सविधा खे शिए;

भतः वयः, उक्तः वीर्धीनयम् की वादा 269-व के वयुवरण्यः वी, भी अकतः विधिनियमं की भारा 269-व की वयभारा (1) के व्योतः, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षात् ४---- (1) श्री हरी चन्द सुपुत्र श्री भित्तल, निवासी-डेरा मंडी, नई दिल्ली

(बन्तरक)

(2) श्री मोम प्रकाश सुपुत्र श्री सुलतान सिंह, निवासी ग्राम डेरा मंडी, महरौली, नई विल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

कृषि भूमि तादावी 11 बीधे और 14 बिस्वे, एम० नं० 41, किला नं० 1(4-12), 2(2-0), एम० नं० 97, किला नं० 24(1-12), एम० नं० 114, किला नं० 4(3-10), ग्राम डेरा मंडी, तहसील महरौली, नई दिल्ली 9।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-1, दिल्ली।

दिनांक: 9-4-1984

मोहर 🖈

प्ररूप वार्द टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 9 प्रप्रैल, 1984

निवेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस० धार०-3/8-83/952—श्रतः मुझे, सुधीर ूंचन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

न्नोर जिसकी सं० डबल स्टोरी है, तथा जो कुचा बिस्डिंग दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे सपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रगस्त, 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान गतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरंगे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ए'से इस्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकों) और गंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया गतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए? और्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-शर्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

जतः अजः, उक्त विभिनियम की धारा 269-प के अनुसरण कैं, प्रैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा ं(1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती बचन्त कौर निवासी-59-जैन मंदिर, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार, निवासी-5130 मेन बाजार, पहांक गंज, नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

डबल स्टोरी हाउस कुचा बिल्ठ, तादादी 133 वर्ग गज, दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

विनांक: 9-4-1984

मोहरः

प्ररूप भारी, टी. एन्. एस.,-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीन स्वना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 प्रप्रैल 1984

निदेश सं श्राई० ए० सी ०/एक्यू ०/1/एस० म्रार०-3/8-83/ 932—म्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्राम कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-गदाईपुर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद मनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन, दिनांक ग्राम्त, 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का जन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी नाम की नामत्, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दासित्व में कभी करने या उससे अपने में सुनिधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः व्यं, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) है अधीन, निम्नुसिन्धित व्यक्तियों, अधीत् हि—

- (1) श्री खजान सिंह सुपुत श्री सुरजान निवासीं ग्राम गवाईपुर, तहसील, महरौली, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री राम गोपाल सरफ डाइरैक्टर म्राफ मै० जीवन विहार प्रोपर्टीज प्रा० लि०, 53-घौरंजी रोड, कलकत्ता-16

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकारी।

मगुजुर्ची

भूमि तादादी 3 बीधे श्रीर 4 विश्वे, 5/33 भाग भूमि खसरा नं० 69, 70/1, 70/2, 71, 72, 74, 92, 94, 93, 95, 106 श्रीर 134, ग्राम गदाईपुर, तहसील महरौली नई दिल्ली।

सुधीर जन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सष्ट्रायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 9-4-1984

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुम्ता

भारत सरकार

कार्यातयः, तहायक वायकर वाय्वतः (निरोक्त)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 ग्रप्रैल 1984

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3/8-83/ 933—मतः मुक्के, सुधीर चन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गदाईपुर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में ग्रौर पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रगस्त, 1983

कां पूर्वोक्स संपति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इक्यमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देव्यमान प्रतिफल से, एसे देव्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देव्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बस्तरण तं हुई कितीं बाय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

नतः जब उक्त निधिनियमं की भारा 269-ए के ननुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के नभीन, निम्नितिश्वस व्यक्तियों, नभीत्:—

- (1) श्री खजान सिंह सुपुत्र श्री सुरजान-निवासी ग्रांम-गदाईपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली। (मन्तरक)
- (2) श्री राम गोपाल सरफ (डाइरैक्टर ग्राफ मैं० जीवन विहार प्रोपर्टी प्रा० लि० 53-चौरंजी रोड, कलकत्ता-16

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्स संपरिस के अर्थन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे श्रीर 16 बिश्वे 5/33 भाग स्नासरा नं 60, 70/1, 70/2, 71, 72, 74, 92, 94, 93, 95, 106 श्रीर 134, ग्राम गदाईपुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सस्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज-1, विरूत्सी।

विनोक: 9-4-1984

मोहर 🕄

प्ररूप शाही. टी. एत. एस.-----शामकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्थीन सूच्या

भारत बुरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल, 1984

निदेण सं० आई० ए०सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/8-83/ 934—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी संक कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गदाईपुर, नई विल्ली में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, नई विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक अगस्त, 83

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ संबुद्ध किसी भाग की बाबत, उन्ह अर्डिश्वित्रण में अभीन कर दोने के अन्तरक में बायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा में सिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों करें, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विद्युः

जतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित अ्यस्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्री खजान सिंह सुपुत्र श्री सुरजान, निवासी, ग्राम गदाईपुर, नई दिल्ली। (बन्सरक)
- (2) श्री राम गोपाल सरफ (डाइरेक्टर) मै० जीवन विहार प्रोपर्टीज प्रा० लि० 53, चौरंजी रोड, कलकत्ता-16

(बन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रों करा सम्पत्ति की अर्थन को हैंब्यू कार्यवाहिया शुरु करता हैं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और उदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

कृषि भूमि तावादी 1 बीघे और 9 बिग्वे, 29/138 भाग खसरा नं 41, 105, 107, 108, 109, 131, 128, 129, 130, 225, 236/1, 236/2 ग्राम गदाईपुर, तहसील महरौली, नई विस्ली।

सुधीर जन्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई विस्ली।

दिनांक: 9-4-1984

मोहर

प्रकृत नाइ . टी. एन्. एके. -----

भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व(1) के सभीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विरुली, विनांक 9 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/8-83/ 935--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-गदाईपुर, महरौली, नई विस्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिस्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम को दूरयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरम् से हुन्द किसी नाय की बाबता, उनक् अधिनियम् से अभीत कर देने के अन्तरक के वादित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए:

'अक्तः नव, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग कै अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) श्री नरायण सिंह सुपुत्र श्री सुलतान सिंह, निवासी-ग्राम-गदाईपुर, तद्भसील महरौनी, नई दिस्सी।

(अन्तरक)

(2) श्री राम गोपाल सरफ (डाइरेक्टर) मैं जीवन विहार प्रोपर्टीज प्रा० लि० 53-वौरंगी रोड, कलकता-16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोचित सम्पृत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की जबधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस क्षे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तावादी 4 बिघे और 16 विश्वे, 5/33 भाग खसरा नं० 69, 70/1, 70/2, 71, 72. 74, 92, 94, 93, 95, 106 भौर 134, ग्राम-गदाईपुर, तहसील-महरौली, नई विल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांफ: 9-4-1984

मोहर '

प्ररूप आहं. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जनरेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ /8-83/936—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-गवाईपुर, महरौली नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, ऐसे रूपयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरूरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कै सभीन, निम्निमिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री तुलसी राम सुपुत्र श्री, सुरजान, निवासी ग्राम-गदाईपुर, महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राम गोपाल सराफ (डाइरॅक्टर) मै० जीवन विहार प्रोपर्टीज प्रा० लि० 53, चौरंजी रोड, कलकत्ता-16

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टींकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बीचे और 16 बिख्वे, 5/33 भाग खसरा नं 69, 70/1, 70/2, 71, 72, 74, 92, 94, 93, 95, 106 श्रीर 134 ग्राम-गदाईपुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, दिल्ली, नई विल्ली

दिनांक: 9-4-1984

माहर:

प्ररूप, आर्ह. टी. एन. एस. .-----

काम्रकर गिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भाराः 269ल्थ (1) के अभीन स्वान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 9 अप्रैल, 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एश्यू०/ 1/एस० आर०-3/8-83/937—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें १इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संक्ष्मिष भूमि है तथा जो गवाईपुर महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्व रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1983

की पूर्वोक्स सम्मरित के उचित वाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एके अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रिक्फल जिल्ला निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिए में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय जा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ——
15—56GI/84

- (1) श्रो अध्य कुमार सुपुत्र श्रो सुनतान सिंह, निवासी ग्राम गदाईपुर, महरौली, नई विल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री पाम गोपाल सराफ (बाइरेक्टर) मै० जीवन विहार प्रोपर्टीज प्रा० लि० 53-चौरंजी रोड, सलकता-16

(अन्तरितो)

को यह स्थाना जारी करकें पूर्वेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शूरु करता हो।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्रेपु:---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की ताबीक से त्या कर कि कि अविश्व या तरसंबंधी व्यक्तिकों पर्क सूचना की तामील से 30 दिन की लविष , जो-भी के अविश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित कुवारा;
- (स्) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस तैं। 45 दिन के भीतए उक्त स्थावर सभ्यस्मि में हिसक्ष्यः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाष्ट्रस्ताक्षरी के पासः निस्ति में किए, जा सक्तेंगे.

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपसं अधिनयम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 4 बीघे और 16 बिश्वे, 5/33 भाग खसरा नं 69, 70/1, 70/2, 71, 72, 74, 92, 93, 95, 106 और 134, ग्राम गवाईपुर, तहसील महरौली नई दिल्ली।

> सुधोर चन्द्रा स**ध्यमः प्राधिकारी** सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1., दिल्लो' नई दिल्ली

विनांस: 9-4-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आहुँ. टी. एन. एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०-3/8-

83/938—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा सम्बद्धः सुधिनियमः 1061 (1061

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सैं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गवाईपुर, वह किस्ती में स्थित है (श्रीर इससे ज्यावत अतसची में श्रीर

नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 83

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे खर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उच्त अन्तरण लिचित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिस्स, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः जब, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, मैं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पित्यों, सर्धात् हें—

- (1) श्री रतन सिंह सुपुत्र श्री सुरजान सिंह निवासी ग्राम गदाईपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री राम गोपाल सराफ डाइरेक्टर, मैं० जीवन बिहार, प्रोपटींज प्रा० लि० 53, चौरंजी रोड, कलकता-16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नपुस्ची

कृषि भूमि तावादी 4 बीघे और 16 बिश्वे, 5/33 भाग, खसरा नं 69, 70/1, 70/2, 71, 72, 74, 92, 94, 93, 95, 106 भौर 134, एरिया ग्राम-गदाईपुर, सहसील-महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली।

विनोक: 9-4-1984

मोहार:

प्रकृप बाई. टी. एन. एस.----

जायकर जीपतियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-थ (1) के जधीन सूचना

भारत सरकार

कामलिक, सहाय्क आयकर आयुक्त (निर्काक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 मार्च, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2732/II/83-84—अतः मुझे, आर० आर० शाह शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रहे. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संवआरवएसवनंव 193 ए है तथा जो वेजलपेट तह्व नक्सारी में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-8-84

को पूर्वोक्स संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य ससके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय्भाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त सिंपित्यम् के अधीन कर दोने के जन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा अ हिए;

जतः सब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मंगुभाई खुशाली आई पटेल (2) ठाकुर भाई खुशाली भाई पटेल, पापरी बाड, नवसारी। (अन्तरक)
- (2) गंगा को० आ० हा० सोसायटी, नवसारी। (अन्तरिती)

का यह स्वनः जारो करकं ।वे त स्थिति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां चुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्यक्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगेर जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूचीं

जमीन जो बेजलपेट में स्थित है जिसका सर्वे नं 193A है भौर 9776 जौफिरका कुल क्षेत्रफल है। सब रजिस्ट्रार नवसारी में 2632 मंबर पर ता० 12-8-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० गाह समम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, अहमदाबाद

दिनांक: 14-3-1984

मोहर 🖫

असम् मार्डः टी , एनः प्रस् , ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ्षारा 269-भ (1) के अधीन सुम्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥,,अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 मार्च, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2733∮।।/83-84—अतः

भूमे; आए० आए० शाहर

भौगकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

मौर जिसकी सं आर एस नं 193 ए है। तथा जो बैं जेलपुर, नवसारी में स्थित है (ग्रीर इससे उपवाद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजय है),रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1983

को प्रशेषित सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रशिक्त के मिलए अप्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करें का कारण है कि यथापूर्वी के समित का स्वित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंबरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्विय से उक्त अन्तरण लिखित औ नास्तिवक रूप से किथत मही किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत उक्त अधि-मिसम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए अधि-प्रा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य अस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27). की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की लिए;

जतः अव, उनत् अधिनियम की धारा 269-म की जनसरण जै, जै, धनत जीधिनियम की धारा 269-म की उन्धारण (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री ठाकुरभाई खुशालभाई पटेल, नवसारी, (2) मंगुभाई खुशालभाई, पटेल, नवसारी, (3) नटवरभाई पूजाभाई पटेल, नवसारी,
- (2) जेसल को० आप० हा० सोसायटी, स्टेशनरोड, नवसारी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृश्निक सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों शहर करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में भकाशन की तारी कुसे 45 दिन की सविध या तरसम्बन्धी क्या कित्रमाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि; को भीतर पूर्वोचत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित हो, के भीतर पूर्वोचत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित हुतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधीहरताक्षरी के पास निखित में किए जा सुकेंगे।

स्पर्धः करणः — इसमें प्रयुक्त सन्धीं और पूर्वो का, जो उनस् अधिनियम, के क्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे सं० 193ए है श्रीर कुल क्षेत्रफल 963 ट चौ० फुट है जो बेजलपुर में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, मबसारी में 2402 नंबर पर अगस्त, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, अहमदााबद

दिनांक: 14-3-1984

मोहर:

प्रक्षप आई . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-॥, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 मार्च, 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2734/।।/83-94 -- अतः मुझे, आर० आर० शाह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ंश्रीर जिसकी सं० आर० एस० नं० 193 ए, है तथा श्रीर बेजलपुर, नवसारी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-8-83

को पूर्णिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्तृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- '(क) एसें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्यक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छियाने में स्विका के लिए;

्मतः भाषा, जनत निष्मिनयम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थान :— (1) मेगुभाई खुपालभाई पटेल, (2) ठाकुरभाई खुपाल-भाई पटेल, सराय बासार, नवसारी।

(अन्तरक)

(2) जेसल को० आ० हा० सो० लि० स्टेशनरोड, नवसारी (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षान के लिए कार्यवाहिया शरू करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :-- '

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 विन के गीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए अग्रसकेंगे।

स्पष्टीक रणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

जमीन जो बेंजलपुर में स्थित है जिसका सर्वे नं० 193ए है श्रीर 9776 ची० फुट का कुल क्षेत्रफल है। सब रिजस्ट्रार नवसारी में 2491 नंबर पर ता० 5-8-1983 को रिजस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

विनांक : ⊧14-3-1984

मोहर 🖟

प्रकप् बाइ . टी. एन. एस. - - - ----

बायफरु विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-^{II}, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 14 मार्च, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2735/।।/83-84 स्थतः मुझे खार० खार० शाह

इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० 193ए है तथा जो वेजलपुर, नवसारी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-8-83

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गृह है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल् से, एसे क्यमान प्रतिफल् का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल् निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) बन्तहरू ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर की के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के सिय;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनुसरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मंगुभाई खुशालभाई पटेल, (2) ठाकुरभाई खुशालभाई पटेल, (3) नटवरभाई पूंजालाल पटेल, नवसारी।
- (अन्सरक)
 (2) श्री चंवनवन को० आ० हा० सो० स्टेशनरोड,
 मयसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू क<u>रता हुं</u>।

उक्त स्म्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुकारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत् अध्याय में दिशा गया है।

बन्द्रची

जमीन जो बेंजलपुर में स्थित है जिसका सर्वे नं० 193 ए है भीर 7072 जौ० फुट है। सब रजिस्ट्रार नवसारी में 2485 नंबर पर ला० 3-8-1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सङ्गायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज-॥, अहमदाबाद

विनांक: 14-3-1984

मोहर:

प्ररूप नाइ^र. टी. एने. एस[.]. = - ----

नायकर निर्मित्रम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-॥, अहमवाबाद अक्षमदाबाद, दिनोक 14 मार्च, 1984

निदेग नं० पी० आर० नं० 2736/॥/83-84—अतः

मुझे आर० आर० शाह

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीट जिसकी सं० आर० एस० नं० 193ए है तथा जो बेजलपुर, नवसारी में स्थित है (ग्रीट इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीट पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-8-83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुई किती अथ की बाबता, उक्त मधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबों की, जिन्हों भारतीय पाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के किए?

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) मंगुभाई खुशालभाई पटेल, (2) ठाकुरभाई . खुशालभाई पटेल, (3) नटवरभाई पूंजीभाई, पटेल, नवसारी।
- (2) श्री चन्दनवन को० ग्रो० हा० सो० स्टेशनरोड, नवसरी।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्परित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुत्त्वी

जमीन जो वेजलपुर में स्थित है जिसका सर्वे नं० 193 ए० है और कुल क्षेत्रफल, 7930 चौ फुट है। सब रजिस्ट्रार नवसारी में 2490 नंबर पर ता० 5-8-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।, अहमदाबाद

विनांक: 14-3-1984

मोहर 🖫

अरूप बाहें.टी.एन.एसः ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-॥, अहमदबााव अहमदाबद, दिनांक 14 मार्च, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2737/11/83-84—अतः मुझे, आर० आर० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य र 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर ज़िसकी सं० आर० एस० नं० 126, मक्नामपुरा में है तथा भरूच में स्थित है (श्रौर इससे उपबाद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरूच में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908)

का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1983
की पूर्वेक्सि सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथएपूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (ए957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—

- (1) श्री कालुमियां सिराजुक्षम मशादी मक्नामपुरा, भरूष।
- (अन्तरक)
 (2) श्री विनयपार्क को० श्रो० हा० सोसायटी, मक्नामपुरा, भरूंच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अक्ताशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वोक्रक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

अमुसूची

णमीन ओ मक्नामपुरा में स्थित है जिसका सर्वे नं० 126 है और कुल क्षेत्रफल 1 एकड़ है। सब रजिस्ट्रार भरूंच में 1718 नंबर पर अगस्त, 83 में रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० प्राह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-।।, अहमदाबाद

दिनांक: 14-3-1984

मोहर :

j'

प्रकृष कार्युः, क्षीः, एनः, एसः, ------

गायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचन.

भारत सर्कार

कामिलंग, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिसण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अमह्वाबाब, विनांक 14 मार्च, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० अतः मझें, आर० आर० शाह /83-84---

बातकर क्रिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कार्यक हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 277 है तथा जो गडखोल, ता० अंकलेश्वर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाद्यत अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजत है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लग, धंकलेश्वर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के अधीन, 2-8-1983

को प्वांबित संपरित के उभित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उभित बाजार मृस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) बलारण से हुए किसी शाय की नानत, उपद वर्डिपणियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दावित्व में कनी करने या सबसे नमने में बृविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया नदा था पा किया जाना चाहिए था, छिनाने में स्विधा के लिए;

बतः बब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरम में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) साई पूंजी, मोहन वसन की परिन, (2) साई शांता मोहन वसन की पुत्री, मडखोल, ता० भक्ष्म।

(अन्तरक)

(2) मायानगरी को० आ० हा० सोसायटी, प्रमुख अजीजुर रहमान, 4, पटेल कमला पार्क, श्रंकलेश्वर (अन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के निष्
कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाधीप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीच थे 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, भी भीके अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए था सकेंगे।

स्थव्योकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त विभिन्नम, के अध्याय 20-क में प्रिभावितः हाँ, कही वर्ष होगा यो उस अध्याय में दिका नवा हाँ शि

अनुसुची

जमीन जो गडखोल, ता. अंकलेश्वर में स्थित है जिसका सर्वे नं. 277 है श्रौर कुल क्षेत्रफल 32670 चौ० फुट है। सब रिजस्ट्रार, श्रंकलेश्वर में 1936 नंबर पर सा० 2-8-1983 को रिजस्टर्ड की गई है।

> आर० आर०ं गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-।।, अहमदानाद

दिनांक: 14-3-1984

मोहरू 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

बायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिका) अर्जन रेंज-॥, श्रहमदाबाद

महमवाबाव, विनांक 15 श्रप्रैल, 1984

निवेश सं०पी० भार० नं० 2739/11/37ईई/83-84--- प्रतः मुझे, मार० भार० भाह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 911 है तथा जो नानपुरा, सूरत में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं'), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 25-8-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का प्रवृह प्रतिचात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तः रण से हुर्इ किसी आय की बाधतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः बन उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के ननुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीसम्मानिकाल क्यान्सियों कथीतः ।

- (1) श्री राम श्रपार्टमेंट्स को० श्रा० हा० सोसायटी 1/864 श्रथूगर स्ट्रीट, नानपुरा सूरत । (श्रन्तरक)
- (2) श्री कमल सुरेन्द्र ईनामवार, के०/भा० ए० ईनामवार, कास लेन, बम्बई। (अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बार्बप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

मनुसुची

फ्लैंट जो राजेश्वर श्रपार्टमेंट्स, सूरत में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 600 चौ० फुट है। 37ईई फार्म जो ता॰ 25-8-83 को रजि॰ किया है।

> श्चर० झार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-11, सहसदानाद

विनांक: 15-3-1984

मोहार:

.. 1

जब्द आई. टी. एन. एस. ------

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

नारत नुरकारु

कार्यानय, सहायक जायकर आग्रुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 15 मार्च, 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2740/॥/83-84—ग्रतः मसे, ग्रार० ग्रार० शाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वकं संस्थात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-चं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रंग से अधिक है

भीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 294 और 295, सर्वे नं ० 631/ फी॰/50/पी है तथा जो छीटी, ता० पारडी में स्थित है (भीर इससे उपायद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, पारडी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 11-8-1983 को पूर्वोक्स सम्परिस के उचित बाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ता प्रतिफल का पन्ता प्रतिफल के किए तथापूर्वोक्स सम्पत्ति की लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तावक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बंतरण ते हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बीधनियुत्र के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

ब्रा: व्या, उपत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, बी. उस्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को विधीन, निम्मलिबिस व्यक्तियों, वर्धात् :---

- (1) रामा इन्डस्ट्रियल मैमिकस्स प्रा० लि० 812, रेखा चैम्बर्स, नरीमन पाइन्ट, बम्बई-400004 (अम्तरक)
- (2) रामा पल्प एण्ड पेपर्स प्रा० लि० रेखा चैम्बर्स; बम्बई-21

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवर्थ किसी अन्य व्यक्ति देवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किसे जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिनी गया है।

अनुसुची

जमीन जो छीटी गांव, ता० पारडी में स्थित है। जिसका सर्वे नं० 621/पी, 58/पी, 136/पी, 137/पी है और कुल क्षेत्रफल 23420 नी० मी० है। सब रिजरदार पारडी में 1258 नम्बर पर ता० 11-8-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ग्रार० ग्रार० **णाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-॥, ग्रहमदाबा**द**

दिनांक**द** 15-3-1984

मोहर : .

प्रकल् आहें ्र टी. एन., एस्.------

बायकर जीधनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

शाद्व स्रकाद्व

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-11, ग्रहमवाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1984

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 2741/II/83-84—ग्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं शार एस नं 240, प्लाट नं 8 है तथा जो भकीय, बडीवा, में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनु-मूची में भीर पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, बडीदा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 2-8-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्तु प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी जाय की वाबत उक्त जीध-विवय के ज्योन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निये; खरि/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृतिष्ठि व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री स्थामसुन्दर यशवन्तराय खडेकर, 2/18 गुजरात रीफाइनरी टाउनिशिप जवाहरनगर, बडौदा ।

(अन्तरक)

(2) किशनभाई मनमोहनदास शाह, महतीपोल, काशी शेरी, बडौदा।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाधीय ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र को प्रकाशन की तारील के 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी स्वित्त को गई स्वाध की तामील से 30 दिन की अधि को भी अखिल को भी तर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीव वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में 'हिस-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्तप्रकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभावित हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्यास में दिवा मना है।

अनुसूचि

जमीन जो श्रकोटा में (बडौदा) स्थित है जिसका सर्वे नं० 240, प्लाट नं० 8 है और कुल क्षेत्रफल 344 चौ० मी० है। सब रजिस्ट्रार, बडौदा में 4645 नम्बर पर तारीख 2-8-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> भार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-11 श्रहमदाबाव

दिनांक: 15-3-1984

मोहरः

प्रस्य बार्च, टी. एन., एस्.,=-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1984

निदेश सं० पी० आर्० नं० 2742/II/83—84—यतः मुझे आर० आर० गाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० संगिता अपार्टमेंट्स है तथा जो बडौदा में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बडौदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 8-8-1983

को पूर्वां क्त संपत्ति के उिचत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाइत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे अचने में जुनिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अयु उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) मुझभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ु— (1) श्री नदुभाई धापाभाई पटेल, 27 श्रभिषेक धपार्ट-मेंट, बडौदा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीयन्व नानाजीभाई शाह 402, संगीता भ्रपार्टमेंट्, ग्रल्कापुरी, बडौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो जुक्त ,अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

फ्लैट जो मल्कापुरी में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 1270 चौ० फुट है। सब रजिस्ट्रार, बडौदा में 4207 नम्बर पर ता० 8-8-1983 को रजिस्टर्ड किया है।

> म्रार० म्रार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्ष ण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाक्ष

विनांक: 15+3-84

भाहर 🛭

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, ,ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च र्र 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2743/II/83-84—ग्रतः मुक्ते, ग्रार० ग्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० नयाजीगंज, है तथा जो बड़ीदा में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध ग्रनसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, बड़ीदा में रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 12-8-1983

को पूर्वीक्त संपरित के उच्नि बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वीकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशंत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सिवधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) ग्रमर बिल्डर्स एण्ड कन्द्रैक्टर, के०/ग्रा० प्रेमचन्द शामजीभाई पटेल, 10, कस्तूरबा नगर, स्टेशन के पीछे, बडौदा-5।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीपभाई रामजीभाई पटेल, 7 ग्रानन्द सो-साइटी, बडीदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकान।

स्पळीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्कि

फ्लैट जो सयाजीगज, बडौदा में स्थिति है, जिसका कुल क्षेत्रफल 1230 चौ० फुट है। सब रजिस्ट्रार, बडौदा में 5080 नम्बर पर ता० 12-8-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहण्यासद

दिनांक: 15-3-1984

मोहर:

प्रकप बार्च. टी. एन. एस.: -------

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ज्ञारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर जायुक्त (निद्रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- Π , श्रह्मदाबाद

श्रमहृदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1984

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 2744/ /83-84—श्रत मुझे, झार० आर० शाह

प्रायकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जनत प्रक्रितियम' कहा गया है), की सारा 269-ख के अप्रीत सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-द• से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सयाजीगंज है तथा जो बडौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बडौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृस्य, उसके स्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यभान प्रतिफल का पंत्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के दीक एसे अंतरण के हिए लय पाया गया प्रति-फले, फिन्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छिपाने में सुविधा के हिलए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-घ की उप-भारा (1) को सभीत्, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् दंचन

- (1) अमर बिल्डर्स एण्ड कन्स्ट्रकटर्स के०/ग्रा० श्री पी० एस० पटेल, 10, कस्तूरबा नगर, बडौदा। (अन्तरक)
- (2) भाणूमतिसरण शांतिलाल पटेल, सयाजीगंज, श्रानन्द सोसायटी, बडौदा।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

ज़क्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोए भी बाक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन की शबधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील ने 30 दिन की शबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों है के भीतर पूर्वोक्स
- (ख) इस यूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरण:—-इसमे प्रपृक्त गन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रव्याप 20-कर्में परिभाषित हैं, बही पर्यहोगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अन<u>ुस्</u>रिच

प्लैट जो सयाजीगंज, बडौदा में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 1186 चौ० फुट है। सब रजिस्ट्रार, बडौदा में 5077 नम्बर पर ता० 29-8-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> न्नार० भार० शाह सभा प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-II, श्रहमत्स्थाद

दिनांक: 15-3-1984

मोहर 🚁

प्रक्षम आई.टी.एन.एस.----

जासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यांजय, सहायक आयकर आयुक्स (निर्दोक्सिक्) हार्जेन रेंज- Π , ग्रहमदाबाद

श्रहमवाबाद, दिनांक 15 मार्चे 1984

निदेश सं०पी० ग्रार० नं० 2745/II/83-84—श्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्त्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० ध्रार० एस० नं० 342 है तथा जो तांदेलजा बढ़ौदा में स्थित हैं (ध्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ध्रौर पूर्व रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, ग्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे यक्ने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिये था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण जै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) चै अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तिकों.. वर्मात् क्र— (1) श्रीमती णिकना श्रव्यास करीम ग्रीर ग्रन्य के०/ श्रा० एच० एम० मीर, 5 बीना नगर वासणारोड, बडौदा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम प्रकाश गंगलानी, 14 कल्पना सोसायटी, रेसकोर्स, बडौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

अन्त् संपरिषु के अर्जन् को संबंध में कोई भी आक्षोप हिल्ल

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिरबब्ध व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्युक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अवसर्व

जमीन जो तांदेलजा, बडौदा में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 8075 ची० है और सर्वे नं० 342 है। सब रजिस्ट्रार्, बडौदा में 4221 नम्बर पर, अगस्त, 83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> स्रार० म्रार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-धि, स्रहमदाबाद

तारीख: 15-3-1984

मोहर 🛮

प्रकृप आईं. टी. एन. एस. -----

बावकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

बार्ड बर्जन

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० $2746/I^{I}/83-84$ — अतः मुझे, आर० आर० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सयाजीगंज है। तथा जो बडौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बडौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूक्य, उत्तके दश्यमान प्रतिफल से, होसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की मायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए;

 मैंसर्स अमर बिल्डर्स एण्ड कान्ट्रक्टर्स के०/आ० पी० आर० पटेल 10, कस्तुरबा नगर बड़ौदा।

(अन्तरक)

 श्री हसमुखभाई प्रभुभाई गोरूलीया अटलाद्रा, बड़ौदा। (अ्न्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्चन के जिल्लार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकासन की तारीय दें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति थो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीदर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की रारिश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वकाकरण: --इसमें प्रयुक्त खड़ाँ और पर्वों का, को उपद अधिनयम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्वी

फ्लेट जो सयाजीगंग, बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 1239 चौ० फुट है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा 5079 नंबर पर सा० 29-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

तारीख: 15-3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बार्च.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वता

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 15 मार्च 1984

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 2747/II/83-84—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से मिधक है

और जिसकी सं० सयाजीगंज है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूर्व। में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के अधीन, तारीख 22 अगस्त 1983

का पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) वंतरण से हुइं किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) चै वधीन, निम्निलीखत स्थितसों, अर्थात् ६——

- 1. मैसर्स अमर बिल्डर्स एण्ड कन्ट्राक्टर्स के०/आफ० पी० एस० पटेल 10 कुससूरका नगर बड़ौदा। (अन्तरक)
- 2. निर्मलाबैन, अर्रावदभाई पटेल अटलाव्रा ता० बड़ीया। (अन्त'रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किये आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वमृत्वी

फ्लैट जो सयाजीगंज बड़ौदा म स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 1186 चौ० फुट है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 5082 नंबर पर ता॰ 22-8-83 को रजिस्टर्ड किया है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 15-3-1984

मोहर:

असने नार्केत टौत एन तु एस्त्राप्त----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मुधीन सूचना

नारत बरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्ह्मिण) अर्जन रेंज-II अहमवाबाद अहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 2748/II/83-84—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

भायकर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उकत मधिनियम' कहा ग्या है), की भारा 269-क् के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मूस्य 25,000/-रु. से मधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 243, 244, 245 है। तथा जो कड़ी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण जिल्लिस में बास्तुविक रूप से कृत्य बुद्धों किया गया है है—

- (क) ज्ञात्य से हुइ किसी आय का बाबत, उन्ते जिश्लिम्म के जभीन कर बने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे ज्याने में सुविधा के लिए; जॉर√या
- (बा) एसे किसी आय या किसी भन या कन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण कें, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखितः व्यक्तियों, अर्थात् डं—— 6. श्री पटेल सचरदास आत्माराम कुन्डाल सा० कड़ी जि०महसोणा।

(प्रन्तरक)

2. मैसर्स गुभलक्ष्मी को० ओ० हा० सोसायटी के०/मा० ए० डी० पटेल और डी० सी० पटेल कन्डी, महसोणा। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिष्ट्र कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सै 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्थव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषय गया है।

प्रमुख्यी

जमीन जो कडी में स्थित है जिसका सर्वे नं० 243, 244, 245 है और 13556 चौ० वर्ग मीटर कुल क्षेत्रफल है। सब-रजिस्ट्रार बड़ौवा में 1901 नंबर पर ता० 1-8-1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रेंज ३ अहमदाबाब

तारीख: 8-3-1984

मोहर 🛚

श्ररूप उरुष्ट् .टी. एन. एस. ------

भायकर मिर्गिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के मुभीन सुचना

भारत संदुकाह

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० पो० आर० नं० $2749/\Pi_{/}83-84$ —ग्रतः मुझे, आर० आर० शाह,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० आर० एस० नं० 10 है। तथा जो कलोल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे इह्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेर्यों से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; जॉर/या
- (ज) एसे किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतित नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अक्तु:— 1. श्री साषुभाई प्राणदास पटेल मुखीपास कलोल, महसोणा

(अन्तरक)

2 श्री भोलाभाई हरगोस दास पटेल जीवनप्रकाश सोसायटी कलोल जिला महसोणा।

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वगुसूची

जमीन जो कलोल में स्थित हैं जिसका सर्वे नं० 10 है। और कुल क्षेत्रफल 2400 चौ० वार है। सब रजिस्ट्रार कलोल में 1329 नंबर पर ता० 8-8-1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 8-3-1984

मोहर 🛭

प्र**क्ष नाह**ै_ं टीउ एमउ **एस**⊘ ≅राज्य

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सृचना.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 27,50/H/83-84—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 324, 325, 326 है। तथा जो निकास में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निकास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियों वे वेदिये से उक्त अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्नितियों वेदिये से उक्त अन्तरण कि विद्या में बास्तिक क्ष

- (क) अन्तारून से क्ष्मूर कियों बाब की बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वासित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था वा किया चाना चाहिए था, दिवाले के स्विधा के जिए;

इतः वद उपत किभिनियम की भाग 269-ए के वन्तरण में, में, उकत अभिनियम की भाग 269-ए की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् $\mathfrak{L}_{\frac{1}{2}}$

- श्री कनुभाई असालाल देसाई।
 कोलोज रोड़ नडीयाद।
 - (2) श्री दिलीपभाई जयन्तीभाई वेसाई--नडीयाद।
 - (3) श्री रूपेशकुमार बिठ्ठलभाई देसाई नडीयाद। (अन्तरक)
- 2. श्री घासुदेव गंकरलाल, दलपाडी न्यू पाली हील क्वारी रूपोलिया. ता० हासरा।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना चारी करके पूनाँक्त तम्परित के भूर्णन के निष् कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविभ या तत्त्वस्थाने कित्त्वां पूड स्वान की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्थमित ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जन्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्यों और वर्यों का, वो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

गृत्सी

जमीन जो नडीयाद में स्थित है जिसका सर्वे नं० 324, 325, 326 है और कुल क्षेत्रफल 338 वर्ग मीटर्स है। सब रजिस्ट्रार नडीयाद में 3365 नंबर पर ता० 18-8-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राबुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

ता**रीख: 8-**3-1984

मोहु 🛭 🗈

प्रकृप कार्ड्, टी. एन्. एस्. -----------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्वेश सं० पी० आर० नं० $2751/I^{I}/83-84$ —अतः मुझे, आर० आर० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 4सके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव टीव पीव एसंव 4, फाईनल फ्लेट नंव 95/1 है तथा जो आणंदे में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आणंदे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 अगस्त 1983

को पूर्वों क्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निहनास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है 3—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के गिरा; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिन्मा में सुविधा है किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिकत व्यक्तियों, वर्धात् ः— 1. श्री हरिभाई गोरधनभाई ध्यानी, कैलास भुषन उंडी शेरी, आणंदे।

(अन्तरक)

2. मैसर्स पटोल जशभाई बाधपीभाई नवरंग सोसायटी आणंदे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्यके पूर्वोक्स्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मन्दिश मा तत्संबंधी अयुनित्यों पूड स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इन्हारा॥
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उसु अध्याय में विदा गया है।

मनुस्पी

जमीन जो आणंदे में स्थित है जिसका टी० पी० एस० नं० 4 और फ्लौट नं० 95/1 है और 526.38 चौ० मी० का क्षेत्रफल है। सब रिजस्ट्रार आणंदे में 3610 नंबर पर ता० 6-8-83 को रिजस्ट्रार की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

तारीख: 8-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

बाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

अहमदाबाध, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2752/II/83-84—अतः मुझे, आर० आर० माह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० टी॰ पै॰ एस॰ नं० 3 प्लाट नं० 214 है। तथा जो आणंदे में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आणंदे में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 अगस्त 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की नई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, एसे इरयमान प्रतिफल का बन्तर प्रतिफल का बन्तर प्रतिफल का बन्तर प्रतिफल का बन्तर प्रतिफल के बीच एसे बन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स से कथित से कथित

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुन्ति। के जिए; बीट्र/का
- [क] एसी किसी भाव या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री मंगलभाई लक्ष्मीभाई चौहाण।
 - (2) श्री मोहनभाई लक्ष्मीभाई चौहान।
 - (3) श्री बाबुभाई लक्ष्मीभाई चौहाण आणंदे। (अन्तरक)
- 2 श्री नीतिनकुमार रावभीभाई पटेल योगीपार्क सोसायटी ग्रीडके पास, आणंदे।

(अन्तरिती)

को यह त्यमा बाडी कडके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के मुर्जन् के हिस्य कार्यमाहियां कडता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 विन की मनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मन्भि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वाहै।

अनुसूची

जमीन जो आणंदे में स्थित है जिसका टी॰ पी॰ एस॰ नं॰ 3 फ्लेट नं॰ 214 है और 1935 ची॰ मी॰ का कुल क्षेत्रफल है। सब रजिस्ट्रार आणंदे में 3561 नंबर पर ता॰ 2 अगस्त 1983 को रजिटर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज्ञा-, अहमदाबाद

तारीख: 6-3-1984

मोहर 🥬

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाव अहमदाबाव, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 2753IIIII83-84--अतः मक्ते, आर० आर० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 5 है तथा जो आणंदे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आणंदे, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् धु--- श्री बालकृष्ण चन्दुलाल साह रघूनाथर्जा की पोल, नडीयाव।

(अन्तरक)

2. श्री पटेल नरशीभाई लाभूभाई आणंदे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्षी

जमीन जो आणंदे में स्थित हैं जिमका टी॰ पी॰ एस॰ नं॰ 5 और फ्लेट नं॰ 4 और कुल क्षेत्रफल 895 चौ॰ मी॰ है। सब रजिस्ट्रार,आणंदे में 3624 नंबर पर ता॰ 9-8-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख: 8-3-1984

मोहर 🛭

प्रारुप आह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० $2754/\Pi_1 83-84$ —अतः मुझे; आर० आर० णाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव टीवपीवएसव नंव 2 ,एफव पीव नंव 548 है। तथा जो आणंदे में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कि कार्यालय आणंदे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, धा धन-(1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 के 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 18 --- 56GI/84

- श्री जैसीनंभाई बोधाभाई परमार सी/ओ रमणलाल छोटालाल, कासुफक्त खडकी, आणंदे।
 - (अन्तरक)
- 2. खा० कीरीटभाई फूलाभाई अमीन नाधलीपल्ला बिल्डीम के सामने आणंदे ता० आणदे।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जन्म सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अन्**स्**ची

जमीत जो आणंदे भें स्थित है जिसका टी० पी० एस० नंक. 2 और एफ० पी० नंक 548 है और कुल क्षेत्रफल 474 चौ० मी० है सब रजिस्ट्रार आणंदे में 3639 नंबर पर ताक 10-8-1983 को रजिस्टर्ड की गई है:

> आर०आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज U; अहमदाबाद

तारीख: 8-3-1984

मोहर ।

प्रस्प बाइं. टी. एन. एस.-----

बायकर सिंपीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज [], अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 2755/ Π_{j} 83-84---अप्तः मुझे, आर० आर० गाह,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्व 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंठ टीठ पीठ एसठ नंठ 4 है, । तथा जो आणंदे में स्थित है (और इससे उपाधदा अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय आणंदे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि विचित में पास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बरि/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. (1) श्री नानुभाई छोटाभाई चाबड़ा।
 - (2) श्री रमणभाई शनाभाई
 - (3) श्री माणकसरन नानूभाई।
 - (4) श्रीकान्ती भाई नानूभाई।
 - (5) श्री जयन्तीभाई नानूभाई मंगलपुरा, ता० आणंदे।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री रिवन्द्र कुमार अंसालाल पटेल नागजीभाई धावाभाई की खिडकी आणंदे।
 - (2) श्री चूनीभाई सोमाभाई पटेल आईस (फैंपटरी के सास आणंदे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिथ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इबद्धा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिथितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

जमीन जो आणंदे में स्थित है जिसका टी०पी०एस० नं० 4 है, एफ० पी० नं० 279/4, 5, 6, 7 और कुल क्षेत्रफल 1126 नंबर पर ता० 20-8-83 को रिजस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज II, अहमदाबाद

तारीख: 8-3-1984

मोहर :

प्रकृष् वाद्^र्ड<u>ी वृत्</u> , पृत् ु--------

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

शारत ब्रुकार

कार्यासय, सहायक आयकतु जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

म्रहमवाबाव, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्वेश सं० पी० ग्रार० नं० 2756/ /83-84—ग्रतः सम्रे ग्रार० ग्राह

मुझे, ग्रार० भार० शाह

नायकर निर्धानसम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से जिधक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 425 है। तथा जो कलोल में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलोल में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम; 1908 (1908 का 16') के श्रधीन, तारीख 2 श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की वह है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिद्यत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसिंशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्यम् के वभीत् कर देने के बन्तरण् के शाबित्य में कमी करने ना बच्चे वचने में बृद्धिमा के जिए: स्ट्रीश/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में वृद्धिना चे निष्:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जेनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अधीत् :---

- 1. (1) श्री शान्ता वैन श्रंबालाल पटेल।
 - (2) श्री केतन कुमार नारायन भाई पटेल
 - (3) श्री ग्ररिवन्द कुमार मोफ्तलाल पटेल श्रीनगर सोनपुरी कलोल जिला (महसाणा)।

(ग्रन्सरक)

2. श्री नटवरलाल सोमभाई मोतीनगर को० श्रो० हा० सोसायटी कलोल महसाणा।

(ग्रन्तरिती)

स्ते यह तृष्ता वाही करके पृत्रोंक्त सम्मिति के वर्णन के निष् कार्यवाहियां करता हैं।

बक्त सम्परित् के वर्षन की सम्बन्ध में कोई भी बाधीप् ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

बन्स्ची

जमीन जो कलोल में स्थित है जिसका सर्वे नं 383 चौ मीटर्स है। सब रजिस्ट्रार कलोल में 1299 पर ता 2-8-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> ग्रार**ः** ग्रार**ः** शाह - सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , श्रहमदाबाद

तारीख: 8-3-1984

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायक र नायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, म्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1984

निर्वेश सं० पी० श्रार० नं० $2357/\Pi/83-84$ —श्रतः मुझे श्रार० श्रार० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं टी०पी० एस० नं एफ० पी० नं 566/3
है। तथा जो प्राणंदे में स्थित है (भ्रोर इससे उपावद अनूसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भ्राणंदे में 10-8-83 भौर 12-8-83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ख्र्यमान प्रतिकल से एसे ख्र्यमान प्रतिकल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की वाबस, उचस अधिन्यम के अधीन कर दोने के अन्तर्क की दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के सिए: और/बा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री चूनीभाई अपरेभाई पटेल प्राणंदे।

(अन्तरक)

2. श्री प्रागजीभाई महीमीभाई पटेल नाथलीवाला बिल्डींग भ्राणेंदे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वगसर्चरे

जमीन जो ग्राणंदे में स्थित है जिसका टी० पी० एस० नं० 2 ग्रौर एफ० पी० 566/3 है ग्रीर कुल क्षेत्रफल 505 चौ० मी० है। सब रजिस्ट्रार ग्राणंदे में 3662 नंम्बर पर ता० 12/8/83 को रजिस्टैंड की गई है।

> भार०श्नार०शाह समक्ष प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

जतः जज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म

सारीख: 8-3-1984

मोहर ः

प्ररूप नाइ .टी. एन .एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारु। 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, प्रहमदाबाद

श्रमहृदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1984 निर्देश सं० पी० आर० नं० 2758/II/83-84—ग्रतः सुक्षे, ग्रार० ग्रार० शाह

नायकर निर्धानयम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० ध्रार० एस० नं० 114 है। तथा जो जतेलपुर, बडौदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधन श्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बडौदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीखा 1 श्रगस्त 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (19 \$2 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण कों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थाल् '--- श्री विमलासरन बलदेवभाई पटेल श्री श्रमूलख सोसा ट्टी, राणीद, श्रहमवाबाद।

(श्रन्तरक)

 मैसर्स वाय० श्री० पटेंल एसोसियेटस सी/ओ चेतेन कुमार प्रमुखमाई पटेल 2, सुवर्णनगर सोसायटी प्रेमनगर, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्धि में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्थळोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो जलेलपुर में (बड़ौवा) में) स्थित है जिसका सर्वे नं 114 है ग्रीर 685 चौ मी का कुल क्षेत्रफल है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 4620 नंबर पर ता 1-8-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> भार० भार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंस रेंज-, ग्रहमदाबाद

नारीख: 8-3-1984

मोहर ३

प्रकप बाइं टर्. एन एस .-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के सभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरुक्षिण)

भ्रर्जम रेंज-II, भ्रहमदाबाद

श्रहमदाबाव, दिनांक 15 मार्च 1984

सिर्वेश सं० पी० म्रार० नं० 2759/ /83-84— म्रतः मुझे, म्रार० म्रार० शाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्. 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से नधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भार० एस० नं० 2330 है। तथा जो सथाजी गंज, बडौदा में स्थित है (भ्रीर इससे उपायद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय के प्रधीन, तारीखा 11 भगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके त्र्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करूने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् !-- 1. श्री निलेश्वरी सरन सोहनलाल देसाई 80, भोतीमगन स्कीम, उदयपुर, (राजस्थान)।

(भ्रन्तरक)

 श्री तारासरन नानालाल चोकसी महता पोल बडौदा। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित को अर्थन के निर कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर स्थानतयों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रगृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मन्ध्रची

मकान जो सयाजीगंज (बडौदा में) स्थित है जिसका सर्वे नं॰ 2330 है।)। सब रजिस्ट्रार, बड्ढेबा में 4872 नंबर पर ता॰ 11-8-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर <mark>श्रायुक्</mark>त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज , श्रहमदाबाद

तारीख: 15-3-1984

मोहर :

नायकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नुभीन सूचना

नारत सुरकार

कौर्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1984

निर्वेश सं० पी० ग्रार० नं० 2760/II/83-84—श्रत:

मूझे, श्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 1672, 1673 है। तथा जो दहेगाम में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दहेगाम में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम; 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 17 ग्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थाह क्ष्म श्री नंदुभाई गोविन्दभाई श्रमीन श्रमीनपाडो, वहेगाम, ता० वहेगाम।

(भ्रन्सरक)

2. मैंसर्स करूपनानगर को० भ्रो० हा० सोसायटी सी/ओ राजेन्द्रकुमार एस० शाह, वहेगाम।

(भ्रन्तरिती)

स्त्री यह सुचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्मास्ति के वर्षन के लिए । कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संस्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्युक्तियों में से किसी क्युक्ति व्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया हैं।

वनुसूची

जमीन जो दहेगाम में स्थित है जिसका सर्वे नं० 1672, 1673 है और 14160 चौ० बार का कूल क्षेत्रफल है सब रजिस्ट्रार, षहेगाम में 665 नंम्बर पर ता० 17-8-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> ग्रार० ग्रार० ग्राह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II,ग्रहमदाबाद

तारीख: 15-3-198**4**

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1984

निर्देश सं० पी० भ्रार० 2761/II/83-84—श्रतः मुझे, भ्रार० म्रार० शाह,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 1704 फ्लैंट नं० 31 है तथा जो ग्राम्बा लाईन्स, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 3 ग्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मनहरलाल चुनीलाल बखारीया।
 - (2) श्री महेशचंद्र मनहरलाल बखारीया।
 - (3) श्री राजेणचन्द्र मनहरलाल बखारीया, नवापूरा, कडवारोड, मूरत।

(भ्रन्तरक)

 श्री सत्यनारायण राठी धाम्बा लाईन्स, भूरत। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिख्ति में किए जा सकरेंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

फ्लैट जो आम्बा लाईन्स, सूरत में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 900 चौ० मी० है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 4145 नम्बर पर ता० 3-8-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाव

तारीख: 15-3-1984

मोहर 🏻

प्ररूप वार्च, टी. एन. एस. - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुपना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ${f x}$ र्जन रेंज ${f I}_1$, श्रहमदाबाद

श्रहमदप्बाद, दिनांक 15 मार्च 1984

निर्देज सं० पी० श्रार० 2762/II/83-84—श्रतः, मुझे, स्रार० श्रार० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विदवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 13 ए, नोध नं० 4—4 है तथा जो फ्लैंट नं० सी-3, सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रगस्त 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम्म के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ब्रामान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (का) एने किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 कि 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--19---56GI/84

 श्री प्रदिपचंद्र मानीलाल मोदी ग्राम्बा लाईन्स, विजय विद्वार, सुरत।

(ग्रन्तरक)

2. श्री गीतासरन बहाबुरसिंह वैभव श्रपार्टमेंट, सूरत। (धन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीयत सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यविहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताइकि से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

∙अनुसूची

फ्लैट जो बैभव अपार्ट मेंट में स्थित है जिसका कुल क्षेत्र-फल 500 चौ॰ फूट है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 6734 नंबर पर प्रगस्त 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> न्नार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 15-3-1984

मो**हर** 🏌

प्रकृष बाइं.टी.एन.एस.------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

क्श्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, शहमदाबाद शहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1984

निर्देश सं० पी० भार० 2763/II/83-84— मतः, मुझै, भार० भार० शाह,

निवास सं. 19288—यतः, मूझो, आर. पी. पिल्लै, बायकर लिभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

मीर जिसकी सं० सर्वे नं० 317 टी० पी० एस० नं० 3 है तथा जो कतारगाम, सूरत में स्थित है (घौर इससे उपावद्ध मनूसूची में घौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 16) के ग्रधीन, तारीख 6 ग्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्त कि निम्नितिशें उद्देश्य में उक्त अन्तरण कि खित में गुस्तिबक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी अन या अत्य व्यस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों., भीं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अ अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∷---

- (1) रावजीभाई तुलसीभाई पटेल।
 - (2) श्री विमलासरन रावजीभाई पटेल।
 - (3) श्री प्रविपचन्द्र रावजीभाई पटेल।
 - (4) श्री श्राशाभाई शंकरभांई पटेल।
 - (5) जयन्तीभाई तुलसीभाई पटेल ।
 - (6) सदितासरन जयन्तीभाई पटेल।
 - (7) श्री करतभाई जयन्तीभाई पटेल।
 - (8) श्री प्रदीपभाई जयन्तीभाई पटेल।
 - (9) श्री मिनषभायी जयन्तीभाई पटेल सरदार नगर सोसायटी, सूरत।

(ग्रन्तरक)

- (1) श्री वसन्त कुमार हसमुखलाल मिस्त्री—सूरत।
 - (2) श्रीमती कृसुमबहन भरविदलाल पटेल भासवाडी ग्रहमदावाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब बे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 बिंग की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

मिलकत जो कतारगाम में स्थित है जिसका सर्वे नं० 317 ग्रीर टी० पी० एस० नं० 3, फ्लैंट नं० 21 है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 6987 ग्रीर 6986 नंबर पर ता० 6-8-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाट

तारीख: 15-3-84

प्ररूप नाइ 2. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

नई दिल्ली, विनांक 2 श्रप्रैल 1984

निर्देश सं० पी० श्रार० 2764/II /83-84—सतः मुझे, श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4 ब्लाक नं० 14 है तथा जो उद्योगनगर, उधना, सूरत में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भसूनुची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम; 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 30 श्रगस्त 1983

को पृषेक्ति संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण कैलिए तम मार्था प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण कैलिए तम

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उसत अधिनियन के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भविधा के सिए; और/सा
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

 श्री शान्तीलाल ईश्वरलाल पटेल 10 सत्यकाम प्रपार्ट-मेन्ट, सूरत।

(मन्तरक)

(1) श्री चन्द्रकाताभाई जगदीशचन्द्र पाल।

(2) श्री हीमांशु प्रभाकान्त पटेल, 3719, सोनी फलीया, सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी कारके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
 - (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 बिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्वभ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क के परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो उधना में स्थित है जिसका फ्लैट नं॰ 4, ब्लाक नं॰ 14 ग्रीर 501.67 चौ॰ मीटर्स का कुल क्षेत्रफल है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 7439 नंबर पर ता॰ 30-8-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> भार० भार० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, महमदाबाद

तारीख: 15-3-1984

मोहुर 🖫

प्रकर भारी, टी. एन. एक.------

मायंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) से स्थीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-II, ग्रहमवाबाद

भहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1984

निर्वेश सं० पी० मार० 2765/II /83-84—मतः, मुझे, भार० मार० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीन संक्षम प्रधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० श्री श्रपाटंमेन्ट है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वीक्त सम्पर्क्ति की उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिप्रंत के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्क्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जीधीन्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खें सिए;

ं अत: अवं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण कों, कों, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धातु ∷----

- 1. श्री नंदलाल मनसुखलाल रामपूरा, सूरत।
 (भ्रन्तरक)
- श्री ए० रामनाथन 307, श्री भ्रपार्टमेन्ट नानपूरा, सूरत।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त् सम्पृतितः के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🦫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्विध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिशित में किए जा सकोंगे i

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा जो उंस अध्याय में दिया गया है।

गम्सूची

फ्लैट जो नानपूरा सूरत में स्थित है जिसका रजिस्टर्ड नं० 6080 है भौर भ्रगस्त 1983 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> भ्रार० भ्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 15-3-1984

मोहर 🚁

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 27 मार्च 1984

निर्देश सं० पी० भ्रार० नं०2766/ $_11/83$ -84---श्रतः $_1$ भे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० वार्ड नं० 1 नोध नं० 318, 381, 382 है तथा जो नानपुरा, सूरत में स्थित (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिष्ट्रिंगकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9 भ्रगस्त 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चैदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कि अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कर्तः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) ुं अधीन, निम्नीलिख्त व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्री गोप कनैयालाल चंदपाणी 6 सागर सोसायटी, नाभपुरा, सूरतः ।

(भन्तरक)

 श्रीमती नीना गुणवंतराय वेसाई, पटेल चैम्बर्स नामपुरा, सूरत।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट जो नानपुरा सूरत में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 624 चौ० फुट है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 7012 नंबर पर हा० 9-8-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> भार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

तारीख: 27-3-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायंकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज -11, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 27 मार्च 1984

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 2727/L1/83-84—श्रतः मुझे श्रार० ग्रार० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० भ्राम्या लाईन्स है। तथा जो शीतल श्रपार्टमेन्ट, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 2 भ्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृख्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृख्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचितः उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माथ की बावत, उत्तर विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य को कभी अपने या सबसे बचने में सुविभा के लिए; बीए/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

वतः नव, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपभाग (1) के अभीन, निकासिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- भी हरिश बाबूलाल महेता 9, स्वेतापार्क सोसायटी, श्रीसावाडी, शहभवाबाव।

(मन्तरक)

 श्री मधु श्रशोककुमार कंसाल सी/22 लूथरा ग्रपार्टमेन्ट, नवासपाडी, बगेमपुरा, सूरत।

(म्रन्तरिती)

क्ये यह श्रुपना पारी करके पृत्योंक्त सम्बृत्ति को अर्थन के शिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं
 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील सें 30 दिन की अवधि, जो भी
 जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—–इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्तुची

फ्लेट जो शीतल ग्रपार्टमेन्ट, ग्राम्या लाईन्स, सूरत में स्थित है। 37ईई का फोर्म नं० 3-8-83 को यह श्राफिस में मिला है।

> भार० मार० शांह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जनरेंज-11, महमदाबाध

सारीख: 27-3-1984

प्रकृष् वार्ष्यः दी_य एम् , <u>एच् ,==</u>===

नायकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मुभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
े अर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 27 मार्च 1984
निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 2768/II/83-84—अतः
मझे, श्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बार्ड उमरा है। तथा जो बोम्बे मारकेट, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपावड प्रनृष्ट्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीवकारी के कार्याक्षय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रीविनयम; 1908 (1908 का 16) के श्रीवीन, सारीख 4 श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उत्वित् वाजार मून्य से कम के उत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने कम कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मूल्य उराके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंन्यह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरितों (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्विदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए:
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय कार्क हैं अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर्ख अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

अंतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. मैसर्स एम० गोकलदास एण्ड कं० 326 पुराना पोस्ट ग्राफिस गली मंगलदास मार्केट बम्बई।

(भन्तरक)

2. श्री भरविंदकूमार साकरलाल कपाड़िया 7 मेरन भपार्ट-मेन्ट गोपीपुरा, कैयाथा मोहल्ला सूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ं सनत सम्पत्ति को नर्जन को सम्बन्ध में कोई' भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सवंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध गांद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी नन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए बा सकेंगे।

स्थव्यक्ति रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्णहोगा जो उस अध्याय में विया भूमा है।

ममुस्ची

दुकान जो बस्बई मारकेट में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 764 चौ० फुट है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 7011 नंबर पर ता० 4-8-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> भार० भार० श ह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज 2, भ्रहमदाबाद

तारी**ख**: 27-3-1984

अक्य नाइ^ट. टी. एवं , एतं , - - - ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के अभीन भूचना

भारत चरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 27 मार्च 1984

निर्देश सं० पी० भार० नं 2769/II/83-84-- श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० नौच नं० 138, 139 वार्ड नं० 13 है। तथा जो भ्रथवा लाइन्स, सूरत में स्थित है (भौर इससे उपावद भ्रमुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 19 श्रगस्त 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाम की बाबत, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में मृथिभा के लिए जौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, पर्यात :—

- 1. (1) सरकार श्रोसोसियएटस साझींदार
 - (1) श्री महेन्द्र छगनभाई जावेरी प्रभूदर्शन सूरत।
 - (2) श्री साकरचन्द छगनभाई सरकार
 - (3) श्री नवीन चन्द्र छगनभाई सरकार
 - (4) श्री रमणीकलाल ईश्वरचन्द सरकार गोपी-पुरा —सूरत। *
 - (5) अवनीयेंन भ्रविनाण मजमूदार घोड डोड रोड सूरत

(ग्रन्तरक)

 श्री किशोरी सरन समीमभाई परीख बूकसोलार, बालाजी रोड़, सुरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के वर्षन के किए कार्यशहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रें 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पृबेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण ---- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, नहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विशा गया है।

अनुसूची

मिलकत जो भ्राम्बा लाईन्स, सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 7275 नम्बर पर ता० 19-8-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, श्रहमदाबाद

तारीख: 27-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाहै. टी. धन्. एस. - - - ----

नायकर व्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, श्रहभवाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 27 भार्च 1984

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० $2770/l^{1}/83-84$ —्ग्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मुल्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं नानपूरा, मनकईपुन, सूरत में है, तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर उससे उगांबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम; 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 20 ग्रगस्त 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को ध्रम्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शिहए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए:

 (1) श्री जयेश नंदलाल मैम्सर—रामपुरा, सूरतः।
 (2) श्रीमती ज्योत्तना यहा नटवरलाल—प्रजिन, सूरतः।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती रोहिणी रामनाथन, नानपुरा फ्लेंट नं० 308
 — उएच०, सूरत।

(यन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकशन की शारीख से 45 दिन की गविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्जान की नाभील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविधत में किए जा सकी गे

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

पलेट जो नानपुरा मक्ईपुल में स्थित हैं जिसका फ्लेट नं० 308, 3एच० हैं, श्रौर कुल क्षेत्रफल 685 चौ० फुट है। सब रजिस्ट्रार सुरत में 7892 नंबर पर ता० 20-8-83 को रजिस्टर्ड किम ागवा है।

> स्नार० श्नार० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

ड्न: अन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, भिम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत् :--

६ **४ भा**त, १ मम्नाला**सत स्थाक्तया, बमात्** ६— २०—५६८४ | इ.स. तारीख: 27-3-1984

मोहर 🥲

अक्ष नावं, जी. दन्. यस.

बायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीत सुबना

भारत सहस्रार

कार्यातय, सहायक भायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्वत रेज-II, अहमदाबाद यहभदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2771/II—अत: मुझे आए० सार० शाह

बायकर बिधीनस्म, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत् बीभूनियम' कहा गया हैं), की पाच 269-व के बभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विसका स्वित बाबार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 23/1 है तथा जो स्यामीनंज वडौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बडौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल में, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रस् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तथ पामा गया प्रति-क्रम निम्निचित उद्दर्भ से उक्त मन्तरण मिश्रित में बास्त-विक स्थ में कथित नहीं किया का है?--

- (क) बन्दरण से हुई कियों बाम की बाबस उच्छ धीय-नियम के अभीत कर दोने के मन्तरक के दायित्य में खनी करने वा डचले बचने में सुविका के सिसे; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं का उपधारा (1) के अपीन, निम्नलिजित व्यक्तियों, अर्थात :---

- श्री कीपन कुमार करवेज सनामीगंज, वडीदा। (अन्तरक)
- श्रीमती 'उपासरक एम० दबे 4, शांशोलाका कॉल्स, स्यामीगंड बडौदा।

(अन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वाक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई मी बाक्षेप :---

- (क) इस स्प्रमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिस की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी वविध बाद में गदाप्त होती हो, बे जीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार निवादत चा किए जा सकता ।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहां अर्थ द्वांगा को उस अध्याय में दिश. नवा हैं।

नन्सूची

फ्लेट जो बडौदा में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 761 चौ॰ फुट है। सब रिजस्ट्रार बडौदा में 3501 नंबर पर ता॰ 25-8-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 29-3-1984

प्ररूप मार्ड. टी. एन: एस:-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अायूक्त (निरीक्षण) . अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांकः 29 मार्च 1984

निर्वेश सं० पी० आर० नं० $2772/\Pi/83-84$ —अतः मुझे आर० आर० शाह

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक ही

स्रोर जिसकी सं० सर्वे नं० 484/1 है तथा जो नडी याद में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची है स्रौर पूर्ण रूप से विश्वार है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नडीयाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 6 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोद्धा सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल तो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक हो और पन्तरफ (अंतरकों) और जगरिकों (अस्तरितियों) क बीच एग अन्तरण के लिए त्य एप्या गया प्रतिफल निमालित उद्देश्य य उत्तर अधारण लिखित मा बास्तिविक सप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उत्त. अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिरल में कमी करने या उसमें बचने में मुक्रिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं विच्या गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने मो क्विशा के लिए;

अतः अब, जनत लिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरर। मो, मी जनत अधिनियम को धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रीमती इन्दुसरन रामभाई पटेल, नडीयाद। (अन्तरक)
- 2. (1) मैंसर्स विकासदीप को० ओ० हा० सीसायटी सी/म्रो बाय० पी० राय—नडीयाद।
 - (2) श्री महेशकुमार नटबरलाल नया रागपुरा, बडौदा।

(अन्तरिती)

कां यह सुचना जारी कारके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ कारता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील स 30 दिन की अविध, जा भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वाकरण :--इसमी प्रयूक्त शब्दा और पदी जा, जो उन जिंधनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय भी दिया गया ही।

वनुसूची

जमीन जो नजीयाद है स्थित में जिसका सर्वे नं० 484 है श्रीर कुल क्षेत्रफल 3845 चौ. मी० है। सब रजिस्ट्रार, नडीयाद में •3149 नंबर पर ता० 6-8-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **अहमदा**बाद

ा**रीख . 29-3-1**984 तमोहर ःः ब्रुक्यु, बार्बु, डी: पुष, एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन त्यना

भारत सरकार

कार्याप्तय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमधाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1984

निर्देश सं० पी० आर० गं० 2773/II/83-84-अत:

मुझे आर० आर० शाह

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उत्रत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 ∕- रु. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 540, जेसलपुर है तथा जो बडौदा में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बडौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 अगस्त 1983

को प्वींक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त मम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्ननिस्ति उत्पद्धय सं उत्रत अन्तर्ण लिखित मा धाम्तविक रूप से कश्थित नहीं जिल्ला गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबस, लिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कारी कारते या अससे बचने में सुविधा **के लिए**; जीत[ा]या
- (का) ऐसी किली अरथ या किली धन या अल्य आस्तियों का. जिल्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) माउकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा ग्रकट नहीं किया। गक्षा था या किया जाना भाहिल था, छिपाने में ह्मिना के क्रिए:

 श्री हितेशकुमार सीमाभाई पटेल सुपरोपाला बिल्डींग वाडी पाडी, रामपुरा, बडादा।

(अन्तरक)

2. श्री निवास नारायण आचार्य, विश्वास ालोसी, अलकापूरी, प्रजवाडी, बडौदा।

(अन्तरिती)

चनत सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राज्यक में प्रकाशन की तारी**स** से 4.5 दित की अविधिया तत्संबंधी अ्यक्तियां पर मुन्तना की लामील मं 30 विन की अवधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त **व्यक्तियाँ म**ें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व सं 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, सभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूचि

मधान जो प्रावाधी, बडीधा में स्थित है । जिसका रजिस्टर्ड नं० 6244 है भीर ता० 12-8-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयवत (निरीक्षण) अर्जन रंज- 2, अहमदाबाद

कत: अब जकत लीभीनयम की धारा 269-ग औं अब्सर्ग भ", माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की ज़पधारा (1) क्रो अभीन, निम्न्लिखित व्यक्तियों, अभित् :---

तारीख: 29-3-1984

भोहार 🕆

प्ररूप बाहे.टी. एन . एस . ******

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, अहमताबाद

अत्मदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1984

निक्षण गठ पाट आपट नंद 2774/II/83-84--- असः मुझे आपट आपट लाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 78 है तथा जो जेतलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद अनूसूची है श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को, पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतारितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्दोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुव् किसी जाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के निष्; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

1. (1) विनोद शंकरलाल सुरा।

(2) श्री रमेश शंकरलाल मुरा 134/136, अवेरी साजार, बम्बई-21

(अन्तरक)

2. मैंसर्स गंगोत्री प्रिमासीस (प्रा०) लि० 36 बोर्म्बें शोपींग सेन्टर रेसकोर्स, बड़ौवा।

(अम्तरिती)

भ्यं यह सूचना बार्रा करके पृत्रां क्त सम्परित के अर्थन के विष्य कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुमना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीखं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टोक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों आहे, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभसची

जमीत श्रोर प्लीन्थ त का बोधकाम जो जेतलपुर में स्थित हे जिसका कुल क्षेत्रफण 1600 चौ० फुट है। सब रजिस्ट्रार , बम्बई में अगस्त 1983 को एजिट्ड किया गया है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जर्जन रेजि-2, अरुमदाबाद

बतः असं, उक्त वीधीनसम की धारा 269-ग के जनुसरक भा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, पनम्मिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् १—

नारीख: 29-3-1984

माहर:

प्ररूप आई टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहनदाबाद, विनांक 29 मार्च 1984

निर्देश स० पी० आर० ने० 2775/14/83-84--अतः मुझे आर० आर० गाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

भौर जिसकी सं० वार्ड नं० 2, नौध० नं० 1956/कै/1 है तथा जो सूरत में स्थित है (भौर इससे उपावत अनुसूधी में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत है रजिस्ट्रीकरण अधिनियममें 1908 (1908 या 16) के अधीन अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पतित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्शेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्का अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्रीमती सलमाबीबी अब्दुल रहमान संग्रामपुरा, सूरत । (अन्तरक)
- 2. मैसर्स नोर्थ एवेन्यू को० ग्रो० हा० सोसायटी, 404 डायमंड एपार्टमेमेन्ट सैयदपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4'5 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ननुसूची

मिलकत जो संग्रामपुरा सूरत में स्थित है जिसका वार्ड नं० है और नौर्ध नं० 1956/के/2 और कुल क्षेत्रफल 259 चौ० यार्ड है। सब रिजस्ट्रार सूरत है 6923 नंम्बर पर ता० अगस्त 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० शाह् यक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमयाबाद

तारीख: 29-3-1984

प्ररूप आर्इ.,टी. एन. एस.------

भागकर भौभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 मार्च, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2776/II/83-84-अत: म्भे, आर० आर० माह,

भायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें **इ**सके प्रचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. में अधिक ह²

और जिसकी मं० वार्ष्ट नं० 2, नोर्ध नं० 1956/के०/2 है तथा जी पंग्रामपूरा, गोलकीवाङ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्णा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरत सें रजिस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, तारीख 3-8-83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को सन्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपरित का उचित बाजार गुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए, और/सा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लाजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 शीमती मानाबीबी अब्दुत्तरामान संग्रामपुरः. भुग्त ।

(अन्सरक)

(2) स्तित्वाध एअन्यु की० जी० क्षांत्र सोसायटी, नानपुरा, भूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यन्य में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हां, के गीतर पूर्विकत 💂 व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य काक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त धब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

मिलिक्यित जो प्रंग्रामपुरा, सूरत में स्थित है जिसका नौध नं० 1956 कि ०/2 और 250 9 वर्ग गज का कुल क्षेत्रफल है। सब रजिस्ट्रार, सूरत सें 6920 नंबर पर ता० 3-8-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० णाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद ।

तारीच : 29-3-1984

प्ररूप मार्च ुं टी. एन . एस .------

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च, 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2777/II/83-84:--आतः मृझे. आर० आर० शाह,

भागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 2000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं ० सर्वें० नं० 143 है तथा जी चवाज-बा० भरूच में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है(, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरूच में रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-8-83

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान व्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें बह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कस, निम्नलिचित स्वृद्धिय से उचत अन्तरण लिचित में बास्त-विक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

- (क) बनारण से हुप् किसी बाब की बाबत तकत विधि-सियम के बधीन कर दोने के बनारक के दारित्व वे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिये; और या/
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिनियम, या भन-कर जीभीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ अन्तरिनी क्यारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सूजिभा के िक्ए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सालामाई परनेतिनमाई पटेल वधिभाई परमोत्तमनाई पटेल, जगाज, तांव भस्त ।

(गटल)

(2) पटेल एण्ड पटेल अकाउटेन्ट , अञ्चल मजीदभाई वजीभाई पटेल कुभारिया विक्डिंग, भुकत्।

(अन्तरिती)

को गृह सूचना बारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदौं का, जो स्क्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वाहै।

अनुस्ची

जमीन जो खवाज में स्थित है जिसका सर्वे नं० 143 और 20661 चौ० मी० है। सब रजिस्ट्रार भरुच में 1688, 1684, 1685 और 1687 नंबर पर ता० 9-8-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

आर० आर० गाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , अहमूदाबाद

तु रिख : 29-3-84.

प्रक्स आई. ्टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीत सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायक र नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2मार्च, 1984

निदेश मं० पी० आर० नं० $2778, \Pi_{I}83-84:$ —अतः मुझे, आर० आर० शाह,

सायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से बिधक हैं और जिसकी संव सर्वेंव नंव 209 है तथा जो गड़खोल में स्थित

और जिसकी सं० सर्वे० नं० 209 है तथा जो गड़कोल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रें।कर्जा अधिकारी के कार्यालय, अंकलेश्वर सें रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 29-8-83

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्बेश्य से उयत अन्तरण लिखित में वास्पविक म्हण से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बानत, उक्त किमिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री जागनीमाई बापूमाई, अंदाडा, ताः अंकलेश्यर।

(अन्तरक)

(2) श्री राज भारती एसे(सिएटस, अंकलेश्वर, ता० भरुच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बब्धि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाद,
- (स) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पृत्ति में हितबद्दंभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकींगे।

स्यव्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा ग्या हैं.!

अनुस्ची

जभीन जो गडाखोल में स्थित है जिसका सर्वे नं० 208 है और कुल क्षेत्रफल 2 एकड़ 14 गुंठा है। सब रजिस्ट्रार, अंकलेश्वर में 2196 नंबर पर ता० 29-8-83 को रजिल्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

नारी**ख** : 29-3-84

मोहुर 🤉

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातया, महायक्ष आयकार आय्वेश (निरोधाण) ार्ज. रेज-II, अहमश्राबाद

अहमदाबाद, दिनाक 29 गाच, 1984

निदेण न० पा० आर० गं० $2779_i \Pi_i 83 - 84 -- अतः$ मुझे, आर० प्रार० गाप्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी स० 264-1 है तथा जो गड़बोत, सार एं अंशलेश्वर में स्मिल है (ओर उसन उत्तावक अनुपूता में और पूर्ण स्प सि वाणित हैं), र जिस्हारों अ बेशारी के कार्यालय, अंशलेश्वर में रिजिस्ट्री- स्था ज बेतियन, 1908 (1908 ह 16) के अर्थान, सारीख़ 25-8-83

- की प्यक्ति सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित इद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में भासीविक रूप में कथिया नहीं किया गया है :——
 - (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अन्ते यो उसमें बचने में मिखिशा के लिए; और/या
 - (क्ष) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्त्यों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अप्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कै अधीम, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थानः '--- श्री कुसुमबेन अमिहदास पटेल ।
 24, मार्तिनिकेशन ,
 समुल डरी रोड ,
 मूरत ।
 (जनारम)

(2) की रीटमाई दलमुखमाई पंडया, 22, जयहिन्द सोमायटी, मनीतगर, अहमटाबाद ।

(अन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी द पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकारण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उम अध्याय में विया गया है।

अनुसूषी

जमीन जो गष्टखोल में स्थित है जिसका सर्वे० नं० 264-1 है और कुल क्षेत्रफल 1 एकड 17 गृठा है। सब रजिस्ट्रार, अंकलण-बर में 2193 तम्बर पर सा० 25-8-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० णाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनैरेज–II, अहमदाबाद

नारीख: 29--3-1984

प्ररूप जाई. टी. एन. एस. - - -

बायकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म(1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 29 मार्च, 1984

निदेण सं० पी० आर० नं० $2780/\Pi/83-84.$ —-अतः मुक्के, आर० आर० भाहः,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें किस परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० सर्वे० नं० 224/2/1 है तथा जा विजलापुर, नवसारी में स्थित है (और इसमे उपायद अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, नगसारी में रिजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नगसारी में रिजिस्ट्रीकरण अधिकास, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अगस्न, 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उभक दश्यमान प्रतिफल में, एस दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में बास्तिक रूप से क्रिथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हर्इ किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविशा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो किसी प्राय या जिसी प्रत या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय पायजर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या अन-कर प्रधिनियम, 1987 (1987 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, कियाने में मुश्रिक्षा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम यो यारा 269-ग के अनसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ को उन्नारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० देसाई एण्ड देसाई एसीसियेटस. बलबंदगय हरिभाई देसाई. सुमंतराय बलबंधराय देसाई. मिवता बहुन बलबंदराय देसाई. गुणबंतराय मगननाल देमाई. बम्बई!

(अन्तरक)

(2) रसुमिति महावेवभाई वेसाई, महेन्द्रभाई भीमभाई देसाई, विजलपुर, नवसारी।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस दें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्चना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति दशरा,
- (क) इस मूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीपर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हिन, बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पध्टोकरण: ---- इसमा प्रगृक्त शब्दा और पदो का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मा दिया गया है।

लग्स् न

मिलिक्यित जो विजलपुर में स्थित है जिसका रजिस्टर्ट मंध् 446 है जो अगस्त 83 में रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० माह, सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-, अहमदाबाद

नारीच : 29-3-84.

माहर:

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29-मार्च, 1984

निदंश सं० पी० आर० नं० 2781/II/83-84:--अतः मुझे,आर० आर० लाह्

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे वसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गाय हैं), की धारा 269- का के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे० नं० 224/2/1 है तथा जो साई नगर, नवसारों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कृप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1983

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्दोष्य से उक्त अंतरफ लिचित में वास्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , भी , उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) मै० देसाई एष्ड वेसाई एसोसियेटस, बलवंतराय हरिभाई देसाई, सुमंतराय मगतलाल देसाई, स्विदाबेन बलवंतराय देसाई, पारुल बलवंतराय देसाई, गुणवंतराय मगनलाल देसाई। वस्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र मोहनलाल देसाई, इन्द्रवदन मोहन लाल देसाई, दीपक णंकरजी देसाई, वीजलापुर, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है ते 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वामा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जम्सूची ।

मिलंकियत जो साईनगर, नवसारी में स्थित है जिसका सर्वे $\frac{1}{2}$ नं $\frac{228}{2}$ $\frac{1}{8}$ । सब रिजस्ट्रार नवसारी में $\frac{447}{1}$ नं बर पर अगस्त $\frac{83}{1}$ को रिजस्टर्ड की गई है।

आर० आर० णाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

वारीख: 20-3-1984,

मोहर 🛚

अंक्प्, बार्ड्ड, टी. एश. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-॥,अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2782/॥/83—84.——अतः मुझे, आर० आर० शाह,

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिथागियम' कहा गया ह"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे० नं० 228/2/1 है तथा जो सोई नगर; विजलपीर, नवसारी, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1983

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के असमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाग की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उत्तर्भ कमने में सुविधा के सिए; और/सा
- (का) प्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में सुनिधा के निए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीशिवित व्यक्तियों, वर्धात् ू---

- (1) मैं ॰ देसाई एण्ड देसाई एसोसियेटस,
 - (1) बलयंतराय हरिभाई देसाई,
 - (2) सुमंतराय मगनलाल देसाई,
 - (3) सविपाबहन बलवंतराय,
 - (4) गुणबंतराय मगनलाल, बम्बई।

(अन्तरक)

() श्रो जगुभाई लाल्लुभाई पटेल, जसुर्मास जगुभाई पटेल, अन्नामा, ता० नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जयिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मयिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिस-बय्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरसाक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठोक्ररण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वनसर्थी

मिलिक्यत जो सांईतगर, नवसारी में स्थित है जिसका सर्बें o नं o 228/2/1 है। सब रजिस्ट्रार, नवसारी में 754 नंबर पर अगम्त 83 को रजिस्टर्ज की गर्डहैं।

> आर० आर० शाह, सभम प्राधिकारी, सहायका आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद।

वारी**ख** : 29-3-1984

मोहर 🤉

प्रकार आहे. ही . एवं . एवं .; ------

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत त्भना

भारत सरकार

• कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,--II अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 मार्च, 1984

निवंश सं० पी० आर० नं० 2783/॥/83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स वे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव नार्थ नंव 8/2, बार्ड नंव 2 है तथा जो आरायना अपार्टमें टेस, संग्रामपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 क 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1983

को पृथेवित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषेकित संपरित का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिय. है और अन्तरक (अंतरकार्गे) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निनिसित उद्देश्य में उन्त अन्तरण निश्वित में बास्त-विक कप में किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) जनसरण ते हुई किसी बाव की बाबत, उनक् जीभीनयम की जभीन कर दोने के जनसरक की दायिस्थ में कमी करने या उससे बनने में स्विभा के जिए; जीर/बा
- (थ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया आया आया किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के सिए;

नत: अब, डक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की भाग 269-ज को उपभाग (1) के अधीर, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत् है---- (1) मै॰ आरायना विल्डसै, गोपीपुरा, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री तिर्मलचन्दं बी० कांकरीआ, मृगली स्ट्रीट, मद्रास।

(अन्करिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्थन के शिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के मर्जन की सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वस्तियों में से किसी स्वस्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोइस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया डैं।

वनुसूची

फ्लैट जो गोपीपुरा, सूरत में स्थित है जिसका कुल **पंजफ**ल 700 चौ० फुट है। ता० 17-8-83 को 37 ई०ई० का फार्म पर ओफिय में रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० माह, सक्षम प्राधिकारी, यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण); अर्जन रेज-॥, अहमदाबाद ॥

तारीख: 30+3-1984.

प्रकप जाई. टी. एन. एस.-----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, अहगदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च, 1984 निदेण सं०पी० आर० 2904/23-1/83-84:---अतः मुझे, आर० आर० णाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे० नं० 454/2, प्लोट नं० 12, निर्मला कोन्वेन्ट रोड़, है तथा जो फलायड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता आधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 20-4-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दरयमान प्रतिफल से एमे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्दरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (ध) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विधा गया था या किया जाना शाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए:

मत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् (1) श्री फरीदकुमार स्मनीफलाल पारिन, ४, सुमती सीक्षायटी, सरलपुर रोड़, भामिक (महाराष्ट्र) ।

(अलर्क)

(2) श्रो हिमांणु अनंतराय अजसीरा, मार्फत आर० जे० फारीया, एडशोकेट, ठोलारिया बिल्डिंग, सेकंड फ्लोर, परा बाजार, राजकोट:

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शिक के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ज़क्त सम्परित को जर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवान;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह*, वहीं अर्थ क्रोगा जो उम अध्याय में दिया गया हैं।

अमसची

जमीन जिसका भेत्रफल 786,87 वर्ग यार्थ है जो फलावड रोड राजकोट में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखन नं ० 5097/20-8-83 है।

> आर० आर० गाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक **आ**यक्त (निरीक्षण) •अर्जन रेंज--।, अहमदाबाद ।

नार्खः : 15-3-84.

मोहर 🗈

प्ररूप आई.टी.एन.एसं. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन मृचना

भारत तरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरोक्षण) अर्जनरीज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 16 मार्च, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2905/23—I/83—84:——अतः मृक्षो, आर० आर० साह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रक पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मून्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं ० पलेट नं ० 1, थर्ड पलोर पलेटनं ० 45, है सथा जो एचुर पेलेस रोड़, रनजीत बिलास पेलेस के नजदीक में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, राजकोाट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, सारीख 30-8-83

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुके यह निर्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इर्यमान प्रतिफल से एसे इर्यमान प्रतिफल का वन्स्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाबा ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिख में वास्तरिव कर से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आग की वाबत, खेळा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक व्ये दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सूर्िका के लिए:
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृविधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तें, में उद्ग अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बुधीन, निम्नलिखिल कवितृयों, अर्थात् ६(1) मेसर्स प्रचुनन डियतनमेस्ट कोरगोर शन की और से श्री चन्द्र सिंहपृष्वीसिंह जी, रनजीत विलास पेलेस रोड, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती चंदनवेत प्रातत्राल महेता, नं० 45, थर्ड फ्लोर हुअुर पेलेस रोड़, रनजीत विलास पेलेस, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में विष्णु जा सकींगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवीं का, जो उक्त ऑपनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया ही।

भन्स्ची

फ्लेट जिसका क्षेत्रफल 704 वर्ग फीट है (78 वर्ग यार्ड) जो राजकोट में स्थित है क्ष्या सबर जिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं ० 6644/30-8-83 है।

> आर० आर० माह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजे--।, अहमदाबाद

सारीख: 16-3-84.

प्ररूप आहर्ने, टी. एन. एस.,-----

आयकर बिधिनियम् 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2906/23-ा/83-84:--अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कन्नण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ंऔर जिसकी संव जमीन जो सिलकनगर कोव ओव सोसायटी, है तथा जो मरीला फीलेंजफे पीछे. प्लोट नंव 19, भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में राजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-8-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उर्वमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उर्वमान प्रतिफल से, एसे उर्वमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भान-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के अद्योजनार्थ अंतरिती हवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ' 22-56GI/84

(1) श्री प्रवीपकुमार मुकुंबराय मनीयार, के/ओ० महेन्द्र गोरधनदास मनीयार, वेव निवास, मानेफवाड़ी के सामने, स्टेशन के नजदीक, भावनगर।

(अंतरक)

(2) श्री लिभवनदास मनीमंकर लिवेदी, गीरीकुंज-प्लोट नं० 748, डायमंड चौक के नजदीका, भावनगर।

(अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति है।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरो।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीत जो तिलकतगर को० ओ० हा० सोसायटी प्लोट नं० 19 पर स्थित है जिसका रजिस्ट्रोकर्ता रजिस्ट्रेगन नं० 2749/ 9-8-83 है।

> आर० आर० माह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-। अहमदाबाद ।

तारीख: 15-3-84

मोहर 🖫

प्ररूप बाह्र दी एन एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ज्थीन सूचना

भारत सहस्राद

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 मार्च, 1984

निदेण सं० पं(० आर० नं० 2907/23-1/83-84:--अतः मुझे, आर० आर० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित गाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट णाहपुर में सर्वे० नं० 3415 है तथा जो नवमी मंजिल, ब्लाक नं० डी॰ फ्लेट नं० 9-बी॰. में स्थित हैं (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याचय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-8-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित जाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित जाजार मृत्य उसके रहरामान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्र प्रतिकत ले अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल निम्नितिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध। के लिए, खौर/बा
- (च) एसी किसी त्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में सविधा औ सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अवीत. रिप्निलिश्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुबोधचन्द्र रतीलाल माह, स्वामीनारायन मंदिर के नजदीक, कालुपुचुर, अहमदाबाद।

(अतरक)

(2) श्री अलेश अगस्टीन फरनान्डीज, अंबाकाभवन, शाहपुर, शाहपुर बहाई सेन्टर, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

कों यह स्पना बारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्याहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीच चै 45 दिन की जनधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर व्याक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास किसित में किए वा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दोका, को उक्त विधिनिवस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसुची

पलेट जो माहपुर- 2. सर्वे० नं० 3421- 5-से 26 ब्लाक 3, नवमी मंजिल, फ्लेट नं० 9-बी०, में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 10954/1-8-83 है।

> आर० ओर० माह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ।, १९६६ टेट

तारीख: 16-3-844.

भ्रक्य बाह्".टी.एन्.एस.-------

नायुकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-।, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 16 मार्च, 1984

निवेश स० पी० ग्रार० नं० 2908/23-1/83-84:—-श्रतः मुझे, ग्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हर से अधिक हैं

भौर जिसकी स० जमीन 116.611 वर्ग यार्ड, शेखपुर-खानपुर है तथा जो टी॰ पी॰ एस॰ 3, एफ॰ पी॰ 220/2, सब प्लोट 21/ 2, 3, 4, श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विनिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16), से श्रधीन, तारीख 3-8-83

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के रस्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र हु प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर अन्तरक (प्रस्तरकों) थीर अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक एवं से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मिछ-नियम के श्रधीन कर देने के मस्तरक के वायित्व में कभी करने या उसन बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भूगा था या किया जाना थाहिए था, कियाने में स्विभा के निए;

जतः जन्, उक्त विभिनियम की भारा 269-य के अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (क्री को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्री बीजुवेन कान्तीलाल गोपालदास,
 दर्शन सोसायटी,
 नवरगपुरा,
 ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) कैलाण टायर को० ग्रो० हा० सोसायटी, की ग्रोर से प्रमुख, श्री नयन शान्तीलाल खाड़ीया, चार रस्ता, निशानी खड़की, खाड़ीया, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि सम्परित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील रो 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषय गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 116.611 वर्ग यार्ड है जो गेखपुर - खानपुर महमदाबाद से स्थित है तथा रजिस्ट्रीकटर्ता रजिस्ट्रेणन नं० 31-8-83, बी० पी० एस०-3, महमदाबाद।

न्नार० म्रार० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज– , ग्रहमद

तारी**ख**: 16—3—84,

मोहर 🗵

प्ररूप आर्च. टी, एन. एस.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सहकार

कार्याज्य, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्ण)

श्रर्जन रेंज-], ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 16 मार्च, 1984

निवेश स॰ पी॰ भ्रार॰ न॰ 2909/23—I/83—84:——भ्रतः, मुझे, भ्रार० श्रार० शाह,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० जमीनमातुल टी० पी० एस० 288 है तथा जो एफ० पी० न० 668-1, श्रहमदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4-8-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित कहीं किया गया है :—

- (फ) अन्तरण से हुई किसी नाव की बायत उनत अधिन नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जौर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय, आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

नतः मज उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मनीलाल तुलसीदास, प्रहमदाबाद ।

(मन्तरक)

(2) प्रमुख/सेकेंटरी सतलुज को० ग्रो० हा० सोसायटी लिमिटेड, एजीस्ट्रेड ग्रोफीस केशवनगर, साबरमती, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के उपजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब धे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ट्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसची

जमीत जो ताईल ठी० पी० एस०-28, एफ० पी० 668-1, रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रोगन नं० 1117/4-8-83 है।

> श्रार० श्रार० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद ।

तारीख: 16-3-84.

मोहर 🖫

प्ररूप आहूर हो. एन. एस. - - -

बायकर सिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-व (1) के संधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 16 मार्च, 1984

निवेश सं ० पी० श्रार० नं० 2910/23—1/83—84:——श्रतः, मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० जमीन जो पा लमें, ती० पी० एस०-28 है तथा जो एफ० पी० नं० 668-1, ग्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कायांलय अपमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908) का 16) के अधीन 4-883

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास वाने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम की अभीन कर दोने के जन्तरक को खाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए।

(1) श्री रतीलाल साराभाई अहमदाबाद

(अन्सरक)

(2) प्रमुख सेकेरी
सतलज को० आ० रोराइटी रजिस्ट्रेशन नं० 6199
केशवनगर-साबरमती,
प्रमुमदाक्षाद ।

(भ्रवसरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध मा तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्तवी

जमीन जो बाबाज तटी० पी. एस० 28, एथ० पी०, 668-1, रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 11173/3-8-83 है।

> भार० भार० भाह, सक्षम प्राधिकरी-Ш सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज-U, महमवाबाव।

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 16-3-84.

मोहर

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 16 मार्चे, 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्स अधिनियम' कहा गया.है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं जिमीन मेमनगर सोग सर्वे नं 88-1, एफ जिमीन 196 है तथा जो सब प्लाट नं 5, सर्वे जे 910, मेमनगर, टी जी एम जा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब ग्रम्सूची में और पूर्ण रूप से विगित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहम शबाद 37 जी, अगस्त 1983 में भारत दुआ में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारी ख अगस्त, 1983.

को पृशेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का किया जाता चाहिए था, छिपाने में सूविधा से सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के भणीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रो प्रभाकर बलवंतराय मेहता, कुल मुखत्यार, श्रो हरीवदन एम० एकोर, जेमीनी प्लेट, दक्तनाला, शाह्रीबाग, अहमदाबाद-4.

(अन्तरक)

(2) श्री यशप्रभा ओनर्स एसोसियेशन, प्रमुख-श्री अर्रावदकुमार भीखाालाल भावसार, खानपुर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

जमीन जो मेमनगरसीम सर्वे० नं० 88—1 सब प्लोट नं० 5अ सर्वे० नं० 910, मेमनगर में स्थित हैं, ती० पी० एस० 1, एफ० पी० 196 ।

> आरं० आरं० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारी**ख** 16--3-84. मो**हर** ध प्ररूप आर्थः . टी. एन. एस. - - - --

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 मार्च 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० $2912,\ 23-I/83-84---अतः$ मुझे, आर० आर० शाह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित माजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट विष्णु निवास को० आ० सोसांयटी है। तथा जो गुलबाई टेकरा, टी० पी० एस०, 30, एफ० पी० 631, फ्लैट नं० ए/6 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णस्प से वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-8-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल से पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक इप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण ते हुई किसी आय की शायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना जाहिए आ, ष्ठिपाने में सुविधा

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उच्चारा (1) के अधीय, विक्वीकिखित व्यक्तियाँ। अर्थात् ध्रान्न (1) श्री गोविन्दलाल भाईलाल स्निपाठी
ए/6 विष्नु निवास को० ग्रो० सोसायटी (फ्लैट)
गुलबाई टेकरा,
वसुन्धरा सोसायटी के सामने,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पंकज कान्सीलाल बीमावाला नया सरनामा-पंकज के० बीमावाला फ्लैट ए/6 विष्तु निवास को० श्रो० सोसायटी गुलबाई टेकरा, वसुन्धरा सोसायटी के सामने, एसीसग्रीज, अहमदाबाद । 1289, पोखाङ खांचो सारंगपुर, तलीयाका खांचा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारः;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

वसम्बद्धी

फ्लैंट जो टी० पी॰ एस 3, गुलबाई टेकरा, विष्नु निवास को० ग्रो० सोसायटी, फ्लैंट नं० ए/6 है रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 11563/12-8-83 है ।

आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 16-3-1984

मोहर 🗈

प्रस्य **वार**े. ट<u>ी.</u> एन<u>.</u> एस<u>.</u> ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 मार्च 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2913/23—I/83—84—— अतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एत. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट जो टी० पी० एस० 19, फ्लैंट नं० 3, 31-ए० बी० पैफी है। तथा जो एफ० बी० नं० 49, सब प्लाट नं० 2 ए, फ्लैंट नं० ए-6 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्णेरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमवाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-8-1983,

को पूर्वों कत संपत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल के, एसे द्रश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिशित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) क्रम्तरणें से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के शंतरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर, निम्निकृतिकृत व्यक्तियों, अर्थीत् ह—

(1) श्री प्रदीप प्रतापचन्द चौपड़ा के०/आफ प्रतापचन्डद चौपड़ा 9ए, वीठलभाई कालोनी नजदीक, स्टेडियम रोड, अहमदाबाद—13 ।

(अन्तरक)

(2) श्री जयश्रीबेन भरतकुमार माह भरतकुमार रमनलाल साह माकुतल सोसायटी उस्मानपुराके, नजदीक, रनछोड़जी मन्दिर, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी अकरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों जौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

जन्स्ली

फ्लैट जो टी० पी० एस० 19, मेमनगर प्लाट नं० 33-ए० बी० पैकी एफ पी० नं० 49, सब प्लाट नं० 2 ए, फ्लैट नं० ए-6, रजिस्ट्रीकर्सा रजिस्ट्रेणन नं० 11099/3-8-83 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज⊶ा, अहमदाबाद

विनांक: 16-3-1984

मोहर

प्ररूप माई.टी.एन.एस. ------

णागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--], अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 मार्च 1984

निदेण मं० पी० आर० नं० 2914/23—I/83—84——अतः मुझे आर० आर० णाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० 20, 3, वषाभाई फ्लैट, एन एल कामर्स है। तथा जो कोलेज के पीछे, नवरंगपुरा अहमदाबाद-9 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-8-83.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरति (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तक पाग गया प्रतिफल किम्नलिक्ति उद्देश्य से उवत अंतरण निश्चित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किनी आय की बाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिकाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भक्क कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलियित व्यक्तियों, अर्थान :---- 23—56GI/84

(1) श्री राजेन्द्र कुमार गुलाबराय भट्ट प्लाट न० 213, सेक्टर नं० 22, जैन मन्दिर के पीछे, गांधी नगर-382022 ।

(अन्तरक)

(2) श्री पूनमचन्द मनीलाल मेहता

3, बाबाभाई फ्लैट

एच० एल० कोमर्स कालेज के पीछे,
नवरंगपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

 स्थव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को अवस्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभावित हों, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची:

पसैट जो चंगीसपुर-टी० पी० एस-20, सर्वे मं. 49-1-2 जो बाबा भाई पलैट, एच एल कोमर्स कोलेज के पीछे, नवरंगपुरा, अहमवाबाद में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेणन नं० 11370/9-8-83 है।

आर० आर० भाह् सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 16-3-84

प्रकल बार्षं .टी .एन .एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की षारा 269-ष (1) के सभीन स्थना

mad grains

क(र्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदावाद, दिनांक 16 मार्च 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2915—अत: मुझे, आर० आर०

शाह्र,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षेम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट आयोजन नगर को० आ० सोसायटी क्लाक नं 'ए' है । तथा जो खानपुर, शाहपुर बोर्ड-2, थर्ड फ्लोर ब्लाक नं० 1 अहमदाबाद, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अमु-सूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में अहमदाबाद रजिस्ट्रीकरणें अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-8-83,

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मुस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिञ्चत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिएित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्सविक रूप में कथित नहीं किया गया है :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयर हर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, चय-कर विभिवित्तम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषनार्थ अन्तरीरती बुधारा प्रकट नहीं किया दका भारा किया वर्शना वाद्विय भा, विभाने में बविशा के निए;

अर्थ: अध, उत्त विधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भी उवा ाधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निमाधिनिता व्यक्तियाँ अर्थात् ः--

(1) श्रीमती शारवा बेन बन्तभदास णाह, एम-21, यशकमल, सोसायटी, आयोजन नगर के सामने, जीवराज पार्क रोष्ट, अहमदाबाद ।

(अन्सरक)

(2) श्री सुबोधचन्त्र मिलापचन्द रोयल अपार्टमें ट. थर्डफ्लोर, खानपूर । अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु

उक्त सम्मित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कालेंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 विन की अवधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दभ किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में निर्णाषा सकेंगे।

स्पद्धीक रण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया एया

भन्स्थी

जाहपुर बार्ड नं० 2, आयोजनगर को० भ्रो० सोसायटी ब्लाक नं० ए, थर्ड फ्लोर, फ्लेट नं० 9, पर स्थित है, तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 11231/5-8-84

> अरि० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज~,I अहमदाबाद

16-3-1984 दिनांक

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

गायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदावाद, दिनांक 20 मार्च 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2916/23-1/83-84--अतः म्झे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन वेजलपुर सीम में सर्वे नं० 1334 पैकी है। तथा जो सब प्लोट नं० 10 श्रीर 17 पैकी 618 वर्ग यार्ड जमीन स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-8-83,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास अदने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से किश्त नहीं किया एका है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त जिस्तियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करणे या उससे बच्ने में सुविधा के लिए; और/या
- एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया आया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा की सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ि— (1) श्रीमती ऊषाबेन मुकुंदभाई मोदी 27, नेपयन्सी रोड, पहली मंजिल, वेस्ट हिल, बोम्बे, ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकान्त आत्मा राम गाह प्रमुख पूर्वा एपार्टमेंट विकास मण्डल 8, राजघाट सोसायटी पालडी, फतेहपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना भारी करके पूचांक्त सम्पत्ति हे वर्षन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी क्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होता के उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो बेजलपुर सीम में स्थित है, जिसका सर्व नं 1334 पैकीसब प्लाट नं 10 श्रीर 17 पैकी जमीन तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं 11831/अगस्त 1983 है।

> आर० आर० प्राह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1; अहमदाबाद

दिनांक : 20-3-1984

मोहर

प्ररूप आहूँ टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 मार्च 1984

निदेश सं० पी० आर० सं० 2917-23-I/83-84--अतः मझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ ह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट वासना में बुन्दावन विहार को० आ० सोसायटी है। तथा जो फ्लैट नं० 159/एन० टी० पी० एस० 26, एफ० पी० 114-115-116 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदावाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-8-83,

को पूर्वोक्स संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, ऐसे दश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आग की बाबस, उन्हां अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मे, में, उक्स अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अधीन :-- (1) श्रीमती भरतीबेन हसमुखपाल लाल संघली बोम्बे ।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवत प्रसाद गरिजाशंकर व्यास
के०/आ० रूपम आर्ट स्टूडियो ,
नगरगेट, जाम जाम खमालीया
जिला—जामनगर ।
ग्रहमदाबाद का पता—बृन्दावन विहार फ्लैट,
फ्लैट नं०, एन—/159/1 मंजिल,
वासना, ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन को सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकों थे।

स्पटकोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवाही।

अनुसूची

फ्लैंट जो टी॰ पी॰ एस॰ 26, एफ॰ पी॰ नं॰ 114-115-116 जो चृन्दावन विहार को॰ श्रो॰ सोसायटी, पहली मंजिल, फ्लैंट नं॰ एन/159 हैं, रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं॰ 11689/ 16-8-83 हैं।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,--!, अहमदाबाद ।

दिनांक : 20-3-1984

मोहर 🗈

प्ररूप आई. टी. एन्, एस.~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण) अर्जन रेंज.-- जिल्लाकाद अहमदाबाद, दिलांक 20 मार्च 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2918—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

कायकर अभिनियमें 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट जो नारायननगर हस्तीगरी को० भ्रो० सोसायटी है तथा जो फ्लैट नं० ए/6, एफ० पी० नं० 164 सर्वे नं० 33-34, पालड़ी अहमदाबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपावज्ञ अनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-8-1983,

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य है कम के इश्यमान
प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापुर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीध ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफर्स निम्निसित सक्देश्य से उक्स अन्तरण सिश्वित में बास्तियक
क्ष से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिन्यभ के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविश्रा के लिए;

जतः क्षतः, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) वं अधीन निम्नितिचित व्यक्तियों, निम्निष्ठ ८००० (1) श्री कुमरपाल जयन्ती जवेरी पोस्ट-कुवर तालुका-समी जिला---महेसाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री छनालाल रतीलाल रोड, श्रेड पोस्ट सुरेल, तालुका चाटडी, जिला—सुरेन्द्रनजर । नया पता—फ्लैट नं० ए/6, हस्तगिरी को० ग्रो० मोसायटी, माबर फ्लैट के नजदीक, नारायन नगर पालडी, अहमदाबाद---7 ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🛹

- (क) इस मूजन के राचपत्र में प्रकाशन को नारीन से 45 विश की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील ने 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाध्य होनी हो, के भीतर प्रांत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिसित में किए वा सकेंगे।

स्पन्नीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुलुकी

पलंट नं० हस्तागरी को० श्रो० सोसायटी, पालडी नारायन नगर, फ्लैट नं० ए/6, सर्वे नं० 33-34-35 पैंकी एफ पी० नं० 164 तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेणन नं० 9486/17-8-83 है ।

ार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, अहमदाबाद

दिनांक: 20-3-1984

माहिदः

प्ररूप बाई. टी. एत. एस. -----

मायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह्मयक नायकर नायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांकः 20 मार्चे 1984 निवेश सं० पी० आर० नं० 2919/23-I/83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह.

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभार 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० बिल्डिंग जो टी० पी० एस० 21 एफ पी० नं० 555/2, 556/1 एफ है। तथा जो आंद्यावाडी मोनानगर को० श्रो० हा० सोसायटी अहमाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णेरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन; दिनांक 17-8-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइं किसी आय की आवत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध-- (1) श्री हसमुखलाल मगनलाल शाह 'आशरा' बी/4, आर० सी० पटल, रोष, चन्द्रवकोर मार्ग, बोरीबली, बोम्ब (वेस्ट)

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमीलाबन मनुभाई चुडगर
1795, नयी रस्तो,
मांडपीकी पोल, अहमदाबाद ।
नया पता—श्रीमती उमीलाबेन मनुभाई चुडगर
बी० नं० 1 मोना नगर को० श्रो० हा० मोसायटी,
स्मृति कुंज के नजदीक, श्रोबायाडी,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण ह---इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उसल अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया हैं।

वन्त्वी

बिफिंडग जो टीं० पीं० एस० 21, मोनानगर को० श्रो० सोसायटी में स्थित है, आंगावाडी बीं० नं० 1, एफ ० पीं० नं० 555/2-556/1 एफ, सथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रणन नं० 11082/17-8-83 है।

आर० आर० ग्नाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 20-3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहे.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

पारत बाउकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज्-1, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 20 मार्च 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2920-23-I/83-84--श्रत: मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जमीन वासनामे टी० पी० एम 26, एफ० पी० 99 सर्वे नं० 66 है। तथा जो पैकी सब प्रलाट नं० 289, 16, क्षेत्रफल 600 वर्ग यार्ड में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णम्प में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक 25-8-83,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विषयस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिखित में बास्तिबक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उत्तर अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाधिला में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः सब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान, निम्निलिखित व्यक्तियों,

(1) श्रीमती नलीनीबेन प्रवीनकुमार स्रोझा मी--32, रामेश्यर पलैट, विकासगृह रोड, पालडी, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) प्रभुता अपार्टमेट ग्रोनर्स एसोसियेशन प्रमुख--कुसुमबेन श्रमृतलाल कोटक के श्रो० रुतेष कंस्ट्रन्शन कम्पनी वामना, ग्रहमदावाद ।

(भ्रन्मरिती)

को यह सूचना जारो करके पृषेक्ति सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मिरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष धिकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगतची

जमीन जो बाउना टी० पी० एस 2, सर्वे नं० 66 पैंकी सब प्लोट नं० 29, एफ० पी० नं० 99, जमीन का क्षेत्रफल 600 वर्ग यार्ड है नथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेगन नं० 12210/25-8-83 है।

भ्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदोबाद

दिनांक : 20-3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1984

निदेश सं० पी० झार० नं० 2921---23-I/83-84---झत: मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं बेजलपुर सीम, सर्वे नं 1176, सेक्टर नं 7 है। तथा जो प्लाट नं 4, 670 वर्ग याई जमीन में स्थित है (स्रीर इससे उपावक स्रतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, स्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, विनांक 24-8-83,

को न्वेंक्ति संपित्त के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेंक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थण्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोनें की अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उममें अधनें में मृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, गाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में स्विधा के लिए;

त्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

(1) श्रीमती मंजुलाबेन बाबूभाई कुल मुकुत्यार—श्री ग्रशोक कुमार विभोवनदास पटैल 2, श्रादर्ण सोमायटी, हाइवे रोड, महेमाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती उषाबेन जयेन्द्रभाई करसानिया

3, हिन्दू कालोनी,

स्डेडियम के सामने,
नयरंगपूरा, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार न को तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उन्क्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

जमीन जो बेजलपुर सीम सर्वे नं० 1176, सत्याग्रह छावनी सोसायटी, सेक्टर नं० 7, प्लोट नं० 46 पर स्थित है तथा रजिस्ट्री-कर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 12104/24-8-83 है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेज-॥ श्रहगदाबाद

दिनांक : 21-3-1984

भोहर:

प्ररूप भाइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजन रेंज-I, ग्रहमदाबाव

म्रहमदाबाद, दिनांक 20 मार्च 1984

निवेश सं० पी० भार० नं० 2922-23-1/83-84--भतः मुझे, भार० भार० शाह,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट, उस्मानपुरा सीम में सर्वे नं० 44-2 एफ०पी०नं० 61 है। तथा जो फ्लैंट नं० 2-बी, नंदीमा ,श्रपार्ट-मेंट, स्टंडियम रोड, श्रहमदाबाद

में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25~8~83,

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिकत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

(1) कुसुमबेन छोटालाल मोधी बी-2, नंदीया भ्रपार्टमेंट, पथीक सोसायटी के नजदीक , स्टेडियम रोड, नवरंगपुरा, भ्रहमदाबाद ।

(भ्रस्तरक)

(2) श्री चन्द्रकान्त छोटालाल मोदी जगुमतीबेन कंचनलाल मयंक हसमुखलाल मोदी 2-ची नंविया श्रपार्टमेंट, पथीक सोसायटी के नजदीक, स्टेडियम रोड, ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्मे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जे उस रुख्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

फ्लैंट जो उस्मानपुरा सीम में स्थित है जिसका सर्वे नं० 44-2, एफ०पी०नं० 61,फ्लैंटनं० 2-बी है, तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 12166/25-8-83 है ।

> म्रार० मार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-, म्रहुमदामाद

विनांक : 20-3-1984

मोहर

प्ररूप आइ . टी. एन. एस.-----

बायक र जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजैन रेंज,-1, श्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1984

भायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उन्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

भौर जिसकी सं० श्राफिस है तथा जो फस्ट फ्लोर, कोइन्स कोनेर, हा ॰ यागनिक रोड, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक श्रामस्त 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन घर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय रा किसी धन या अन्य आरितयों को जिन्हों भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया उक्त नहीं किया गया के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों. अधीत:— (1) भाशा कारपोरेशम लीलम चेम्बर्स , डेवर रोड, राजकोट ।

(ग्रस्तरक)

(2) श्री कमलेश जे० तन्ना के० एम० के० फैमीली ट्रस्ट, तन्ना हाउस, रत्नाकर बिल्डिंग, नारायन इमीलकर रोड, बोम्बे-400006 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप उन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हरेगा जो उस अध्याय में किया गया है।

जन साची

श्राफिस बिल्डिंग जिसका क्षेत्रफल 1407.29 वर्ग फीट है, जो राजकोट में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार राजकोट रिजस्ट्री-कर्ती बिकीखत नं० 4309/ग्रगस्त 1983 है।

> भार० ग्राह**्** सक्षम[े] प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज–1, ग्रहमदाबाद

विनांक : 26-3-1984

मोहर:

प्ररूप आई, टी. एन. एस.-----

भायकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2924—23-1/83-84— श्रतः मुक्ते, श्रार० श्रार० शाह,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वीलीग जीत पलोट, धांगधा है। तथा जो जिला—सुरेन्द्रनगर मैं स्थित है (भौर इससे जपाबद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता घंधिकारी के कार्यालय, धांगधा में रजिस्ट्रीकरण घंधितियम, 1908 (1908 का 16) के घंधीन, दिनोक 8-8-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकृति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में बास्तिवक स्म से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कन्पने या उससे अधने में सृविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी अने या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उन्स अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, रिन्पाने में स्विभा के सिए;

अतः अम, उन्ते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्ते अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन निम्निनिक्त व्यक्तिमों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती रामुवेन रतीलाल पारेख विकोन बाग, ध्रांगध्रा जिला—सूरेन्द्रनगर ।

(धन्तरक)

(2) श्रीमती विजयावेन रमनीकलाल तिवेदी जीन प्लोट, ध्रागंध्रा जिला—सुरेन्द्रनगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी **आक्षेप**्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विम की, जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जबिभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा।
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूचत शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया हैं।

अनुसुची

बिल्डिंग जिसका जमीन का क्षेत्रफल 319.48 वर्ग मीटर है जो जीन प्लोट, ध्रांगध्रा में स्थित ह तथा सब-रजिस्ट्रार ध्रांगध्रा रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 1610/8-8-83 है।

> आर० आर० **गाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, भ्रहमदाबाद

दिमांक : 26-3-81

मोहर 🐠

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूर्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहंमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1984

निदेश सं० पी० भार० नं० 2925—23-1/83-84— भ्रत: मुझे, भार० भार० शाह,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वांस करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० बिल्डिंग हैं। तथा जो 63—बी पंचवटी को० भो० हा० सोसायटी कलावड रोड, राजकोट में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णस्प से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 17-8-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविध। के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधील, जिल्लीमिट्डिक व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री दीलीपभाई विठलवास वैद श्रीमती कमलाबेन दीलीपभाई वैद 21, एसोसियेशन बिल्डिंग, मनमाला टांक रोड, मांडणा, बोम्बे-16

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्रीकाबेन रजनीका देव ग्रीर एच० यू० एफ० के० कर्ता स्व० श्री रजनीकान्त मोहनलाल 63-बी, पंचवटी को० ग्रो० हा० सोसायटी, कलावड रोड, राजकोट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवर्गहरा करता है।

उक्त सध्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षी :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किशी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभमिषत है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भम्सूची

बिल्डिंग जो 63-बी पंचवटी को० श्रो० हा० सीसायटी कलावड रोड, राजकोट में स्थित है तथा सब-रिजस्ट्रार राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 4956/17-8-83 है।

भार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रह्नमवाबाद

दिनांक : 29-3-84

मोहर 🗈

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2926/23-1/83~84---ग्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 456-1-2 पैकी है। तथा जो कलावड रोड, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 1-8-83,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्विव्य सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियीं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, डिप्पाने में सृविधा के किए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— (1) मेसर्स सायोना कारपोरेशन की स्रोर से श्रीमती हसुमती शांतीलाल शाह, छानीयारा सेल्स एजेंसी गोंझल रोड, राजकोट ।

(भ्रन्तरक)

16473

(2) श्री वसंतलाल मनीलाल ठक्कर की ग्रोर से कुल मुख्त्यार श्री मनीलाल लाल जी ठक्कर पोस्ट—वेलडा, जिला—मीडनापुर , (वेस्ट बंगाल)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए फार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

मनुसूची

बिल्डिंग जो कलावड रोड राजकोट में स्थित है सथा सब-रिजस्ट्रार राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 4717/1-8-83 है ।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज -- , ग्रहमधोबाद

दिमांक : 29-3-84

मोहर 🖫

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.------

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रह्मवाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2927-23-1/83-84--भ्रत: मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

बायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रौर जिसकी सर्वे नं० 27 पैकी, जाजरष्टा में । है तथा जो जूनागढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णस्प से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रिजस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 22-8-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्पू से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आप को बाबत उक्त अधि-नियम के अधील कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने वचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐंनी किसी आय या किसी धम था अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्ररण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री केसुभाई क्**डाभाई** जाजरडा, जूनागढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मधुवन को० श्रो० हा० सोसायटी की० श्रोर से श्री कानजीभाई रामजीमाई जाजरडा, जनागढ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीच र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में ड्रिक-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसुभी

जमीन जिसका क्षेत्रफल 3091 वर्ग मीटर है जो जाजरडा में स्थित है, सर्वे नं० 27 पैकी जूनागढ़ तथा सब-रजिस्ट्रार जूनागढ़ रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 1834/22-8-83 है।

> भ्रार० न्नार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहाबक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

विनाक : 29-3-84

मोहर 🖫

प्रकृष कार्<u>ष</u>्टी पुन् एस्

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 369-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1984 निदेश सं० पी० आर० नं० 2928/23-1/83-84--अतः मझे, आर० आर० शाह,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रू॰ में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सिटी सर्वे नं० 352, टी० पी० एस 29 है। तथा जो विजयनगर कालोनी, फ्लैंट नं० 96/573, फर्स्ट फ्लोर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायश्व अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-8-83,

- को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गीई है और मुओ यह विश्वास करने करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त मंगित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्द्र अ प्रतिक्रत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तिरती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फस निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निखित में बास्तिबक कृष से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरज के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए। भौर/वा
 - (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन कर ग्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) В अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ६—— (1) गीताबेन पी० जसानी सी०-36, कर्मचारी नगर, रन्नापार्क के नजवीक, घाटलोडीया, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) मंगुबेन भोगीलाल पटेल परा—3 जी० लाइन, मेहसाना । अहमदाबाद का पता—— पलैट नं० 96/573 फर्स्ट फ्लोर, विजय नगर कालोनी, नारनपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच के 45 दिन की अविधिया तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील मे 30 दिन की अविधि, को भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रारंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति य्वाय, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हर अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय. में दिया गया हाँ।

मन्स्भी

पत्नैट जो विजय नगर भालोनी में स्थित है पत्नैट नं० 96/ 573 तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 8921/25-8-83

> खार० झार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर क्षायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 29~3~84

मोहुर:

प्रकप माई० डी॰ एन॰ एस॰ ''''

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 369-म(1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार -

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनोक 29 मार्च 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2929—/23-1/83-84— अत: मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका अचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट राजल को० ग्रो० सोसायटी में है। तथा जो टी० पी० एस-19, एफ० पी० 360, शेखपुर-खानपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकर्ता अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक :-8-83.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंक्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्योच्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के बंतरक के बागित्व के कमी करने या उससे वचने में सुविधा के बिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधिनियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

अत: अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री नयनभाई जेशींगभाई परीख 21, धनुष्य सोसायटी समा रोड, बडोदरा—8 (बरोडा)

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हीराबेन चंपकलाल मेहता 10, जीवाभाई अपार्टमेंट, आश्रम रोड, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कः वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी अधितः ---

- (ख) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं सं
 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं कर्ष होगा, जो उस क्ष्याय में विका गया डैं।

अनुसुची

पलैट जो राजल को० म्रो० सोसायटी में स्थित है टी० पी० एस० 19 एफ० पी० 360 तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेगन नं० 7795 1-8-83 है ।

> अ(र० आ(र० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--, अहमदाबाद

विनांक : 29-3-84

मोधुर 🖫

प्रक्रम बाहै ही एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अथीन सुचना

बारत करकार

कार्यालयः, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸1, अहमदावाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1984

निवेश नं० पी० आर० नं० 2930/23-1/83-84--अत: मुझें, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/ रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० इण्डस्ट्रीयल रोड, गुजरात व्यापारी महा मण्डल इण्डस्ट्रीयल है। तथा जो एस्टेट श्रोढव अहमदाबाद प्लाट नं० 252 सर्वे नं० 67, 68 में 70 से 74/37ईई फार्म में स्थित । है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, वितांक 5-8-83,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निवित उद्वेष्य से उचत अन्तरण जिवित में धास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त अधिनियन के अधीन कर दोने के बस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा से विद्यु सुद्ध/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन नियानिस्ति व्यक्तियों अर्थात्—: 25 --- 56GI/84 (1) गीताबेन, हममुखभाई जीमनलाल की पुत्री कुल मुखत्यार 'बन्दाबन' कल्यान सोसायटी, एलिस क्रिज, अहमदाबाद--6

(अन्तर्क)

(2) मेसर्स उदय ग्रुप इण्डस्ट्रीज 11/43, परमानन्द याडी, $\sin \sigma$ जयकार मार्ग, $\sin \theta - 2$ ।

(अन्नरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथेविस संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बद्धि में अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नामोप:--

- (क) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की शारीच चैं
 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी
 वविध नाह में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों की
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताकारी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अन्सूची

णेड, गुजरात व्यापारी महामण्डल स्रोढप, सब प्लोट नं 252, सर्वे नं 67, 68, 70 स्रोर 74 विगेरे तथा रजिस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं 9815/37 ईई 5-8-83, 37 जी अगस्त 1984 में प्राप्त हुआ है ।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सैंडायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अजन र्रेज-1, अहम्प्य*्रव

दिनांक : 29-3-84

मोहर 🗈

प्ररूप , आर्द्र, टी. एन . एस . - - ०००

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुच्ना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2931—23—1/83--84—अत: मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ष्मीर जिपकी सं० कालुपुर वार्ड 1, सर्वे नं० 1280 ग्रं(र 1281 है। तथा जो पैकी जमीन में स्थित है (ग्रांत इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णस्य ने विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9~8-83,

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह पिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित ताजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तिरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित मे कास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर थेने के शासरक के दायित्व में अभी करने या उससे वचने ही मृश्लिण औ सिए; ज़ौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अति ताले को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं जिया साथ था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

आतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की अपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (।) 1. श्रो शैलेष धाडीलाल णाह वक्ता चेम्बर्स लक्ष्मीनारायन पोल, खाडिया, अहमदावाद ।
 - 2. कान्तीलाल एभनलाल वनता--
 - 3. चन्द्रकान्त रतनलाल वक्ता--
 - 4. दिनेश रत्तनलाल वक्ता---
 - 5. बालचन्द विरचन्द--

(भ्रन्तरक)

"

"

(2) चेरमेन बक्ता चेम्बर्स फोर्मणीयल सेन्टर श्रोनर्स एसोसियेशन लक्ष्मीनारायन पोन, खाडोया, श्रहमदाबाद ।

(अन्परिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वह्स किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

जमीन जो काल्पुर में स्थित है, जिसका सर्वे नं० 1280 श्रौर 1281 है, जिसका रिजस्ट्रोकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 11358, 11373, 11394, 11350, 12269/9-8-83 श्रौर 25-8-83 है।

> न्नार० आर० भाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदबाद

दिनांक : 29-3-84

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, प्रहमदाबाद प्रहमदाबाद, दिनांक 30 मार्च 1984 निर्देश मं० पी० प्रार० नं० $2932/23-^{I}/83-84--$

प्रतः भुने, प्रार० प्रार० णाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० वस्त्रापुर सीम सर्वे नं० 125/1-2 पैकी है तथा जो अब प्लाट नं० 20 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिष्क्रस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 16−8−83

कों पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दियमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का अरण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दियमान प्रतिफल से, ऐसे दिश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां को जिन्हें भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री हरीतकान्त हरीराय बुच मनमोहन सोसायटी, लाल बाग के पीछे, बडोदरा बरोडा ।

(श्रन्तरक)

(2) मेंसर्स फैंण्ड्स कार्पोरेणन सी-14, त्रिकम चेम्बर्स, श्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे के

स्यव्डोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में यथापरि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

जमीन जो वस्त्रापुर सीमा में है, जिसका सब नं ० 125/1-2, सब प्लाट नं ० 20, तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं ० 11705/16-8-83 है ।

श्चार० श्चार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज I, ग्रहमवाबाद

विनॉक 30-3-1984

मोहर :

प्ररूप नाइ. टी.एम्.एस. - - --

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर भागुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च 1984

निर्देश सं० पी० ${1 \over 2}$ प्रार० ${1 \over 2}$ नं०2933 ${1 \over 2}$ 3 ${1 \over 2}$ 83 ${1 \over 2}$ 84 ${1 \over 2}$

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं विश्वित नेहरू रोड पर मुख्य हिस्सा है तथा जो जामपुरी एस्टेट, जामनगर में स्थित है (ग्रार इससे उपाबड़ ग्रमुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से विज्ञत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 1-8-83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निभित्त में वास्तिवक रूप ये किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आब की बानत, उक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधय के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तिक को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिषाने में सुविधा के निए;

अतः उदा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन जिल्ला जिल्ला जिल्ला अधीन जिल्ला जिल्ला जिल्ला अधीन जिल्ला जिल्ल

(1) श्री हीराचन्द गोकलवास पुजारा कें o/मो० पुजारा एण्ड कम्पनी रनजीत रोड, जामनगर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लालचन्द ग्रासुमल लालवानी बालूराम श्रासुमल लालवानी मनोहर श्रासुमल लालवानी तीरथ श्रासुमल लालवानी दरवार गढ़ के पीछे, मेमन शेरी जामनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्मित्तयों में से किसी स्पक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमे प्रयुवत शब्दो और पवों का, जो उनत अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नमृज्यी

विल्डिंग जो पंडित नेहरू मार्ग, जामपुरी एस्टेट मुख्य हिस्सा (जी) पर स्थित है तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 2320/11-8-83 है।

श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 31-3-1984

महिर 🚁

प्ररूप आइ⁴्टी ् एन ् एस . ---- ---

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-¹, ग्रहमदावाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 2 ग्रप्रैल 1984

निर्देश सं० भी० ग्रार० नं० 2934/23-1/83-84---ग्रनः मुझे भारक ग्रारक ग्राह

श्रतः मुझे, श्रार० ग्रार० गाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० विलिष्टम वाघेकरी रोड पर. वार्ड नं० 7 है तथा जो शीट नं० 243, सर्वे नं० 1871/6 भावनगर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 4-8-1983.

को पूर्व किन गर्पात के उपित वाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित को गर्व है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व किन सम्पत्ति का उपित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल सं, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उपत अन्तरण लिखत में वास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनूसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री कान्तीलाल जयन्तीलाल शाह तरुप्ती फ्लैंट नं० 5 अस्पताल के सामने कालानाला भावनगर ।

(ग्रन्तरक)

(2) जे ० निरंजन एम० कारेलिया एच० एम० कारेलिया कुलमुख्त्यार—डी० एम० टी० कारेलिया कैसारा शेरी, चीवानपरा रोड, भावनगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

रगच्छीकरणः--इसमा प्रयुक्त शब्दा और पदाा का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उत्तस अध्याय में दिया गया ही।

अन्स्ची

विश्विग जो भावनगर, वाथपाडी रोड, वार्ड नं० 7, शीट नं० 243 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रिज़स्ट्रेशन नं० 2647/ 4-8-83 है ।

> ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नि**रीक्ष**ण) ग्रर्जन रेंज^{_I}, श्रहमदाबाद ।

दिनांक : 2-4-1984

माहर 🖫

प्ररूप. आई. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) π प्रजन रेज-1, श्रहमदाबाद π सहमदाबाद, दिनांक π श्रद्रमेल π

निर्देण मं० पी० ग्रार० नं० 2935/23-1/83-84--श्रत: मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं बिल्डिंग वाघवाडी रोड पर है तथा जो प्लाट नं 2108, सी/बी भावनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 4-8-83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित याणार मूल्य से क्षम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का 'न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की वावत, जनत जिमित्यम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/वा
- (ख) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः शनः, उन्तर अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, नुभौत् ह—— (1) श्री कान्तीलाल जयन्तीलाल गाह, पलैट नं० 5, 'तरुप्ती' पलैट, ग्रस्पताल के सामने, कालानाला, भावनगर ।

(ग्रन्तरक) .

(2) जे० हंसाबेन घनश्यामभाई कारेलिया वदवा, खीजडापाली शेरी, भावनगर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ , जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा संकर्ण।

स्यव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्यी

बिल्डिंग जो बाघवाडी रोड पर स्थित है, जिसका प्लाट नं० 2108, सी/बी तथा रिजस्ट्रीकर्सा भावनगर रिजस्ट्रेशन नं० 2646/4-8-1983 है ।

श्रार० ग्रार० ग्राह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद ।

दिनांक : 2- 1--1984

मोहाउ 🖟

श्रुक्य बाहु . टी. एम्. एक. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन मुचना

भारत हरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4325—ग्रत: मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इम्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 607/615 का भाग जो प्लाट नं० 6/3 पर स्थित है तथा जो डुगांजी कालोनी के पास, राजकुमार कालेज वार्ड, रायपुर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण च्य से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्याम करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त मन्तरण कि लिए ते स

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाब की बाबस, अबस अधिनियम के अधीन कर दंते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से जिए; बरि/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था खिपाने के सविधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :-- (1) श्रो रोशन दुगांजी पत्नी श्री एन० के० दुगांडी, हारा मु० श्राम श्री धरमचंद बल्द मन्तूलाल, निवासी बैजनाथपारा, रायपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) मास्टर श्री जय प्रकाण द्वारा रावजी भाई. निवासी मोती तालाब, जगदलपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्मरित् के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या त्त्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

गकान नं० 607/615 था भाग जो कि प्लाट नं० 6/3, ब्लाक नं० 27 निकट डुगांजी कालोनी, राजकुमार कालेज वार्ड, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण श्रन्तिनी द्वारा मन्यापित कार्म नंबर 37 जी में निहित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनाक: 5-3-1984

मोहर 🛍

प्ररूप आहु .टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चेना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपास, दिनांक 5 मार्च 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/4326—मतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

धौर जिसकी सं० म० नं० 605/615 का भाग जो कि प्लाट नं० 6/3 पर निर्मित है तथा जो डुगांजी कालोनी के पास, राजकुमार कालेज बाई, रायपुर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिस उद्देश्य सं उक्त अन्तरण कैनिवत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण मं हुई किभी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित करिक्तयों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती रोशत डुगांजी पन्ती श्री एन० के० डुगांजी, मु० श्राम धरमचंद, निवासी बैजनाथपारा, रायपुर ।

(अन्तरक)

[भाग **!!! --- खण्ड**ा-

(2) मास्टर हितेन्द्र ना० वा० व वली रावजी भाई, निवासी मोती सालाब, जगदलपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृषेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है [1]

नमस्यी

मकान नं० 605/615 का भाग जो कि प्लाट नं० 6/3, ब्लाक नं० 27 पर निर्मित है। राजकुमार कालेज वार्ड, डुगांजी कालोनी के पास, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंवर 37 जी में निहित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी . सहायक स्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) शाजेन रैंज, भोषास्त्र

दिनांक: 5-3-1984

मोहर 🕄

बक्य आहे. टी. एन्.. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4354---ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण **है कि स्था**वर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुत. से अरधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 13, शीट ऋमांक 34 है तथा जो बल्देव बाग, राजनन्दगांव में स्थित है (श्रोर इसमे उपाबक्क श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, राजनन्दगांव में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्राधीन 4 श्रगस्त, 1983

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाथा गया प्रति-फल निम्नलिखित उददेश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्त-रिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाद की बाबत, उक्त अधि-निवस के अभीन कर देने के बनारक के वारित्व में कभी करने या उससे बचने यें स्विभा के लिए; बौद्ध/वा
- (का) एेसी किसी आथ या किसी धुन या अन्य आर्रितयों का, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन कर दक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषाकियाजाना पाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए ;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात :---26 -56G1/84

(1) श्री ग्रनंत नाथ बागची भ्रात्मज श्री उपेन्द्र नाथ बागची, निवासी सिविल लाईन. राजनंदगांव ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रेम प्रकाण श्रप्रवाल भ्रात्मज श्री नथमल श्रप्रवाल, निवासी बल्देव बाग. राजनंबगांव ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सभ्यत्ति के जुर्जन के किए कार्यवाद्वियां करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सम्बना की ताजील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीकर प्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीथ से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधीलम्साक्षरी के पास लिचित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिर्गः - इसमें प्रमुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 13 का टुकड़ा, शीट कर्मांक 34, बल्देव बाग, जिला राजनंदगांव में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोगाल

दिनांक: 6-3-1984

मोहर :

प्रकृप नाइ", टी. एन. एस.—

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन क्षाना

भारत सहकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4355—भतः एम्पे देवपिय एव्य

मुझे, देवप्रिय,पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृस्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० प्लाट नंबर 13 का टुकड़ा है तथा जो बलदेव बाग, राजनंबगांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपावश्च श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, राजनंदगांव में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 4 ग्रगस्त 1983

को पूर्विक्त संपरित के उपित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियार्ग) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप मे कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे अधने से सुविधा के सिए; और/आ

(क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य जास्तिनों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भरा था या धिन्या जाना बाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

अत[्] अ्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मनंतनाथ बागची भारमज श्री उपेन्द्रनाथ बागची, निवासी सिविल लाईन राजनंदगांव, तहसील व जिला राजनंदगांव।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री ग्रग्रवाल पत्नी श्री नथमल ग्रग्रवाल, निवासी बल्देव बाग, जिला राजनंदगांव ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पृत्रों क्त संपृत्ति के वर्षन के तिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के जर्जन के संबंध में कोई भी बाओव ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की सबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थाकरणः - इसमे प्रयुक्त कक्यों और पर्यों का, वा उक्य अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्यी

प्लाट नंबर 13 का दुकड़ा, शीट कमांक 34, बस्देव बाग, राजनंदगांव में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6-3-1984

महिर :

प्रमाप शत्त्व हो। एत**ः एस**्_{न्यं---ध}---

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के जभीत सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/मर्जन/भोपाल/4358—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन स्काम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्य सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से वृधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि ख० न० 338/16, 338/17, 338/20 है तथा जो टांटीबांध, रायपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 17 ग्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसैके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अंतरण से हुई किती जाब की बाबत, उक्त बिधिनियुम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी कटने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, ख्यिन में सूर्विभा के लिए;

बतः अत्रं, उक्त विधिनियव की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती चेतनरानी पत्नी प्यारेलाल, निवासी फाफाडीह, रायपुर।

(भन्तरक)

(2) जायका श्राटोमोबाइल्स फाइनेंस लिमिटेड द्वारा डामरेक्टर श्री पुफुल्ल कुमार पिता श्री काशीराम काले, निवासी चौबे कालोनी, रायपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय दुवारा;
- '(ब) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन् के भीतृर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति वृवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किये जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

अ**न्**त्र्ची

भूमि ख॰ नं० 338/16, 338/17, 338/20, मौजा टॉटीबांध, जी० ई० रोड़, रायपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

विमांक: 6-3-1984

मोहर :

प्रकल आहे. टी. एनंु एस., -----

... . F) Lu - (

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिशण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 मार्च 1984

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4363—ग्रतः मुझे, देशप्रिय पन्त,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० प्लाट नंबर 44, 85, 86, 126/86 का श्रंण है तथा जो नयापुरा, भोपाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की वाबत, उपत अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वधने में सृविधा के मिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) न्यास सार्वजनिक रामानंद भ्राश्रम गुफा संदिर लालघाटी भोपाल द्वारा महंत नरसिंहदासजी त्यागी शिष्य स्व० . नारायणदासजी त्यागी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रज्ञेश सेठ झात्मज श्री शशीकान्त सेठ, निवासी बेलवारपुरा, भोपाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हिन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगा।

स्थव्यीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

प्लाट नंबर 44, 85, 86, 126/86 का ग्रंग, नयापुरा, भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 16-3-1984

मोहर:

प्रस्य बार्षः, टी. एत. एस.,-----

भामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 मार्च 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/4364—श्रतः • मझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000∕- रु. से अभिक है

ग्रीर जिसकी स० भूमि ख० नं० 181/2/2/1 है तथा जो ग्राम डोसीगांव रतलाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक श्रगस्त 1983 ।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विषयास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में कृतिथा के बिए; औट्ट/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

भतः जया, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारण (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती प्रभाराज्य लक्ष्मी पति श्री लोकेन्द्र सिंह जी साहब बहादुर, निवासी-मोहल्ला लोकेन्द्र भवन संस्थान, रतलाम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री माधो प्रसाद कावसजी एण्ड कंपनी, स्टेशन रोड़ भागीदार फर्म, रतलाम

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई शक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बार्स के 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पत सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

भूमि ख० नं० 181/2/2/1, ग्राम डोसीगांव, तहसील व जिला रतलाम में स्थित है।

वेनप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक भागकर भ्रायुक्त (निरीक्षण); भर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 16-3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बार्चा, टी, एन्, एस, ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरोक्षण)

भर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रंजेन/भोपाल/4365---ग्रतः मुझे, वेवत्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रतिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-फ़: से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नबर 4 है, तथा जो 16/1, रेस कोर्स रोड़, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, श्रगस्त 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अंसरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पत्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरिकार्त से अधिक है और अन्तरित (अन्तरिकार्त के सिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जम्तुरण से हुन्दी किसी जान की बाब्द, उन्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/वा
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् उ—

- (1) मेसर्स सुषमा श्रपार्टमेंट माध्यम से भागीबार,
 - श्री अशोक कुमार पिता प्रताप सिंह बैस,
 - रधुंबीर सिंह पिता राम सिंह राठौर, निवासी-12, मनोरमा गंज, इंदौर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री संदीप पिता सुमंत कुमार गनड़ीवाला, निवासी-14/1, डा० ग्रार० एस० भंडाारी मार्ग, इंदौर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हनन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

न्तृत्वी

फ्लैंट नंबर 4, मकान की द्वितीय मंजिल, 16/1, रेस कोर्स रोड़, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनोक: 16-3-1984

मोहर 🤃

प्ररूप बाई. टी. एन. ऐस.-----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के व्यक्तीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 मार्च 1984

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/ 4 366—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान पुराना नं० 4: 1326 नवीन क्रमांक 127 की फर्स्ट व सेकिण्ड फ्लोर है तथा जो सती दरवाजा, गोपाल मंदिर मार्ग, उज्जैन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त 1983

- को पूर्वो कि सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दश्यमान प्रतिकस के लिए बन्तरित की गई हैं, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दश्यान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक हैं और बन्तरित (बन्तरितियाँ) के बीच एंसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नुसिब्त उद्देश से उक्त बन्तरण सिवित में बास्तिबक क्यू से किश्त नहीं किया गया है:—
 - (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिथ-निवय के ज्यीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन्तः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिसित व्यक्तियों. अर्थात् :—

- (1) 1. श्री प्यारचंद श्रात्मज नानुरामजी,
 - सत्यनारायण श्रात्मज प्यारचंदजी, निवासी-उन्हेंल व मसद्वीपुरा, उज्जैन ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती पुखराज बाई पत्नी सुशील कुमार,
 - सुशीला बाई पत्नी पारसमलजी जैन, निवासी गण-रामभन्त्र सेठ की गली, छोटा सराफा, उज्जैन ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) 1. श्री लक्ष्मीनारायण मुनिम
 - 2. चांदमलजी
 - 3. मांगीलाल

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरेंगे।

न्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का , वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभावित हा, बहु वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गुरा हा।

वन्त्वी

मकान नंबर (पुराना) 4: 1326 नया नंबर 127 की फर्स्ट व सेकिण्ड फ्लोर, सती दरवाजा गोपाल मंबिर मार्ग, उज्जैन में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर घायक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 16-3-1984

मांहर:

प्ररूप आई., टी., एत., एस.-----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 मार्च 1984

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4367---ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० मकान नंबर 4/1326 व नया नं ० 127 है, तथा जो सती वरवाजा गोपाल मंदिर मार्ग उज्जैन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ग्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मूको यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) क्लारण से हुद किसी शाव की वाबत, डक्त किंपिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; औट्ट/या
- (क) एते सिक्सी भाव वा किसी धन या अस्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विधा के लिए:

(1) र श्री प्यारचंद ग्रात्मज नानूरामजी

 श्री सत्यनारायण श्रात्मज प्यारचंद नियासी—ग्राम उन्हेंन परगना खाचरौद व मसदीपुरा, उज्जैन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पारसमल श्रात्मज माणकलालजी, रामचन्द्र सेठ की गली, छोटा सराफा, उज्जैन ।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री बालमुकुन्द बलदेवजी, फेमस टेलर्स 127, गोपाल मंदिर मार्ग, उज्जैन। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जन्धि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नंधर 4/1326 व नया नंधर 127, सती दरवाजा, गोपाल मंदिर मार्ग, उज्जैन में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1)

🛸 अधीन : निम्नसिधित व्यक्तिको , अर्थात :---

विनांक: 19-3-1.984

मोहर

वस्य साई: टी॰ इन॰ एस॰----

प्रायकर प्रांतिसम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ए (1) के प्रचीत नुषता

भारत सरकार

कार्याक्षय , सहायकः आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण) प्रजीन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 19मार्च 1984

निर्वेश सं० ग्राई० ए० मी०/ग्रंर्जन/भोपाल/4368—ग्रनः मुझे, वैवप्रिय पन्त,

धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है,) की धारा 269-ख के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- न्पए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं मकान कमांक पुराना 4/1326 व नया संबर 127 है, तथा जो सती दरवाजा गोपाल मंदिर मार्ग, उज्जैन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन. श्रीमत 1983

को पृथितित सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रितिक के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रुख्यमान प्रतिक ले एसे रुख्यमान प्रतिक का पण्डह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिष के लिए तय पाया गया प्रतिक त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; और/धा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्शा के लिए;

- (1) । पी जाएपँदं बालान नान्समजी
 - श्री सत्यमारायण श्रात्मज प्यारचंद,
 निवासीगण-श्राम उन्हेंल परगना खाश्रगृद मुसदीपुरा,
 उज्जैन ।

(भन्तरक)

(2) श्री सुशील कृमार श्रत्मज माणकलालजी जैन. निवासी--रामचन्द्र सेठ की गली. छोटा सराफा, उज्जैन ।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री बाबूलाल श्राहमण श्री प्रताप मल जैन, 127, गोपाल मंदिर मार्ग, उड्डॉन के (वह व्यक्ति, जिसके श्रिश्रोग में सम्पत्ति है)

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगुस्ची

सकान नंबर पुराना अ/1326 व नया नंबर 127, का जल मंजिल, मती दश्याजा गोपाल मंदिर मार्ग, इंग्जैन में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनां**क** 19-3-1984

भोहरं

प्ररूप साइ. टी. एन. एस. ----

नायकार अधिनियग, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन मृचना

भारत सबकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

🧯 ग्रर्जन रेंज्, भोषाल

भोपाल, दिनांक 19 मार्च 1984

निर्देण मं० ग्राई० ए० गी०/ग्रजंन/भोषाल/4369--ग्रनः गमे, देवप्रिय एक्त,

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंद्रजात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), भी धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान कमांक 1/1018 नया क्रमांक 60 है तथा जो निजातपुरा उज्जैन में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्य अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय. उज्जैन में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण सिखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाब्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; बौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तिरती द्वारा प्रकट हिंहीं कियी गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के निए:

बतः अब् उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अन्सरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिति व्यक्तियों, अधीत :--

(1) सरवार अलंबेन सिंह् गुर फ्रास्मित्र सरवार जयमल सिंह् गर, सहायक मंद्री मध्यप्रदेश विद्युन्त मंडल, निवासी महासमन्द, जिला रायपुर हाल मकाम उज्जैन म० प्र०

(ग्रन्तरक)

(2) लल्लुजी एण्ड सन्य उज्जैन हेड् आफिस रामबाग इलाहाबाद गार्टेनर श्री तिनोद कुमार प्रग्रवाल थात्मज वालगोतिन्द दासजी अग्रवाल निवासी-इलाहाबाद हाल गुकाम कोयला फाटक आगरा रोड, उज्जैन ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्युक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त कान्यों आदि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नंबर 1/1018, नथा नंबर 60, निजातपुरा, उज्जैन में स्थित है।

े देवधिय पन्ते सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर सायुवत (निरीदाण), णर्जन रेज, भोगल

दिनांक: 19-3-1984.

मोहर:

प्ररूप नाइ • दी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ण (1) के अभीम स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोषाल, दिनोक 19 मार्च, 1984

निदेश रां० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4370—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

शौर जिसकी संव मकान म्युव नंबर 74 पर बना हुन्ना है तथा जो विवेकानन्द नगर कालोनी, उज्जैन में स्थित है (ग्रांग डगनं उपाबद्ध अनुभूची में ग्रांग पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिश्वकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, अगस्त, 83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपिति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल के एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हूइ किसी आय की नानत, उक्त अधि-नियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कहने या उससे बचने में स्विधा के लिए; नीर/या
- (थ) एसी किसी बाय या किसी थन या जन्य जारिसयों को जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-म के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, जनति है—— (1) श्री सुरेश शर्मा पिता किंगेवप्रसाद शर्मा निवासी विवेकानन्द कालोनी, उज्जैन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चन्त्रगेखर चटर्जी पिता मोहन हित चटर्जी, निवासी 28, मोती बंगला, देवास,

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारो कारके पूर्वी**क्त सम्मरित के अर्थन के लिए** कार्यवाहियों क्रसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ब भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण :—हसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

एक किता मकान म्यु० प्लाट नंबर 74 पर बना हुना विवेकानन्य नगर कालोनी उज्जैन में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त(निरीक्षीण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांक: 19-3-1984

मोहर :

प्रकार आहें.टी. **एन्. एक्**. ~

नायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 19 मार्च 1984

निदेश सं ० भाई ० ए० मी ०/भ्रर्जन/भोपाल/ 4371--श्रतः मुक्ते, देवप्रिय पन्त,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्रह्म 25,000/- रापयं से अधिक हैं

भीर जिसकी संब्खानंव 33/1 है न्तथा जो ग्राम तेजपूर गड़बड़ी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर रिजस्दीकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, श्रगस्त, 1983

को पूर्वेक्स सम्परित के उरिवास बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत में अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्सर्रिसयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रसिफल, निम्नलिबित अबुद्धेष्य से अबत् अन्तरण लिबित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से **हुए किसी आय की यावत**, उक्स मिश्रिनयम के मधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्य से कसी करने वा उचके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या अंग्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, प्रयाजनार्थ सन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किय, गया था याकिया जानाचाहिए था, क्रियाने में स्विभाके लिए;

नतः नम, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, और अञ्चल विधिनियाम अभी साम १६० व और अगसाया (1) के अधीन, निज्निनिक्ति व्यक्तियों, अधित ----

- (1) श्री रामेण्यर पिता फकीरचन्द, (2) गीताबाई पर्ताः फक्षीरचन्द्र, निवासी----बिजलपुर, तह० इंदीर्। (ग्रन्तरक)
- (2) नुतन गृह निर्माण सहकारी संस्था लिमि०, निवासी 54/2, लोघीपुरा इंदौर तरफे प्रध्यक्ष गोविन्द-षयास नीमा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के कर्जन की लिए कार्यवाहियां करसा हा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों मा मं किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-भवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्साक्षरी के पास लिए जा सकी ।

ल्पच्डीकरण:---इसमें प्रमुक्त सच्यों और पद्यों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि खा०ने० 33/1 ग्राम तेजपूर, गडबडी में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी हसहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (मिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

विनोक: 19-3-1954

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन एस.-----

भायकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 मार्च, 1984

निदेश सं ० श्रई ० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/ 4372—श्रतः मुझेः देवप्रिय पन्त.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ख०नं० 3 4/1, 3 4/2 है तथा जो ग्राम तेजपुर गड़बड़ी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रगस्त, 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफाल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात में अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरल के सिए तय पाया गया प्रतिफल, भिम्निजितित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण किचित में वास्तिक रूप से किचत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किती जान की बाबत, उक्त जिभिनियम के जभीन कर देंगे के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में मुनिधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाब ना किसी वन वा बन्ध बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-मार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत वन उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण का में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, मिक्तिविक व्यक्तियों व्यक्ति र——

- (1) श्री देवीसिंह पिता ग्रमरसिंह, निवासी बिजलपुर (ग्रन्तरक)
- (2) तूनन गृह निर्माण सह० संस्था लिमि० तरफे अध्यक्ष गोविन्द दास नीमा, 54/2, लोधीपुरा, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी मन्धि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास फिस्सित में किए जा सकांगे।

स्पस्टीकरण:—-इसमें प्रयूक्त श्रुक्त और पतों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, तहीं अर्थ होगर, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

ननसची

भूमि खा० मं० 34/1, 34/2 प्राम तेजपुर गड़बड़ी तह० इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी राहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, भोपाल

दिनांक: 20-3-1984

मोहर 🛭

प्रकप बार्ष. टॉ. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, विनांक ३० मानं 1984

निदेण सं ० ग्राई० ए० मी०/प्रजेन/भोषाल/४३७३---श्रतः मुक्को, देवप्रिय पन्तः

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं भूमि नं अब जं 33/2 है तथा जो तेजपुर, गड़बड़ी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. इंदीर में, रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास अरमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिवक , रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बीध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तते बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आँव पा किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ह्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिक्नि व्यक्तियों, अर्थात् :--- (।) श्री भागीरथ मुखराम पिता सालीगराम निवासी विजलपुर, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) नूतन गृह निर्भाण हा० सो० सह० निर्मि० 54/2, लोधीपुरा इंदौर तरफे अध्यक्ष गोबिन्ददास नीमा। (अस्तरिती)

को यह मृचना आरी करके पृषांक्य सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता **ह**ै।

उक्त भस्पति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्थितकों में से किसी स्थित इवारा;
- (त्र) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 33/2, ग्राम तेजपुर गड़बड़ी तह० इंदौर में स्थित है।

> र्देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांक: 20-3-1984

मोहर :

प्रमूप **आर्च**. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कामिनिय सहायक अधिकर आयुवत, (निरोक्षण) प्रजीन रेज, भौगाल

भौगाल, दिनांक 20 मार्च 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/4374—श्रातः मञ्जे, देवप्रिय पंत.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि खं ० नं ० 16/1 है तथा जो ग्राम तेजपुर गड़बड़ी, इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, इँदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983

को पूर्वोक्ड सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कुम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व मूँ कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियं की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम था धन अर अधिनियम था धन अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

जार अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्मतिचित न्यासितयों, अर्थात :----

- (1) श्री कन्हें<mark>या लाल पिता बलवंत निवासी जिल्लामु</mark> (श्रन्तरफ)
- (2) नृतन गृह निर्माण सहकारी संस्था निभिच 54/2, नाधीपुरा, इदोर तरफे प्रध्यक्ष गोविन्ददाम नीमा (भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

जक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (था) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- द्धा किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान निष्या में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका गया हैं!

मनुसुची

भूमि ख \circ नं \circ 16/1, ग्राम नेजपुर गड़बड़ी तह. इंदौर में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त यक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांगः ,ऽ०,४।८८। सांहरः प्ररूप आहे. टी. एत्. एस . ------

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा **269-ण (1) को मधीन सूचना**

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 मार्च, ०984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4375—म्प्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,,000/- क वे अधिक है

स्रोर जिसकी सं भूमि खा नं 16/2 है तथान जो ग्राम तेजपुर गड़बड़ी में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से एसे ध्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिबित उद्बेध्य से उक्त अन्तरण लिखित वे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संबुद्ध किसी भाग की नायत उक्त निध-निवस में अधीन कर दोने के अन्तरक को शियत्व में अभी करने वा उससे बुधने में सुविधा के सिए; सरि/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्सियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1.) रा अक्त अधिनियम, य धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)) के अधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

शत: अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधार (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री नीकाराम भारमणं बलबल निवासी विषय-पुर, तह, इदीर।

(ग्रन्तरक)

(2) नूतन गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या० लिमि० 54/2, लौधीपुरा, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोर्ड्भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक मं 45 दिन की अवधि या तत्स्यन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जांभी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधान्न-साक्षरों। के पास लिकित में किए जा सकती।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत्त ● अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नवस्त्र की

भूमि खा० नं० नं० 16/2, ग्राम तेजपुर गड़बड़ी तह० इंदौर में स्थित है।

> .देवप्रिय पस्त सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ् अर्जन रोंज, भोपाल

विनांका। 20-3-1984

मोहरः

प्रकृप बार्ड .टी. एन .एस . ------

कायकर अकितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६९ भ (1) की अभीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, विनांक 20 मार्च, 1984

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4376—प्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मकान नं 20/3 है तथा जो साउथ तुकोगंज, इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरक के सिए तम पामा गया प्रति-क्षत निम्नलिखित उद्धारम से उक्त कन्तरण जिभित्त में बास्तीबक कम से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर धोने के अन्तरक की दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन-कर बीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विभा जीना चाहिए चा, जियाने में सविधा के लिए:

नतः वन, उन्त अधिनियम की भारा 269-न के बन्तरक मों, मों, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन: निम्मीलिनत व्यक्तियों, अर्थातः :—— 28 —56GI/84

- (1) सुगतबाई प्रति गजेन्द्र कुमाए (३) कपल कुमार (3) विमल कुमार (4) निर्मल कुमार पिता गजेन्द्र कुमार (5) चन्दा पित मोहनलाल 462, तिलक नगर, इंदौर ।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुभाषचन्त्रद्र (2) णरदचन्द्र (3) सुरेश यन्द्र पिता रमेश यन्द्र (4) कुमुदनी देवी रमेशचन्द्र पांडें 20/3, साउथ तुकागंज, इंदौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुधना बारी करके पृत्रोंक्त सम्परित को वर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बनत सम्पत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाओप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनबूध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस सिलिक में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रमुक्त सुन्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अग्राची

म० मं० 20/3, गली नं० 1, साउथ तुकोगंज, इंदौर में स्थित है।

> देशप्रिय पन्त सक्षम ग्रिधिकारी । (निरीक्षी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोषाल।

दिनांक: 20-3-1984

मोहर 🕫

प्रकृष आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की चार २६५ व (1) के अधीन मुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक यायकर मापुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 मार्च, 1984

निदेश मं० भ्राई० ए० मी०/म्रार्जन/भोपाल/4377—म्नतः मुझे, देवप्रिय पन्त

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संब प्लाट नंब 70 है तथा जो श्रनूप नगर, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इसमें पाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त, 1983

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भ वास्तिक रूप में किथान नहीं किया गया हैं .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 अ 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी इयारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाटिए था किए। में गविधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती चांदरानी पडवी पति नगेन्द्र लामणी, पडवी, निवासी-10, महारानी गेड़, इदौर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री इंदरवन्द सुराना पिता श्री नेजगरण जी सुराना, नियासी-छोटा सराफा, मरु नंद 20, इंदौर । (ग्रन्सरिनी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपण मों प्रकाशन की तारीका से 45 दिन को भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस प्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

प्लाट नंगर 70, श्रनूप नगर इंदौर में स्थित है।

देशप्रिय पन्त सक्षम श्रधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रजैंन रेंज, भोपाल

विनांक: 20-3-1984

मोह्यु 🖫

बुरूप बाई: टी. एन. एस:------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).
ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 मार्च 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/4378—स्थतः मूझे देवप्रिय पत्न

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं भूमि ख नं 407/2 है, तथा जा ग्राम सेजवाया में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध प्रनूस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय धार में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, ग्रामस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उच्च बिधिन्यम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उत्ते बचने में सुविधा के निए; ज़ौर/या
- (य) एसी किसी जाय या किसी भून या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्चिस व्यक्तियों, अर्थीत:—

 श्रीमती पन्नाबाई पत्नी मोहम्मद उर्फ मेमद नायता निवासी—पानखेडी।

(भ्रन्तरक)

 मैंसर्स केडीया रक्षर प्राइवेट लिमिटे। प्रो० ग्रो० पी० केडीया 6, लार्ड कालोनी, इंदौर।

(श्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्सि में फिए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमं प्रय्क्त शब्दाँ और पदों का, जा उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नगत्त्रज्ञी

भिम खा० न० 407/2, ग्राम सेजवाया में स्थित है। देवप्रिय पन्त सक्षम श्रधिकारी निरीक्षी यहायक ग्रायकर श्रायकत ग्राजन रेज भोषास

ता**रीफ** ५ 20:3-19**8**4

प्रकल नाहर टी. एन. एक -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 मार्च 1984

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/भर्जन/भोपाल/4379—धतः मुझे देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा '269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य '25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० प्लाट नम्बर 39 है, तथा जो कंचनबाग. इंदौर में स्थित है (ग्रीर ब्रैंडससे उपावद्ध श्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इंदौरर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन; तारीख श्रगस्त 1983

को प्वंक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वंक्ति सम्परित का उचित बाजार मूल्य. उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रथमान प्रतिफल का वन्द्रह् प्रतिदात से अधिक है और अंतरका (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त मीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, खिलाने में सुविधा के लिए;

अतः अन्न, उन्न अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण ओं, में, उथन अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 श्री संतोष कुमार पिता धोंकारलाल खड़ेलवाल निवासी-66, सरसेठ हुकुमचंद मार्ग, इंदौर।

(भ्रम्तरक)

- 2. (1) श्रीमती पूर्णिमा बाई पति मखनलालजी श्रग्रवाल।
 - (2) श्रीमती शोभादेवी पति महाबीर प्रसादजी ग्रंथवाल।
 - (3) श्रीमती परमेश्वरी देवी पति मोतीलालजी निवासी-24, यशवंत कालोनी, इंदौर । (अन्तरिती)

को यह सुचना आरो करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गंबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिकम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ्ही, वहीं अर्थ होंगा की उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

प्लाट नंबर 39, कंचनबाग, इन्दौर में स्थित है।

विविधिय पन्त
'सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त
सर्जन रेज, भोपाल

गारीष : 20-3-1984

मोहर 🔉

प्ररूप बांडी, टी. एंश. एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन क्षेत्र भोपाल भोपाल, दिनांक 21 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4380—ग्रस: मुझे देवप्रिय परन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 15 पर बना हुआ मकान है, तथा जो शंकर बाग कालोनी, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय इंदीर में रिजस्ट्रीकरण श्रीक्षिनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख श्रगस्त 1983

को पूर्वीक्त संवित्त का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ।तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के गन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ गया ग्या प्रतिफल, न्मिनलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के असारक के बाबित्स में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था, छिपाने में मृनिधा के लिए।

मतः जवः, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तिसीं, अधीत् :--- श्री बालकृष्ण पिता श्री विशमदासजी नइय्यर निवासी गांतिनगर रायपुर पोस्ट प्राफिस शंकर नगर, रायपुर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मुरलीधर सोमानी पिता श्री मूलालालजी सोमानी निवासी—मकान नं० 100, जूना पीठा इंदौर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के गर्भन के तंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अविक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थाव्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्या

प्लाप्ट मं ० 15 पर बना हुआ मकान, शंकर बाग कालोनी; इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक घायकर घायुन्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल)

ला**रीख**: 21-3-1984

माहर :

प्रक्य आहुँ, क्षी, एन, एस, ,------

भाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-म (1) के मधीन स्थना

भारत सूरकार .

शार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च 1984

निर्देश सं श्राई० ए० सी०/भ्रर्जन/भोपाल/4383---म्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसर्वे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

प्रोर जिसकी सं भिष्मान नंबर 434, दो मंजिला है, तथा जो मोहल्ला कसेरा बाजार, बुरहानपुर में स्थित है (प्रौर इससे उपावत अनूसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निश्नितियों उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तिक रूप स कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त जिंध-नियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बंधने में सृतिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाव वा किसी भन या अन्य जास्तिवाँ की, विन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनार्थ जन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के सिए;

बतः बव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के कन्सरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्निसिय व्यक्तियों, अधीर अधिक श्री नूर मोहँम्मद बुंख्द शैंख कालू मुसलमान निवासी कसेरा बाजार, बुरहानपुर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सौ० नवैदाबाई जोजे दगडू कासार निवासी-कसेरा बाजार, युरहानपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां क,रता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के ग्राचपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यानितयों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उपत स्थान्य संपत्ति में हित-नद्भ किसी अन्य स्थानित द्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरें।

स्थव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उससे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

वरसची

दो मंजिला मकान नंबर 434, वार्ड नंबर 7, मोहल्ला कसेरा बाजार, बुराहमपुर में स्थित है। जिसका संपूर्ण विवरण अस्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी० में निहित है।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक भ्राकर भ्रायुक्त अर्जन रेंज, भोपाल

तारीच: 27-3-1984

मोहर 🤼

प्रकृप आर्च , टी. एन , एस्. ः -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीर मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4382~ ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्तः

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

भीर जिसकी सं० मकान नं० 424 है, तथा जो कसेरा बाजार, त्रार्ड चौक, कमला नेहरू मार्ग, बुरहानपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायिलय बुरहानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, श्रगस्त 1983,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युष्ट से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहे/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन वा बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1921 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाडिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

जतः अस्, उस्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं उक्त अधिनियमं की धारा 269-**ण की** उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री तुर पोहम्पण वस्य सेख कालू, सूमलगान निवासी कसेरा-ब्राजार, पोस्ट, बरहानपुर।

(भ्रन्तरकः)

 गौ० प्रमिलाबाई जोजे त्रामनराव कामार निवासी-करेगा बाजाप, पोस्ट बुरहानपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उन्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनसंची

मकान नं 424, दो मंजिला, वार्ड नम्बर् 7 मोहल्ला कसेरा बाजार, वार्ड चौक कमला नेहरू मार्ग, बुरहानपुर में स्थित है। जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिकी द्वारा संस्थापित फार्म नंबर 37 जी ० में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक त्रायकर ग्रायुक्त श्रर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख: 21-3-1983

प्रकप बार्ड, टी. एन. एस.-----

जासकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीत सुभता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्भन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4381—ग्रतः मुझे वेवप्रिय पस्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से जिधिक है

स्रौर जिसकी सं० खुला प्लाट, भूमि नं० एन०-77 है. तथा जो सनूप नगर एक्सटेंगन कालोनी इंदौर में स्थित है (स्रौर इससे उपायद अनुसूची में स्रौर पूर्ण के रूप में से वर्णित है) रजिस्ट्री र्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रक्षीन, भगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक लप मे कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की नायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निए;

अत: अम, उक्त विधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्मिणिया व्यक्तियों, वर्षात् इ— भीमती लीला पत्नी राघेलाल गार्थक निनासी-130, ई-4, महावीर नगर कालोनी, भोषाल वर्तमान, इंदौर ।

(ग्रन्यरक)

2. श्री सुरेशचन्त्र पिता चूत्रीलाल जैन निवासी---भाट मोहस्ला, णाजापुर म० प्र० वर्तमान, इंदौर ।

(स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्यस्क्रीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित ह⁶, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्त्यी

खुला प्लाट, भूमि रष० नं० एन०-77. धनूप नगर एक्सटेंगन कालोनी, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 21-3-1984

प्ररूप आई.टी:एन:एमं:-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

कार्यालय, सहीयक कार्यकर आयुक्त (निरक्षिक)

श्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोगास/1384---ग्रतः

मुझे वेवत्रिय पन्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उच्चित बाजार युन्य 25,000/- एउ. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि परिवर्तित शीट नं० 2 प्लाट नं० 14, 15, 103/1 है, तथा जो भौजा सुजापुर कला, खंड्बा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीअर्ता अधिकारी के कार्यालय खड़बा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अगस्त 1983

को पूर्वित सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हो और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देष्य से उनत अन्तरण में लिखित वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्त मों कमी करने या उससे यचने मों सविधा के लिए; बीट/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं विया गया था या किया जाना चाहिए था, छिगाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---29 --56GI/84 भी गेंद्रालाणं निर्मात्मक्तानं नैंग यनवारी महाजन निवासी—विद्ठात मंदिर रोड़, कहारवाडी खंडवा खुद व वर्गा अगने जाभिन शरीक हिन्दू परिवार के । (पन्तरक)

 फर्मश्रीकृष्ण कर्माणयल कम्पनी खंडवा के भागी-दारान।

- (1) भी पञ्चालाल पिता लादुरास ।
- (2) श्री गणेणलाल पिता बाब्लाल।
- (3) श्री राजेन्द्र कुमार वा छगनलाल।
- (4) श्रीमती पृष्पावाई वा सूरजमल श्रग्रवाल।
- (5) सी० ग्रामा जोजे नरेन्द्र कूमार ग्रग्नवाल।
- (६) श्री संजय कमार वा छगनलाल अग्रवाल निवासी—गोल बाजार खंडवा जिला पूर्व निमाइ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोधन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिमां करता हु।

उक्त सम्परित के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के शीलर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा स्कर्णः

लिक्बीकरणः --- इसमों अयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिशाविध है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा क्या है।

सन्सूची

भूमि भीट नं० 2, प्लाट नं० 14, 15, 103/1 जो कि [मुजापुर कला में स्थित है तथा कसरे, खोली एवम् निर्मित क्षेत्र है। यह वह स्थादर सम्पत्ति है जिसका विवरण भ्रस्तिति द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी० में निष्टित है।

> ्रदेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) प्राप्त रेंज, भोपोल

तारीखाः 21-3-1984 मोहरः:

प्रकल बाहु . टी. एम. एस. ------

भायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

ग्रजंग शेव, भोपाल भोपाल, दिनाक 26 मार्च 1984 निर्देश सं० ग्राई० ए०९ सी०/ग्रजंन/भोपाल/4385---ग्रतः मुझे, देविश्रिय पन्त

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद जिस्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अभिक है

घौर जिसकी सं ० रणजीत विलास पैलेस का भाग है, तथा जो रतलाम में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद घनूसूची में ग्रौर पूर्ण ख्य से वणित है), रजिह्नद्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, भारीख ग्रंगस्त 1983

का पूर्णकत संपरित के उचित भाषार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास कारने का कारण है कि स्थापृत्रीकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरित्तियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तस पास गया प्रतिफल, निम्निचित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण सिचित में अस्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के जन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे अचने में मृतिधा के बिए; वॉर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य जास्तियों को जिल्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, क्याने में सुविधा के विष्।

- . श्रीमंत लोकेन्द्रसिंहजी के मु० श्राम श्रीमती प्रभाराज्यलक्ष्मी पति श्री लोकेन्द्र सिंहजी साहब निवासी—लोकेन्द्र भवन कम्पाउंड भवन रतलाम। (श्रन्नरक)
- 2. श्रीमती हरिवदन पति बेटवालालजी श्रेष्ठ रतलाम। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किन व्यक्तियों में से जिसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपिता में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया ही।

अन्स्**जी**

रणजीत विलास पैलेस रतलाम का भाग।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक द्यायकर ग्रायुक्ध ग्रजन रेंज भोपाल

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुवरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधी न, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

सारीख: 26-3-1984

प्ररूप भाई^{*}. टी. एन . एस . · -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

बारत तरकाड

कार्याजन, सक्काम्क जामकर जागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सीः/ग्रर्जन/भोपाल/4386—श्रतः मुक्षे, देवप्रिय पन्त

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वर्षात 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं) की भाष 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं अकान है, तथा जो मोहल्ला रणजीत विलास पैलेस रतलाम में स्थित है (भार इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रिधकारी के कार्यालय रतलाम में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख अगस्त 1983

कां पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दबसमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्वास कारने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गन्तह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल विम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कांश्त नहीं किया गया है:---

- (क) बलाएन से हुई किसी बान की बाबस, उन्नद वीधीनवस के अधीन कर दोने के कन्सरक के सावित्य को कसी कारने वा उन्दर्ध बचने को सुविधा के जिल्हा क्षीड/वा
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन या नन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्षणार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए गा, छिपाने में सुनिधा के निष्:

बतः भवं, उक्त विधिनियमं भी भारा 269-तं के अनुसरकं में,, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-वं की उपभारा (1) के अभीत, निम्नलिकित स्पनित्यों, अभीत् :---

- अभिनंते महीरोज साहब श्री लॅकिन्ड सिंहजी साहब बहादुर रतलाम नरेण के मुं श्रीम श्रीमती प्रभाराज्यलक्ष्मी पत्नी श्री लोकेन्द्र सिंहजी साहब निवासी—लोकेन्द्र भवन, रतलाम।
 - (भ्रन्तरक)
- 2. श्री मिलन कुमार भात्मज श्री अम्पालालजी जैन निवासी—मोहल्ला त्रिपोलिया गेट, रत्नलाम। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्मरित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के एअपन में प्रकाबन की लारीक बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वक्योकरणः --इसमें प्रथानत बन्दों बाँद पर्यों का, जो उन्ह अभिनियन, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं. नहीं कर्भ क्षेत्रा को उस अध्याय में दिवा गमा हाँ।

-

मकान, बग्गीखाने सेवाको के क्याटर में से एक क्याटर मोहल्ला रणजीत विलास पैलेस, रतलाम में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रजन रेज, भोपाल

सारीब : 26-3-1984

्प्रकृषः जादः द्वादः एतः, एस्, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज, भोपाल भोपाल, दिनांक 26 मार्च 1984

निर्दे म० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4387—ग्रतः मझे देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

त्रांर जिसकी सं० भूमि मं० नं० 29, 37/1, 37/2 है, तथा जो गरू गोबिन्द सिंह वार्ड, सागर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सागर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय सागर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय सागर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रगस्त 1983 को पूर्विका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकास के किए अन्तरित की गर्ड है और मुक्के यह विश्वास करते था कारण है कि बशापुर्विकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकान भाषा पूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकान का पंद्रह प्रतिकात से यधिक है और जन्तरक (जन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरक (जन्तरकारण सिंबत में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आम की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्य मो कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या फिसी भग या जन्य पास्तिया कां, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनप्रति प्रतियम, विश्वास प्रतियम, विश्वास प्रतियम, विश्वास प्रतियम प्रतियमित प्

अल: अर्थ उत्तत अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उत्तत अधिनियम की भारा 269-घ की उपभार (1) के अधीन, निग्नलिमित व्यक्तिसों, अथित्:—— श्रीमती भगवतीबाई पत्नी परमानंद चौबे निवासी—
परभोटर वार्ड, सागर।

(ग्रन्तरक)

 श्री अर्थिन्द भाई वल्द देवजी भाई गुजराती निवासी भगवाभगंज बार्ड, सागर।

(ग्रम्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई.भी जाकोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसुची

भूमि ख॰ नं॰ 29, 37/1, 37/2, गुरू गोविन्द सिंह वार्ड, सागर में स्थित है। जिसका संपूर्ण विवरण धन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नवर 37 जी में निहित हैं।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी (निरीक्षण सहायक स्नायकर स्नायुक्त) स्नर्जन रेंज, भोपाल)

नारीख: 26-3-1984

गौहर :

श्रक्रमण आइंं डी. एन । एसः.-५-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुभाना.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4388—अता मुझे देवप्रिय पन्त

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बानार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 31/1, 31/2, 37/1, 37/2, 29 है, तथा जो गुरू गोयिन्द सिंह वार्ड, सागर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रौर पूण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सागर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम वृद्यमान प्रतिकल के लिए पन्नरित की गई है और मुझे यह बिक्शाय करने का कारण है कि प्रवापूर्वोक्त मन्पति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिकत सं, भी दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत सं प्रविक है और बन्तर क (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिबित उद्देश्य से स्वत प्रन्तरण लिखिन में बास्तविक अप से क्यात नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (व) एंग किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तिमों का, जिन्न भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-तप्त अधिनियम, या धन-तप्त अधिनियम, या धन-तप्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए; और/या

यतः अत्र, उत्रत अधिनियमं की भारा 269-गं के कर्मारण मों, मों, उत्रत अधिनियमं की धारा 269-थं की उपधारा (1) के सुधीनः, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात ध--- श्रीमती भागवतीबाई पत्नी परमानंद चौबे निवासी— परकोटा वार्च, आगर।

(भ्रन्तरक)

 श्री जेठालालजी वल्द देवजी भाई गुंजराती निवासी— भगवानगंज वार्ड, सागर।

(ग्रन्तरिती'

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि खल् नल 29, 31/1, 31/2, 37/1, 37/2, गुरू गांविन्द सिंह वार्ड, सागर में स्थित हैं। जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम मधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीण : 26-3-1984

माहर 🗓

प्ररूप आइ . टी. एन . एस . -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4389—ग्रतः मुसे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० भूमि खा० नं० 29 है. तथा जो गुरू गोविन्द सिंह बार्ड, सागर में स्थित है (स्रोर इससे उपावद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1958 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख श्रगस्त 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बण्तरितियों) के बीच ऐसे भन्दरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तानिवाद उद्देश्य से उचल पण्डरण लिखित में वास्त-

- (स) प्रत्यारण से दूरी विक्ती मान को बावत व्यक्त प्रधि-विवास के ब्राचीन कर देने के भारतरण के वाजित्व में कबी करने या व्यवस नवमें में सुनिधा के विका बीर/वा
- (च) एंसी किसी आम या किसी भन या अन्य कास्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

नतः नव, उन्त निधिनियम की भारा 269-गं के जनुतरण में, में, उक्त निधिनियम की भारा 269-णं की उपभारा (1) के अभीन, निम्नितिचित्त व्यक्तियों, वर्णात ५—— श्रीमती भागवती बाई परनी परमानंद चीब निवासी— परकीटा वार्ड, सागर।

(भ्रन्तरक)

 श्री भीमजी भाई वल्द करनजी भाई गुजराती निवासी---भगवानगंज वार्ड, सागर।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष्ट्र कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमा ध्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र्यो

भूमि खा० नं० 29, गुरू गोविन्द सिंह वार्ड, सागर में स्थित हैं। जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्वापित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्ष्म अधिकारी निरीकी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त ग्रजन रेंज, भोपाल

वारीख: 26:3-1984

मोधुर 🟅

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार मायुक्त (निरीक्ज) श्रजंन क्षेत्र, भौपाल

भोपाल, दिनांक 26 मार्च 1984

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4390---यतः मुझे, देवप्रिय पन्त

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मुख्य 25,000/-रु. में अधिक हैं

त्रीर जिसकी सं भूमि खं वर्ग 29, 37/1, 37/2, 31/1, 31/2 है, तथा जो गुरू गोविन्द सिंह वार्ड, सागर में स्थित है (श्रीर इसमें उपावढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सागत में रिजस्द्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के धधीन, तारीख श्रगस्त 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दिवसाम श्रीतफल के लिए कन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अनुदृश् प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (अंतरकाँ) और बंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिक्त का, निम्निवित्त उच्च वर्ष से अपन कन्तरण निवित्त में बास्तिक का का से स्थित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी नाय की बाबत, उक्त विधिनियत के सभीन कर दोने के अन्तरक की वाधित्य में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; बीट्र/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए;

 श्रीमती भगवती बाई पत्नी परमानंद चीबे निवासी— परकोटा बाई, सागर।

(भ्रन्तरक)

 श्री दयालाल वल्द जीवराज भाई गुजराती निवासी—— भगवानगंज वार्ड, सागर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के । राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवस्थ किसी जन्म स्थावित द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पाव निवित्त में किए जा सकती।

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अवध अधिनिवस के अध्याय 20-क में रिशाबित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गवा है।

नगुलुची

भूमि खा० नं० 29, 37/1, 37/2, 31/1, 31/2, मुक्र गोविन्द सिंह वार्ड, सागर में स्थित है। जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं।

देवप्रिय पन्स सक्षम ग्रिधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषाल

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, इक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अभीन, निक्ननिक्ति स्थानितमों, अभीत् :---

तारीख: 26-3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एम. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 मार्च 1984

निर्देण स० म्राई० क० सी०/ग्रजंन/भोपाल/4391---ग्रतः मभ्रे, देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं मकान नया नं 38 है, तथा जो मराका सार्ड, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण एप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1958 (1908 का 16) के ग्रीवीन, तारीख श्राग्त 1983

की पूर्णक्त सम्पित के दिखत बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निक्षित में वाम्निबक रूप मे विधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ज) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के व्याप्रनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं, किया धन धा मा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात :---

- श्रीमती गृतः प्रतिनापाई पत्नी नकाप नौग्यप स्रापी मुलेमानजी निवासी—नेपियर टाउन, जबलपुर। (सन्तरक)
- श्री जनात गुड्म्सद मलीम वल्द जनाब इस्माईल निजासी
 —सराफा वार्ड, कोतवाली, जवलपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स्थान की स्थान की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद्ध जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकेंगे।

स्पस्ट्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,। जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिमापित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय मी दिया गया हैं।

मनुसूची

मकान नया नंबर 38, प्लाट नंबर 78/1. ब्लाक नंबर 48, सराफा यार्ड, जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय एन्त सक्षम यधिकारी निरीक्षी चेहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्राजन रेंज, भोषाल

तारीख: 26-3-198**4**

मोहर 🙏

प्रकल आही. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल दिनांक 26 मार्च 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4392----म्रत : मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० मकान नं० 7 सी/7 है, तथा जो सवर बाजार, जबलपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 83

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथते नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण चे शुद्ध कि बी बाव की वावब, ब क्ब अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; कौर/या
- (ख) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा / के अधीन. निम्निलिय व्यक्तियों, अधीक :--- 30—56GI/84

(1) श्री ग्रसाब हुसैन, सुकानी बाई 3 ईस्माईल, सिराजुद्दीन, जेहराबाई श्रीमती हसैनारा, नाजमा, जबेदा, जेड० एच० जोड़ा; रिजवा, नाजरा रिजया, ग्रब्हुल नबी, सबीर एवम् जैनाध धानों, सभी निवासी कोतवाली वार्ड, जबलपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुरेश चन्द्र दुबे पिता श्री वृन्दावन दुबे, संजीव एवम् संदीय दुबे, दोनों पुत्र सुरेश चन्द्र दुबे, सवर बाजार, जबलपूर।

(भ्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं जर्थहोंगा, जो उस अध्याय में विका गया हैं।

वन्स्थी

मकान नं० 7 सी/7, सदर बाजर जबलपुर में स्थित हैं। जिसका संपूर्ण विवरण प्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोषाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोषाल

तारीख: 26—3—8≄

प्रस्य भार्षः दी, एतः, प्रसः 🛩 - ----

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 मार्च 1984

निर्देश सं० म्राई. ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4393—म्रत: महो. देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 2146, 2145 है, तथा जो नरसिंहपुर रोड़, छिन्दबाड़ा में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से बणित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1983.

को पूर्वियत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हे यह विदयास करने का कारण है कि यथापूर्वियत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्ही भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धग्रा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्रीमती शारदा जोजे श्री मोहन विधने, . पिता स्व० श्री विश्वनाथ खिनखेड़े, निवासी श्रद्धानंद पेठ, नागपुर,

(म्रन्तरक)

- (2) श्री राजीव बिन्द्रा पिता श्री विश्वामित्र बिन्द्रा, निवासी छिंदवाड़ा,
 - 2. नरेन्द्र कुमार बिन्द्रा पिता श्री विश्वामित बिन्द्रा, निवासी छिदवाङ्ग,
 - श्रीमती मीना जोजे श्री ग्रमृत बोहरा, नागपुर।
 - 4. कुमारी चैनिका पिता श्री शिवजी भाई शाह, नागपुर

(मन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेंस्त अविध वाद में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस संक्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यास अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में पीरभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि नं ख नं 2146, 2145, नरसिंहपुर रोड़, छिदवाड़ा ,में स्थित है। जिसका संपूर्ण विवरण प्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्भ नंबर 37 जी में निहित है। (भूमि का एक भाग)।

देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रजेंनै रेंज, भोपाल गंगोत्री बिस्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 26-3-84

. मोहर:

प्रक्ष कार्युः दी. एतं. एस. . - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारु 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 27 मार्च 84

निर्वेश सं अग्रई० ए० सी ० / श्रर्जन / भोपाल / 4394 श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि संख्या नंबर 2146, 2145 है, तथा जो नर्रासहपुर रोड़, छिंववाड़ा में स्थित है (भौर इससे उपाबंद्ध, श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय छिंदवाड़ा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ग्रमस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपान में स्विधा की निए;

सतः सन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सुधीन, निस्नितित व्यक्तिग्यों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती लता जोजे श्री श्याम जोशी, पिता स्व० श्री विश्वनाथ, निवासी सिविल लाईन्स, नागपुर।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री राजीय बिन्द्रा पिता श्री विस्तानित्र बिन्द्रा, निवासी छिदवाडुा
 - श्री नरेन्द्र कुमार बिन्द्रा पिता श्री विश्वामित्र बिन्द्रा, निवासी छिदवाड़ा,
 - श्रीमती मीना जोजे श्री भ्रमृत वोहरा, निवासी नागपुर।
 - 4. कु० चैनिका पिता श्री शिवजीज भाट्ट शाह, निवासी नागपुर।

(म्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि और भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितं-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुस्ची

भूमि ख॰ नठ॰ 2146, 2145 नर्रासहपुर रोड़, छिदवाड़ा में स्थित हैं। जिसका सं० पूर्ण विवरण भन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं। (भूमि का एक भाग)।

> देवप्रिय पन्त संक्षम प्राधिकारी संहायक आयंकर आयंक्त (निरक्षिण) प्राजन रेंज, भोपाल) गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टीo टीo नगर, भोपाल

तारीख: 27-3-84

मोहरः

भ्रमम् भ्रमार्गः त्रीः एन् । स्सः , ------

बायकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 27 मार्च 1984

निदेश नं शाई० ए० सी०/श्रर्जन/भीपाल/4395—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त बायसारः विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त स्थिनियम' कहा गया है), की भार

कार्यकार कि चिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 2,659-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000∕- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 2146, 2145 हैं, तथा जो नर्रासहपुर रोड़, छिववाड़ा में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, छिववाड़ा में रजिस्त्रीकरण ग्रिधिनमा, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रगस्त 1983.

को पूर्वोंक्त सम्परित के उभित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान अतिपत्न के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सच्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अग्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितियाँ। के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल सम्मितियाँ। के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल सम्मितियाँ। के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक क्ष्म से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (वा) रऐसी किसी जाय या किसी थन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

नतः सम, उपल निर्मितियम, कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपल अधिनियम की धारा 269-घ की ज्उपधारा (1) कै सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) कुमारी झिनिसा विश्वनाय खिनखेड़े, निवासी सिविल लाईन्स, नामपुर।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री राजीय बिन्द्रा पिता श्री विश्वनाथ बिन्द्रा, निवासी छिंववाड़ा,
 - नरेन्द्र कुमार बिन्द्रा पिता श्री विश्वनाथ बिन्द्रा, निवासी छिदवाडा,
 - श्रीमती मीना जोजे भ्रमृत वोहरा, निवासी नागपुर.
 - 4 कु० चैनिका पिता शिवजी भाई शाह, निवासी नागपुर।

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाधन की तारीब से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध
 किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 सिवित में किए वा सकींगैं।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया चया है।

अनुस्ची

भूमि खा॰ नं॰ 2146, 2145 नरसिंहपुर रोड़, छिंदबाड़ां में स्थित है। जिसका सठपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं। (भूमि का एक भाग)।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोन्नी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 27-3-84

प्ररूप बाह टी.एन.एस .-----

आयकंर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल विनांक मार्च 27 1984

निर्देश सठ० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/4396--श्रत : मुझे, देवप्रिय पद्मत,

बायकर अधिजियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वार करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ख० नं० 2146, 2145 है, तथा जो नरसिंहपुर रोड़, छिववाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, छिववाड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्र्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए सम् पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे अपने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एती किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

धतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः— (1) श्रीमती विजया बाई पत्नी स्व० श्री विम्बनाथ, निवासी सिविल लाईन्स, नागपुर।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री राजीय बिन्द्रा पिता श्री विश्वनाथ बिन्द्रा, निवासी-छिदवाड़ा,
 - श्री नरेन्द्र कुमार पिता श्री विश्वनाथ बिन्द्रा निवासी छिदवाड़ा,
 - श्रीमती मीना जोजे श्री ग्रमृत बोहरा, निवासी-नागपुर।
 - कु० चैनिका पिता श्री शिवजी भाई शाह, निवासी-नागपूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें के 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब स
 किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकांगे।

स्याब्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुजुची

भूमि ख॰ नं॰ 2146, 2145 नर्रासहपुर रोड़, छिदबाड़ा में स्थित हैं। जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं। (भूमि का एक भाग)

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारौ सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल श्रंगोत्नी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 27-3-84.

A CONTRACTOR OF THE PARTY OF TH

त्ररूप मार्षं. टी. एन. एस. ----

नामकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यासय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च 84

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4397—भ्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि ख० न० 2146, 2145 है, तथा जो नर्रासहपुर रोड़, छिदवाड़ा में स्थित है। (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, छिदवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ता० श्रगस्त 83

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिट में वाम्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम को बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधर के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में मुनिधः के लिए।

बतः बव, उनत अधिनियम की धारा 269-व के वश्वहरू में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-व उन्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्योकतया, संधार १(1) श्रीमती किरण जोजे भ्रतिल देशपांडे पिता स्व० श्री विश्वनाथ खिनखेड़े, निवासी—सिविल लाईन्स, नागपुर।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री राजीव बिन्द्रा पिता श्री विश्वाभित्न बिन्द्रा, निवासी—-छिंदवाड़ा,
 - नरेन्द्र कुमार बिन्द्रा पिता श्री विश्वनाथ बिन्द्रा, निवासी—-छिदबाङ्गा,
 - श्रीमती मीना जोजे अमृत बोहरा, निवासी—नागपूर.
 - 4. चैनिका पिता श्री शिवजी भाई शाह, निवासी—नागपुर.

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन को तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त कच्चों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पया है।

अनुसूची

भूमि ख॰ नं॰ 2146, 2145, नरसिंहपुर रोड़, छिंदवाड़ा में स्थित हैं। जिसका संपूर्ण विवरण भन्तरिती द्वारा सत्या-पित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं। (भूमि का एक भाग)।

> देवप्रिय**्पन्त** संक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोस्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 27-3-84.

प्रकृप आहें. टी. एन. एस.-----

शासफर शांधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-श् (1) के बधीन स्थान

भारत बरकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 27 मार्च 84 निर्देश सं० घ्राई० ए० सी०/घ्रर्जन/भोपाल/4398—ग्नतः

मुझे, वेवप्रिय पन्त

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है.

श्रौर जिसकी सं० ख० नं० 2145, 2146 है, तथा जो नर्रासहपुर रोड़, छिदवाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में 'श्रौर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, छिदवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 83

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नौसीचित अदृब्देश से उच्त अन्तरण निवित में बास्तिक स्था ने काथत नहीं स्थिता पना है

- (क) असरण इं हुई हिंगसी बाय की नावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्त्रक को वायित्य में कमी कर्तने वा अधुसे वचने में सुविधा के निए। बीर/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्रीमती कंचन जोजे दत्ताश्रय खन्सोडे, पिता श्री विश्वताथ खिनखेडे, निवासी—-सिबिल शाईन्स, नागपुर।

(भ्रन्सरक)

- (2) 1. श्री राजीव बिन्द्रा पिता श्री विश्वामित्र बिन्द्रा, निवासी—छिववाडा,
 - श्री नरेन्द्र कुमार बिन्द्रा पिता श्री विश्वामित्र विन्द्रा,
 निवासी——छिदवाङ्ग, निवासी-नागपुर ।
 - श्रीमती मीना जोजे प्रमृत बोहरा, निवासी-नागपुर।
 - कु० चैनिका पिता शिथजी भाई शाह, निवासी—नागपुर।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके प्याँगत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीड सं 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वितयों में से किसी स्वित्त व्वाराः
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकागे।

सम्बद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्थव अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा जो उस् अध्याय में दिवा गवा है।

अन्सूची

भूमि खा० नं० 2146, 2145 नर्रासहपुर रोड, छिदवाड़ा में स्थित है। जिसका संपूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्या-पित फार्म नंबर 37 जी में निहित है। (भूमि का एक भाग)।

> देवप्रिय पन्त **धक्तम** प्राधिकारी स**हायक बायक**र आयुक्त (गनरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल) गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 27-3-84

त्ररूप अल्डी. टी., एम., एसं.; -------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 श्रप्रैल 84

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4433—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 129/1, 129/2 का भाग है, तथा जो सावरकर वार्ड, नई बस्ती मुंडवारा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूणरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, कटनी में, रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ता० ग्रगस्त .83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिश की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिक्रत से स्थिक है और बंतरक (जंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पावा गवा प्रतिक्रक किस निक्तिविद्या उद्धिष्य से उचल बंतरण शिवित में बास्तिविक क्या है स्थित नहीं किया प्या है :---

- (क) अभारण दे हुई किसी अाथ की बाबत स्वत बीय-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कामी कारने या उससे बचने में स्विधा के लिए बीद/का
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या किस जास्तियों की, किन्हें आरतीय जायकर मीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ज्यितियम, या धन-कर जीधीनयम, या धन-कर जीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा जे किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित पानितयों, अर्थात्:—— (1) श्री लक्ष्मण प्रसाद खन्ना पिता श्री विलोकीनाथ खन्ना, सायरकर वार्ड, कटनी.

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती चंदा कपूर पत्नी श्री ग्रमरनाथ कपूर, निवासी—नई बस्ती, सावरकर वार्ड, कटनी

(भ्रन्तरिती)

(3) डा॰ नरेश गुप्ता, गुप्ता नर्सिंग होम, नई बस्ती, कटनी.

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्यत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुई।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, और भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति मों हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्वच्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 129/1, 129/2 का भाग, सावरकर वार्ड, नई बस्ती मुंड़वारा में स्थित हैं । यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं, जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित कार्म नंबर 37 जी में निहित हैं।

> देवप्रिय पन्त स्थम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, भोपाल) गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टींश टींश नगर, भोगाल

तारीख: 10-4~84 मोहर: प्रस्प बार्ड, ती. एत. एस.-०० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 27 मार्च 84

निर्वेश मं ० स्राई० ए० मी०/म्रर्जन/भोपाल/4434---स्रतः मुक्ते, देवप्रिय पन्त,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 446 बी ए है, तथा जो ब्योहारबाग, नेहरू वार्ड, अबलपुर में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णस्य में वर्णित हैं), रजिस्द्रीब कर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रगस्न 83

को पूर्विक्त संस्पिति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुफ़े, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्विक्त सम्पन्ति का जिन्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का एंद्रह प्रतिक्षण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एंसे जन्तरण के लिए तय पाया गणा परिपाल निक्नितिया उद्योज्य से प्रक्त अन्तरण निवित्त के स्थान क्षार कर से अधिक नहीं किया गया है :---

- (ता) अस्तरण मं हुई किमी अयं को बाबत उक्त अधि-निगम के क्षीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिये: और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) सान्यकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के असे असे अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था छिपाने में म्विभा के सिए

असः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, किकलियन व्यक्तियों, अधीत् :----31 - 5667/84

- (1) 1. कंगर्सा हैवीसाई पानी मेन्एमन परप्रशानी,
 - १ भी भागक सम्
 - श्री किशन पिता महामल परसवानी,
 - श्री चन्द्र कुमार पिता महामल परभवानी।
 - श्रीमती मनुबाई पुत्री श्री महामल परस्याती,
 - 6. श्रीमती मायादेवी पुत्री महामल, निवामी ---उल्लाम नगर, बम्बई

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री नारायणदास पिता सुन्दरलाल इन्दुरखैया
 - श्रीमती पार्वतीबाई पत्नी नाराप्रणदास इन्दुरखैया,
 - श्री संजय कुमार पिता नारायणदास.
 - श्रीः श्रजय कुमार पिता नारायणदास,,
 - श्री विजय कुमार (माइनर) पिता नारायणदास, निवासी—-460, कोतवाली घार्ड, जबलपूर.

(ग्रन्सरिती)

को **यह मुम्मना जारो करके प्**र्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध मा तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति प्
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त 'अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

मकान नं० 446, बी० ए० ब्योहार नाग, नेहरू वार्ड, जबलपुर में स्थित हैं।

> देत्रप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग्र, भोपाल गंगोवी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी०टी० नगर, भोपाल

ना**रीख:** 27-3-81.

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नाथीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 27 मार्चे 84

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4435—म्बतः मुक्को, देवप्रिय पन्त,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भ्राप्तके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट का भाग है, तथा जो शीट नं० 60, प्लाट नं० 102/6 मोहल्ला मोती तालाब, रमैद्दयापारा वार्ड, जगदलपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्णस्प से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, जगदलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से, एसे श्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण सं हुक् किसी आग की बागर उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उन-कर अधिनियम, या उन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवास नहीं किया ना था या किया जाना चाहिए था स्थान में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात:--- (1) श्री कुंवर यशवंत सिंह पिता नाथूसिंह राजपूत, निवासी—नेताजी सुभाष वार्ड, कृतवरबाड़ा, जगदलपूर.

(ग्रन्तरक)

(2) र्था मास्टर गणेशमल (माइनर) पुत्र श्री मोतीलाल कम्कड़, द्वारा श्री मोतीलाल पिता बुधमल, निवासी—प्रताप गंज, जगदलपूर.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यायं 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भनुसूची

प्लाट का भाग, शीट नंबर 60. प्लाट नंबर 102/6, मोहरूला मोती नालाब, रमहयापारा वार्ड, ज्यदलपुर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल गंगोस्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोगाल

तारीख: 27-3-84

भोहर :

भ्ररूप भाइ. टी. एन. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं) भारा 269 स (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 2ं7 मार्च 84

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/ 4436---ग्रत : मुझे, देवप्रिय पन्त,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम-प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट का भाग, शीट नं० 60, प्लाट नं० 102/1 है, तथा जो मोहल्ला मोती तालाब रामझ्यापारा वार्ड, जगदलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जगदलपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रगस्त 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यम्मन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अंतरण निस्ति में बास्तिवक रूप से करिया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिख्डिंग व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्री गणेश कुंबरसिंह पिता श्रर्जुनसिंह राजपूत निवासी—नेन्ताजी सुभाष वार्ड, कुनवरसाड़ा, जगदसपुर.

(अन्तरक)

(2) मास्टर गणेशमल (माइनर) पुत्र श्री मोतीलाल कक्कड़, बारा श्री मोतीलाल पिना बुधमल, निवासी—-प्रतापगंज, जगद्दलपुर.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेश, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पित्र में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्लास अंदरताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्श अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

सनसभी

प्लाट का भाग, शोट नं० 60, प्लाट नं० 102/1 मोहल्ला मोती तालाब, रमइयापारा, जगदलपुर में स्थित है।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्रर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गेंगोत्री बिल्डिंग, चौथी र्मजिल, टी० टी० नगर, भोपास

ता**रीख:** 27-3-84.

भाहरः

प्ररूप जाइ .टी. एन .एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 मार्च 84

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4437—-ग्रत : मुक्ते, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें न इसके पेरकात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० मकान नं० 460 है, तथा जो हनुमानताल बार्ड, जबलपुर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 83

को पुनां क्त सम्परित के उभित नाजार मून्य से कम के क्यमान प्रित्फल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपर्तित का उभित बाजार मून्य, उसके ब्र्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण मिखित में हास्तिबक क्य से क्शित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहूर किसी बाय की बावत, उकत अधिनियम के जभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकुण अधिनियम, या धनकुण अधिनियम, या धनकुण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मुकुन्ददास महेश्बरी पुत्र स्व० सेठ नरसिंहदास महेश्वरी, निवासी—हनुमानताल, जबलपुर.

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती चिल्ला देवी पत्नी मुकुन्ददास महेश्वरी, निवासी—460, हनुमानताल, जवलपूर.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जा के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

जन्त्रची

भूमि तथा भवन नंबर 460 जो हनुमानताल वार्ड, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण भ्रन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> दित्रप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी श्रजंन रेंज, भोपाल गंगोत्नी बिर्लिडग, चौशी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 30-3-84.

ስተም _የ

प्ररूप आर्च. ट्री. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)
श्रजीन रेज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 30 मार्च 84

निर्देश सं० श्राई ्र ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/ 4438—स्तरः मुक्ते, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० मकान नं० 18/2 है, तथा जो विवेकानंद वार्ड, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्प सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कीर्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 + 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास * कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्त्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण. के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जाम की बाबत, उक्त बिधिनियम के बाधीन कार दोने के जन्तरक के बाग्निस्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण मों, मों, उक्षत अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन विम्नितिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्ह— (1) श्रो नत्थूलाल केणरवानी, पूर्वी निवार्डगंज, जबलपुर.

(ग्रन्तरक)

(2) नुप्रीम रोड़बेज लिमिटेड, ग्रामफ ग्रली रोड़, नई दिल्ली मार्फत प्रतिनिधि सुभाष ग्रग्नवाल, गोपाल बाग, जबलपुर,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित क्षाक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाराः
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस- बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पत्त्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

नगुजुर्वी

मकान तम्बर 18/2, विवेकानन्द वार्ड, जबलपुर में स्थित है। जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर ₹7 जी में निहित है (सम्पत्ति का एक भाग)।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोन्नी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

ना**रीख:** 30—3**—8**4.

मोहर 😗

प्रक्य बाह् .टी.एन.एस.------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करी धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
भोपाल विनांक 30 मार्च 84

निर्देश नं० आई० ए० सी०/भोपाल/अर्जन/4439—अत: मुझे, देवप्रिय पन्त

काम कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० मकान नं॰ 18/2 है, तथा जो विवेकानंद वार्ड, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाद्धाः, अनुसूची ह् श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० अगस्त 83

को प्रवेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के यीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तिनक रूप ने कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की शावत, उपका जीभनियम के बधीन कड़ दोनें के जन्तरक के दावित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; जॉट/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कार लिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत जीधिनयम, या धन-कार जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, क्रिपान में स्विधा के सिक्:

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नीनिषित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री नवीनचंद केसरवानी, पूर्वी निवाङ्गंज, जञ्चलपुर,

(अन्तरक)

(2) सुप्रीम रोड़बेज लिमिटेड, आसफ अली रोड़, नई विल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उन्हें जिसियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

वन्त्र्य

मकान नंबर 18/2, निवेकानंद वार्ड जबलपुर में स्थित है। जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी निहित हैं। (सम्पत्ति का एक भाग)।

> वेवप्रिय पन्न सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 30~3~84

गोहर :

प्रकृष काहाँ, टी. एन्. एस_.-----

बायक<u>र</u> अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीत सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल दिनांक 29 मार्च 84

तिर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/4440——अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्टें इसके पट्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नंबर 18/2 है, तथा जो विवेकानंद वार्ड, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 क्या 16) के अधीन, ता० अगस्त 83

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य • इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिते (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की गावत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/गा
- (क) ऐसी किसी आय का किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः अदं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियस की धारा १८०-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रामकुमार केणरबानी, पूर्वी तिवाइगंज वार्ड, जबलपुर,

(अन्त्रकः)

(2) मुशीम रोड़वेज लिमिटेड आगफ अती रोड़, नई दिल्ली मार्फत प्रतिनिधि मुभाष अग्रवाल, गोपाल वाग, जश्चलपुर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया भूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत क्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्कोंगे।

स्पर्धाकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं \circ 18/2; विवेकानंद दार्ड, जबलपुर में स्थित

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, मोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

सारीज: 29-3-84-

माहर 🗟

प्रकथ बहर् . डी. एम. एव.-----

बायकार बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के बधीन स्चना

भारत बहुकाह

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल भोपाल, दिनांकः 29 मार्च 84 निर्देण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4441—अतः मुझे, देवप्रिय पन्स,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान बंग नं० 48 है, तथा जो टैगोर मार्ग, नीमच में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नीमच में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० अगस्त 83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश्च प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उच्त अन्तरण सिक्तर में वास्तिवक रूप से कास्तर नहीं किया गया है :---

- (क) ब्लारण् से हुई किसी नाम की क्षावत, उपस् अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने गा उससे वचने में खुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1932 का 11) या उपन अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं फिया गया वा सा किया जाना जाहिये था, खिपाने में सविभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण हो, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधार (1) के बधीन, निम्निसिश्त व्यक्तिमों, वर्षन् :---

(1) श्रीमती शहनवास पत्नी समझैदनी कान्द्रेक्टर, बंगला न० ∴18, टैगोर मार्ग, नीमच ।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबूलाल अग्रवाल पिता श्री पण्सराम अग्रवाल, निवासी-तिलक मार्ग, नीमच ।

(अन्तरिती)

(3) श्री नानक राम

(बह व्याक्त, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर पूर्वीक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिन्य गया है।

अनुसुची

एक दुकान, ग्राउन्ड फ्लोर बं० नं० 48, टैगोर मार्ग, नीमच में स्थित हैं। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिनी द्वारा सप्यापित फार्म नंबर 37 जीं० में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री, बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 29-3-84-

प्ररूप आहे. ही एन एस -----

नायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के नधीन सुचना

नारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल दिनांक 29 मार्च 84 निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/4442—असः भुक्रे, देवप्रिय पन्न,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात जिबनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 48 है, तथा जो टैगोर मार्ग, नीमच में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नीमच में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 83

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृति से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरित (बंतरितयाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्वेषय स उसत बंतरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बाबस, उक्स अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के शिवत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्सियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए।

अतः अत लक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसर्ग भी, भी, उच्छ अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) सः अधिक विकासित क्यक्तियों, अधितः—— 32 —56GI/84 (1) लीमती बहुतवाल पत्नी भी जनगेवनी कान्द्रेक्टर बंगला शंकर 48, टैगोर मार्ग, नीमच

(अन्तरक)

 गोबिन्द गोपाल मिलंल आत्मज श्रोमप्रकाशजी मिलल, निवासी-मीगच, जिला मंदमौर,

(अन्तरिती)

(1) श्री बंसल,

2.श्री गोपीलाल पिता संकरलालजी, निवासी—विजय टाकीज के गीछे, (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी गाओंग :---

- (क) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की जब्धि, को भी गबिंध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से विस्ती व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्रिकरण :---इसमें प्रयुक्त खन्दों और पदों का, जो उक्त लीधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, नहीं कर्ष होगा जो उस मध्याय में दिया गुगा है।

अनुसूची

दुकान नं 48, टैगोर मार्ग, नीमच में स्थिन है। जिसका संपूर्व विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी महायक आयकर आयुत अर्जन रेंज, भोपाल

मारी**ख**: 29--3-84.

महिर :

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस. -- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अधीत स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल दिनांक 29 मार्च 84

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपान/4443---अत:

मुझे, देवप्रिय पन्त

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विरुवास करने का कारण है कि स्थावह सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी संव म्युव मकान नंव 88/23 है, तथा जो मोहल्ला नोलाईपूरा रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ताव अगस्त 83

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितियत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिवक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुद्दं किसी नाम की बाबत, उक्त वीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 कां 27) के प्रकोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

मतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-क के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-में की जयभारा (1) चे अधीन निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शान्तिलाल पिता चौक्षचंदजी पटवा, निकासी-शानंद नगर कालोनी, खंडवा.

(अन्यरक)

(2) श्री भंगरताल पिता माणकलालजी मुणत, 2 नघीनचंद पिता माणकलालजी मुणत, निवासी-चौमुखी पुल, रसलाम.

(अम्तरिती)

को शह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सक्रपत्ति के अर्जन के सम्दन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

मकान म्यु० नं० 88/23. नोलाईपुरा, रतलाम में स्थित है। जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सहयापित कार्मे नंबर 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भीपाल गंगोबी बिल्डिंग, चौकी मंजिल, दारु टीस नगर, भोपाल

तारीख: 29-3-84

मोबर

प्रकल नाहाँ . दी , ऐन् . एत , ------

नामकर ज़ीभीनवम्, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल विनांक 29 मार्न 84 निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4444---अतः मुझो, देवप्रिय पंत,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से विधिक है

और जिसकी संव बगीचा नंबर 19 की भूमि है, तथा जो नीमच केंट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नीमच में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 83

को पूर्वोकत संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकास से जिथक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकान, निम्मलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्मलिबत में बास्तिवक कप सं कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिएय में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी शाय ना किसी धन या जन्य शास्तियों का, जिन्हें भारतीय कायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त नृधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के द्रव्यवार्थ बन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा विकास वाना वाहिए था कियाने में स्विभा के लिए;

नतः नन, उक्त निर्माणका की धारा 269-ए के नगुतरक कीं, मीं, उक्त अधिनियन की भारा 269-ए की उपधारी (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री खुर्मीद अली कपमा अब्बुलंडुसैनजी बोहरा, निवासी-नीमच केंट, नीमच.

(अन्तरमः)

(2) मालवा इंग्टर प्राइजेस नीमच द्वारा पार्टनर महेन्द्र कुमार समस्थमलजी पटवा, *निवासी-नीमच केंट,

(अंग्सरिती)

को नह नुषमा जारी करके पुनाँक्य सम्परित के नर्धन के निष् कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतौं का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

जगुनुची

वर्गीचा नंबर 19 की भूमि, नीमच केंद्र नीमच 🔻 स्थित है।

> वेबप्रिय पत सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भौपाल गंगोली बिल्डिंग, जीपी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 29-3-84

मोहर 🕫

प्रक्यः, आर्द्धः, टी. एतः, एसः,------

आयकर अभिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

- कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 29 मार्च 84

निर्देश सं॰ आई० ए० सी०/अर्जन/मोपाल/4445--अस: मुझे, देवप्रिय पन्त

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से **अधिक ह**ैं

और जिसकी सं० बगीचा नंबर 19 की भूमि है, तथा जो नीमच केंट में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णस्य से बर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नीमच में र्पाजस्दिक्षरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 83

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और सुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का परमञ्ज प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और मंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नतिश्वत उद्वरेष से उक्त जंतरण सिवित में शास्त्र निक्र रूप संक्रियत नहीं किया गया हैं:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी अगय की गावत, उक्त मिश्रिनमम के मुशीन कर वोने के मन्त्राहक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नौर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ का, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिशनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था िष्ठपाने में सुविभा के लिए;

ज्ञतः अभः उक्तः अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण हों, भी, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की अपनारों (j) के बंधीस, निक्तितिक्ति व्यक्तियों, बर्धात् :---

(1) श्री खुर्गींद अली पिता अध्युल हुसैनजी बोहरा, निवासी-नीमच केंट, नीमच.

(अन्तरक)

(2) मालवा इण्टर प्राइजेस नीमच द्वारा पाटेनर महेन्द्र कुमार पिता समस्थमलजी पटवा, निवासी-नीमच केंट,

(अन्तरिती)

को य**ह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के** अर्जन के लिए! कार्यवाहियां सुरः करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की सामील से 30 विन की मंगि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित 🜓 , बड्डी कर्च होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्रि

बगीका नंबर 19 की भूमि, नीमच केंट नीमच में स्थित है।

> देशप्रिय पःत सक्षम प्राधिकारी निरीकी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

वारोष . 29-3-84. मोहर '

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 28 मार्च 84

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4446---अतः मुझं, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, (1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

अंद जिसको सं बगीचा नं 19 की भूमि है, तथा जो नीमच केंट में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नीमच में रिजस्ट्रीकरण अधिक्यिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तार्राख अगस्त 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण भी, भी जुक्त अधिनियम भी वारा 260 व की उपधारा (1) में अधीन, निम्मनिक्त स्वित्तवीं, अधीत:— (1) श्रो खुर्गीद अली पिता अब्दुल दुर्सनेकी बोहरा, निवासी-नीमच केंट, नीमच,

(अन्सरक)

(2) मालवा इ॰टर प्राइजेस नीमच द्वारा पार्टनर महेन्द्र कुमार पिता संमरथमलजी पटवा, निवासी-नीमच केंट,

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

बगीचा नंबर 19 की भूमि, नीमच केंट नीमच में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, जीवी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपास

तारीख: 28--3--84

प्रमं काइ . टी. एन. एस. .----

नाथकर निर्धातियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीत सुचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल विनांक 9 अप्रैल 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4447-मुझे, देवप्रिय पन्त कारकार अधिनिसम् 1961 (1961 का 42) (जिसे कसर्य

वायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्भति, जिसका उपित वाकार मूच्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (प्रथम मंजिल का भाग) म्यु० नं० 14/7 है, तथा जो न्यु पलासिया 2 सी इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्णरूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीक्सरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 83

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत रो अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नितिका उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- चिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय को बाबस उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को धायित्व ने कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) एसी रैंकसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को फिल्हूं भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिष्ठित व्यक्तियों, जर्भात ह---

(1) श्रोप्यित्रयेन्द्र घाटगे पिसा श्री फतेसिंह राव घाटगे, निवस-बाम्बे तरफे आम, मु० फतेसिंहराव घाटगे पिता दत्ताजीराव घाटगे, निवासी-विजय निवास 2/1 पलासिया, इंदौर.

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश पिता रायचेंद गाह,
2.श्रीमती कोकिला पति रमेशकी गाह,
निवासी-14/7. स्ट्रीट नं० 7,
न्यु पलासिया टू० सी०,
इंदीर.

(अन्तरिती)

को यह सुवना बारी कारके पूर्वांत्रत सम्मित के अर्वन के जिस् कार्यवाहियां कारता हुं।

डक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की लारील से 45 विण की जबीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की जबिभ, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी अ्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पक्कि इण : — इसमें प्रयूक्त गांची और पर्यो का, जो उसते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁸, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ह⁸।

नम्स्ची

मयान (प्रथम मंजिल का भाग) म्यु॰ नं॰ 14/7 न्य पलासिया इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास गंगोत्री विस्डिंग, जौबी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपास.

तारीख: 9-4-84. मोहर

प्रकण बाह्र : दी. एन्. एस.-----

नावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मभीन सुष्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 9 अप्रैल 84

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4448---अतः मझे, देवप्रिय पन्तः

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 14/7, (तल मंजिल) है, तथा जो न्यू पलासिया इंदौर में, स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय; इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख अगस्त 83

को पूर्वोक्षत सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया बित्फल, निम्निचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित चे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसरा अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जल्दा आहिए था, छिपाने में अधिभा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तिओं, अर्थातः :- (1) श्री विजयेष्ट्र पिता फतेसिह घाटगे द्वारा मु॰ अभि फ्लेसिह राव पिता दक्षाजिश्याव घाटगे, तिवासी-2/1 पलासिया, छंबोर.

(अन्सरक)

(2) श्री मुणील कुमार जिमालालजी शाह,
2. श्रीमती विमला पत्नी सुणील कुमार गाह,
निवासी-14/7,
न्यू पलासिया,
इंदौर.

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्परित के मुर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्थीक दुन: --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। बबा है।

अनुसूची

मकान (तल मंजिल) नं० 14/7, न्यू पलासिया इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्स
सक्षम प्राप्तिकारी
गहायक आगकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज, भोपाल
गंगोती बिल्डिंग, बौधी मंजिल,
टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 9-4-84.

प्रकल्प आर्ड जी एवं, एसं,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल दिनांक 6 अप्रैल 84

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भीपाल/4449-अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- राज्य अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नं० 7 सी में निर्मित पलेट में से फ्लैट नं० 5 है, तथा जो कैलाश पार्क कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4 अगस्त 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाबार मुख्य से कम के स्वयंत्रान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मिबिचित उच्च देय से उसते मन्तरण निचित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ज्वन में स्विधा के लिए; और/था
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिएतों में सविधा के लिए:

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त बोधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखिस व्यक्तियां, अर्थात्:— (1) तो ठा० पुजाराण निया भी जंगीयाण अवाहर मार्थ, खेतिया

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पारानी कक्कड़ पति श्री ओम प्रकाशजी कक्कड़, निवासी-17, खातीपुरा, इंदौर.

(अन्सरिसी)

का गह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत मन्यति के अजन क जन कार्ययाहियां करता हाँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी, अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पक्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीक रण: ---इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

प्तार नं ० ७ सी ; निर्मित फ्लैटों में से फ्लैट नंबर 5, कैलास पार्क कालोबी, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्न सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्ष अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिस्डिंग, जौथी मंजिल, टी॰ टी॰ नगर, भोपाल

नारीख: 6-4-84.

प्ररूप आई. ही. एवं. एस . -----

बायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

शारक बरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल दिनांस 6 अप्रैल 84 ए.सं.२ आर्ट्स एक सीक्ष्यकंत्र/भोपाल/4450--

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4450---अतः मझे, देवप्रिय पन्तः,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य, 25,000/-क. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० मकान नं० 4, है तथा जो गीता भवन के पास, कैलाग पार्क इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णेरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 6 अगस्त 83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफान के लिए अंतरित की गई है और मूफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे ध्र्यमान प्रतिफाल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय नय पाया गया प्रतिफान निम्निति उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिमित में बास्त्रिक इप से कथित नहीं किया गया है:--

- (भा) जन्तरण ने हुई किती जाम की वाक्स, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरण के खिराइ में कनी करने या अबसे बचने में सुविधा भी जिल्हा बीहर/बा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 23 धन-कर अधिनियम, 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया व्या था था किया वाना चाहिए था, किया में स्थित के लिए;

नतः वब, उन्त निर्मिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उन्तर अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 33 --- 56GI/84

- (1) साईनाथ अपार्टमेंट के साझेदार गण श्री कनकलता पति श्री प्रेमचंद, निवासी-4/6, महात्मा गांधी मार्ग, इंदौर.
 - 2. जगदीश प्रसाद नागरमल, निवासी-फीगंज, उञ्जैन
 - श्रीमती विद्या बाई पित गोपाल शरण गंगराहै, निवासी-50, कंचन बाग, इंदौर.

(अन्तरम)

(2) श्री मन्नालाल पिता श्री रामदेवजी अग्रवाल, 2. श्रीमती चमेलीबाई पति मन्नालालजी, 4/8, म० गा० मार्ग, इंदौर.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :-

- (क) इस स्वान की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन की बदिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पं स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त क्यींक्तयों में से किसी क्यक्ति बुवारा;
- (व) इस स्वान के राजधन में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के बीतर डक्ट स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा वधोहस्तालाड़ी के पांच तिस्तित में किस वा सकोंगे ।.

स्मक्दीकरणः -- इसमें प्रमुक्त खब्दों और पर्वों का, जो उपले अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं... इही कर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गवा है।

मन्स्थी

मकान नंबर 4, गीला भवन के पास, कैलाश पार्क, इंदौर में स्थित है (मकान का एक भाग।)

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सङ्घायक अययकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपास गंगोली बिस्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 6-4-84.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ' भारा 269-न्न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल दिनांक 6 **अप्रै**ल 84:

निवेश सं० आई० ८० सी०/अर्जन/भोपाल/ 4.451—अतः भूको, वेवप्रिय पन्त,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जौर जिसकी सं० प्लाट नंबर 327 पर बना हुआ मकान क्रमांक 6 है, तथा जो बणन णाह कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इससे उपावड अनुमूची में अर पूर्णह्म से बणित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में राजस्ट्री-करण अधिनियमा 1908 (1908 का 16) के अधीन

ता० 25 अगस्त 83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; आरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात्:—

(1) श्री चेट्रमल पिता चयलवासजी निवासी एम० बी० रोड़, धामनोद.

(अन्तरन)

(2) श्रीमती राजकुमारी पति श्री कृपालसिंह, निवासी-मकान नं० 15, जयरामपुर कालोनी, इंदौर.

(जन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पह्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी सर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

अनुसूची

ण्लाट नं० 327 पर बना हुआ मनान क्रमांक 16, बशन शाह कालोनी, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पत्स सक्षम प्राधिकारी निरोक्षी सञ्चावक श्रायकर श्रायुक्त धर्जन रेंज, मोपाल गंगोती बिर्हिंडग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल.

तारीख: 6-4-84.

त्रस्य नार्षः योः एरः एतः ------

नावकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल दिनांक 6 अप्रैल 84

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4452---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उर्जित बाजार मृज्य 25,000/- क. से जिथक हैं

और जिसकी सं० 17 है तथा जो गंकर बाग कालोनी, इंबीर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदीर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 29 अगस्त 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितीं) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) कलारण से हुई किसी जाय की बाबत, अक्स जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नार्य या किसी भन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अभीत्:—

(1) श्रो मुरलोधरं पिता मुझालालजी सोमामी, निवासी-100, जूना पीठा, इंदौर.

(अन्तरक)

(2) श्री अमरजीतसिंह पिता भागसिंह मुंदरा, निवासी-17, शंकरबाग कालोनी, इंबौर.

(अन्तरिती)

का गृष्ट सूचना जारी कारके पूर्वोकत संपत्ति के वर्जन के तिषु कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पुर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, भी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित • ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियां गया ही।

अन् सुची

मनान म्यु० न० 17, शंबार बाग कालोनी, इंदौर में स्थित है (मनाद का एक भाग)।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयक्षर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल गंगोली विल्डिंग, चौथी मंजिल, टोंठ टींठ नगर, भोपाल

तारीख: 6-4-84.

प्रकम बाई ुटी ु एन ु एस .-----

बायकडु विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुवना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्धिण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल विनाक 6 अर्जन 84

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4455---अत: मुझे, देवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नंबर 83 पर बने मकान का एक भाग है, तथा जो ग्रेटर तिरूपित कासोनी, इंदीर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्प से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदीर में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख अगस्त 83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिक्रम के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उत्तके स्वयमान प्रतिक्रल से, एसे स्वयमान प्रतिकृत का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उच्चेत्व से उच्च अंतरण लिखित में भास्तीक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कह दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कथीन, जिम्मिलिसि। व्यक्तियों, अधीत् क्ष्र— (1) श्रीमती सलीना पंति स्व० आर० राषटं मेसी, निवासी-78, जावरा कंपाउंड, इंदौर.

(अन्तरक)

(2) कुमारी लवीना पिता आर० राषटं मेंसी, निवासी-78, जावरा कपाउंड, इंदौर.

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरण :--- र्रंसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 83 पर बना हुआ मकान का भाग भेटर तिरूपति कालोनी, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयक्त आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 6-4-84.

प्रकृत बाइ . टी. एत. युद्ध. - ∉ - - =

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 अप्रैल 84

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4456--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित शाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नंबर 83 पर बना मकान है तथा जो ग्रेटर तिरूर्गत कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से बर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ऑधकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 19 अगस्त 1983

को प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रितिक के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिवित में कास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयत्तर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया आना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) श्रीमती सलीना पति स्व० आर० रावर्ट मेसी, निवासी-78, जावरा कंपाउंड, इंदौर.

(अन्तरक)

(2) कुमारी लवीना पिता आर० राबर्ट मेसी, निवासी-78, जावरा कंपाउंड, धंदौर.

., 1-10

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे हैं

स्पर्वाकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्की

प्लाट नंबर 83 पर बना मकान, ग्रेटर तिरूपित कालोनी इंदौर में स्थित है (मकान का एक भाग)।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल गंगोबी बिद्धिया, धौषी मंजिल, दी० टी० नगर, भोपाल

तारी**ख**: 6-4-84.

भोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल दिनांक 6 अप्रैल 84

निर्वेग सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4457—अतः मझे, देवप्रिय पन्त,

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुठ से अधिक है

और जिसकी संव भूमि सर्वे नंव 225, है तथा जो ग्राम सलावली श्रीराम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्णेरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 अगस्त 83

को पूर्वोक्त संस्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गढ़ हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इस में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जायं की बाइत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनहाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए,

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री जी. लीलाधरन
 287, एम० जी० रोड़,
 इंदौर.

(अन्तरक)

(2) श्री जयरचंद पिता पूनकचंद दस्साणी, 31/2सी, न्यू पलासिया, इंदौर.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थान् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों अरि पदों का, जो उत्था विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्चि

भूमि सर्वे नं० 225, ग्राम तलावली श्रीराम, जिला इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल गंगीक्षी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टो० टी० नगर, भोशाल

नार**ेख**: 6-4-84.

प्ररूप भारी : टी : प्रमु : एस : -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भोपाल, दिनांक 6 अप्रैल, 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4458--अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

नायकर निभिन्यमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं अधिक कि वा का कि वा का कि वा कि

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मृतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वजने में स्विधा के लिए; और/या
- (ज) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- द्वी आदित्य प्रताप पिता बहादुर शाह शिव विला काटोल रोड, नागपुर ।

(अन्तरक)

 कलावती बाई पित चंदूलाल कुरील निवासी 242, तिलक पथ, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के क्षिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान म्यु० नं० 242, पुराना नंबर 192, तिलक पथ, इंदौर में स्थिग है। (मकान का एक भाग)।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

सा**रीख 6**-4-1984 मोहर: प्ररूप बार्ड , दी. एन , एस , ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 अप्रैल, 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4459—अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु, से अधिक है

भीर जिसकी सं० माकान म्यु० पा० नं० 17 है, तथा जो साधू नगर, इंदौर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18 अगस्त, 1983

की प्रांवस सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या जससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसर्ण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्टिक व्यक्तियों, सर्थात् क्

- (1) श्री जयकुमार पिता श्री जेठानन्दजी निवासी 195, पलसीकर कालोनी, इंदौर
 - (2) श्री मोहन दास पिता श्री राधा किशनजी निवासी बैराठी कालोनी, नं० 2 इंदौर
 - (3) श्रीमती बीना पति श्री चन्द्र कुमार, 10, गंजी, कम्पाउन्ड, इंदौर
 - (4) श्री सन्तोष कुमार पिता श्री रामचन्द निवासी डी, के० सिन्धी कालोनी, इंदौर ।

(अन्तरक)

 श्री दीपक पिता श्री परमानन्द जी निवासी-87, तिवेणी, कालोनी, इंदौर।

(अन्तिरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिथ् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीसे से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, बो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पंच्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोंगा जो उस अध्याय में दिया पया है।

अनुसूची

मकान म्यु० पा० नं० 17, साधूनगर इंदौर का एक भाग देव प्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाक

तारी**व** 5-4-1984 मोहर द्व प्रकप बाहरें टी. एन. एस.-----

कामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घं (1) की अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर् जायुक्त (निरीक्तण)

अर्जन रेज. भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० आर्ट० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4460---अतः मुझे देव प्रिय पन्न

क्शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी संव मकान म्युव पाव नंव 17 है, तथा जो साधू नगर, इंदौर में स्थित है (भीर उससे उपाबद्ध अनुसूची म ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

• 16) के अधीन दिनांक 18 अगस्त, 1983 को पूर्वोक्स सम्परित के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान ध्रुतिफल के लिए जन्तिरत की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और बंतरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उन्दृष्टेय से उक्त बंतरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अस्तरण में हुई किसी बाब की बाबस, धक्त निभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/बा
- (ल) एंसी किसी आय या. किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--34-5601/84

- (1) भी जयकुमार फिता श्री जेठासङ जी निज्ञायी-195, गमसीकर, कालांना, प्रवार
 - (2) श्री मोहन दास पिता श्री राधा किणन जी निवासी 43,वैराठी कालोनी , इंदौर
 - (3) श्रीमती बीना पति चन्द्र कुमार निवासी 10 गंजी कम्पाउन्ड, इंदौर ।
 - (4) श्री सन्तोष कुमार पिता रामचन्द्र नियासी 18 बी० के० सिधी कालोनी, टंबीर।

(अन्तरक)

2 श्री दीपक पिता श्री परमानन्वजी, निवासी-87, विवेदी कालोनी, इदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी बाध्सेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बेक्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थक्ष्वीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स विशिष्टम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस बध्याय में दिया गुना है।

मनुसुची

मकान म्यु० पा० नंबर 17. साधू नगर. इंदौर का एक भाग ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

| तारीख 5-4-1984 मोहर : प्र**रूप कार्य**, टी. एन. एस. ----

जायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का:43) की भारा 569-घ (∤) के अधीन मुखना

भारत सरकार

· कार्यासन, सहायक <mark>वायकर नायुक्त (</mark>निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोषाल भोषाल, दिनांक 6 अप्रैल, 1984

निदेण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4461——अतः मझे देवप्रिय पन्तः

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 25,000/-रा. से अभिक ही

ग्रीर जिसकी सं प्रकान स्यु ं नं रिश्रम है, सथा जो चमार मोहल्ला, (गाडी अंड्डा इंदौर में स्थिम है (ग्रीर इसमे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5 अयस्त, 1983

को प्यों कत संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रशेंकत संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकत उद्योद्यों से उक्त जन्तरण निमित्त में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण सं हुद्दं जिल्ली बाय की बाबत, उपल जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व मों कमी करने या उसले बचने मां सुविधा के सिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरधा में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति स्यक्तियों, अर्थात ह— श्री अब्दुल गण्फार, पिता श्री मोहरमद साहत. निवासी-म० म० २८, दौलतर्गज, इंदौर ।

(असम्बद्ध)

2. श्री अहमद हुसैस, पिना श्री मोहम्मद उब्राहीम निवासी:-15, साउथ हाथी पाना, इंदौर ।

(अन्तरिपी)

को ग्रह सूचना चारी करके 'पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति की कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते।
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति बुवारा अधाहस्ताक्षरों के पास सिकित में किए का सकोंगे।

स्थानकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पत्नों का, जो सक्तर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

BERT

मकान म्यु० तं० 7/1, घमार मोहल्ला, (गाड़ी अड्डा) इंबौर में स्थित हैं। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर, 37 जी में निहित हैं। (मकान का एक भाग)

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन र्रेप, भ ल

तारीख 6-4-1984 · मोहर : aran add i

प्रकृप आर्थः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 अप्रैल, 1984

ं निदेश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4462---अत. मझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान म्यु० नं० 7/1 है, तथा जो जमार मोहल्ला, इंदीर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदीर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त . अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुत्रिधा के लिए; और/या
- (ल) एं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यर अधिनियम, या अन्यर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाष्टिए था, छिपाने में सूपिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिस्ति व्यक्तियमों, अर्थात् ः— श्री अब्दुल गक्फार पिता श्री मोहम्मद साहब निवासी 8/3, दौलत गंज, इंदौर।

(अन्सरक)

2. फर्म सत्यकाम स्टील सेंटर, 86 हाथीपाला इंदीर के पार्टनर सुरेश कुमार पिता श्री नाथूलाल निवासी 36, हाथीपाला, इंदीर।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र्यो

मक्तान म्यु० पा० फ० 7/1. चमार मीहल्ला. (गाई। अङ्डा), इंद्रीर में स्थित है। (मकान का एक भाग)

देघप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकार आयक्त (निर्शक्षण) अर्जन रेज, भोषाल

ारीख 5-4-1984 मोहर 🖟 प्रकार आहे. भी संबंधिक

12 A BUTTON ON B

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 अप्रैल, 1984

निद्रम सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4463—अतः मुझे देवप्रिय पन्त

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परवात 'उनत मिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ह के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृज्य 25,000/- रा. से निधक है

श्रौर जिसकी मं० मकान म्यु० नं० 7/1 है, तथा जो चमार मोहल्ला, इंदीर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में विणत है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदीर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्त का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिचित उद्वेदश्य से उक्त मृत्तरण लिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बीट्र/वा
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिशी ध्यारा प्रकट नहीं फिया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 268-श की उपधाण (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री जब्दुल गफूर पिता श्री मोहम्मद साहब निवासी 28/5, दीलतगंत्र, इंदीर।

e e gr

(अन्तरक)

2. फर्म: फाइन स्टील सेल्स 22 हाथीपाला के भागीदार:

 मोहम्मद मुस्तीकीम पिता मोह० इब्राहीम,
 निवासी 43, चम्पा बाग, इंदौर।

(अन्तरि**ती**)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सञ्परित के वर्षन के व लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 विन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी स्वित्समें पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी स्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिपतों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे:

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहा अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिवा गवा है।

-

मकान म्यु० नं० 7/1, चमार मोहल्ला, (गाड़ी अड्डा), इंदीर में स्थित है।

देवधिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, भोपाल

तारीख 5-4-1984 मोहर :

प्रकृष कार्ड. टी. एम. एक. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोषाल भोषाल दिनांक 5 अर्जैल 1984

निवेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/4464--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें त्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

घौर जिसकी सं० प्लाट नं० 14 पर बना मकान है, तथा जो छन्नपति नगर, इन्दौर में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में घौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 5 अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविद्यंत व्यक्तियाँ, वर्षांतु डु— श्री राक्षाक्रियन पिता गोरधन जी निवासी छस्रपनि, नगर, इंडीर

(अन्तरक)

2. श्रीमती शकुन्तला बाई, पति श्री राधामोहन जी खण्डेलवाल, निवासी 25, नार्व यशवंत गंज, इंदीर ।

(अन्ति,रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति स्पितारों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) अस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

नगुनुची

छत्रपति नगर, इंदौर स्थित प्लाट नंबर 14 पर बना हुआ मकान त भूमि । यह वह स्थावर सम्पत्तिहै, जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयक्त (नि**रक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख 5-4-1984 मोह्ड 🖟 प्रक्ष भार् . टी. एन. एसं. -----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 अप्रैल 1984

निर्देश में आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4465---अतः मुझे, देवश्रिय पन्स

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें असके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वस करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/~ रह. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० मकान तल मंजिल का नम्बर 6/559 भाग है, तथा जो राज कुमार सिंह कालोनी, वेबास रोड. उज्जैन में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में व्यक्तिहै) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के द्यार्थालय उज्जैन में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 1.6) के अधीन दिनांक अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जतरण सं हुई किसी काय की बाबत, उक्त सीधीनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनफर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा अकट गेही किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लान में मूलियां और किया।

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 260-ग के अनुसरण गं, में, उक्त अधिनियमं की धारा 260-थं की उपनारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत् :-- श्री गुलाब अध्द पिंसा श्री बापूलाल जी विच्जयवर्गीय महाजन, निवासी 90, दणहरा मैदान, उज्जैन ।

(अन्सरक)

2 श्रीमती सी० मिता बता पत्नी किशोर बत्ना निवासी 127, वशहरा मैवान, उज्जीन ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना:जारी करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया ग्रुङ् करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुस्पी

एक किता भाग मकान नल मंजिल का, जिसका नम्बर 6/559 है, देवास रोड, राजकुमार सिंह कालोनी, उज्जैन में स्थित है।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर श्रायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिमांना 5-4-19**8**4 मोहर:

प्रकष कार्यः, टी. एम. एस. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा १६९-६ (1) के अधीन मुचना

भारत अरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निदेश मं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/4466-अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के वभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 783 पर बना हुआ मकान है, तथा जो इंदीर विकास प्राधिकरंण योजना क्रमांक 44, इंदीर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदीर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 अगस्म 1983

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास कारने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निल्सित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तारण से हुई किसै बाय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें क्याने में स्विधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, , 1957 ,(1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ग में, में, ज़क्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात:—— शी प्रोप प्रकाश पिता फतनबास,
 शीमनी मजू पित अशोक कृमार,
 नियासी-3, काटजू कालोनी,
 इंदोर भरफे आम मु० बालचंद
 पिता मिबलदास,
 3 काटजू कालोनी,
 इन्दोर।

(अन्तरक)

अहिल्या माता सेवक संघ गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित माध्यम से उपाध्यक्ष दामजी भाई पिता श्री प्रागजी 23/3 जवाहर मार्ग, इंदौर ।

(अन्त**रिसी**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ें भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्यः व्यक्ति द्वारा अधोहस्टाअरी के पास निस्ति में किय वा सकींगे !

स्पद्धिकरण: ---- रसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होता जो जम, अध्याय में विया गया है।

असमची

इंदौर विकास प्राधिकरण की योजना क्रमांक 44, खातीवाला टैंक, इंदौर में स्थित प्लाट नंबर, 783 पर बने हुए मकान का एक भाग।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधीकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

सारीख: 6--4--1984

अरूप[ः] बार्द^{*} .टी . एन . एस[ः]. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन संचना

भारत महकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निद्मा सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4467—अप: मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 18 है, तथा जो फड़नीस कालोनी मानिक बाग, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगन्त 1983

को पृषेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ——

- (क) जन्तरण ने हुई किसी नाय की शावत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिसित व्यक्तियों अधीत्:— 1 श्रीयती मनोरमा हेनी
पती भिवष्माव बिहारी
ढारा मुं० आम गया प्रसाद बिहारी
पिता हरभजन लाल बिहारी,
निवामी—43, बल्लभ तगर,
इंदौर।

(अन्सरक)

2 श्रीमती पित्रया बाई पत्नी मो० इबाहीम, , 2. मोह० यूनस पिता नूटकन, निवासी—53, स्नेहलतागंज, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों में।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, लें अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्याही।

बग्स्ची

प्लाट नंबर 18 ,सर्वे नं॰ 1533 पर, फड़नीस कालोमी, मानिक बाग, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-4-1984

मोहर 🕆

ब्रक्ष्य कार्ड. टी. एत. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत् स्रकार

कार्यालय,, सहायक अायकर आगुव्रत (निराक्षण) अर्थन क्षेत्र, भोपाल

भोषाल, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निदृश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/4468---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 21, ख० नं० 1533 पर है, तथा जो फड़नीस कालोनी, मानिक बाग, इंदीर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदीर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 9 अगस्स, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की दावत, उकत वीभीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; व्याप्टिया
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया भाना शाहिए था छिपान में सविधा से लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग के निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थाक :---- श्री गया प्रसाद
पिता हरभजनलाल बिहारी,
निवासी—15, बल्लभ नगर,
डवार।

(भन्तरक)

2 मोह० इकवाल मिता मोह० टबार्हाम, 2 मोह० इंतमाम पिता छोटे खान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वा अत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 21, ख० नं० 1533 पर, फड़नीस कालोनी, मानिक बाग, इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

सारीख: 6-4-1984

मोहर :

35 -- 56GI /84

प्ररूप बाई. शे. एन . एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालग, महायक आयकार आय्वत (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनाँक 6 अप्रैल 1984

निदश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भीपाल/4469---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

अपर्यंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास बरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/न्तः से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या खूला प्लाट ,ख० नं० 41/2 है, तथा जो आनंद नगर कालोनी, खण्ड्या में स्थित है (ग्रीप इससे उपाबढ़ अनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खण्ड्या में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अभिन, तारीख 25 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का मल्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसिन में वास्तिविक रूप में किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उमसे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, शियाने ना माबिया के लिए।

अतः अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों अर्थात् :--

- । श्री प्रेम कुमार,
- निवासी थीं, आनन्द गगर कालगीं, खंडवा।

(अन्तरक)

 श्री सरदार मनोहर सिंह, निवासी---वरोका. धनवाद, (बिहार)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए अन सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पकों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

् खूला प्लाट ख० नं० 41/2, आनंद नगर कालोनी, खण्डवा में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, भोगाल

नारांख: 6-4-1964

. प्र**स्त्र आहे. टी. एन. एड**. ७ ५ **- --**--

जायकर सिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सृष्का

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र भोपाल
भोपाल, दिनांक 5 अप्रैल 1984
निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4470--अतः यभे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० खेत, नया नंबर 45 है, तथा जो ग्राम वाड़ा बूजल्य में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिंग हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अत्रीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूओ यह विश्वाम करने का कारण है कि यक्षापृवोंक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमित को वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुई किमी आय की बावल उपत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में जुविशा के लिए;

जतः कथ, उक्त कथिनियम की धारा 269-ए के अनुकरण को, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ६—— श्री शीतल प्रसाव,
पिता बद्री प्रसाद दुबे,
बाह्मण निवासी-बुधवारा,
बुरहानपुर।

(अन्तरक)

- 2. श्री सदानन्द पिता बालचंद पटेल,
 - 2. श्रीमती शक्तला बाई पति सवानंद पटेल,
 - 3 प्रभुदास सदानंद पटेल,
- श्री भगवान दास सदानंद पटेल,
 चंद्रकांत पिता सदानंद पटेल नाबालिग वली पिता सदानंद निवासी—इतवारा, बरहानपूर।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्दारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पच्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका नया नंबर 45 है, ग्राम बाड़ा बूजरुग तहु बूरहानपुर में स्थित है। जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है। (बृक्ष, कुंबा सहित)

देवप्रिय पन्त स्क्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

गारीख: 5-4-1984

मोहर 🖫

शस्य भार्त्, दी. एन . एन :-------

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 अप्रैल 1984

निद्रा गं० आई० ए० सी०/अजॅन/भोपाल/४४७1— जनः मुझे, देवप्रिय पता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 327/2 नया नंबर 355 है, तथा जो ग्राम बोरगांव खूर्द, बुरहानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) कि अर्थान, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिष्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तारण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त जिमित्यम के जभीन कर दोने के जन्तारक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा जो सिंधु; जोंद्र/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी घन या जन्य कास्तियों को चिन्हों अरस्तीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-— 1 श्री चूप्तीलाल धरमदास गजराती मोड़, नियासी----कोली वाडा वार्ड, दाउदपुरा, बूरहानपुर।

(अन्तरक)

2, श्री सदानन्द पिता बालचंद पटेल बुद व वली चंद्रकांत नावालिग पुत्त का श्री प्रभदास स्वानंद पटेल, 2. श्री भगवान दास सदानंद पटेल, गुजराती माइ, इतवारा, बुरहानपुर। 3. सी० शक्तावाई जोजे सदानंद पटेल

(अन्तरिसी)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन है सम्बन्ध में कोई भी बार्सण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकर्णः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित इ⁴, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भीम ,जिसका पुराना नंबर 327/2 व नया नंबर 355, ग्राम बोरगांव खुर्द तह० बुरहानपुर में स्थित हैं: जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित ह।

देर्वाधय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

सारीख: 4-4-1984

मोहर 🙄

प्रकृत वार्षं .टी.एन.एत्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सूचना

भारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल भाषाल, दिन:क ४ अप्रैल १९मेय निद्धा सं० आर्ड० ए० सा०/अर्जन/भोषाल/४४७२--अर्तः मुक्षे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाय 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

यौर जिसकी सं० मकान म्यू० पा० नं० 84 ह, तथा जा जवाहर मार्ग, इंदीर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अबू- सूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदीर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 के (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) नौर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया' गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधितियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के यायित्व में कभी करने या उससे दक्त में सूबिभा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

मतः भव, उकत विभिनियम की भारा 269-ए को अनुसरण में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) को अभीन, निम्निक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री विद्यासागर
 पिता रामअवतारजी मिश्रा,
 निवासी—11, पिपस्या राव भंवरकुआ,

निवासी-11, पिपल्या राध भंवरकुआ रोड, चौराहा, इंदौर।

(अन्तरक)

 श्री भागीरथ पिता बोंदरजी, निवासी-10, महात्तमा गोधी मार्ग, इंदौर अविभाजित हिन्दू सगुक्त कृदम्ब कर्ता।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

ब बत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बासरे :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविभ या तृत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसी तमें किए जा सकीं।

हपब्बीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूचि

प्राप्त मिया स्थित पार्व नंबर 84, जवाहर मार्ग, इंदौर में स्थित हैं। (मकान का एक भाग)

> दं विश्विस पत्त सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

सारीख: 4-4-1984

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र भोषाल अर्जन रेज, भोषाल

भोपाल, दिनांक ा अप्रैल 1984

निर्देण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोषाल/4473— अनः मूझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 580/186 है, गथा जो रनेह नगर, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में— और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय में इंदौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अगस्त 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचितः बाजार मुल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित लिखित म गान्तिकिक हुए से किथा नहीं शिया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इ्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- श्री छगनलाल शकुनिया, निवासी—45, रामबाली नगर, इंदौर। 88

(अन्तरक)

2. श्री दाउद ारिख पिता श्री नूर मोहम्मद पारिख, निवासी-6/4, मराई मोहल्ला इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधाहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पंध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तथा भवन क्रमांक 580/186, स्तेह नगर, इंदौर

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-4-1984

प्रकप् आई. टी. एन. एस. ------

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 अप्रैल 1984

निद्रम सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4474---अतः म.झे, देवष्टिय पन्त,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० मकान नं० 16 है, सथा जो नरसिंग बाजार, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

- को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त बीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए,

सत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण मों, मों, अकत अधिनियम की धारा 269 स की उपनाश (1) को अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- । भोमती भिलोबार पर्ती चैनसुब मोरी, निनासी:--92, नेमी पगर, इंदोर।

(अन्तरक)

- त श्री लब्कुन अवी पिता खान अवी, निवासी—6, महारागा रीकृ, इंदीर ।
 - श्रीमती शमीन अन्तर पत्नी गुलाम रसूल, निवासी-17/1, रामपुरा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्त स्थावर मंपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखन में किए जा सक्तें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नंबर 16. नर्रांमग बाजार, इंदौर में स्थित है।

देनप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नाराख: 4-4-1984

मोहर ः

प्रस्प **आह. टो. एन. एस.------**अप्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**य**ना

भारत सरकार

कार्यालय , महायदा आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनोक 4 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/4475---

अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 26 भ-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- छ. से अधिक हैं

धौर जिसकी मं० मकान नंबर 61 है, तथा जो गोपाल बाग कालोनी, इंदौर में स्थित है (प्रौर इससे उपाबत अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विजय हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिकल से, एसे दृष्ट्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियें को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर, अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विशा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

- श्री हरीराराम पिता मिस्कीराम पाहजा,
- सुखीबाई पति हरीराम पाहुजा, निवासी-61 गोपाल वाग कालोनी, टंदौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गोरीबाई पति ताराचंद इशरानी, निवासी-61, गोपाल बाग कालोनी, इंदौर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विकत संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां क्ष्रूक करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में अन्य किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान नंबर 61, गोपाल बाग कालोनी, इंदौर में स्थित है।

> देघप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोगाल

तारीख: 4-4-1984

मोहर 🕻

पुरुष बार्ष, टी. एन. एत्.-----

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्या<mark>लय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> कार्यांनय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र भोगाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल, 1984

ु सं० आई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल/4476:---अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लान नम्बर पुराना 1/333 नया 54/2 है, तथा जो फब्बारा चीक, देव साहब की गली, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रीक्त्ती अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, र्राजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983

कर्म पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं काम के दश्यसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कर्ज़ों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-जियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को: दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा को लिए: और/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या काण विकित्यम, प्रधान-कर अधिनियम, प्रधान-कर अधिनियम, प्रधान-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत हो किया गण था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुखिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अन्मरण, मैं, उक्त अधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखिए अधिकती, अर्थात् :--16 -- 56G1/84

1. श्रं। टोकमदास मोटूमलजी सिन्धी निवासी फव्वारा चौक, देव साहब की गली, उज्जैन।

(अन्तरक)

2. श्रा इक्जाल हुसैन पिता अब्दुल अजोज 2. नौशाद पिता इक्जाल हुसैन अवयस्य संरक्षक पिता इक्जाल हुसैन निवासी मिजवा डी, उज्जेन ।

(अन्तरिती)

को यह मूचना कारी करकं पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

तक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के रावपन में प्रकाशन की तारी है ते 45 विन की जबभि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवभि, जो भी अवभि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितमबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्थष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स ची

मकात नम्बर 1/333 नया नम्बर 54/2, फम्बारा चिका, देव साहब की गली उज्जैन में स्थित है।

देव प्रिया पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अजन रज, भोषाल ।

तारीख: 3-4-1984

प्रकप बार्ड . टी . एव . एच . -------

माधकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन श्रेल भोपाल भोपाल, दिनांक 3 अर्जल, 1984

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4477:--अतः मुझे वेवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रस्थात 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

कौर जिसकी संख्या मकान नम्बर 25, है, तथा जो काटज कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में विजित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983

की पृथा कर सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्निलिचित उव्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बावह, हक्त जीवनियम के जबीन कर दोने के अन्तरक के शामित्व में कमी करने या बससे बचने के सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अहिरायों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने ये स्विभा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिवियम की धारा 269- के अन्सरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- के उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिकिन व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री प्रभुदास पिता भीकचन्द निवासी-25, काटजू सासोनो, इन्दौर।
 - (अन्तरक)
- श्रीमती लीलाबाई कृपति टह्लरामजी निवासी मकान नं० 25, काटजू कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकत सम्परित के वर्जन के लिए॰ कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर-सृष्या की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सबसे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ममा है।

वन्स्ची

मकान नम्बर 25, दूसरो मंजिल का भाग, काटजू कालोनी इन्दौर में स्थित है।

> देव प्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, मोपार

तारीख: 3-4-1984

मार्गः

भारतप बाहाँ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 3-अप्रैल, 1984

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4478:—अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारां 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्रलाट नम्बर 21 है, तथा जो लालबाग, बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 26) के अधीन, अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त संप्रीत का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिशित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :—

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः सवः, उक्त सिंपिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

2. श्री हरेश भगवानदास जगवानी फैजपुर तालुका यावल।

(अन्तरक)

 केशविसह आरमज कृपाल सिंह लालबाग रोड तहसील बुरहानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

अमुसूची

भूमि, जिसका नया नम्बर 244, 245 का प्रलाट नम्बर 21, लालबाग तहसील बुरहानपुर में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

देवप्रिय पन्स, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

सारीच: 3-4-1984

मोहर

प्ररूप आइ^{*}.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन श्रेव, भोपाल भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल, 1984

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4479:---अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित वाजार मृल्य 25,000/- रहा से अधिक हैं:

और जिसको संख्या प्लाट नम्बर 3 है, तथा जो लाल्बाम बुरहानपुर में स्थित है (और इससे जियाबड अनुसूर्वा में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बुरहानपुर में, रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम रशमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और जिल्रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दीने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससंबचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्भरण की, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीस अधनति खित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री हरेश भगवानदास जगवानी फैजपुर तालुका यावल।

(अन्तरक)

 श्री कमल किशो आत्मज मुख्ली मनोहर देवडा चौक ब्रहानपुर तहसील ब्रुरहानपुर।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से - दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर एक स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती अन्य पिक द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पाश विलियन भी किए जा मकीये।

स्परदाकरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही कर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि जिसका नया नम्बर 244, 245 है का एक प्लाट नम्बर 3 लालबाग बुरहानपुर में स्थित हैं। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा संस्थापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित्त हैं।

देव प्रियं पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-4-1983

प्ररूप आईं.टी.एम.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायूक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, विनांक 3 अप्रैल, 1984 सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4480:---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूठ. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या भूमि खं नं नया नम्बर 603 पुराना 504 है, तथा जो ग्राम एमागिर्व तहसील बुनरहानपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य हं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथभपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए दय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुवूँ किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अवं, उक्तं अधिनिधम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित स्पक्तितां, अर्थात् :~~ श्री रमेश चन्द्र पिता मनीलाल शाह, आयुक्त, नगर पालिका निगम, बुरहानपुर।

(अन्तरक)

 श्रो नारायण पिता रूपा महाजन निवासी रास्तीपुरा, बुरहानपुर।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जद के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों नत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि ख० न० नया 603 पुराना 504, ग्राम एमागिर्ड तहसील बुरहानपुर में स्थित हैं। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

देव प्रिय पन्त, सुक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मोपाल

तारीखाः 3-4-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन ु इस. -----

बायकर व्यिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 अप्रैल 1984

सं. आई० ए० सी./अर्जन/भोपाल/4481:---यतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 14 है, तथा जो रणजीत विलास पैलेस रतलाम, में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में विणत है), र जस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमंत महाराजा साहब लोकेन्द्र सिंह जी साहब के मु० आम श्रीमित प्रभाराज्य लक्ष्मी पित श्रीमंत लोकेन्द्र सिंह जी, लोकेन्द्र भवन, रतलाम ।

(बन्तरक)

2. श्री कुंबर साहब भूपेन्द्र सिंह पिता कृष्णचन्द्र जी राठौर निवासी कनेटी जिला रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 14, रअजीत बिलास पैलेस, रतलाम में स्थित हैं।

> देव प्रिय पन्स, सक्षम प्राधिकारी सहायक गायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

रि ख: 4-4-1984

मोहुर 🛭

प्ररूप: बाह्री: टी. एत्: एतः; -----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर भाग्वत (निर्धिक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 5 अप्रैल 1984 सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4482:——अतः मुझे, वेबप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या भकान नम्बर 40/188 है, तथा जो सराफा बाजार लक्कर ग्वालियर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफ ल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विद्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त जीध-नियम के जभीत कर दोनें के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में स्विधा के लिए; जीर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त सिंधिनयम की धारा 269-ए के अनुसरण बॅर, मॅं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (३) के अधीन, निस्निसिसित व्यक्तियों, अधीत् ं.— केदार नाथ पुत्र श्री कृष्ण अग्रवास निवासी पारणीजी का बाइन, सफ्कर, ग्वासियर।

(अन्तरक)

2. श्री माधव नाबालिक पुत्र राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल सर माता सुधा अग्रवाल पत्नी राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, सराफा बाजार, लक्ष्कर।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य स्थानित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, थो उस अध्याय में दिया गया है।

वगुसूची

मकान नम्बर 40/108, सराका बाजार लक्कर गवालियर में स्थित हैं।

> देश प्रिय पन्त, संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रें

तारोख: 5-4-1984

प्ररूप आहूर. दी. एन. एस. -----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

भारत सरकार

अर्जन अंत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 अप्रैल 1984

सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/4483:—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजूर मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसको संख्या भूमि है, तथा जो ग्राम मझेरा, शिवपुरी में स्थित है (और ईससे उपबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 2908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्निसिखत उद्देशिय से उक्स अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्य में कमी फारनें या उक्तरें बचने में सुविधा के लिए; और/गा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्रूर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिद्धः

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री खलील अहमद्रव सगीर पुत्रगण जहुर अहमद निवासी पुरानी शिवपुरी।

(अन्सरक)

2. श्री जगसिंह, गुरमोत सिंह, महेन्द्र सिंह, बलबिन्दर सिंह पुत्रगण जोरा सिंह सिख निवासो पंजाब। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्राम मझेरा तहसील शिवपुरी में स्थित हैं। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> देव प्रिय गन्त, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 5-4-1984

प्रकल् भार्चः टी. एन्. एत्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा (1) के अधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 अप्रैल 1984 सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4484:---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000. - रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या भूमि है, तथा जो ग्राम मझेरा तहसील शिवपुरी में स्थित है (भौर इससे उपबद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिल्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में, रिजिल्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि सिक्त मंतरण

- (क) अप्तरण से हुई किसी नाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिशा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में स्विधा को लिए;

अतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
37—56GI/84

 श्री खलील अहमद व सगीर अहमद पुत्रगण जहूर अहमद निवासी—पुरानी शिवपुरी।

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र गुरूचरण सिंह निवासी मफलीया वाला तहसील भोगा फरीवकोट (पंजाब)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उतत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगेर जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

अनुसूचीं

भूमि, ग्राम मझेरा तहसील शिवपुरी में स्थित हैं। जिस का सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> देव प्रिय **प**न्त, सक्षम प्राधिकारी स**हायक** आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-4-1984

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. - - -

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, पदिनांक 5 अप्रैल, 1984

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4485:--अतः मुझे वेत्रप्रिय पन्स,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात जिल्ला अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-क को अधीन सक्षम प्राचिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25000/- द० से प्रधिक है

ष्मीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम मझेरा तहसील शिवपुरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983

को पूर्वों कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक न निम्नितिखित उद्वेष्य से उकत अन्तरण में निद्धित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किती नाग की भाषत अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन गा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गढ़ा था किया आना जाहिए था, छिपाने में मृतिथा के निए;

 श्री सगीर अहमद पुत्र श्री जहूर अहमद निवासी÷ पुरानी शिवपुरी।

(बन्तरक)

 श्री मुकुन्द सिंह पुत्र सरदार चन्दासिंह निवासी मफलीया तहसील मोगा फरीवकोट (पंजाीं)।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (क) इस स्थान के रावपत्र में प्रकाशन की तारील छे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वनसची

भूमि जो ग्राम मझेरा तहसील मिबपुरी में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति में जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्या-पित फार्म नम्बर 37 जी ह निहित हैं।

> देव प्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 5-4-1984

प्रसप आदे . टी . एन . एस . ------

बायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

बारट सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल, 1984

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4486:—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या भूमि है, तथा ग्राम मझेरा में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में, रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित के उभित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त सम्पित का उजित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) से बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिक्त का विस्तिसियों यह रहे से स्वत बन्तरण विद्या में बास्त्रिक क्या के का विस्ति में बास्त्रिक क्या के का विस्ति में बास्त्रिक क्या के का विस्ति की का विद्या गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ता) ध्रेती किसी आय वा किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने संस्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री सगीर अहमद पुत्र जहूर अहमद मृसलमान पुरानी शिवपूरी।

(अन्तरक)

 श्रीमती गुरमीत कौर पत्नी गुरूचरण सिंह निवासी फलीयावाला तहसील मोगा फरीदकोट, पंजाब।

(अन्तरिती)

को वह त्यना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षम् के सिहं कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थल्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुचि

भूमि, ग्राम मझेरा जिला शिवपुरी में स्थित है।

देव त्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-4-1984

प्ररूप आदर्रः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल, 1984

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4487:---यतः मुझे। देवप्रिय पन्तः

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

गौर जिसकी संख्या भूमि ख० नं० 207/1, 207/2, 208, 209/1, है, तथा जो रतनपुर सड़क जिला भोपाल में स्थित है, श्रौर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,अगस्त 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का गढ़ प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय काँ बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया णया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिषध के लिए;

ं अन्तः अवा, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, सक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्निसिक्त स्यक्तियों, अर्थात् हः— श्री परसराम पिता प्रहलाद निवासी रतनपुर सङ्क (जिला भोपाल)।

(अन्तरक)

2 सरदार प्रीतम सिंह पिता लाल ईश्वर दास जी निवासी ई०-3/68, अरेरा कालोनी, भोपाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विधित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण ः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जौ उक्त अफिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्तृत्वी

भूमि ख॰ नं॰ 207/1, 207/2, 208, 209/1, ग्राम रतनपुर सङ्ग जिला भोपाल में स्थित है।

> देव प्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-4-1984

मोहर 🛭

प्रसम्प आहाँ. टी. एत. एस.------

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुवत अर्जन क्षेत्र भोपाल भोपास, दिनांक 7 अप्रैल, 1984

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4488:---अतः मुझे देवप्रिय पन्त.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

भौर जिसकी संख्या प्लाट है, तथा जो सागर भोपाल रोड, सागर में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीम, अगस्त, 1983

को प्वें क्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया एक प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन् किसी आय की बाबत उक्त अधि-जियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्हों बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुनिधा के आए;

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अधीत :— महेश कुमार बल्द परमानन्द चौरसिया, निवासी पुरव्यास टीरी, सागर।

(अन्तरक)

2 1. श्री सुरजीत सिंह, 2. परमजीत सिंह, 3. दिलजीत सिंह सभी पुत्र श्री ज्ञानसिंह नियासी भगवान गंज (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप "---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वयुत्त्व्

प्लाट, जो कि ख नं० 196 में से 8256 वर्गफीट है सोगर भोपाल रोड, सागर में स्थित हैं। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा ⁽सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> देवं प्रिय पन्त, सक्षम अधिकारी नरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 7-4-1984

प्रकृष नाई. टी. पुन. एस.-----

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के ज्भीन सूचना

भारत वृद्धकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल, 1984

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4489:--अतः मुझे वेवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का भारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि ख नं० 35, है, तथा जो गुरू गोबिन्द सिंह वार्ड, सागर में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रियंक्त के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाबार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गवा प्रतिफाल निम्निश्चित उद्विभ से उच्त बन्तरण जिल्हा में बास्तविक रूप से किया नहीं किया ग्वा है :---

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के जिए; और/वा
- (च) ऐसे किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ की, केंब्रह्म भारतीय जाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा है जिहा;

जतः अव, उत्पत्त अधिनियम की धारा 269-ग को जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती भागवती बाई पत्नी परमानन्द चौबे निवासी परकोटा बार्ब, सागर।

(अन्तरक)

2. श्री करमसी भाई वल्द विश्राम भाई गुजराती निवासी भगवानदास वार्ड, सागर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लि**ड** कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध् या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्यब्द्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाष्ट्रित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अम्सूनि

भूमि ख नं० 35, गुंरू गोबिन्द सिंह वार्ड सागर में स्थिद्ध है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> देव प्रिय पन्त, सक्षय प्राधिकार सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपान

तारीख: 7-4-1984

पका पाई० टो० एन♦ ए स०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का ६३) कः धारा 269-म (1) के प्रधीन सुमना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4490:--यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या भूमि खं नं 35 36, है, तथा जो गुरू गोबिन्द सिंह वार्ड, सागर में स्थित है (भीर इससे उप विद्या अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10 अगस्त, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कन पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कन पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कन पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कन पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कन पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कन पंद्रह प्रतिकात से अधिक उद्यदेश से उकत अन्तरण निष्कित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ;——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बायत उस्त आंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बौद/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा चै विष्:

भतः वस, अन्त विभिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती भागवती बाई पत्नी परमानन्द चौबे निवासी-परकोटा बार्ड, सागर।

(अन्तरक)

2. श्री गोविन्द भाई वरूद करमसिंह भाई गुजराती निवासी-भगवान गंज वार्ड, सागर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ब्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

हाव्टीकरणाः चन्दसर्वे प्रयुक्त शाक्यों मोर पदी का, जो उक्त अधिनियम के अव्याद 20-क में परिमाणित है, वही मर्च होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि ख॰ नं॰ 35, 36, गुरू गोबिन्द सिंह वार्ड, सागर में स्थित हैं। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर '37 जी में निहित हैं।

> देव प्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-4-1984

मोहर 🕹

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

मायकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 9 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी-०/अर्जन/भोपाल/4491:----यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 35 है, तथा जो गुरू गोबिन्द सिंह वार्ड, सागर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, सागर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983

को प्वॉक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्हलिखित व्यक्तितर्गो, अधित् :--- श्रीमती भगवतीबाई पत्नी प्रेम चन्द चौबे निवासी→ परकोटा वार्ड, सागर।

(अन्तरक)

2. श्री रामजीभाई पिता विश्वामभाईजी गुजराती निवासी-भगवानगंज वार्ड, सागर।

(अन्तरिती)

को यह स्थान **पारी कर्य प्रांवह संपरित के अर्थ**न के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं
 45 विन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर
 स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरि।

स्पष्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्बों आर. पर्वों का, जो उक्त , अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनसूची

भूमि ख॰ नं॰ 35, गुरू गोबिन्द सिंह वार्ड, जिला सागर में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्सरिती द्वारा सत्यापिस फार्म नम्बर 37 जी ुमें निहित है।

> देत्र प्रिय पन्न, सक्षम प्राधिकारी सहायक आंयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

नारीख: 9-4-1984

इह्य बाई टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल, 1984

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4492:—-अतः मुझे वैवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या भूमि ख नं० 36 है, तथा जो गुरू गोबिन्द सिंह वार्ड, सागर में स्थित है (श्रौर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में, रिजस्ट्रीकरण अधि:नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10 अगस्त, 1983।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गीई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

 श्रीमती भगवती बाई पत्नी परमानन्द भौबे निवासी-परकोटा बाई, सागर।

(अन्तरक)

2. श्री नारायण भाई पति रामजी भाई गुजराती निवासी भगवान गंज वार्ड, सागर।

(अन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जबत सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रभी

भूमि ख नं 36, गुरू गोबिन्द सिंह वार्ड, सागर में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा संस्थापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

देव प्रिय पन्त, सक्षम अधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

38 -- 56GI/84

तारीख: 7-4-1984

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस. - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल, 1984

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4494:--अतः मृत्ते वेवप्रिय पन्त,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या मकान नं० 870/बी, ब्लाक नं० 4, प्लाट नं० 22 परबना है, तथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (भौर इससे उपबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983।

को पृत्रों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान क्रीतिक्ष के लिए अन्तरित की गईं हैं और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण हैं कि यभापृषोंकत संपत्ति का उचित् आजार बृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्तृह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भाया गया प्रतिकृत निम्नितिशत उत्दृश्य से उक्त अन्तरण के लिए तम भाया गया प्रतिकृत का सम्मित्त से बास्तिक क्ष्य से किया नहीं किया गया हैं है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) दभीन, निम्निसिवित स्यिक्तियें अर्थाट क्रिक्न श्री दर्शनपाल अरोख पिता मीहनलाल अरोरा निवासी गुप्तेश्वर मदन महल, जबलपुर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती उपासिह पत्नी डी॰ एस॰ सिंह मण्डोरा जिला जालौन उ॰ प्र॰ हाल जबलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना अपरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ,से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नमुस्ची

मकान नं० 870, बी०, ब्लाक नं० 4, प्लाट नम्बर 22 पर बना. नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है।

देव प्रिय पन्त, सक्षम अधिकारी निरोक्षी सहायक आयकर (आयुक्त) अर्जन रेंज, भीपाल

तारीख: 7-4-1984

प्रस्प बाई .टो .एन .एस . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

काययलय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल, 1984

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4494:—अतः मुझे, धेवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या भूमि ख नं० 139 है, तथा जो मौजा ललई टौरी जिला सागर में स्थित है ('भौर इससे उप बद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण के रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय, सागर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983।

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापृत्रेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, एसे खर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पाया भया प्रतिफल, निम्नलिकित उच्चेष्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) जंबरण से हुई किसी जाद की वाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर वांगे के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जॉट/वा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ बंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,
- अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ब्रुधीम, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री गजाधर 2. दुलीचन्व पिता तोलाराम पटेल 3. भरोसी 4. राम चरण पिता मंगू पटेल 5. इन्द्रानी पति भगू पैटेल निवासी—कटरा जिला सागर (अन्तरक)
- 2. फर्म राम्नेलाल श्री नारायण मोहेम्बरी द्वारा राधे लाल वस्त मञ्जूलाल माहेम्बरी निवासी भगवानगंज, सागर।

(बन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की व्यक्षि, को भी व्यक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा वकींचे।

रनस्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कट्यों और पर्यों का, को उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं सर्थ होगा को उस अध्याय में विका नवा है।

भनुसूची

भूमि ख नं० 139, मौजा ललई टौरी जिला सागर में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा संस्थापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> देव प्रिय पन्त, सक्षम अधिकारी (निरीक्षी सद्दायक आयकर आयुक्त) अर्जन रेंज, भोपाक

तारीख: 7-4-1984

प्रूष्य बाह्रं. टी. एत्. एस.,------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सुचना

भारत तरकार

कार्याक्षय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अप्रैल, 1984

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4495:---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पहनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर स्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

धार जिसकी संख्या भूमि ख, नं० 12, 18 19, 20, 23/1, 23/2 एवम 39/1 है, तथा जो बिल्हारी, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्यह प्रतिस्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिष्यम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के सिए; और/मा
- (अ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अभूसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री गया प्रसाद पिता क्षिलोक कचवाहा निवासी बिलहारी, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्री सरदार निर्मेल सिंह पिता केशर सिंह 2. सरदार बलवन्त सिंह पिता केशर सिंह 3. सरदार गुरदर्गन सिंह पिता जागीर सिंह 4. सरदार गुरूदेव सिंह पिता जागीर सिंह निवासी—138/2, बिल्हारी, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विद्या किसी बन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसुचीं

भूमि ख, नं० 12, 18, 19, 20, 23/1, 232, : एवम 39/1, बिल्हारी, जबलपुर में स्थित है।

> वेब प्रियण्यन्त, सक्षम अधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर (आयुक्त) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-4-1984

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस., ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ख़ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4496---अतः मुझे, वेवप्रिय पन्त

शायकर शिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० मकान नं० 1858 है, तथा जो रांक्षी नरसिंह वार्ड, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रिज ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 18 अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त संपृत्ति को उचित् बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करें. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्तरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्मिक्तमाँ, अर्थात् ह—

- श्रीमती इंद्राबाई मोहता पत्नी श्री मोमप्रकाश मैहता कलकत्ता, द्वारा मु० आम श्रीमती नवंदा देवी जोजे स्व० सेठ नरसिंहदास हनुमानताल, जबलसुरं (अन्तरक)
- श्रीमती वीरा बाई जोजे श्री इन्दर सिंह मस्ताना निवासी रांशी, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

रंपनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्तुची

खा॰ नं॰ 91, 92/1, 93/1, 94/25, मीट नं॰ 10, प्लाट नं॰ बी 24, पर बना मकान नं॰ 1858, रांझी नरसिंह वार्ड, जबलपुर में स्थित हैं। (भूमि एवम् भवन)।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

तारीख 7-4-1984 मो**ह**ड़ ब प्ररूप्त नार्द्री, टी., एन्., एत_ः -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-न (1) के नथीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 4 497—अतः मुझे, देशप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 23/4 है, तथा जो मौजा ललई टौरी, जिला सागर में स्थित है (बौर इससे उपायद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजत है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 22 अगस्त, 1983

को पूर्वोक्स सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिकत उद्धदेश्य से उक्त अंतरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी भने या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मु॰ लक्ष्मी बाई जीजे मूलबन्द पटेल

(अन्तरक)

2. श्रीमती वैजयन्ती बाई परनी श्री लोकमन खटीक निवासी चकरा घाट वार्ड, सागर।

(अन्गरक)

को यह भूचमा बाएी करके पूर्वीक्त संस्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाओं ै :—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पद्धीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूनेम ख॰ नं॰ 23/4, ललई टोरी, जिला सागर में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा संस्थापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 7-4-1984 मोहर: प्ररूप. आहें. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 7 अप्रैल, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4498—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 96, त्तखा नं० 232, 233 है, तथा जो ग्राम लक्ष्मीपुर, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1983

को पूर्वें कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसीं आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन रा अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **के अन्सरण** में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्लेनियत व्यक्तियों, अधीत् ∵——

- 1. श्री अमोल सिंह राजपूत, आत्मज श्री लाल सिंह राजपूत निवासी 881, अमनपुर, जबलपुर। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती दर्शन ठाकुर पत्नी श्री बी॰ एस॰ ठाकुर 1225, नेपियर टाउन, जबलपुर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सनसची

प्लाट नं० 96, ख० नं० 232, 233, ग्राम लक्ष्मीपुर, जिला जबलपुर में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम् प्राधिकारौ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज, भोपाल

दिनांक 7-4-1984 मोहर : प्रकप भाइ .टी. एन. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4499---अतः मझे देवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धाय 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- से अधिक है

मौर जिसकी सं मकान नं 870 का भाग है, तथा जो ने पियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची ग्रौर जो पूर्णं रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1983

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; अरि/बा
- (च) ऐसी किसी आय वा किसी धन या बय्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने जें सुविधा छै लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः

 श्री दर्शनपाल अरोरा पिता मोहन लाल अरोरा, गुप्तेश्वर, मदन महल, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्री राम बहादुर सिंह पिता महराज सिंह सा० पटेल, नगर उरई ज़िला जालोन, उ० प्र० हाल जबलपुर। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के तंबंध में कोई भी बासेंप :---

- (क) इस त्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मूँ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकीं।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त श्रव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

वनसूची

मकान नं० 870, का भाग, ब्लाक नंबर 4, प्लाट नंबर 22 पर बना, नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है।

देवप्रियपन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 7-4-1984 मोहर: प्ररूपः आर्थः दी. एन्, एसं, -----

जायकर मुभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 श्रप्रैल, 1984 निर्देश सं० श्रार्ष्ठ० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4547—यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नंबर 1 4 बी, खा० नं० 91, 91/1, 93/1, 94/20. शीट नं० 10पर बना हुआ मकान नं० 1858 है, तथा जो रांझी नरींसह वार्ड, जिला अबलपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 18 श्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम् के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मत: अन उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :---39--56 GI/83 अभिनती इंद्राबाई मोहता परनी श्री प्रकाश मोहता कलकत्ता बारा मु० ग्राम श्रीमती नर्वदा देवी जोजे स्व० श्री सेठ नरसिंह दास हनुमानताल, जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

 श्री तिलोक सिंह कमलजीत सिंह वहद इंदरसिंह मस्ताना निवासी रांझी जंबलपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हिन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (त) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारी व ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसुची

प्लाट नं 14 बी, ख नं 91, 92/1, 93/1, 94/20, शीट नं 10, में से 5850 वर्ग फुट पर बना हुआ मकान नं 1858, रांझी नर्रामह वार्ड, तह जबलपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम[े] प्राधिकारी -सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-4-1984

मोहर 🛭

प्रक्ष आहें.टी.एन्.एस्.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-थ(1) के अधीन सुचना

भारत भरकार

कार्यांनय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 श्रप्रैंल 1984

निदेश मं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4548—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० भूमि सर्वे नं० 6/1, 7, 9, है, तथा जो बजट्टा खुद बडवानी में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़वानी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रित्तिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिविक रूप में किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आसिसयों कर जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्ज-जन्तरिती इवारा प्रकट तहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए वा, कियाने में सुनिधा के किए;

अतः उव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ । सर्थात कः श्री तेजा पिता श्री नरसिंग माक निवासी तेलून, तह० बड़वानी।

(भ्रन्तरक)

 श्री गणपत पिता श्री किशन जी मारू निवासी तेलून, तहु० बङ्गानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृभना की तामीन से 30 दिन की बविध, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिस-वर्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण : — इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा थी उस अध्याय में खिका गया है।

वन्स्ची

भूमि सर्वे नं० 6/1, 7, 9 ग्राम बजट्टा तहसील बड़वानी में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-4-1984

प्ररूप बार्ड . दर्र . एन् . एस . -----

नाब्कर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरुकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 ग्रप्रैल 1984

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/4549--श्रतः मुस्रे, देवप्रिय पन्त

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिधिक है

भौर जिसकी सं दुर्मजिला मकान नं 51, है, तथा जो मोहरूला मोचीपुरा, रतलाम में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में और पूर्ण रूप से वॉणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक भ्रगस्त, 1983

का पूर्वा कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की यायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा से सिष्; आर/वा
- (च) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिख्त व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. (1) श्री जगन्नाथ
 - (2) श्री रामेश्वर
 - (3) श्री मोहनलाल
 - (4) श्री बंगीलाल सभी पुत्र चांट्टमलजी, सूरजबाई पत्नी चांदमलजी निवासी मोहल्ला मोचीपुरा, रतलाम । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री नूर मोहम्मद पिता श्री अल्लाहहबेलजी, निवासी मोहल्ला मराठो, का वास, रतलाम ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्थन के सिष् कार्यश्राहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 फिल की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, का भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (श) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

गमसूची

दुमंजिला मकान म्यु० नं० 51, में स्थित हैं ।

स्

तारीख 6-4-1984 मोहर: प्ररूप बार्ड .टी . एन . एस . ======

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) श्रर्जव रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4550—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 112 है, तथा जो सुभाष नगर, सावेर रोड, उज्जैन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय उज्जैन में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रगस्त, 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बक्त: अब, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- श्री ग्ररुण दत्ताश्रय, कुलकर्णी पिता श्री दत्ताश्रय विष्णु कुलकर्णी, निवासी-ग्रागरा रोड, उज्जैन ।
- 2. श्री सुभाष नगर सहकारी गृह निर्माण समिति उज्जैन द्वारा श्रध्यक्ष शेष नारायण पिता श्री नारायणजी व्यास निवासी सुभाषनगर, सावेर रोड, उज्जैन।

(म्रन्तरिती)

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **से**45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों परु
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

प्लप्ट नंबर 112, सुभाष नगर, सावेर रोड, उच्जैन में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 6-4-1984 -मोहर : प्रकप् वार्षेट्र टीट एन् , एस 🚊 -----

भागकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वाय्क्त (निरुक्षिण)

ग्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 भ्राप्रैल 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4551— यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नम्बर 28 है तथा जो सुभाप नगर कालोनी, सांवेर ोड़, उज्जैन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रगस्त 1983

1908 (1908 का 16) के अधान, ताराख अगस्त 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके सहयमान प्रतिफल से, एसे सहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) आरे अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे ब्यने में सूबिधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा (१) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :---- मै० सुभाय नगर सहकारी गृह निर्माण समिति उज्जैन द्वारा श्रध्यक्ष गोषनारायण पिता नारायण व्यास निवासी—-सुभाष नगर कालोनी, सांवेर रोड़, उज्जैन।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती मीना कुलकर्णी
 पत्नी डा० ए० डी० कुलकर्णी,
 निवासी-श्रागर रोड़,
 उज्जैन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्त्र्यो

प्लाट नं० 28, सुभाष नगर कालोनी, नं० 2, मागर रोड़, उज्जैन में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायूक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-4-1984

भोटर :

प्रकृष वाह्रै, टी. एन्. एतं . ------

जायकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के जभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 ग्राप्रैल 1984

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/भ्रर्जन/भोपाल/4552--म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नंबर 72 है, तथा जो रिवन्द्र नगर कालोनी, उज्जैन में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रिजस्ट्रीकरण, श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वंद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वासत, अन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शामित्य में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के सिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या वन-कड़ विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीवनार्थ अन्तिद्वती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा या किया जाना जाहिए था, स्थिमाने में सविभा के लिए;

् अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिचित व्यक्तियों अर्थात् :-- श्री जिनेन्द्र कुमार पिता सौभाग्यमल जी निवासी——नीम चौक, नयापुरा, उज्जैन।

(भ्रन्तरक)

श्री सागरमल कोठारी
पिता रंगलालजी कोठारी
निवासी—चौसठ योगिनी मार्ग नीम चौक,
नया पुरा, उज्जैन।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृवाँकत सम्पृतित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनस सम्पृतित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई औ बा**धोप**3---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अवस्थितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीब से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पोक्त में हितबबृध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाइ सिक्टिय में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्षिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, वा कवत क्षितियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाविदें हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय के दिवा गया हैं।

जन्त्रजी

प्लाट क्रमांक 72, रिवन्द्र नगर कालोनी, उज्जैन में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिका**री** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-4-1984

मोहर ः

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 9 अप्रैल 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4553— म्रतः मुझी, देवप्रिय पन्त

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 133 है, तथा जो पिपल्याराव, विष्णुपुरी कालोनी, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारंतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

श्री नारायणलाल
पिता श्री भाउलालजी नवाल,
निवासी—--ग्राम वर्ला जिला खरगोन।

(मन्तरक)

 श्रीमती प्रमिला कौरी पति श्री कोमलचंदज़ी कौरी, निवासी—5 मीरापथ, इंदौर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नंबर 133, पिपल्याराव विष्णुपुरी कालोनी, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-4-1984

प्ररूप बाइ". टी, एन. एस.-----

जायकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

र्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 म्रप्रैल 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रजंन/भोपाल/4554— ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नंगर 40-बी है, तथा जो जावरा कम्पाउंड, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे वसने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः :---

श्रीमती फेमिदा बी०
पिता श्री श्रब्दुल रेहमान
(पित कमर सईद खान),
निवासी—78, रानीपुरा मेन रोड़,
इंदौर।

(भ्रन्तरक)

सर्वश्री 1. सुधीन सोनी,
 मंजीव सोनी,
 पितप लीलप्धर सोनी,
 12/1, निहालपुरा,
 इदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप ---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी छ छे में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्यी

प्लप्ट नं० 40-बी, जावरा कम्पाउंड इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम श्रधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्र**प्यु**क्त श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-4-1984

मोहर ः

प्रक्ष आहें. टी. एन्. एस ल्यान्यस्ट

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक कायकर बायकत (निर्दाक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4555---ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बीधक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 55, 62, 64/1 है, तथा जो ग्राम खेडा राठौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाश्वद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जावद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1983

- को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास ३करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दन के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उसने अधने में सृविधा के लिए; और/या
 - (स) ऐसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर एधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, खिपाने में सुविधा की तिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीग, निम्निलिसिन व्यक्तियों, अधीत :——
40—56GI/84

 श्री ग्रोंकार निता खेंमाजी, गुजर निवासी—खेड़ा, राठौर।

(ग्रन्तरक)

2. मैं० दि ग्वालियर रेयान मिल्क मैन्युफैक्चरिंग त्रीविंग कम्पनी लिमिटेंड, बिरलाग्राम नागदा, द्वारा श्री मी० पी० जाजू, ।

(ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्त</u> सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पह सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अयिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों अहि पदों का, जो उन्हा जिथिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं., मही जर्थ होगा को उस अभ्याय में दिया गया है!

मन्स्परि

भूमि सर्वे नं० 5.5, 6.2, 6.4/1, ग्राम खेड़ा राठौर में स्थित हैं। जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिनी द्वारा मस्यापित कार्म नं० 3.7 जी में निहित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर आयुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-4-1984

मोहर 🖰

प्रस्प बाइं टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्रुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक कायुकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 श्रप्रैल 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/भ्रजन/भोपाल/4556— भ्रत: मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह मिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रहः से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि संख्या नं० 40/1, 40/2, 37/3, 37/4, 64/10. 49/3, 37/5, है, तथा जो ग्राम खेड़ा राठौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिस्जिट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, जावद में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित को बास्तिषक रूप से कृथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री शकर पिता किशनजी माली निवासी—प्राम खेडा राठौर।

(स्रन्तरक)

 मै० दि ग्वालियर रेयान सिल्क मैस्यूफैक्चरिंग वीविंग कंपनी लिमिटेड, बिरलाग्राम नागदा, द्वारा प्रेसीडेंट पी० सी० जाजू।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त संगत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

दक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ८---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राज्णपत्र में प्रकाशन की तारीख से 1 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के इ पास सिखित में किए जा सकेंगें।

अनुसूची

भूमि सं० नं० 40/1, 40/2, 37/3, 37/4, 64/10, 48/3, 37/5, ग्राम खेड़ा राठौर तह० जाबद जिला मंदसौर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण श्रन्तरिती की श्रोर से सत्यापित फार्म नंगर 37 जी में निहित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम ग्रधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-4-1984

प्रकृष कार्<u>ष्ट्री. एवं. एवं .</u> ------

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोंपाल

भोपाल, दिनांक 9 प्रप्रैल 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4557--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण **है कि स्था**वर संपरित ज़िसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से मधिक हैं।

ग्रौर जिसकी सं० भूमि संख्या नं० 171 है, तथा जो ग्राम खेड़ा राठौर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जावद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेद्रहप्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बरिकस, निम्नसिचित उद्योदय से उक्त मन्तरण सिधित में शस्त्रविक रूप से कवित नहीं किया पंता है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर∕या
- (का) एरेसी किसी भाग या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 '(1922 का 11) या उक्त व्यक्षिनियम, वा भन-**कर व्यक्तियम, 1957 (1957 का 27) के** प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः वस, उक्त सीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫—

1. श्री हमीव खान उर्फ प्रब्युल हमीद खान पिता रहीम खान, मुसलमान निवासी-जावद।

(भ्रन्तरक)

2. मै० दि ग्वालियर रेयान सिल्क मैन्युफैक्चरिंग वीविंग कंपनी लिमिटेड, बिरला ग्राम नागदा द्वारा प्रेसीक्टेंट श्री सी० पी० जाजू।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यागः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के बास निश्चित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भवाडी।

अनुसूची

भूमि संख्या नं० 171 का भाग जो कि ग्राम राठौर तह० जावद में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है। जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम भ्रधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायक्त) ग्रर्जन रेंज भोपाल

नारीख: 9-4-1984

मोहर 🕃

प्रंरूप् आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 स्रप्रैल 1984

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/ध्रर्जन/भोपाल/4558----श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रः. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि संख्या नं० 58, 59, 112, 115 है, तथा जो ग्राम खेड़ा राठौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी के कार्यालय, जावद में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख श्रगस्त 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्योग से अकर बंतरण निम्नलिखत उद्योग से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधूने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अधीतः--- श्री राजाराम
पिता जैतराम गुजर,
ग्राम खेड़ा, राठौर।

(भ्रन्तरक)

2. मैं० दि ग्वालियर रेयान सिल्कं मैंन्यूफैक्चरिंग बीविंग कंपनी लिमिटेड बिरला ग्राम नागदा द्वारा श्री सी० पी० जाजू पिता रामनारायणजी जाजू वाइस प्रेसीडेंट दि ग्वालियर रेयान सिल्क मैंन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड बिरला ग्राम नागदा वर्तमान निवासी—अंगला नं० 28, नीमच।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की वनिध, जो भी अविध नाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त न्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वन्त्यी

भूमि सं० 58, 59, 112, 115 जो कि ग्राम खेड़ा राठौर तह० जाबद जिला मंदसौर में स्थित है। यह वह स्थाबर संपत्ति हैं जिसका विवरण श्रन्तरिती की ग्रोर में सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित्त है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम श्रधिकारी (निरीक्षी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-4-1984

प्ररूप कार्द्र दी. एन्. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के नधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यास्य, सहायक अत्यकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भाषाल, दिनांक 7 अप्रैल 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4559---श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त निधिनियम कहा गया है) की भारा 269- च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 580/1-2-3 का भाग है, तथा जो लक्ष्मीपुर, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख श्रगस्त 1983

को प्योंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

शतः नव, उन्त अधितियम की धारा 269-ग के जन्तरक में, में उन्त अधितयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- श्रीमती सरस्वती बाई
 पत्नी स्व० काशीप्रसाद केवट,
 कालू,
 कोतम उर्फ पिट्टू
 दोनों पुत्र श्री काशी प्रासादजी केवट,
 निवासी—-वौधी कटरा,
 ग्रधरतला जबलपुर
 दारा मु० ग्राम श्री बाबूलाल पटेल।
 (ग्रन्तरक)
- श्री शिवचरणलाल पिता श्रयोध्या प्रसाद गुप्ता, निवासी—भरतीपुर, जबलपुर।

(ग्रन्तरिती)

का बहु सूचना जारी करके पुर्वावितः संपरित के वर्षम् के मिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिनित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त श्रीभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गुरा हो।

अभसची

मकान नं 0.580/1-2-3 का भाग, लक्ष्मीपुर, जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम श्रिषकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

ना**रीख**: 7-4-1984

प्ररूप. बार्ड टी. एन. एस. ----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर वायकः (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 श्रप्रैल 1984

निर्देश सं० म्नाई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4560---भ्रतः मझे, देवप्रिय पन्त.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 580/1-2-3 का भाग, शीट नं० 51 है, तथा जो लक्ष्मीपुर, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचीं में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में ग्विश के लिए;

अतः अधः, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीत्, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् क्र-

- श्रीमती सरस्वतीवाई
 पत्नी स्व० काशी प्रसादजी केवट,
 कल्लू,
 जीतम उर्फ पित्तू
 दोनों के पिता स्व० श्री काशीप्रसाद केवट
 साहिनान रही चौधो कटरा श्राधार ताल,
 जवलपुर।
 दारा मु० श्राम श्री बाबूलाल पटेल।
 (श्रन्तरक)
- 2 श्री जगदेव प्रसाद श्राह्मज श्रोंकार प्रसाद श्रीवास्तव श्राह्मट टाउन, जबलपुर; शंकरलाल पाण्डेय पिता श्रक्षयनाथ पाण्डेय, गलगला जबलपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब सं ₹ 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य अपित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्थाध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ann of

मकान न० 580/1-2-3 का भाग प्लाट न० 51, शीट नं० 71, लक्ष्मीपुर जबलपुर में स्थित है।

देवप्रियः पन्त सक्षम श्रधिकारी (निरीक्षी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-4-1984

मोहुदु 🗯

प्ररूप आहे.टी.एन.एस. ------

श्रायकर श्र**विनयम**। 1961 (1961 श्रा 43) की छारा 269-थ(1) के **ध्रमीन सुच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 श्चर्पैल 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/4561----श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त.

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान म्यू० नं० 60/1 का हिस्सा, ख. नं० 519/1 ख है, तथा जो गना बार्ड, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्रे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिफल को पढ़ प्रतिफल में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त उन्तरण लिखिन में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की शायत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाव या किसी भन या जन्म जास्तियों करें, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया जवा वा वा किया जाना वाहिए वा, जिया चित्रका के जिस्सी

क्राष्ट्र- अव्ह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती स० चन्द्राची बहु
पत्नी स० रामचन्द्र जैन,
तह० धनसौर तह० पाटन,
जिला जबलपुर।

(अन्तरक)

गट्टूलाल पिता
स्व० प्रेमलाल पटेल,
निवासी---गढ़ा,
जवलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय की 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक तें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोड्स्प्राक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

बमसर्ची

मकान म्यू॰ नं॰ 60/1 का हिस्सा, ख॰ नं॰ 519/1ख, मौजा गढ़ा जबलपुर में स्थित है। जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा संस्थापित फार्म नंवर 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त) अर्जन रेंज, भोषाल

नारीख: 7-4-1984

प्रकार नाह^क, टी. एन. एस.. ----

भायकर भाधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कामकर सामृक्त (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4562---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करूने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान म्यू० नं० 60/1 ए है, तथा जो मौजा गढ़ा, जबलपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाद्धद्ध अ न सूची में श्रौर पूर्ण रूप सेविणा है), रिजिं ्रोक्ति अधिकारों के कार्यालय, जबलपुर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्तविक रूप में किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) जिसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, पा अन-कर अधिनियम, पा अन-कर अधिनियम, पा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रश्ः नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने मो सुविधा के निए;

शतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिमें, स्थित् ः---

 श्रीमेती स्० सिगन चन्दरानी बहु जोजे स० सिगन रामचन्द्र जैन निवासी——धनुसार नह० पाटन वर्तमान नेपियर टाउन, जक्षनपुर।

(अन्तरक)

 श्रीमती तिलक वाई जोजे श्री गट्टूलाल पटेल, निवासी—गढ़ा जिला जबलपुर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के संबंध में को**द्दें भी आक्षेप**:---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म स्थावत इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान म्यू० नं० 60/1 अ का हिस्सा, मौजा गढ़ा, जबलपुर में स्थिन है। जिसका संपूर्ण विवरण अन्सरिती द्वारा सस्यापित फार्म नंबर 7 जी में निहिस है।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोषाय

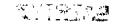
दिनांक : 7-4-1984

मोहर ∄

अक्य बाह् .टी. एन . एस . ------

नायक ए अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मुचीन सुचना

भारत स्रकार



कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/4563---अतः मुझे, देवप्रिय पन्स,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुर्मजिला मकान, प्लाट नं० 24/5 पर, बार्ड नं० 92 है, तथा जो सदर वाजार, जगदलपुर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगदलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्स संपर्तिस के उचित बाजार मृस्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से अधित महीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दों के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ४ वने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, अकत अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण माँ, माँ, अकत अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियाँ, अधीत् ः— 41—56GI/84 भी हीरालाल पिता बसीलाल बफना, निवासी—-जगवलपुर।

(अन्तरक)

 श्री मौधोलाल पिता बंसीलाल बफना, निवासी—जगदलपुर।

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी कारके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितता में से किसी स्थित बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रयों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धुमुंजिला मकाम जो कि प्लाट मं० 24/5 पर बन रहा है, शीट नं० 92, सदर बाजार जगदलपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी (निरोक्षी सहायक आयकर आयुक्त) अर्जन रेंज, भोपाल

सारी**क**: 7-4-1984

महिर:

. .

1 .

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.------

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4564---अतः मुझे, त्रेयप्रिय पन्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्रकान नं 1026, 1027, 1069 ब्लाक नं 123 है, तथा जो धमापुर चौक, ग्रोमती बार्ड नं 40. जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुभूची में ग्रीप पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में बाम्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मी मिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण हों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियाँ, अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियाँ, अधीन,

- 1. शी ताराचंध,
 - 2. मगनचंद,
 - 3. ग्यान**चंद**

स्य० फूल**चंद मोनक**र, निवासी----475, भरतीपुर, जबलपूर।

(अन्तरक)

अीमती चन्द्रकांता देवी जोजे दुर्गादास गुप्ता , निवासी—म० नं० 1069, धमापुर चौक, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होते हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्दर स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीये।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्वीतयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1026, 1027 एवं 1069 ब्लाक नं० 123, प्लाट नं० 49 का भाग, धमापुर ग्रोमती बार्ड नं० 40, जबलपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्स सक्षम अधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-4-1984

मोहर 😉

प्ररूप आहे. टी. एनं. एसं.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल 1984 निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4.565---अत: मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान, प्लाट नं० 44 पर है, तथा जो लक्ष्मण नगर, देवास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रही द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्स अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री मनोज
 पिक्षा ताराचंद मनवानी,
 निवासी---7, निक्षया रोड़,
 इंदौर।

(अन्तरक)

 श्रीमती वसलम्मा एन्थोनी पत्नी एन्थोनी जोसफ, निवासी---पचशील नगर, देवास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया है।

मनुसूची

प्लाट न० 44 जिस पर मकान बन रहा है। लक्ष्मण नगर, देवास में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोषाल

तारीख: 7-4-1984

मोहर ः

प्रकल् नार्चा, टी., एन , एस ,- - - - ----

नायकपु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल 1984 निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपास/4566---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इट के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि ख० न० 700, 699 है, क्या जो ग्राम मेंडकी चक तह० देवास में स्थित है (ग्रीप इससे उपावज्ञ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में. प्रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बितिफल, निम्निलिखत उद्वेद्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथितियम के जभीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; और/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध अन्तरिती चुवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुधिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अम्सरण भ, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- श्री हिन्दू सिंह पिता पश्चालालजी वैद्य, निवासी—सरदार पटेल मार्ग, देशास।

(अन्तरक)

2. मै० अनुकूल नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, देवास म० प्र० हारा अध्यक्ष श्री दिनेश निगम पिता हरीश निगम, 1388, बैंक नोट प्रेस, देवास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सकी

भूमि ख॰ नं॰ 699, 700 ग्राम मेडकी चक जिला देवास में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर अयुक्त अर्जन रेंज, भोषाल

नारीख: 7-4-1954

माहर :

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायंक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल 1984 🛸

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4567--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा क269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकी सं० प्लाट नं० 12 है, तथा जो जानकी नगर कालोनी, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रैतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में शस्तिबक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाव की बावस्, अपर वर्षितिवज्ञ के वर्षीत कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने वा अक्षत्रे वचने में बृविधा खे के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति इवारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया बाना वाहिए था, कियाने में मृतिया के लिए;

नतः नगः, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीतः, निम्नन्तिचित व्यक्तिराम, कर्णतः :---- भी मुंकुट बिहारी लाल पिता श्री बुज किशोर भागंब निवासी—भागंब एण्ड कम्पनी साउथ सुकोगंज, इंदौर।

(अन्तरक)

श्री जेठमल
पिता विजयराज मोदी

 सौ० मोगीबाई
 पत्नी जेठमल
 निवासी——128, स्नेह नगर, इंदौर।

(अन्सरिती)

स्त्रे वह सूचना चारी करके पृशांक्त सम्मरित के सर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षप 🚎

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्समंभी अविकत्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त जिभिनवम् के जध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं नर्भ होगा को उस नध्याय में दिया गया है।

वगतची

प्लाट म० 12, जानकी नगर, इंडीप में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर, आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल

नार्षाख: 7-4-1984

मोहरः

प्ररूप बार्ड दी एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 26अन (1) के संधीन सुनमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांकः 7 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4568— अतः मृष्ठे, देवप्रिय पन्त,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि ख० न० 365 है, तथा जो ग्राम लाहौर पिपल्या तह० देवास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ४ एयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे ४ एयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-क्षित्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने वा उसरे वचने में सुविधा के किए, और/मा
- (ख) ऐसी किसी भाष पा किसी धन या भ्रम्य भारितयों को, जिन्हें भारतीर भाष पर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधितियम, या धनकर ग्रिशित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्य प्रस्तिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के बधीत, निम्नितिस्त व्यक्तियों, अर्थात्: श्री चुलीसाल

 पिता मुकुन्दराम,
 गिरधारी
 पिता मुकुन्दराम,
 नानूराम
 पिता गौिबन्दराम
 सभी निवासी—लाहोर पिपल्या
 जिला देवात।
 अन्तरक)

मंसर्स प्योर इन्डस्ट्रियल
 कोक एवं केमिकल्स
 (भारत) लिमिटेड,
 10, मिडिलटोन रोड़,
 कलकला-71।

किला-71। (अन्तरिती) जारी करके प्रवेकित सम्मण्डिके सर्वात के सिंग

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िलए कायवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तास्त्रेष्ट्र से 45 दिन की घविष्ट या तत्सम्बन्धि स्वित्रयों पर सूचना की तामोन से 30 दिन का अविष्ठ, जो भी घविष्ट बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति दारा;
 - (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिसबद्ध र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नप्स्यो

भूमि ख॰ नं॰ 365, लाहबर पिपल्या तह्न० व जिला देवास में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोषाल

मारीख: 7-4-1984

मोहर:

प्रारूपं भार्डं.टी.एन.एस.-----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 मा 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सृष्टना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायकत (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, भोषान

ं भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल 1984

निद्धा सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/4569—— अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

धौर जिसकी सं० मकान नं० 125 का भाग, वार्ड नं० 13 है, तथा जो चौक बाजार, सतना में स्थित है (भीर इससे उपाबक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सतना में, रजिस्ट्रीकर्रा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1983

पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितेकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के सिए; बार्ट/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्न्सिसिस स्यक्तियों, वर्धार '-- 1 श्री भूपेन्द्र कुमार जैन, पिता ऋपभदास जैन, निवासी—महाबीर मार्ग, समना।

(अनारक)

2 श्री अशोक कुमार जैन पिता ऋषभदास जैन निवासी—-महावीर मार्ग, सतना।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 फिन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकीं।

स्वव्यक्तिरण: -- इसमें प्रमुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसची

मकान नं ० 1.25 का भाग, वार्ड न ० 13, चीक बाजार सतना में स्थित हैं।

> देवप्रिय पस्त सक्षम अधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त ंशर्जन रेन्ज, भोपाल

सारी**ख**ः 7-4-1984

मोहर।

प्रकृत वाह . सी , इन . एस . -----

भावभार स्थितियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल भोपाल, धिनांक 7 अर्प्रल 1984 निद्रण सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/4570---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 125 का भाग, वार्ड न० 13 है, तथा जो चौक बाजार, सतना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वृणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्ष्य, सतना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापविकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफाल, निम्नितिचित ज्ह्रविय से ज़क्त जन्तरण लिचित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरक से हुव्द किसी जाम की गायतः, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे वचने में स्विभा के सिए; बॉर/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में म्विधा के लिए;

जतः, अब, उक्त जिथिनियम, कौ भारा 269-ग कै अनुसरक कें, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के जभीन, निम्निचित्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री भूपेन्द्र कुमार जैन पति। ऋषभदांस जैन निवासी—महाबीर मार्ग, सतना।

(अलरक)

 श्री सुरेन्द्र कुमार जैन पिता श्री ऋषभ दास जैन निवासी—–महाबीर मार्ग सतना।

(अन्तरिती)

को यह ब्यमा धारी करके प्रॉक्त सम्मत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों दर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विष्ट स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रक्राशन की तारीश से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यो

मकास सं० 125 का भाग, बार्ड सं० 13, चौक बाजार सतना में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी निरीक्षी सहायक आयुक्त अर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 7-4-1984

मोहर 🛭

प्रकष् बार्ड्ः टी एन् प्रवः -----

नायकर न्भिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भाउत वरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 अप्रैल, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 4571 — अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें देसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि व मकान है, तथा जो वार्ड नम्बर 28, मवनमहल जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के तिकत बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिता की गई है और मुक्ते यह विश्वस्स करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बम्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित अने बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए, बौड/या
- (क) एंसी किसी बाय ग किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त जिभिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ६—-42—46GI/84 श्रीमती काशी बाई जोजे कंछेवी लाल सेन निवासी-266, श्री नाथ की तलैया जबलपुर।

(अन्सरक)

2. श्री दया शंकर पिता श्री कंछेदी लाल सेन निवासी-837, श्री नाथ की तलैया, जबलपुर।

(अन्तरि ी)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्परित के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के बूर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बार्श्वप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब वें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के गस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पादिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्रुप्

भूमि एण्ड बिल्डिंग वार्ड नम्बर 22, मदन महल जबलपुर में स्थित हैं।

> दिव प्रिय पन्त सक्तम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-4-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आइर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अप्रैल,, 1984

निर्देश आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4572-

श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या भूमि स० नं० 195/2, 212/1, 227/1, 397/1, 206/1 है, तथा जो मौजा सहिवन तहसील गाडर-वारा में स्थित है (श्रोर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर के रूप में वर्णित), रिजम्द्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, गाडरवारा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्स है और मूझे यह विषयास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (त) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती हल्कीबाई
पत्ती श्री भोपाल सिंह किशर
निवासी—सहावन
तह० गाडरवारा।

(अन्तरक)

(1) श्री हेमन्त कुमार
 (2) विषव नाथ
 दोनों नाबालिग वल्द व
 वली वखुद रमेण कुमार
 व रघुनाथ सिंह किशर
 निवासी-सहावन
 सह० गाडरवारा।

(अन्तरिती)

की यह सूचना आरी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ह 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख \circ नं \circ 195/2, 212/1, 227/1, 397/1, 206/1, मौजा सहावन, तहसील गांडरवारा में स्थित है, जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित्त हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 9-4-1984 भोहर : प्ररूप आहर्य, टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, प्भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अप्रैल, 19984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/ भोपाल/4573→-अत: मुझे, देवप्रिय पन्स,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी संख्या मकान तीन मंजिला है, तथा जो उदासी आश्रम गुना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरती अधिकारी के कार्यालय, गुना में, रजिस् करण अअधि कृक्वीनियम, 1908 (19 का 16) के अधीन, 12 अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइं िकसी आय की बस्तत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर्ट्रिया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित स्थितियों, अर्थात् :--- श्री कैलाग चन्च, राम गोपाल, राधेश्याम, आत्मज मोहनलाल निवासी-गुना।

(अन्तरक)

 श्री प्रकाश चन्द जैन आत्मज श्री गट्टू लाल जैन लिनवासी-गुना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इसं स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध . किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के भाम जिस्ति में किए जा सके गं।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गक्षा है।

मन्स्ची

मकान तीन मंजिला, उदासी आश्रम गुना में स्थित है।

देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी' निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-4-1984

मोहर 🛭

प्रकथ बाहै. टी. एत. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-व (1) के सभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निर्देक्षण) अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1984

निर्देश सं अवाई० ए० सी ०/अर्जन/भोपाल/4574:---अतः मुर्से, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात (उक्त अधिनियम) कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी प्लाट सं० 10, 11 पर निर्मित भवन है, तथा जो उषागंज कालोनी, मनासा में स्थित है (ग्रीर इससे उप-बद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय मंदसौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ज) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के सिए:

बतः अब्, अक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिवित्त व्यक्तियों, अभीत् हः— श्री बापूलाल पिता फूलचन्द, निवासी—नीमच

(अन्सरक)

श्री अरिवन्द कुमार,
 रमेश कुमार,
 उ. चन्द्र प्रकाश
 पिसरान पिता बापू लाल जी मानावाल
 निवौंसी-इन्दौर।

(अन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति को बर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 10 एवम 11 पर निर्मित भवन जो कि उषागंज कालोनी, मनासा में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा संयापित फार्म नम्बर 374 जी में निहित है।

देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-4-1984

मोहर 🗈

त्रकत् भाष्ट्री, की., एवं , एवं . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारतु सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, विनाक 10 श्रप्रैल 1984 निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रजंन/भोपाल/ 4575— अतः मुक्षे, वैवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० भूमि नं० 660, 661, 662, 664 है, तथा जो मुलतानपुरा में स्थित है (श्रोर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मंदसौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की बादत उक्त बीधनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट/बा
- (वा) एसी किसी आव या किसी धन या जन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपनी में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मै० नैतिक विचार समिति, मंदसौर द्वारा राजेन्द्र कुमार पिता रामचन्द्रजी पालीवाल निवासी—मंदसौर।

(म्रन्तरक)

2. मैं० शिक्षा विभागीय सेवक गृह निर्माण सह० समिति भर्यादित, मंदसौर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्षन् के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की बामील से 30 दिन की अविध, वांधी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तार्रींच वें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बबृध् किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीक्रणः — इसमें प्रयुक्त क्षेत्र्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के क्ष्माय 20-क में परिभावित वही सथ होगा जो उस मध्याय में दिया व्याह्म ॥

वन्त्यो

> देवप्रिय पन्त सक्षम घ्रधिकारी (निरीक्षी सहायक **घायकर घायुक्त) घर्जन रेंज, भो**पाल

तारीख: 10-4-1984

मोहर ः

प्रकृष बाद . टी. एन., एस., ----

भागकर मिपिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-म (1) के म्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 श्रप्रैल 1984 निर्देश स० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/4576— श्रत: मुझे, देवप्रिय पन्त,

श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

श्रीर जिसकी स० भूमि न० 221/2 है, तथा जो मौजा मृत्युखेडी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मंदसौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोध्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से कृतिय गृहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाम की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरण के वाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- मै० नैतिक विचार समिति मंदसौर द्वारा सुरेन्द्र कुमार पिता राजमलजी लोढ़ा निवासी—मंदसौर।

(ग्रन्सरक)

 मै० शिक्षा विभागीय सेवक गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित मंबसौर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम् के सिन्द कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धींकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

भूमि नं० 221/2, खाता नं० 102, मौजा मुन्यु-खेड़ी में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंगर 37जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम श्रधिकारी (निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-4-1984

मोहर ःः

1061 9

प्रकृष् आहें. टी. एन . एस ._-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नामकार नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 मार्च, 1984

सं० माई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4542:—म्बतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या सम्पत्ति 3/1 का भाग,ब्लाक न० 18, है, तथा जो बिरिन बाजार, सिविल लाईन्स वार्ड, जबलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, सितम्बर, 1983।

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

ं क्तः ज्व, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-न को वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च को उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- 1. मार्डन सहकारी गृह निर्माण समिति मर्यादित द्वारा रोप एजेन्सी, एम० जी० रोड, रायपुर। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती सुधा बाई पत्नी दिनेश पारिख रायपुर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना, नारी करके पूर्नोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के क्ष्रिंग के संबंध में कोई भी नाक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष् फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास् सिखित में किये जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित एँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

मन्त्र प्री

सम्पत्ति 3/1 का भाग, ब्लाक नम्बर 18, सिविल लाईन्स वार्ड, जबलपुर में स्थित है।

> देव प्रिय पन्त सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षी) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 30-3-1984

मीहर :

प्रक्ष बाह्यं टी युन्य एस् व्यान्यान्य

भायकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिक) ग्रर्जन क्षेत्र भोपाल,

भोपाल, दिनांक 6 भन्नेल, 1984

सं० माई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4546:—म्रतः मुझे; देवप्रिय पन्त.

शायकर ल्भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

द्यौर जिसकी संख्या भूमि है, तथा जो हीरापुर प० ह० न० 103 मण्डल, रायपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनु सूची में भौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, सितम्बर, 1983। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्ल बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त कत्ररण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ब्रुच्य दे हुई किसी शाव की वावत , उनद विधित्यम के व्यक्ति कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बाँड/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अस्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् :---

 म० प्र० एग्रो का प्राइवेट डायरेक्टर राजेन्द्रा कुमर बिहारीलाल जैन रायपुर।

(ग्रन्तरक)

2. महाबीर ट्रांसपोर्ट कम्पनी राजनन्दगांव श्रीमती मुशीला जैन पत्नी मनोहर लाल जैन-निवासी राजनन्दगांव। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, संस्पत्ति के अर्जन के िक्ए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के वर्णन संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना को राजपुत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20, के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

मगुस्ची

भूमि हीरापुर प० ह० नं० 103, मण्डल, रायपुर में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण धन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्रधिकारी निरीक्षी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-4-1983

मोहर 🛭

प्रक्ष अवर् . टी. एन् . एस . .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक ६ अप्रैल. 1984

सठ० भाई० ए० सी०/फ्रर्जन/भोपाल/4455:---श्रत मुझे देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या म्यु पा० नम्बर 15, नया नं० 17 र, तथा जो शंकर बाग कालोनी, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इस से उपबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रघीन, 1 सितम्बर, 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (अ) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---43--- 56 GI|84 श्री मुरलीधर पिता मुन्नालाल जी सोमानी निवासी 100, जूना पीठा, इन्दौर।

(म्रन्तरक)

 श्री भगतसिंह पिता बाबूसिंह जी निवासी संकर बाग कालोनी, 17 ,इन्दौर।

(भन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पव्हीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित दूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।।

नग्रुची

्रमकान नम्बर 15 जूना व नया नम्बर 17, शंकर बाग कालोनी, इवौर में स्थित हैं। (माक का किराया एक भाग)

> देव प्रिय पन्त, सक्षम ऋधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-4-1983

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायसर अधितियम 1961 (196 का 43)की ारा 269-ण (1) र श्रीत प्र

भारत सरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजाँन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 म्रप्रैल, 1984

सं व ब्राईव एव सीव/ग्रर्जन/भोपाल/4454:-- ग्रत: मुझे;

देवप्रिय पन्त, ग्रायक्ष अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका

विश्वास मरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिन्ति वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 15 पर बना हुआ मकान जूना नं० 15 नया नं० 17 है, तथा जो शंकर बाग कालोनी इन्दौर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन, 12 जनवरी, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
पृथ्यमान प्रतिकत के लिए उन्तरित को गई है भीर मुखे वह
विश्वास करने का नारण है कि प्रधापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य एक रण्यमान प्रतिकत ने, ऐसे
प्रथमान प्रतिकत का पहल गंतिकत ने गित्रक है भीर
प्रस्तरक (अन्तरकों) प्रोप प्रतास (अन्तरितियों) के बीज
ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाण मा प्रतिकत, निम्निखित जीवन कर से कथा

नहीं किया गया में १००

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी आय या किसी धन या मन्य पास्तियों को, जिन्हें मारतीय आय-कर प्रधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधित्यम, या धन-कर अधित्यम, 1957 (1957 का 27) के ध्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अन्त चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः। अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उपर प्रदेशीय के स्थान अभन को उपर र (११) के अधीन, निम्नलिश्चित स्थिनतयों, अर्थात् ह श्री मुरलीधर सोमानी पिता श्री मुझालाल सोमानी निवासी-100, जूना पीठा, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री परमजीत सिंह मदरा पिता भागसिंह मुंदरा निवासी-17, शंकर बाग कालोनी, इन्दौर। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपंति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 48 किन की भवधि या तस्त्रवंधी व्यक्तियों पर सूचका की तामील से 30 दिन की भवधि; जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारी सा से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस किसी: भ्रम्य स्थावित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किये जा मर्केंगे।

स्पष्टोकरण 1---इसमे प्रयुक्त गर्को ग्रीर पदी का, जो उक्त प्रिक्ष-'नयम स अध्याय १०-४ में परिभाषित है, वही प्रयुक्ताता, जी उर प्रकार में दिशा गया है।

अनुसुची

प्लाट नम्बर 15 पर बना हुन्ना मकना, जिसका पुराना नम्बर 16, नया नम्बर 17 है। शंकर बाग कालोनी, इन्दौर में स्थित है। (मकान का एक भाग)।

> देव प्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जैन रेंज, भोपास

तारीख: 6-4-108**3**

ं मोहर 🖫

प्रकृप बाइं.टी.एन.एव.,------

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पादा 269-व (1) के ब्यूपीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निर्देश सं० अ \$0-3/37\$ ६0/2704 अतः मुझे, अ० लहीरी,

बायकर विभिन्नयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वृष्णात् 'जिसे विभिन्नयम' कहा गया ह") की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मृन्य 25,000/- रु. व अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, पहला माला, 176 ज्वाहर नगर गोरेगांव; बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 अगस्त 1983

करो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकत्त् के लिए क्स्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अस्तिरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत, निक्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखितों में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जनारण सं हुई किसी आय की नायत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त, अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवोधनार्थ अन्ति एती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के सिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री ए० के० पटेल

(अन्सरक)

(2) श्री एस० जी० मालपानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इंडे 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी स्वित्यमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को धी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स काकत्यों में किसी स्वीक्त ब्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिसित में किए जा सकों ने ।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उसते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

पत्नैट नं० 103, पहला माला जवाहर नगर गोरेगांव बंबई अनुसूची जैसा कि कंसं० अ० ई० III/37 ई० ई०/1206/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-8-83 को रजिस्टई किया गया है।

> अं० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 12-4-1984

मोहर् 🛭

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 30th April 1984

SUBJECT: SUMMER VACATION 1984.

F. No. 44|84|9041(Genl.).—In pursuance of Rule 4 of Order II of the Supreme Court Rules, 1966 (as amende, the Hon'ble Chief Justice of India has directred that the Supreme Court will be closed for the Annual Summer Vacation from Monday, May 7, 1984 to Sunday, July 15, 1984 (both days inclusive) and will reopen on Monday, July 16, 1984.

Under Rule 6 of Order II of the Supreme Court Rules, 1966 (as amended) the Hon'ble Chief Justice of India has nominated Hon'ble Mr. Justice V. Balakrishna Eradi and Hon'ble Mr. Justice R. B. Misra to be Vacation Judges to hear matters of an urgent nature, which under the above Rules may be heard by a Judge sitting singly, during the period shown against their names below:

Hon'ble Mr. Justice V. Balakrishna Eradi from May 7 to June 10, 1984 (both days inclusive)

Hon'ble Mr. Justice R. B. Misga from June 11 to July 15, 1984 (both days inclusive)

Hon'ble Mr. Justice V. Balakrishna Eradi will sit in the Court on Mondays, May 21 and June 4, 1984 and Hon'ble Mr. Justice R. B. Misra will sit in the Court on Mondays, June 18 and July 2, 1984. Sitting will, however, continue on the next succeeding day if matters fixed for any day are not finished on that day.

During Summer Vacation, the offices of the Court will remain open daily from 10.00 a.m. to 4.30 p.m. except on Saturdays, holidays and Sundays. The Offices of the Court will, however, remain open on Saturday, July 14, 1984 from 10.30 a.m. to 1.30 p.m.

R. SUBBA RAO Registrar

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 31st March 1984

No. A.35014|2|83-Admn.II(ii).—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri S. P. Kaushik, Assistant of the CSS cadre in the office of Union Public Service Commission as Reception Officer on transfer on deputation in the Commission's office for a period of 3 years w.c.f. 2-4-1984 (FN) or until further orders whichever is earlier.

2. The pay of Shri S. P. Kaushik will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F.I(11)-E.III(B)|75 dated 7-11-1975 as amended from time to time.

SUHAS BANERJEE Under Secy. (Admn.) for Secy. Union Public Service Commission

New Delhi-110 011, the 15th March 1984

No. A.32018|1|83-Admn.II.—In continuation of this office notification of even number dated the 25th Nov., 1983, the Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri J. K. Khanna, a permanent Senior Programmer in the office of Union Public Service Commission to officiate as Manager (EDP) (Group 'A' Rs. 1500—60—1800) in the office of Union Public Service Commission on \$\alpha\$l-hec basis for a further period of three months w.c.f. 18-2-1984 to 17-5-84 or until further orders whichever is earlier. This present term of appointment is subject to the approval of the Union Public Service Commission.

2. The appointment of Shri Khanna as Manager (EDP) is purely on ad-hoc basis and will not confer upon him any

title for regular appointment or seniority to the post of Manager (EDP).

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110 011, the 29th March 1984

No. A.32014|1|84-Admn.lII.—The President is pleased to appoint the following Section Officers of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the office of U.P.S.C. for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

S. No., Name, Period

- 1. Shri Sudesh Kumar-1-3-84 to 29-3-84
- 2. Shri N. P. S. Gujral-1-3-84 to 29-3-84

The above officers shall draw Special Pay @ Rs. 75|- p.m. in terms of D.O.P. & A.R. O.M. No. 12|1|74-CS.I dt. 11th Dec. 1975.

The 31st March 1984

No. A.35014|2|83-Admn.II(i).—Consequent upon the expiry on 31-3-1984 (AN) of his 4th year of deputation to the ex-cadre post of Reception Officer in the office of Union Public Service Commission, Shri O. P. Goyal, Section officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission is hereby reverted to his cadre post w.e.f. 31-3-1984 (AN).

SUHAS BANERJEE Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 12th April 1984

No. A.19014/7/9-Admn.I.—Consequent upon the expiry of his tenure Shri V. Ramabhadram, an officer of Central Engineering Service on deputation to Union Public Service Commission as Deputy Secretary has been relieved of his duties in the office of the Union Public Service Commission with effect from 31-3-84 (AN). Shri Ramabhadram has been granted two months Earned Leave with effect from 1-4-84 to 31-5-84. On the expiry of the leave, Shri Ramabhadram will report to his parent Department, viz., Central Public Works Department, New Delhi.

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE

FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 23rd April 1984

No. A-11|1|84.—Shri S. S. Biyabani, Inspector of Central Excise, Hyderabad Collectorate is hereby appointed as Enforcement Officer on deputation basis in the Hyderabad Field Unit of this Directorate with effect from 31-12-83 (afternoon).

No. A-11|2|84.—Shri K. Yugandhar, Inspector of Central Excise, Hyderabad Collectorate is hereby appointed as Enforcement Officer on deputation basis in the Hyderabad Field Unit of this Directorate with effect from 31-12-83 (afternoon).

B. J. K. TAMPI Dy. Director (Admn.)

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 12th April 1984

No. 2|15|83-Admn.—On completion of his tenure, the services of Shri K. R. Chug, Assistant Engineer (Civil) in the Directorate General of Works, C.P.W.D. and presently on deputation as Assistant Technical Examiner (Civil) in the Commission are placed at the disposal of the Directorate General of Works, C.P.W.D. with effect from the afternoon of 10th April, 1984.

No. 2|15|83-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri S. K. Gautam, Assistant Engineer (Civil) of the D. G. (Works), C.P.W.D. as Assistant Technical Examiner (Civil) in the Commission in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 plus special pay of Rs. 75|- P.M. in an officiating capacity with effect from the afternoon of 10th April, 1984, until further orders.

K. L. MALHOTRA Under Secy. (Admn.) for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 9th April 1984

No. A.13018|2|83-Admn.(Pers.1).—The President is pleased to appoint Shri K. J. Mohan Rao, Permanent Assistant Director and officiating Joint Director of the Directorate of Coordination (Police Wireless), Ministry of Home Affairs, Substantively in the post of Deputy Director in the Directorate of Coordination (Police Wireless) with effect from 3-4-84.

No. A.12012|2|84-Admn.(Pers.I).—The President is pleased to appoint Shri Sohan Lal, Officiating Assistant Director (Cipher) of the Directorate of Coordination (Police Wireless), Ministry of Home Affairs, substantively in the post of Assistant Director (Cipher) in the Directorate of Coordination (Police Wireless) with effect from 28-3-84.

No. A.13018|2|84-Admn.(Pers.I).—The President is pleased to appoint Shri K. S. R. Moorthy, Permanent Assistant Director (Cipher) and officiating Deputy Director (Cipher) of the Directorate of Coordination (Police Wireless), Ministry of Home Affairs, substantively in the post of Deputy Director (Cipher) in the Directorate of Coordination (Police Wireless) with effect from 3-4-84.

N. S. SHARMA Under Secy.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110 003, the 16th April 1984

No. D.I-34|83-Estt-I.—Consequent on their appointment to the post of Dy. S.P., on deputation with Assam Police, the services of the undermentioned by SSP of CRPF are placed at the disposal of Assam Govt. w.e.f. 20-12-83 (AN). S|Shri

- 1. S. S. Sandhu-4 Bn.
- 2. Shri Hardev Singh-63 Bn.

Y. N. SAXENA Dy. Director (Estt.)

New Delhi, the 17th April 1984

No. D.I-8/84-Adm-3.—Shri P. C. Dhasmana, Senior Translator of the Directorate of Education, Hindi Section, Air Headquarters, New Delhi, is appointed on ad-hoc basis to the grade of Hindi Officer in the Directorate General, Central Reserve Police Force on the terms & conditions of deputation, initially for a period not exceeding six months or till the appointment is made in accordance with the approved Recruitment Rules, whichever is earlier.

2. Shri P. C. Dhasmana took over charge of the above post on the forenoon of 11th April, 84, in this Directorate General, CRPF.

I. B. NEGI Dy. Director (Adm.)

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110 003, the 3rd April 1984

No. E-16013|1|5|82-Pers.—On appointment on deputation Shri D. D. Purandare, assumed charge of the post of Deputy Inspector General (Fire), CISF HQrs., New Delhi with effect from the forenoon of 3rd April, 1984.

Sd|- ILLEGIBLE Director General|CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 18th April 1984

No. 10|39|82-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Samsul Haque Mazumdar, Research Officer in the Planning & Development Department, Government of Assam, Dispur, to the post of Senior Research Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi, by transfer on deputation, on a purely tempérary and ad-hoc basis, with effect from the 20th March, 1984 (forenoon) for a period not exceeding one year or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

V. S. VERMA Registrar General, India

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION LABOUR BUREAU

Simla-171 004, the 5th May 1984

No. 23/3/84-CPI.—The All India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 decreased by three points to reach 558 (five hundred fifty eight), during the month of March, 1984. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of March, 1984 works out to 678 (six hundred seventy eight).

A. S. BHARDWAJ Director

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 7th April, 1984

No. 8FC2(30)-A|82.—In continuation of this Commission's Notification of even number dated 6th January, 1984, the re-employment of Shri R. L. Khanna, Research Office, in the Eighth Finance Commission, is extended for a further period upto the date of making final report by the Commission or the 30th April, 1984 whichever is earlier.

T. C. NANDA Administrative-cum-Accounts Officer

MINISTRY OF FINANCE (DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad (M.P.)-461 005, the 13th April 1984

No. PD-3|694.—In continuation to this office Notification No. PD-3|9269 dated 9-12-1983, the ad-hoc appointment of Shri S. K. Anand as Assistant Works Manager in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 is extended for a period of 6 months with effect from 1-3-1984, or till further orders, whichever is earlier.

S. R. PATHAK General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT —- OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT	1 2	3
CENTRAL REVENUES	S/Shri	
New Delhi, the 23rd April 1984	36. R. L. Kapoor	1-3-84
No. Admn.I O.O.No.17.—The Director of Audit, Central	37. C. P. Verma	Do.
Revenues hereby appoints Shri Himmat Jit Singh an officiat-	38. D. P. Pant	2-4-84
ing 'Audit Officer' of this office in a substantive capacity	39. S. K. Dam	1-3-84
against a permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 840—1200 with effect from 1-2-1984.	40. J. C. Gupta	Do.
 	41. B. K. Kumar.	Do.
No. Adm. I O.O. No. 47.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri K. S. Verma a permanent Audit	42. Madan Lal	Do.
Officer of this office will be retiring from the service of the	43. J. N. Juneja	Do.
Government of India with effect from the afternoon of	44. Yash Pal Suri	Do.
30-4-84. His date of birth is 22-4-1926.	45. Dev Raj Anand	Do.
Sd - Illegible	46. S. S. Chadha	Do.
Dy. Director of Audit (Admn.)	47. Roshan Lal Vasandi	Do.
	48. Suresh Chandra	Do.
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT	49. Rajinder Sethi	Do.
COMMERCE WORKS & MISC.	50. Inder Lal Behl	Do.
New Delhi, 23rd April, 1984	51. N. K. Agnihotri	Do. Do.
No. Admn. III/2(8)/AAQ/84-85/63—Consequent upon the	53. O. P. Pandey	Do.
Restructuring of cudres in IA& AD with effect from 1-3-84	54, S. K. Rustogi	Do.
the Director of Audit, Commerce, Works & Misc., New Delhi	55. V. N. Agnihotri	Do.
has ordered the promotion to the following Section Officers as temporary Asstt. Audit Officers (Group 'B' Gazetted) on pro-	56. S. N. Kapoor	Do.
visional basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-	57. O. P. Gaur , , , ,	Do.
1040- from the dates shwon against each.	58. A. P. Tyagi	Do.
	59. Depti Lal Sharma , , ,	Do.
Sl. Name Date of No. promo-	60. R. K. Saxena-II	Do.
tion '	61. B. P. Bhattacharya	Do.
	62' O. P. Batra	Do.
S/Shri	63. Murari Lal Singhal	Do. Do.
1. K. C. Agnihotri	65. Narindr Dev	Do.
2. M. K. Jain	66. K. N. Bhanot	Do.
3. M. M. Bhardwaj Do.	67. Shri Mohan	Do.
4. S. S. Butter	68. Girish Chander Gupta	Do.
5. O. P. Manchanda	69. Prem Nath Trehan , .	Do.
6. O. P. Mittal	70. A. B. L. Aggarwal	Do.
8. Man Mohan Singh Do.	71. T. R. Sahram	Do.
9. P. S. Krishna Murthy Do.	72. Hari Om Gupta	Do.
10. M. V. Ramamurthy Do.	73. S. S. Chowhan	Do. Do.
11. Risal Singh Sharma Do.	75. K. K. Aggarwal	Do.
12. B. K. Das	76. D. P. Srivastva	Do.
13. V. D. Vasudeva Do.	77. Keshav Dev	Do.
14. J. P. Mittal-1	78. K. C. Gupta	Do.
15. J. P. Mittal - II	79. Harish Chander Saxena	Do.
16. D. D. Gupta	80. Ujagar Singh	Do.
18. Bodh Raj	81. K. R. Gulati	Do,
19. S. M. Mehan, Do.	82. Joginder Nath	Do.
20. R. D. Mathur Do.	83. Bharat Bhushan	Do.
21. T. K. Dutta , Do.	84. Smt. Suman Bala	Do.
22. V. Vasudova Murthy	85. Hari Singh	Do.
23. G. C. Srivastva ,	87. Roshan Lal Sharma	Do. Do.
24. G. S. Saxena	88. G. K. Mathur	Do.
25. J. S. Sikka	89, P. B. L. Saxena	Do.
26. J. N. Nigam	90. Smt. K. Jayalashmi	Do.
27. S. C. Baja)	91. Smt. R. Chandrashekharan	Do.
28. R. D. Tayaj	92. C. L. Gandhi	Do.
	93. Kum. T. K. Kaushalya	Do.
30. B. P. Mudgil	94. M. L. Parasher	6-3-84
32. M. L. Sfichdeva	95. S, C. Verma,	Do.
33. Ram Singh Thakur	96. Bed Ram shSharma	Do.
34. A. D. Narang Do.	97. Devinder Singh (SC)	Do.
35. V. B. Gupta	98. G. L. Kataria	Do.
		

1 2					,		4
S/Shri	,	•	-,	-,-,-			
99. M. L. Khurana	•	•	•	•			31-3-84 (AN)
100. H. C. Wadhwa							13-3-84
101. B, B. Garg .							Do.
102. A. K. Dutta		, .					Do,
103. Prem Chand (SC	")						Do.
104. K.K. Nayyar							Do.
105. Harish Chander		•				,	Do.
' 106. Sushil Babu Saxe	na						Do.
107. S. P. Srivastva							Do.
108. M. S. Chauhan							Do.
109. A. K. Goel							Do.
110. Jagdish Singh							Do.
111. R. S. Pathak							28-3-84
112. Kishan Singh							Do.
113. K. C. Mittal			•	•			31-3-84 (FN)
114. R. M. D. Pillai			-				30-3-84

A. K. PATNAIK, Dy. Direcotr (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL J&K

Srinagar, the 17th April 1984

No. Admn-I[A&E]60(102)84-85|140.—"The Accountant General, Jammu and Kashmir has appointed Shri K. K. Chawla, a permanent Section Officer to the post of Accounts Officer in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in an officiating capacity with effect from 16th January, 1984 (F.N.) till further orders".

C. L. GUPTA Sr. Deputy Accountant General (A&E)

CUSTOMS, EXCISE AND GOLD (CONTROL) APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi, the 18th April 1984

No. 1/CEGAT/84.—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of Section 129C of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (1) of Section 35D of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and sub-section (1) of Section 81B of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal hereby makes the following amendment, with immediate effect, in the Customs Excise and Gold Control Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982, as published in Part III, Section 1 of the Official Gazette dated the 20th November, 1982:—

In Rule 48, the following explanation shall be inserted at the end, namely :—

"Explanation—For the purpose of this rule, the expression 'regular employee of a party' shall not include an employee of the Customs or Central Excise Department who is appointed as an authorised representative in pursuance of sub-clause (ii) of sub-rule (c) of rule 2."

F. S. GILL President

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 17th April 1984

No. 22|G|84.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officer as Offg. Asstt. Director with effect from the date shown against him:—

Shri S. P. Chakravarti, S.A.-31st March, 1984.

V. K. MEHTA Director

MINISTRY OF COMMERCE

DEPARTMENT OF TEXTILES

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400 020, the 17th April 1984

No. 2(69) EST. I | 84 | 1914.—Shri C. Sridharan, Adviser (Cotton) in this Office, retired from Service from the afternoon of the 31st March, 1984, on attaining the age of Superannuation.

S. RAMAMOORTHI Textile Commissioner

Bombay-20, the 18th April 1984

No. EST. I-2(714)/1942.—Smt. R. Mukherjee, Assistant Director, Grade II in this office, retired from Service from the afternoon of 31st March 1984, on attaining the age of superannuation.

S. RAVINDRAN

Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 12th April 1984

No. 12(212)/61-A(G) Vol. II.—The President is pleased to appoint Shri J. N. Bhakta, Director (Grade II) (Met.) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) as Director (Grade 1) (Met) in the same office on ad hoc basis w.e.f. the forenoon of 9-4-1984 until further orders.

The 17th April 1984

No. 12(565)/67-Admn(G).—The President is pleased to permit Shri B. N. Behal, Deputy Director (Chem), Small Industries Service Institute, Gauhati to retire from Government service on attaining the age of superannuation w.e.f. afternoon of 29-2-1984.

No. A. 19018(615)/82-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri V. K. Pandita as Deputy Director (Met.) at the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi with effect from the forenoon of 3-2-1984 until further orders.

No. A. 19018(680)/83-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri Satyendra Vishnu Singh as Assistant Director (Gr. I) (Electronics) at Small Industries Service Institute, Solan w.e.f. the afternoon of 5-3-1984 until further orders,

S. K. PURKAYASTHA
Deputy Director (Adma.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 16th April 1984

No. 2675B/A-19012(1-CT)/83-19A.—Shri C. Thanavelul is appointed by the Director General, GSI as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650|- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000-EB—40—1200|- in an officiating capacity with effect from the forenoon on the 29-2-1984 until further orders.

No. 2688B/A-19012(1-BBS)/83-19A.—Shri Brij Bhushan Sharma is appointed by the Director General as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 560|- per month in the scale of pay of Rs. Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 7-3-1984 until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel)
for Director General

Calcutta, the 12th April 1984

No. 2626B/A-19012(1-KVC/81|19A.—Dr. K. Venkatarayachari, Assistant Geologist, Geological Survey of India relinquished charge of the post of Assistant Geologist in the Geological Survey of India on resignation with effect from the forenoon of 28-4-1983.

No. 2633B/A-19012(1-MSKB)/83|19A.—Shri M. S. K. Bhagavan is appointed by the Director General as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650|- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 1-3-1984 until further orders.

The 16th April 1984

No. 2701B|A-19012(1-LD)|83-84-19A.—Shri Divakar is appointed by the Director General, Geological Survey of India as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 20-2-1984, until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

New Delhi-110011, the 28th April 1984

No. 11/3/84-M.—In exercise of power conferred under Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, I, M. C. Joshi, Director (Exploration) hereby direct that no fee shall be charged for entry to monuments at Rajgiri Hill, Gingee, South Arcot District, Tamil Nadu for a period of 10 days from 7-5-1984 to 16-5-1984 (both days inclusive) on account of annual festival of Devi Kamalakanni Amman.

M. C. JOSH! Director (Exploration)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 18th April 1984

No. 1/7/84-SII.—Director General, AIR is pleased to appoint Sh. D. L. Chandok, Head Clerk to officiate on adhoc basis as Administrative Officer at High Power Transmitters AIR, Khampur w.e.f. 29-3-1984.

SMT. RUKMINI DAS GUPTA Dy. Dir. Admn. for Dir. Genl, New Delhi, the 21st April, 1984

No. 3/61/83-S.III/IV—Consequent upon their promotice, the undermentioned Senior Engineering Assistants haveas sumed charge of the posts of Assistant Engineer in ad-hoc capacity at different offices of All India Radio/Doordarshan Kendras from the date as mentioned against each:—

S. Name No.		Station where posted	Date of joining
S/Shri			
1. S. Ravindran Nair .		O/o C .E (SZ), AIR Madras.	12-1-84 (FN)
2. Ashutosh Mishra .	•	Maintenance Centre Faizabad	31-1-84 (FN)
3. R. M. Kulkarni .		O/o C E (WZ), AIR Bombay	29-2-84 (FN)
4. R. C. Jain		TVRC, Mussorie	25-2-84 (FN)
5. K. R. Ananthakrishnan		O/o CE (EZ) AIR Calcutta	5-3-84 (FN)
6. K. N. Subramanian		Maintenance Centre Belgaum	9-3-84 (FN)
7. P. M. Mukewar .		LPTV Parbhani	16-3-84 (FN)
8. L. R. Jayaraman .	•	Maintenance Centre Hospet	22-3-84 (FN)
9. M. A. Modak Pune		Doordarshan Kendra,	1-3-84 (FN)
10. D. K. Jain		Doordarshan Kendra, Raipur	2-4-84 (FN)
11. Ramanand Mishra	•	Doordarshan Kendra, Lucknow.	3-1-84 (FN)

MARKS N. ELJAS, Dy. Dir. of Admn. (E), far Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICE

New Delhi, the 19th April 1984

No. A-12026|2|82-M(F&S).—The President is pleased to appoint Shri S. George to the post of Registrar (Academic) at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry, from the forenoon of 27th January, 1982 on deputation basis and until further orders.

P. N. THAKUR Dy. Dir. Admn. (C&B)

MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPARTMENT OF AGRICULTURE & CO-OPN)

DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION QUARANTINE AND STORAGE

Faridabad, the 12th April 1984

No. 7-67|83-Adm.I(B).—Shri I. S. Tirpude, Plant Quarantine Inspector of this Directorate is hereby appointed as Assistant Entomologist at Plan Quarantine Fumigation Station, Bhavnagar in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of 14th March, 1984.

K. D. PAHARIA
Plant Protection Advisor

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT PLANT SITE,

PO.: NAPP TOWNSHIP, BULANDSHAHR, U.P.

Bulandshahr, the 21st April 1984

No. NAPP|Rectt|11(6)|83-S|2944.—Officiating appointment on ad-hoc basis of Shri Om Prakash, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk in this Project as Assistant Personnel Officer notified vide notication No. NAPP|Adm[11]1|84-S|3046 dated 10-4-1984 stands terminated with effect from the forenoon of April 10, 1984.

M. S. RAO Chief Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 12th April 1984

No. A-32014[1]83-ES.—Shri S. N. Sharma, Administrative Officer ad hoc) (Group 'B' post) relinquished charge of the post of Administrative Officer in the office of the Regional Director, Delhi Region. Safdarjung Airport, New Delhi in the afternoon of the 29th February, 1984 on attaining the age of superannuation.

B. BHAUMIK Asstt. Dir. of Admn.

New Delhi, the 19th April 1984

No. A-32013|10|83-EC(.).—The President is pleased to appoint Shri K. S. Krishnamoorthy, Assistant Director of Communication in the Office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi to the grade of Deputy Director Controller of Communication on ad-hoc basis for a period of six months w.e.f. 19-1-1984 (FN) or till the post is filled up on a regular basis whichever is earlier and to post him as Regional Controller of Communication at Bombay Airport Bombay.

O. P. AGGARWAL Asstt. Director of Admn.

FOREST RESFARCH INSTITUTE & COLLEGE

Dehradun, the 21st April 1984

No. 16|411|83-Esstt.I—On the recommendation of the Union Public Service Commission, New Delhi the President, Forest Resarch Institute & Colleges, Dehra Dun, has been pleased to appoint Shri K. Sukumar, to the post of P. T. & Games Instructor, in the State Forest Service College-cum-Research Centre, Burnihat (Assam) with effect from the forenoon of 26th August. 1983, in a temporary capacity, until further orders.

G. S. GROVER
Registrar
Forest Research Institute & Colleges

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Century Towers Private Limited

New Delhi, the 10th April 1984

No. 120|5|8671.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that 44—56 GI |84

at the expiration of three months from the date hereof the name of the Century Towers Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

HAR LALL
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Mis. S. A. B. Patel Private Limited

Pondicherry-1, the 16th April 1984

No. 128|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|s. S. A. B. Patel Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd|- ILLEGIBLE Registrar of Companies Pondicherry.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|s. Visakha Movies Limited

Hyderabad-1, the 23rd April 1984

No. 896|TA.III|560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of M|s. Visakha Movies Limited this day been struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|s. Andhra Pradesh Technocrats Industrial Estate

Private Limited

Hyderabad-1, the 23rd April 1984

No. 1395|TA.III|560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Andrha Pradesh Technocrats Industrial Estate Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mis. Cott Silk Appearel Private Limited

Hyderabad-1, the 23rd April 1984

No. 2014 TA.III 560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Cott Silk Apparel Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU Registrar of Companies Andhra Pradesh, Hyderabad FORM ITN9 -

(1) Jay Raj Builders.

nathan.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. ARIV|1533-37EE|83-84.—Whereas, I, VIIAY RANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 14, ground floor, Jayesh Apartments situated at Jayraj Nagar, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2nd August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Smt. Mohini Rathunathan Jt. Shri A. C. Raghu-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Shrop No. 14, ground floor, Jayesh Apartments at Jay-Raj Nagar, Borivli (W), Bombay-400092. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV|1533|83-84, dated 2nd Aug. 1983.

VIJAY RAJAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-4-83,

1), M.s. Parul Builder.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hosabetty Narayana.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. ARIV|37-EE|1576|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Vinayak Apartment, 53 Goathan situated at Dahisar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay

on 9-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evalen of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vinayak Apartments, 593, Goawthan Road, Dahlsar (W), Bombay-400068.

And the Agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under Serial No. ARIV 1876 83-84, dated 9th Aug. 1983.

VIJAY RAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-4-83.

(1) Smt. Paritma P. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chandrakala F. Thanvi.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 11th April 1984

Ref. No. AR.III|37EE|2788|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 8, 'C' Building, Deep Bhawan, Pushpa Park situated at Dafatri Road, Malad (East), Bombay-064, (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred and the schedule annexed bereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days r from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 'C' Building Deep Bhawan, Pushpa Park, Dafatri Road, Malad (East), Bombay-064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. A.III 37-EE 1144, dated

1-8-83.

A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-4-1984

- (1) Shri Ram Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Shri Mangilal Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th April 1984

Ref. No. AR.III|37EE|2823|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. E1, 2nd floor, in Shri Ram Bhavan, Opp. Municipal Colony, Melwani situated at Malve Road, Malad East (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the agreement of registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competnet Authority

of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E1. 2nd floor in Shri Ram Bhavan, Opp. Municipal Colony, Malwani Marve Road, Malad (W) Bombay-400 095.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No. AR-III|37EE|1126|83-84, dated 17-8-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Bombay

Date: 9-4-1984.

Scal:

(1) Juideep Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pratibha P. Kamiar & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. ARIV|1573|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Room No. 10, Viraj Apptt. Co. op. Society, Village Eksar Daulat Nagar, Borivli, Bombay situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement of registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competnet Authority

at Bombay on 9th August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given 5 in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 10, Vijay Apartment Co. op. Society, Village Eksar, Daulat Nagar, Borivli (E), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV|1573|83-84. Date 9th Aug., 83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-4-84

(1) Pragati Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

(2) Shri Dilip Harkishandas Mehta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1984

Ref. No. ARIV|1504|83-84,—Whereas, I. VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 6 Jagannath Apartments Rokadia Lane, Borivli,

(W), Bombay-92 situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement of registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competnet Authority at Bombay on 22th Aug., 83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6 Jagannath Apartment, Rokadia Lane. Borivli (W), Bombay-92. The agreement has been registered under serial No. ARIV|1504|83-84 dated 22nd Aug., 1984.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 11-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Vithalbhai V. Girpara.

(Transferor)

(2) Shri Mohmmed Iqbal Quershi.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1984

Ref. No. AR-III]37EE.2550|83-84.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Shop No. 10, ground floor, 59. Nehru Road, Vakola Brigde,

Santacruz East, Bombay-55.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the

I. T. Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16th August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Ground floor, 59, Nehru Road, Vakola Bridge, Santacruz East, Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III 37EE 1085 83-84 dated 6th August, 1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-4-1984

(1) Rokadia Enterprises

(Transfere

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Shri Lalji K. Shah & Vimla L. Shah

(Transfere

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said proper

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR-II|37EE|5315|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 21, 5th floor, Bldg. known as Rokadia Niketan, Parsi Panchayat Road, Andheri (E), Bombay-69. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-8-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this noti in the Official Gazette or a period of 30 days fro the service of notice on the respective person whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo able property, within 45 days from the date of t publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sai Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th floor of Bldg. known as Rokadia Niketa CTS No. 141B, S. No. 50, Hissa No. 3F, of Mouje Mouj Mogra, Parsi Panchayat Road, Andheri (East), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE, 5315|83-8 dated 1-8-1983.

S. H. ABBAS ABID Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tail Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 45---56GI|84

Date: 12-4-84

Scal:

(1) Mr. Cajetan Xaview Lobo

may be made in writing to the undersigned-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961) (2) M|s. Span Engine Cooling Systems Pvt. Ltd.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR.H[37EE]5431[83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetat Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to rs the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Ps. 25 000/- and bearing

Flat No. 303, 3rd floor, A-Wing, Shree Ghanshyam Krupa Co-operative Housing Society Ltd., Manish Nagar, Four Bunglers J. P. Bond, Andheri (West), Bombay-400 058 introduct at Andheri (West)

tand more fully described in the Schedule annexed, hereto), has been transferred and the agreement of registered under Section 259 VB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Transfert Authority

at Bombay on 8-8-1983

the an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, A-Wing, Shree Ghanshyam Krupa Co-operative Housing Society Ltd., (Manish Nagar, Four Bungalows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

Thte agreement has been resistered by the Competent Authority. Bombay under serial No. AR-II|37EE.5431|83-84 dated 8-8-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-4-1984.

(1) Ms. Ravi Raj Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M|s. 8rimurti Entterprises,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR.II|37EE|5361|83-84.--Whereas, I S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Banzer Shop No. 14, ground floor, Plot No. 99A of S. No. 41, Four Bunglows, Oshiwara, Andheri (W) Bombay situated at Andheri (West)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competennt Authority

at Bombay on 6-8-1983

at Bombay on 6-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official tragette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'Benzer' Shop No. 14, on ground floor, Plot No. 9]9Λ of S. No. 41, Four Bunglows, Oshiwara, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.5361.83-84 dated 6-8-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

Date: 12-4-1984.

(1) M|s. Rokadia Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bharatbhai Motibhai Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR. 37EE 5316 83-84.—Whereas, I. S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
Flat N.o. 11, 1st floor of Bldg. known as Rokadia Niketan
Parsi Panchayat Road, Andheri (E), Bombay-400 0059, situat-

ed at Andheri (East)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competennt Authority

at Bombay on 1-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 et 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 1st floor of Bldg. known as Rokadia Niketan, CTS No. 141B, S. No. 50, H. No. 3F of Mouje Mogra, Parsi Panchayat Road Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II]37EE,5316|83-84 dated 1-8-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 12-4-1984.

(1) Mr. Pradeep Kantilal Desai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rupalata Narendra Dhulla.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property GOVERNMENT OF INDIA may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-III|37EE.2614|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

> > in that Chapter.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 7, Garodia Nagar, Geeta Co.op Hsg. Society Ltd.

Garodai Nagar, Ghatkopar, Bombay-77 situated at Garodia Nagar, Ghatkopar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 16-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Garrdia Nagar Geeta Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 166 Garadia Nagar, Ghatkopar, Bombay-400 077.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under serial No. AR-III 37EE 1101 83-84 dated, 16-8-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-4-1984.

(1) Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri M. Vittaldas Prabhu & Smt. S. V. Prabhu. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1523|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 9; 2nd floor, "B" wing "Aditya Park" C.S. Road,
Dahisar (E), Bombay-68 situated at Dashirar (I)-38

[Substituted on the Schedule senexed hereto], (and more fully described in the Schedule somexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

of the registering at Bombay on 20th May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-- .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor, "B" Wing, "Aditya Park" C. S. Road, Dahisar (E), Bombay-68. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. ARIV 1523 83-84 dated 20th August, 1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-4-1984.

- (1) M/s. Gold Coin Biulders.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Maria Alex D'Souza.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR|III|2601|83-84.—Whereas, I A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. B 13, CTS No. 694 to 699 Village Kole Kalyan, Vakola, Bombay-55, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competennt Authority at Bombay on 16-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons with the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B|13. CTS No. 694 to 699, Village Kole Kalyan Vakola, Bombay-400 055.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III 37EE, 1105 83-84 dated 16-8-1983,

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-4-1984.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR.II|37EE|5481|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Manish Sonal Co-operative Housing Society, Building No. 25|26, Manish Nagar, Andheri (West) Bombay-400 058 situated at Andheri (West) Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 8-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Ramesh K. Ballaney & 2. Mrs. Seema Ramesh Ballaney.

(Transferor)

(2) Mrs. Palasubramanian Mangalam.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said of Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Manish Sonal Co-operative Housing Society, Building No. 25/26, Manish Nagar, Andheri (West), Bombay-400 053.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE, 5437|83-84 dated 8-8-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-4-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DIFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona, the 20th March 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37C|83-84. -Whereas, I. ASHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
No. R.S. No. 717/IB-1/1/18/128. Plot No. 12/48 signated at Patil Golony, Lane No. 3. Nasik,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Nasik on Sept. 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforewald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-46--56GI|84

- (1) (1) Shri V. D. Khedkar, 251, Phavda Lone, Nasik-1.
 - (2) Shri Madhukar Rambhau Madnere.
 - (3) Kumar Kishen Madhukar Vaducie, (4) Kumar Yogesh Madhukar Vadnere,

 - (5) Kumar Mahesh Madhukar Vadnere,
 (6) Mrs. Kamala Anant Dhulekar,
 G2|21|3, CIDCO Colony, New Agra Road,
 Nasik-422 009.

(Transferor)

(2) Shri Nemichand Lalitaprasad Poddar, 4612-K, Poddar Bhavan, Old Agra Road, Panchavati, Nasik-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12|4B, S. No. 717|1B|1-1|1A|128 at Nasik, Tal. Dist. Nasik, Patil Colony, College Road, Nasik. (Area-418.90 sq. mtrs.)
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik under document No. 3545 in the month of Sentember, 1983) in the month of September, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 20-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona, the 5th April 1984

Ref. No. IACIACOICA-5|37EE|84-85|562.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 3, Rajkiran apt., Plot No. 87, S. No. 50, 52, 53A situated at Parvati Pune-411 009,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at JAC. Acqn. Range, Pune on August 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Chopra Developers, 219, Sholapur Bazar, Punc-1.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant Vitthal Nangade, 299, Ghorpade Peth, Pune 41 1 002.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Rajkiran Apartments, Plot No. 87, S. No. 50, 52, 53A Parvati, Pune-411 009.

(Carpet area 705 sq. ft.).

(Property as described in the sale deed registered in the

office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 976 83-84 in the month of August, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona,

Date: 5-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Harinarayan Pannalal Malpani, (Karta of H. P. Malpani-HUF). 1538, Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Ravikant Dattatraya Khedkar, 496 Shukrawar Peth. Shahpura, Pune-2.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona, the 5th April 1984

Ref. No. 1AC|ACQ|CA-5|37EE|84-85|563.—Whereas, I,

ASHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Office No. 107, first Floor, Panna Chambers, situated at 501, Ghorpadi Peth, Pune-4,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer ut

IAC. ACQN. RANGE, Pune on August 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 107, 1st floor, Panna Chambers, 501 Ghopade Peth, Pune.

(Area 230 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 430/83-84 in the month of August 1983.

> SITASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-

Date - 5-4-1984

FORM I'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sheti Udyog Bhander, 501, Gorpade Peth, Swargate Corner, Pune.

(1) Shri Harinarayan Pannalal Malpani,

(Karta of H. P. Malpani—HUF) 1538, Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60|6 ERANDAVANE, POONA-4,

Poona-4, the 5th April, 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-1|37EE|84-85|564,-Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reuson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 9 & 11 ground floor, Panna chambers 501, Ghor-

pade peth, Pune situated at Pune-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC. Acqn. Range Pune in August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the tosue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely :---

Objection, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

ENPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 9 & 11, ground floor in Panna Chambers, 501, Gorpade Peth, Pune-411 002.

(Area-260 sq. ft.)

(Property as described in the agreemin to sale registered in the L2ncE0G1k& 7890 SHRDL SHRDL SHRD SHA RD document No. 430/8-3-1984 in the monh of August, 1983.

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 5-4-1984. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/6 ERANDAVANE, POONA-4,

Poona-4, the 5th April, 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|84-85|565.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000!- and bearing No.

Cottage Unit-17B, C. S. No. 116/1, Tungaili, Maval taluka, Lomavala situated at Dist. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at IAC. Acqn. Range Pune in August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the tunnsfer; and /ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1.

 Sant: Satyavati Kashyap,
 Mr. Dayanad Kashyap and
 Mrs. Prabha Dastoor Wyeming, 12-A. Little Gibba Rd., Malabar Hill, Bombay.

(Transferor)

(2) Mrs. Zella Anne Padua Krishna Kunj, 2nd floor, Gokhale Rd. (South) Dadar, Bombay-400 028.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cottafie Unit No. 17-B-C.S. No. 116 1, Tungarli, Tal. Maval, Lonavala, Dist. Punc.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 937 83-84 in the month of August. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 5-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN
60/6 ERANDAVANE, POONA-4,

Poona-4, the 27th March 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|566.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat at survey No. 69, Hissa No. 1/1/5 Tilak Rd., Dombivali situated at Tal. Kalyan, Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC. Acqn. Range, Pune in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Monji Korshi Shah, Sudama Bhavan, Ghanashyam Gupte Rd., Dombivali (West) Dist. Thane.

(2) Shri Chandrakant Purshottam Oka, 20, Shivaji Housing Society, Pune. (Transferors)

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Self-contained flat situated at Survey No. 69 Hissa No. 1/1/5, Tikak Rd., At Dombivali, Tal. Kalyan Dist. Thane.

(Area-466.5 sq. ft.) 2nd floor.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Ranc, Pune under document No. 918 83-84 in the month of August, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 27-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/6 ERANDAVANE, POONA-4,

Poona-4, the 6th April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37G|84-85|1097.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. Plot No. 4, C. S. No. 231-A E-Ward situated at Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Kolhapur in August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Shri V. S. Bhosale,
 - Shri A. S. Bhosale
 - 3. Shri J S. Bhosale All are residing at 231 A-Ward Tarabai Park, Kolhapur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Sajan Laxmandas Dulbani
 - 2. Shri Sujan Laxmandas Dulhani 3 Shri Shankar Laxmandas Dulhani
 - residing at 37/18 Gandhinagar, Kolhapur 4. Shri Arjan Pahilajraj Lahori 5. Shri Dilip Pahilajraj Lahori

Mira Society, Tarabai Park, KKolhapur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, of C. S. No. 231-A E-Ward, Kolhapur admeasuring total 8500 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Kolhapur under document No. 3808 in the month of August, 1983.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 6-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60 6 ERANDAVANE, POONA-4,

Poona-4, the 5th April 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G-|84-85|1098,---Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing C. S. No. 1141 Kh|2A, E-Ward situated at Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

of the Registering
Officer at S. R. Kolhapur in August, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Uma Yashwant Ghorpade Smt. Subhangi Yeshwant Ghorpade Shri Agad Yeshwantrao Ghorpade Plot No. 188, 3 to 4 Kolbapur.

(Transferor)

(2) M's, Minal Co-operative Housing Society, Chief Promoter—F-Ward, House No. 616. Shahupuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicution of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at C.S. No. 1141 Kh|2A, E-Ward, Kolhapur, (Area 885.4 sq. metres)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Register, Kolhapur under document No. 3918 in the month of August 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 5-4-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> SEQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60,6 FRANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 6th April 1984

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37-G[84-85]1099.—Whereas, I, SHASHIKANI KUI KARNI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C. S. No. 2922/A situated at Kolbapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S. R. Kolhapur in Sept., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 47---56 G[]84

(1) Shri Santosh Surend: 1 Mone. at Koregaon Park, Pune.

(Transfero)
(2) Niyojii Ayodhya Co-operative Housing Society Ltd.
Promoter—Shri A. S. Desai. E-Ward Plot No. 59, Ruikar Colony, Kolhapur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeyable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at C.S. No. 2922 A, E-Ward, Kolhapur, (Area-738 sq. metres)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Kolhapur under document No. 4829 in the month of Sept. 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 6-4-1984

FORM ITNS --- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.

TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60|6 ERANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 5th April, 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EF|84-85|1100.—Whereas, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C. S. No. 249 A-1 62, E-Ward, situated at Kolhapur. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Kolhapur in August, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the sai dAct, to the following persons, namely:—

 Son, Milan Shailaja Kakodkar, E-Ward, House No 1186 Rajarampuri, Galli No. 5, Kolhapur.

(Transferor)

(2) Neelganga Apartment Co-op, Housing Society Chief Promoter-Dr. Vijay Dinkar Ease, House No. 249|35, Nagala, Kolhapur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at C. T. Kolhapur-F-Ward, C. S. No. 249-A-9|62, (Area-1002. 8 sq. metres)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the S. R. Kolhapur under document No. 347 in the month of August, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Poona

Date: 5-4-1984,

INDIA, MAJA, 12, 12 CY. SAK THE GY ARTELIA -SEC. 1]

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60,6 ERANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 21st March 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37-G|1101|84-85.-Whereas, SHASHIKANT KULKARNI, SHASHIKANI KULKARNI, peing the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. Mouje-S. No. 1611, Plot No. 41, Savedi situated at Dist! Ahmed Nagar (and proper fully described in the Schedule unreveal berein)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). hus been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmednagar in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri-Viravali Jeevandas Obrai. At & Post Ahmednagar. District Ahmednagar.

(Transferor)

(2) M|s., Nirmal Co-operative Housing Society Ltd., Chairman-Shri Gulshan Kumar Jeevandas Obrai. nt Lultaki, Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undesrigned :-

- (a) by any of the aforcial persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPENNATION : -- the ferms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mouje Savedi, S. No. 161[1, Plot No. 41, Ahmednuggi, (Arca-301 sq. metres).

(Property as descrimed in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Threedingar under document No. 2825 in the month of August, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poona

Date: 21-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60;6 ERANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 21st March 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37-G|1102|84-85.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mouje-Savedi, Tal. Nagar, S. No. 161₁1, Plot No. 42 situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Ahmednagar in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cen of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ...

 Shrì Viravali Jeevandas Obrai, At & Post A'Nagar, Atmednagar.

(Transferor)

(2) Mp. Nirmal Co-operative Housing Society Ltd., Chairman-Shii Gulshan Kumar Jeevandas Obrai, at Laltaki, Ahmedangar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mouje-Savedi, Tal. Nagar, Survey Nmber 161 1, Plot No.. 42

(Area-301 sq. m.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar under document No. 2826 in themonth of August, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date: 21-3-1984.

At & Post Ahmednagar.

District Ahmednagar. (Transferor) (2) Mis. Numal Co-operative Housing Society Ltd.,

(1) Smt. Kawalkumari Gulshankumar Obrai,

Chairman-Shri Gulshan Kumar Jeevandas Obrai. at Laltaki, Ahmedaagar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60[6 ERANDAVANE, POONA 4

Poona-4, the 21st March 1984

Ref. No. IAC ACO|CA-5:37-G:84-85|U03.--Wherens, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00% - ap. bearing No.

Maule-Savedi, Survey No. 16111 Plot No. 43 situated at Ahmednagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Ahmednagar in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of '45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mouje-Savedi, Survey No. 161 1, Plot No. 43, Ahmednagar.

(Area-301 sq. metres)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar under document No. 2827 in the month of August, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 21-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th April 1984

Ref. No. NWN|9|83-84.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Please Measuring 426-2/9 sq. yels Situated at non-Model

Town, Narwana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been tansferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Nativana in Aug., 1983 for an apparent consideration which is less than the fast market value of the aforesaid property and I have tenson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or -
- (b) incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 \cdot (1) Shri Shib Ram so Sh. Ganga Ram Khatri rio Model Town, Narwana.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla, Rani w o Shri Dewan Laxman Dev o Shri Nanu Mat i o Narwana Mandi, Distt. Jind.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days a period ? from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot measuring 426-2|8 sq. vds. situated near Model Town, Narwana and as more mentioned in the sale deed registered at No. 942 dated 19-8-1983 with the S.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Rohtak

Date: 7-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th April 1984

No. No. F. No. SPT; 13|83-84.—Whereas I. R. K. BHAYANA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Drawstrial Plot No. M-7, Situated at Industrial area,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registernig Officer at
Sonepat in Aug., 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Krishna Rani wd o Sh. Rajinder Yumar s o Shri Kundan Lal

(Transferor)

(2) Smt. Nirmla Devi wio Sh. bita Ram sio Shri Munshi Ram H. No. 114 Model Town, Sonepat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being industrial plot No. M-7, Industrial area, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registred at No. 3283 dated 8-8-1983 with the S. R. Sonepat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robbak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-4-1984

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th April 1984

Ref. No. SPT|12|83-84 —Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Industrial Plot measuring 562-1|2 sq. yds Situated at Industrial area, Sonepat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in Aug. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

er) Shr. Banatri Lal ... Mahan Lai Sachter

1,0 M-7, Industrial Area, Sonepat.

(Transferor)

(2) 1. Shii Sita Rum s|o Munshi Ram,
2. Shii Tarshem Lal s|o Jagan Nath
5. Shii Naresh Kumar s|o Prithvi Chand
H. No, 114-I., Model Town, Sonepat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARIANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acr. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot measuring 562-1]2 sq. yards situated at Industrial Area, Sonepat and as more mentioned in the sole deed registered at No. 3282 dated 8.8 1983 with the S. R. Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aoquisition Range, Rohtak

Date: 7-4-1984

(17) Shit. Pushpinder Kaur Wd Sh. Samarjeet Singh Sector-2, Chandigara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1964 (43 OF 1961)

(2) Shri Sukhdev Singh Slo. Sardar Kartar Singh, Rlo. Bisra Road Rurkela Distf. Orrisa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK Rohtak, the 9th April 1984

Ref. No. KNT[46]83-84.— Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. House Situated at Model Town, Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal in Aug. 1983

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal in Aug. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

Objections; if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house at Model Town, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2904 dated 19-8-1983 with the S.R. Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range, Robtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—48—56GI84

Date: 9-4-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 9 April1984

Ref. No. \$R\$[3|83-84.-Wherens, I, R. K. BHAYANA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. Plot situated at Khajuri Road, Yamunanagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at lagadhari in August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Suider Singh Sis Sh. Asha Singh,
 Shri Agyapal Singh Sio Dewan Singh,
 Rio Yamanonagar,

(Transferee)

(2) Mls R. K. Garg & Company Enterprises, through Sh. Raj Kumar Garg & Shri Amii Lal Shri Rama Nand Kapoor Slo Ram Lal Kapoor, Rlo 226-R, Model Town, Yamunanagar.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot situated at Khajuri Road, Yamnanagar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3627 dated 18-8-1983 with the S.R. Jagadhari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 9-4-1984 Sepl :

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th April 1984

Ref. No. JDR|57|83-84.—Whereas, I R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 2 bigha situated at Gari Mundo, Teh., Jagadhari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Jagadhari in August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this ntice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri' Rajeswar Parshad & Tek Chand & Chatarbuhi SS|o Sh. Babu Ram Smt. Ram Rati Wd|o Sh. Amer Nath R|o Jagadhari.

(Transferor)

(2) Shri Bhupinder Kumar Slo Shanti Sarup Gandhi Dham, Jagadhari, Shri Ram Parkesh Slo Gian Chand Rlo 3 Belgdhan Mohalla Jagadhari Smt. Ram Murti Wlo Sh. Racata Ram & Shri Ram Gopal Slo Narota Ram Rlo Gandhi Dham Jagadhari.

(Transferee)

Objections, if any; to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bigha situated at Garl Mundo Teh. Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3471 dated \$-8-1983.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robbak

Date: 9-4-1984

MAY 12, 1 4 (AAISAKHA 22, 1906)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK Rohtak, the 9th April 1984

Ref. No. HNS|8|83-84.—Whereas, I R. K. BHAYANA,

R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovnble property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 77. situated at New Anaj Mandi, Hansi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hansi in August 1983

Officer at Hansi in August 1983
Officer at Hansi in August 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagadhar Mal S| o Shri Phool Chand Jain $-\Re$ o Hansi.

(Transferor)

(2) Shri Daya Nand, Ram Bilash, Bir Bhan and Parshotam Dass SS o Shri Rameshwar Dass Goel, Shop N o. 77, New Anaj Mandl, Hansi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop No. 77 New Anaj Mandi, Hansi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1107 dated 24-8-1983 with the S.R. Sub Registrar, Hansi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-4-1984

Scal: .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th April 1984

Ref. No. SRS[30]83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 S|Sh. Balbir Singh, Surender Singh, Karnail Singh sons
 S|Smt. Harjinder Kaur, Blavinder Kaur, Mohinder Kaur
 D|o Sh. Maghar Singh, H. No. 362, Gali Kabwanwali (Perwal) through Sh. Mangal Singh Advocate
 S|o Sh. Bhagwan Singh
 Jo Labh Singh

(Transferor)

(2) Shri Chanan Mal Slo Rati Ram Slo Shri Hunna Mal Rlo Vill Sherpura Teh. Sirsa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house at Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. N o. 2857 on 7-9-1983 with the S.R. Sirsa

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date : 9-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, ROHTAK-

Rohtak, the 9th April 1984

Ref. No. AMB|87|83-84.--Whereas, I,

R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Property being plot measuring 480 sq. yards situated at Ambala Jagadhari Road, Ambala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ambala in August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

- (1) SiShri
 - 1. Sadhu Singh Sjo Chinna & Ajmer Singh Slo Guida

2. Chota Slo Hari Ram
3. Bulbir Singh Slo Ramii Dass
4. Smt. Chandhi Wdlo Jiwan Singh
5. Thath Singh Slo Bakhtwar Singh

- 6. Mala So Hans Ran
 7. Kashmir Singh So Bakhatawar Singh
- 8. Bir Singh Slo Bishan Singh 9. Kehar Singh Slo Guinda Singh
- 10. Dhanpal Singh Sjo Sukhbir Singh
 11. Makhan Singh Sjo Nasib Singh
 12. Mithan Singh Sjo Suraj Singh
 13. Rattan Singh Sjo Abai Singh. Mannaj Ssjo
 Jagtu & Smt. Darshni Devi Wdjo Sukhdarshan
 Singh through Can Authority th Singh through Gen. Authority Sh. Durga Singh So Abhai Singh through Ge. P. of Attorney and Smt. Chaman Wo Jagtu through

- Sh. Durga Singh
- 14. Jagdish 5jo Swaran 15. Rattan Singh Slo Daulat Singh
- 16. Jugdish Sjo Ratan Singh
- 17. Pooran Sjo Bishan
- 18. Satpal Singh Sto Ram Saran 19, Lakhapt Singh Sio Bishan Singh
- 20. Nand Ram So Bakhatawar Singh
- 21. Tika Slo Lal Singh
- 2. Jagdish Chunder Sjo Mehar Singh
- 23. Raj Kumar S₁o Mehar Singh 24. Chetan Singh S₁o Kamali Singh
- through Sh. Chetan Singh
- 26. Chasitoo Singh, Dhan Pal Singh Sslo Lila

27. Lata through Sh. Ghasttoo Singh 28. Chandra Wati Wdo Badtem Singh, Saraswati Naresh Bulul D|o Sh. Om Parkash S|o Badam Singh S|o Daulat Singh through Sadu Singh, Aimer Singh Chola, Balbic Singh

29. Hans Rai

- 30. Satyla Devi, Shakuntla Devi Dlo Sachet Singh
- 31. Ram Chander Slo Chadha Singh, Smt. Vidya Wati Dlo Bakhtwar Singh
- 32. Daya Wati & Rashwati Do Chandbat Singh 33. Dhan Pal Singh Slo Amroa Singh self & GP..A. Kamla-Devi Wdo Narpat Singh

34. Dhyan Singh Slo Jarman Singh

35. Lajpat Singh Solo Sh. Amroa Singh, Balbir Devi Smt. Jaggiro Saumi Devi Do Amora Singh Rlo Babyal,

Transferoi(5)

(2) Sh. Jasbir Singh Slo Satpalt Singh Slo Chanda Singh

Rlo Vill. Ghasitpur Teh, & Distt, Ambala.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot measuring 480 sq., yards situated at Main Ambala Jagadhari Road, Ajit Nagar Road, Ambala and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3702 dated 16-8-1983 with the S.R. Ambala,

> R, K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-1-1981

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th April 1984

Ref. No. AMB|88|83-84,---Whereas, 1, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovtible property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Plot measuring 330 sq. yds. situated at Main Ambala Jagadhari Road, Ambala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Ambalu in August, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) S|Shri

Sukhdev Singh, Ram Singh So Birnal Singh
 Rattan Singh So Gainda

3. Jati Slo Hira Ram

4. Babu Singh, Jai Kumar Slo Mehar Singh

5. Inder Singh Slo Nathu Singh

6, Abhey Siugh, Balbir Singh Slo Roshal Singh

7. Chanderuo Singh Slo Gotba Singh 8. Kher Singh Sio Munshi Ram

Raj Kumar Slo Shamsher Singh Hari Kumar, Shiv Kumar, Balram Singh Slo Shamsher Singh

11. Sardar Slo Shabjada

12. Ranjeet Singh, Sh. Rai Kumar

So Rattan Singh

13. Mamrai Slo Bishan

14. Kunti Devi, Smt. Devi. Darshani Devi dSlo Muni Ram,

Smt. Kasturi Devi Dlo Muni Ram

(Transferors)

(2) Shri Tejvir Singh So Sat Pal Singh, Vill. Ghositpur (Ambala).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable froperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot measuring 330 sq. yards situated at Main Ambala Jagudhari Road, Ajit Nagur Road, Ambala and as more mentioned in the sale deed tegistered at No. 3740 dated 18-8-1983 with the S.R. Ambala.

R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak

Date: 9-4-1984

FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th April 1984

Ref. No. C.R. No. 62|39002|83-84|\Delta CQ|B,-\Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. New Sy. No. 10-2B5 old No. 10-2 Door No. 2-7-560 561 and 562 situated at 89 B. Kodiyalbail Village, Bijai Ward, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore under Document No. 491 83-84 on 11-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Saturnine Mascarenhas So Late David Mascarenhas Bejai, Kapikad, Mangalore-575004.

(Transferor)

 Mr. Anthony Francis Dias. Slo Sri Cyprian Dias, Residing near URVA Church, Mangalore-575006.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 491 83-84 Dated 11-8-83. Non Agricultural House Site situated at No. 89B. Kodialbail Village Mangalore measuring 0.20 cents (819 eq. mass.) with door No. 2-7-500, 561 and 562.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961),

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th April 1984

Ref. No. C.R No. 62|38959|83-84|ACQ|B.- Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. RS No. 602|2 TS No. 186|2B1 gr measuring 0.05 with

Building situated at 13th Market Ward. Kasba Bazar Village,

Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore under Document No. 602 83-84 on 26-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C- of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---49---56 GI|84

i) Mr. Manoher Nitte to G.P.A. Mr A.T Aired So Henry Altred Near Azad Tailors Jeppu Mangalore-2 (Mangalore 2)

(Transferor)

(2) Mr. I. C. Mohammad So. C. H. Abbas Haji Mr. M. Abdul Rahiman Slo Abdul Kader Chittari Hosdurg Taluk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve, period express later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

FAPIANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 602 83-84 Dated 26-8-83. Immovable property with Building door No., 13-4-440, 441+0446 situated at 13th Market Ward. Kasha Bazar Village, Mangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-4-1984

FORM LT.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Ramachandra Vorma Pai, No. 1583 A. 26th Cross, 30th Main BSK H Stage, Bangalore-70.

(Transferor)

(2) M/5. Vittal Fruits Canning Pvt. Ltd. 140 Dr. D. V. Gundappa Road. Baexanagydi, Bangalore-4.

(Transferse)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th April 1984

Ref. No. C.R. No. 62|39019|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Sy No. 8|2 and Sy. No. 9|1 bearing Kheneswari No. 133 situated at Alahalli Village, Uttarahalli Robli Bangalore South Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk under Document No. 3534|83-84 on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning and given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3534|83-84 Dated 15-8-1983] Vacant Land bearing Sy No. 8|2 and Sy. No. 9|1. Bearing Kheneswari No. 133 situated at Alahalli Village. Uttarhalli Hobli, Bangalore South Taluk.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th April 1984

Ret. No. C.R. No. 62]41279[83-84]ACQ[8,---Whicreas, L. MANJU MADHAVAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 90 B. Boloor Village situated a Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (17 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore under Document No. 522 83-84 on 16-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fatt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor

more than lifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Mrs. K. Leela Bai Wlo K. Krishna Shet Near Urva Market Mangalore.

(Transferor)

(2) Mr. K. Suryakumar Shet S|o K. Leelabai Shet Sadan Bank Road, Kasargad Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 522|83-84 dated 16-8-83. Property Door No. 1-23-1904 to 1915 situated at 90 B Boloor Village, Mangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Mohammed Saleem No. 406, J. M. Road, Mangalore City-1.

(fransieror)

ı

(2) Shri Nawab Jan Sheriff GPA by K. Mohammed Sheriff Balikashram, Kankanady, Mangalore-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th April 1984

Ref. No. C.R. No. 62/38955/83-84/ACQ/B.-Whereas, 1, MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. R.S. No. 1-4, T.S. No. 731|4 punja situated at Jeppma Mongan village of Mangalore

S.T. Depot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been trunsferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore city on 22-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been bridy stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 584|83-84 Dated 22-8-1983. All that piece and parcel of land measuring 25 cents and house property admeasuring 1980 situated at R.S. No. 1-4; T.S. No. 731 Jeppinamogan Village. Jeppu Ward of Mangalore City.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-4-1984

FOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORL 560 00 1

Bangalore-560 001, the 7th April 1984

Ref. No. C.R. No. 62/38903/83-84/ACQ.B.--Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 265B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Present Corporation No. 45 situated at Shraddhanaud Bhavan Road, V. V. Puram, Bangalors 4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Basavangudi Bangalore under Document No. 1647/83-84 on 6-8-1983

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to abelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

 Mrs. Kámalamma No. 45, Sharaddananda Bhavan Road, V. V. Puram Bangalore.

(Transferor)

(2) Mt. B. S. Krishnappa. Mr. K. Narayana Raju Mr. K. Srinivasa Raju and Mr. K. Nagaraju all residing at No. 94, Arumughem Nudahar Street, Chickp. t. Closs. Bangalore.

(Prainderes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARTANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1647/83-84 Dated 6-8-83. Premises old No. 115, 120, 176, Present Corporation No. 45. Sharddhanand Bhavan Road, V. V. Puram, Bangalore-4.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

والأرش الأسالة

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th April 1984

Ref. No. C.R. No. 62[38958[83-84]ACQ]B.—Whereas, 1, MANJU MADHAVAN,

MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 117-1A, T.S. No. 73-1A situated at Kodivalbail Village, kodiyalbail Ward Mangalore fully described in the Scheduled approved herein).

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering officer at

Mangalore under Document No. 600[83-84 on 26-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

· (1) Mr. Joachim D'souza, Achukody House, Bondel, Mangalore-575008.

(Transferor)

(2) Dr. Ashok Shetty. Mathru-Chaya-I floor. Opp. Dr. Bedekars' Hospital Maharshi Karve Road, Naupada, Ihone, Dist, Maharashtra.

(Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-uble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the samt meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Registered Document No. 600|83-84 Dated 26-8-83. Vacant landed property R.S. No. 117-1A, TS No. 53-1A Kodiyalball Village, Kodiyalball Ward, Mangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-4-1984

(1) Narkandaiah, No. 40, III Tempic Road, Siddartha Block, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferor)

(2) Mr. v. Narayana, No. V-81 III Cross Road, Malletwaram, Bungalore J.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269DOLO OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th April 1984

No. C.R. No. 62|38968|83-84|ACQ[B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

40 situated at JH Temple Road, Malleswaram, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore under Document No. 1495|83-84 19-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and 1 have reason to believe that the fair market value of the. property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a perico of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days arong the service of nonce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immiovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1495|83-84 Dated 19-8-83. Land and Building bearing old No. 20 New No. 40 measuring 10'×22', at Bangalore City Corporation V Division. Malleswaram. Sidharthi Block, III Temple Road, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangatore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 7-4-1984

FORM ITNS-----

. Markon are instrument — Tring ben fan Willeman in mût Willemalikhed IVV Gestind Frankling fan it in de in de s

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 6th April 1984

C.R. No. 62|R-656|37EE|83-84|ACQ|B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 19, 1st Main Road situated at Jayamahal Extension, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

with the Competent Authority under Section 269AB in his office at Bangalore under Document No. 476|83-84 22-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26 D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. blirt. Jagath Kumari Bharet Sinhji.
blir Vidyut Sinhji.

(

Mrs. Alakananda Devi, Mrs. Vishvadharu Devi. 5. Kum. Jagadeshwari Devi.

6. Mr. Sanjay Sinhji.

/. Mr. Ramachandra Sinhji. 5. Mr., Sosheela Komari

9. Mrs. Jagrati Devi,

10. Mr. Hanuman Sinhji. 11. Kum. Uma Devi.

12. Kum. Bhavani Devi and Kum. Katyani Devi.

All are residing at No. 19 I, Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore-46.

(Transferor)

(?) M[s. Shivom Enterprises, 10-D. Everest, Tardeo Road, Bombay 400034,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, a whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 476|83-84, dated 22-8-83] All the property bearing present No. 19, I Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore.

> MADHU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 6-4-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Mis. Akon Real Estate Pvt. Ltd. Velho Bldg., Parain; Goa.

(Transferor)

(2) Mr. G. N. Agrawal, Varde Valuelivor Road, Margao, Goa.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 27th March 1984

No. 62|R-830|37EE|83-84|ACQ|B.—Whereas, I,

MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. B-5, Ganden View Apartments, situated at Margao,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at with the Competent Authority under Section 269AB in his office at Bangalore under Document No. 674|83-84 on 29-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

[Registered Document No. 674|83-84, dated 29-10-83].

Flat No. B-5, admeasuring about 75-00 sq. mtrs. at Garden View Apartments, Margao, Goa.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 50—56 GI|84

Date: 27-3-1984

NOTR E UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 27th March 1984

C.R. No. 62[R-886[37EE[83-84]ACQ]B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

the fine the Competent Authority under Section 2698 of the fincom-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 7, Garden View Apartments situated at Margao,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

with the Competent Authority under Section 269AB in his office at Bangalore under Document No. 724|83-84 on 29-12-1983

ton an another consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid executs the apparent consideration therefor by more than briefly per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (n) facilitating the concealment of any income or any moneys or ofher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the saled Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Akon Real Estates Pvt. Ltd., Velho Bldg., Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Abdur Razack, Mr. Ibrahim Hasham, House No. 181, Malbat, Margao, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 724[83-84, dated 29-12-1983]

Shop No. 7, Garden View Apartments admeasuring about 35.50 sq. mtrs. at Margao, Goa.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 27-3-1984

Scar

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd April 1984

C.R. No. 62|39000|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 29-2A, 29-6B, 29-2A, 34-A6 and 34-A6 Kadri Villafie situated at Kadri Village, Mangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mangalore under Document No. 493|83-84 on 11-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

į

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Albert Victor Lasrado S.o. Jaki M. Lasrado R.o. Bombay—Now residing at Palm Shade, Urra Stores, Mangalore.

(Transferor)(s)

- (2) 1. Mr. K. Govinda Bhat, Polya House, Kabaka, Puttur Tk. rcp. by his Attorney Mr. K. Scetharama Bhat, Bajai, Mangalore.
 - Gopalakrishna Bhat, Badlapur, Thana Dist., Maharashtra State rep. by his Attorney Mr. K. Seetharama Bhat, Bejai, Mangalore.
 - 3. Mr. K. Shankaranarayana Bhat, Kulamaruva House Post Kuntikana, Kasaragod Taluk.
 - Dr. Krishna Kandige, Mangalore Nursing Home, Upper Bendore, Mangalore.
 - Mr. K. Iswara Bhat, Rajajinagar, Dombivilli, Maharashtra State rep. by his Attorney Mr. K. Seetharama Bhat, Bajai, Mangalore.
 - Mr. P. Narayana Bhat, Arya Samaj Road, Mangalore rep. by his Attorney Mr. K. Keshav Bhat, Kadri, Mangalore.
 - Mrs. K. Adithi Amma, Kollaramajahe House, Kariangala Village, Bantwal Taluk, rep. by in Attorney Mr. K. Keshav Bhat, Kadri, Mangalore.
 - 8. Charles Lasrado, working abroad. rep. by his Attorney Mr. S. N. Lasrado, Bajai, Mangalor: (Transferee)(s)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 493|83-84, dated 11-8-83.

Property No. 4-20 and 4-20A, Kadri B. Village, Mangalore and 29-2A, Kadri B Village and S. No. 32-4 Kadiar bail B. Village, Mangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 3-4-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001 BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 6th April 1984

C.R. No. 62|39067|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30 measuring 66;×63',3" situated at VIII Main Road, Malleswaram, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar Bangalore under Document No. 1965|83-84 on

18-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. M. L. Narasimhan PA Holder of Mr. M. Suryanarayana H. No. 3 Mechil Gane 4/8 1030 Wien Austria and No. 30. 8th Main, Malleswaram, Bangalore-21.

(Transferor)

(2) Mr. S. Rajnikanth Slo S. Subba Rao. No. 4267 Shanthinivas, Subramanyanagar, Bangalore-21.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1965|83-84 Date 18-8-83) House property M.L. Corporation No. H. 30 8th Main Road, Malleswaram, Bangalore-3.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax,
Acquisition Range, Bangalore
Bangalore

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 6th April 1984

C.R. No. 62|38997|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

RS No. 304|3-G-1 TS No. 147|3G situated at Cantonment Ward, Attawar Village, Mangalore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Mangalore under Document No. 440|83-84 on 5-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922:(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, ramely:—

(1) Smt. H. Bhavani Widow of H. Rama Old Kent Road, Mangalore-1.

(Transferor)

 Mr. N. Hassainar S|o Ibrahim
 Mr. N. Moosa S|o Ibrahim
 power of Attorney Mr. S. Abdul Khader Old Kent Road, Mangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 440|83-84 Dated 5-8-1983)
House property Door No. 19.226-228 situated at Cantonment Ward, Attawar Village Mangalore City (Property No. RS No. 304-3-G-1 TS No. 147|3G).
Date: 6-44-4149484 1),3n I-wfNTo shrdlu shrd shrdshrdm

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-360001

Bangalore-560001, the 6th April 1984

C.R. No. 62|39018|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Municipal No. 1218 and portion of No. 1147 situated at Hospital Road, Yelahanka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore North Taluk under Document No. 3188|83-84 on 29-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Smt. Munirathnamma
No. 5, Gandhinagar Extension,
Yelahanka,
Bangalore North.

(Transferor)

(2) Sree Suvidhinath Jain Swetamber Murthy Pujak Sangheg by its Sccretary K. Sugalchand Jain, Yelahanka, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3188|83-84 Dated 29-8-83)
Premises bearing Old Municipal No. 770. Later numbered as No. 11440 and Now bearing municipal No. 1218 and portion of No. 1147 and later number 1220, Hospital Road, Yelahana, Bangalore North Taluk.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 6th April 1984

C.R. No. 62|38908|83-84|ACQ|B.-Whereas, 1, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 19|97 (Old CITB No. 19) situated at II Block, 20th Main, Rajajinagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore under Document No. 1896/83-84 on 12-8-1983 for an apparent consideration which is

fless than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. K. Abhimanyu and Mrs. Usha, 303, 16th Cross Sadashivanagar, Bangalore-560006.

(Transferor)

(2) Mr. B. R. Vijendra, No. 47, 11th Cross, 2nd Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1896|83-84 Dated 12-8-83) Site No. 19|97 (Old CITB No. 19) II Block 20th Main, Rajajinagar, Bangalore-10.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-4-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 6th April 1984

C.R. No. 62|39012|83-84|ACQ|B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1104, situated at HAL II Stage, Indiranagar Bangalore-38 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 1222/83-84 on 12-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer cent of such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any memorys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. R. Kamalamma & others, No. 1104 HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferor)

(2) Shri G. D. Shanmugam, No. 559, III Stage, III Block, West of Chord Road, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1222|83-84 Dated 15-8-1983)
All that property bearing No. 1104, situated at H.A.L. II
Stage, Indiranagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range;
Bangalore

Date: 6-4-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 1/84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at Himayathnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chikkadpally on Aug, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly statled in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

51---56 GI|84

 M[s. United Housing Corporation, Rep. by Sri S. R. Phadke, 5-2-361, Hyderbasthi, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Pramila Hatti, 5-2-361, Hyderbasthi Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. I in second floor D. No. 3-6-779, Himayathnagar, Hyr'bad admeasuring 875 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 551|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

 Sri Mohd. Kareemuddin, soo late Ghulam Mohiuddin, Ro 14-11-726, Chworana Jensi, Mangalhat, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Narsing Rao, Slo S. Ramaswamy, Inside Yakatpura, Hyderabad, A.P.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 2|84-85.—Whereas, I JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Chowraha Jensi, Hyd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer

at Doodhbowli on Aug, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property bearing No. 14-11-726 Chowraha Jensi, Hyderabad registered by the S.R.O., (Doodhbowli) vide document No. 760|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inpecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 3|84-85.—Wherens, 1 M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at King Kothi Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on Aug. 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Ms. Nataraj Builders, 3-5-796, King Kothi Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. T. Prabhavathi, W|o T. Ramanjaneyulu, 15-8-347, Feelkhana, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 in IInd floor of Mahaveer Apartments, King Kothi Road, Hyderabad admeasuring 912 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4163 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-4-1984

FORM I.T.N.S.-

 M|s. Sagar Constructions, 1-2-524, Domalguda, Hyderabad,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Ram Kumari wo Hansraj Kwatra, 4-3-480, Bank Street, Hyderabd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 4|84-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No, Flat situated at Domalguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Hyderabad on Aug, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the oroperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101—Ist floor of 1-2-524 Sagar Apartments Domaiguda Hyderabad admeasuring 1000 sft, registered by the S.R.O., Hyd vide document No. 4179|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

FORM NO. ITNS----

(1) M|s. Nataraj Builders, 3-5-796, King Kothi, Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 5|84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

No. Flat situated at Mahaveer Apartments, King Kothi, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Aug. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sri Rashminkanth Tulsidas & Others, R|o 10-3-181, St. John's Road, Tulsi Bhavan, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106 on let floor of Mahaveer Apartments, 3-5-796, King Koti Road, Hyderabad admeasuring 950 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4165|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

COMMISSIONER OF INCONE-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

TI-1-1 1 T Zet A - 3 1004

Hyderabad, the 6th April 1984

Rcf. No. RAC, No. 6|84-85,—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Sagar Apartments, Domalguda Hyd, at Hyderabad on Aug, 1983

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on Aug 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M|s. Sagar Constructions, 1-2-524, Domlaguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Nooi Bec, wo Late Sultan Ahmed 14-3-358, Razakpura, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 307 on III floor of 1-2-524, Sagar Apartments, Domalguda, Hyderabad admeasuring 970 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4178 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCONE-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 7|84-85.—Whereas, 1 M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immobavle property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at Sagar Apartments, Hyd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Hyderabad on Aug, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Sagar Constructions, 1-2-524, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Sharif Hussain, s|o Mohd. All Hussain, 3-4-66|3|26. Narayanguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 107° in 1st floor of Sagar Apartments, Domalguda, Hyderabad admeasuring 1000 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4182/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No.8 84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing
No. Flat situated at Mahaveer Apartments, Hyd

(and more fully described in schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Aug, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Nataraj Builders, 3-5-796, King Kothi Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Kuldip Singh Nagpal, soo Pritamdas Nagpal, 1-2-593|17, Gaganmahal Colony, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 408 in IV floor of Mahaveer Apartments, King Kothi Road, Hyderabad admeasuring 1350 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4167 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-4-1984

(1) Ms. Nataraj Bullders, 3-5-796, King Kothi Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCONFITAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 9/84-85.--Whereas, I.M. JEGAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fuir market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at King Kothi Rd, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Aug 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subseciton (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

52-56GI/84

(2) Smt. Gayatri Devi, woo Rajaram Bhatia. 15-2-500, Kishen Gunj, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforward persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said - Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 411 on 4th floor of Mahaveer Apartments, King Kothi, Hyderabad a lineasuring 1389 sft. registered S.R.O., Hyderabad vide document No. 4166|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

Seal ;

FORM PINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 10|84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Domalguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on Aug, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the contectiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Mls. Sagar Constructions, 1-2-524, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Surjit Singh, s|o Rawail Singh, 3-6-361|6, Basheerbagh, Hyderabad-29,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 310 in Hrd floor of Sagar Apartments, Domalguda, Hyd'bad admeasuring 1250 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4172|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 11/84-85.—Whereas, I M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at Domalguda, Hyderabad

(and Imore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Hyderabad on Aug, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Itability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Sagar Constructions, 1-2-524, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

.(2) Dr Qazi Mohammed Bashceruddin, 23-2-538, Hari Bowli Road, Shah Ali Banda, Hyderabad,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106 in 1st floor of Sagar Apartments, Domalguda, Hydbad admeasuring 1000 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4177/83.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1984

Ref. No. RAC. No. 12|84-85.--Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Flat situated at Domalguda Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 4908) in the office of the Registering officer

at Hyderabad on Aug, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Ms. Sagar Constructions, 1-2-524, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mohammed Abdul Faathu, sjo Mohd. Moosa 21-1-640|2, Ricab Gunj. Madina Building, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Falt No. 306 in HIrd floor of Sagar Apartments, Domalguda, Hyderabad admeasuring 1000 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4176[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Anthority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3-1984

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Rel. No. RAC, No. 13[84-85,-Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at Domalguda Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

at Hyderabad on Aug, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Sagar Constructions, 1-2-524, Domalguda Hyderabad.

(Transferor)

(2) M|s, Doshi Gandhi, Enterprises, Rep. by Sri M. P. Doshi, 9-Parsee Church Street, 2nd floor, Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chemter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 in IIIrd floor of 1-2-524. Sagar Apartments, Domalguda, Hyderabad admeasuring 1000 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4181 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

(1) Ms. Fereze Builders, Kareemabad Colony, Chiragali-lane, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sadruddin, Market Road, Mahaboobnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 14|84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

No. Flat situated at Chirag Ali Lane Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Aug, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2 in 5-8-492 and 493, Chirag all lane, Hyderabad admeasuring 300 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5059|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-4-1984

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 15/84-85.—Whereas, J. M. JFGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Domalguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on Aug, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mis. Sagar Constructions, 1-2-524. Domalguda, Hyderabad.

Transferor)

(2) Sri Anil Kumar R, Shah, soo Ramaniklal Shah, Smt. Prabhavathi R, Shah, wo Ramaniklal Shah, 38, Jeera, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305 in IIIrd floor of Sagar Apartments, Domalguda, Hyderabad admeastring 1000 s.ft., registered by the S.S.O., Hyderabad vide document No. 4174|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 16]84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. Flat situated at Domalguda Hyderabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under registeration. Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on Aug, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mls. Sagar Constructions, 1-2-524, Domalguda, Hyder 1011.

(Transferor)

(2) Smt. Prabhaváthi Kalyanji, wo Kalyanji Kashavii Gala, 14-2-332 18, Gyanbagh Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103 in 1st floor of Sagar Apartments, Domalguda, Hyderabad admeasuring 1000 sft., registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 4175/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

10701

FORM ITNS---

 M|s. Sagar Constructions, 1-2-524, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 17/84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Domalguda Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Hyderabad on Aug, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of he liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

53-56 GI]84

 Miss L. Sundaramma, d|o late L. B. Somayajulu, 132-A, East Marredpally, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (5) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used kerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE STHEDULE

Flat No. 104 in 1st floor of Sagar Apartments, Domalguda, Hyd'bad admeasuring 970 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4169 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

(1) M/s. Sagar Constructions, 1-2-524, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 18|84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No Flat situated at Domalguda Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed herto), has been transferred.

tin ier the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Aug, 1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property us aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
 - b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Srichand G. Karamchandani, s|o Govardhan Das D. Karamchandani, 203-A, Nandanam Apartments, Fatehsultan Lane, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 409 in IVth floor of Sagas Apartments, Domalguda, Hyderabad admeasuring 1250 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No.4170|83,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-4-1984

Scal:

Libling water production of the Architecture, 1900)

FORM ITNS-

(1) M|s. Sagar Constructions, 1-2-524, Domalguda Hyderaba.d (Transferor)

(2) Sri Zaheer Ahmed Siddiqui, c|o Gulam Ahmed Siddiqui, 3-6-196, Himayathnagar, Hyderabad-29. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

at L 🔼

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 19|84-85Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and

No. Flat situated at Domalguda Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

at Hyderabad on Aug, 1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby editate proceedings for the acquisition of the aforesaid presents by the issue of this notice under subsection (1) or section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within 2 period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flet No. 109 in 1st floor of Sagar Apartments, Domalguda, Hyd'bad admeasuring 1250 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4171|83.

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-4-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th April 1984

Ref. No. RAC. No. 20|84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at Domalguda Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

at Hyderabad on Aug, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Sagar Constructions, 1-2-524, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Lata Sharma, wo Shiv Prakash Sharma, 21-7-436, Rikabguni, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304 in III Floor of Sagar Apartments, Domalguda, Hyd'bad admeasuring 970 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4168/83.

> M. JEGAN MOHAN
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-4-1984

1 2/1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR

CR BUILDING, P.P. ESTATE, NEW DELHI New Delhi, the 5th April 1984 Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|8-83|910.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bering

No. Plot No. E-51 situated at G.K.I. N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Delhi on Aug, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Shashi Sethi wo Sh. K. P. Sethi Mr. Ashok K. Sethi so Sh. K. P. Sethi both ro C-60, Jangpura Ext. New Delhi.

(Transferee)

(2) Smt. Harbans Kaur wo Lt. Col. Balbir Singh, Mr. Rajiv Singh so Lt. Col. Balbir Singh, Mr. Virender Singh so Lt. Col. Balbir Singh, Mrs. Uma Singh do Col. Balbir Singh, all ro 16-Aurangzeb Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any ofher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E151, Greater Kailash-I, New Delhi mg. 300 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date 5-4-1984 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1984

Rcf. No. IAC|Acq.1|SR-III|8-83|969,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S-350 situated at Gr. Kailash-I, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Smt. Amrit Kaur
woo late Surjit Singh,
Sh. Kuldip Singh &
Sh. Malkiat Singh
ssolo late Surjit Singh and
Smt. Anup Kaur
do late Surjit Singh,
ro 28-Zamrudpur,
New Delhi,

(Transferor)

(2) Sh. Harbans Singh Kainth s o late Amar Nath Kainth, r o E.128, Mohammadpur, near R. K. Puram, Sec.-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S-350, Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 300 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 5-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sh. K. S. Krishnan and
 Mrs. Lalita Krishnan,
 S-438. Gr. Kailash-I,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Sethi and Shri Ashok Kumar Sethi, r o C-60, Jangpura Extn., New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,

NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|SR-III|8-83|922.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S-438 situated at Gr. Kailash-I, N. Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

has been transferred in the Office of the Registering Officer at N. Delhi on Aug., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11 storeyed house No. S-438, Greater Kailash, New Delhi mg. 218 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Delhi|New Delhi

Date: 5 4-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Major Vasu Dev Vora, C-185, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Rawel Kaur c|o Zenith Saree House, 2402|3, Hardhayan, Singh Rd., Karol Bagh New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|8-83|909.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-anl bearing

No. C-185 situated at Gr. Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

N. Delhi on Aug., 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed, to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); C-185, Greater Kailash-I, New Delhi mg. 332 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date: 5-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING. I. P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|8-83|906.--Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. E-85, situated at Gr. Kailash-II, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at N. Delhi on Aug., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

nersons. namely:---

(1) Rakosh Jain co Chandra Sen Jaio, co S. P. Aggarwal, E[482, Gr. Kailash-II. New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kavshalya Verma wo Dharam Pal Verma, ro E-85, Gr. Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. B of property No. E-85 mg, 1605 kg, ft. Greater Kailash-II. New Delhi

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range-L Delhi New Delhi

Date: 5-4-1984

S-al :

54 - 56 GI|84

Anna and a see the second of t

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1984

Ref. No. IAC|Acq,I|SR-III|8-83|918.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S-139 situated at G. K.-H. N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi on Aug., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitatin gthe reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, la respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any mome of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

 Smt, Raman Anand w.o Ashok Anand, rio D-28%, Defence Colony, New Delhi.

(Limiteron)

(2) Master Pankaj Agarwal
slo P. C. Agarwal,
Master Pranay Agarwal
slo P. C. Agarwal,
Baby Miss Vandans Agarwal
dlo Sh. P. C. Agarwal,
Baby Miss Alka Agarwal
dlo Sh. P. C. Agarwal,
rlo 416, Kucha Brij Nath,
Fatehpuri, Chandni Chowk, Delhi
through mother Smt. Shashi Bala Agarwal and
grand-fother Harchand Rai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the servcie of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicution of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHIDULE

H. No. S-139, mg, 298 sq. yds. Greater Kailash-H. New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range i, Delhi-deve Delhi

Date : 5 4-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGLI, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|8-83|928,—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 203 situated at Okhlo Indl. Estate Ph. III, N. Dolhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at N. Delhi on Ang. 83

N. Delh on Ang., 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestal exceeds the apparent consideration therefor by more than filtern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mis Dutta Scientific Works (Delhi), 51-Okhla Industrial Estate, New Delhi, through its sole prop.
 Y. D. Sharma.

(Transferor)

(2) Saraf Steel Pvt. Ltd., Alipur Road, Delhi-54 through its Managing Dir. Sh. Vijay Saraf.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 NPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 203, Okhla Industrial Estate, Phase-III, New Delhi mg. 1202 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 5-4-1984

(1) Sh. G. L. Gagnaja sio Sh. B. M. Gagnaja, cio D[33, Kalkaji, New Delhi.

(fransleror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Surjeet Singh sio S. Sajjan Singh, no Di30, Kalkaji. N, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1984

Rei. No. IAC Acq.1|SR-III|8-83|978.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. D|34, situated at Kalkaji, N. Delbi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

Under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at N. Delhi on Aug., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason we believe that the tair market value of the property as afore-tife exceeds the apparent consideration therefor by more than infloen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) isothisting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D|34, Kalkaji, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date : 5-4-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPPICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-J G-J3 GROUND FLOOR OR BUILDING I P. LSTATE, NEW DELHJ

New Delhi, the 5th April 1984

"Rel. No. IAC, Acq.ISR-III 8-83,959,---Whereas, J. "SUDHIR CHANDRA,"

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C-540 situated at Defence Colony, New Dean (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act., 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on Aug., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such to post me agreed to hotten the carries has not used to the said instrument of tomster winth object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M|s Gopal Dass Estates & Housing (P) Ltd., 28-Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) M|s ACT Developers (P) Ltd., M-65, Connaught Circus, N. Delhi.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C 540, Defence Colony, New Delhi mg 325 sq yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 5-4-1984

Seal .

HORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|8-83|996.-Whereas, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Salahpur, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at

N. Delhi on Aug., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the valid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S|Shri Hoshiar Singh and Kanwar Lal ss|o Puran Singh and Smt. Rukmani Devi w|o Kanwar Lal, r|o Village Bijwasan, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Veena Mehra
wlo Major P. K. Mehra.
rlo D-7/6, Vasant Vihar.
N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertys nay be made in writing to the understance :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exp? 37 later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land ing. 22 bighas and 8 biswas, M. No. 16. killa Nos. 21(4-16), M. No. 17, killa No. 25(4-16), M. No. 22, killa No. 4|2(2-8), 5(4-16), 6|1(0-16), M. No. 23, killa No. 1(4-16), with tube-well, etc., Salahpur, Teh. Mch., N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 5-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMB-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|8-83|973.---Wherens, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000[- and

No. S-15 situated at Panchsheela Park, ND

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

N. Delbi on Aug., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value o fitte property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Lakshmi Mazumder, S-15, Panchsheela Park, New Delhi-17.

(Transferor)

(2) Mrs. Sharda Dalmia, Mrs. Saroj Dalmia, Mrs. Kusum Dalmia, Mr. Ramesh Dalmia, Mr. Sanjiv Dalmia, S-306, Pancheheyla Fark N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: .-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S-15 Pauchsheela Park, New Delhi mg. 800 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi New Delhi

Date: 5-4-1984

Seal ;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. FSTATE,
NFW DELHI

New Delhi, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|8-83|974.-Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. MCD No. 4986 situated at S. Bazar, Jungpura, Bhogal,

N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

N. Delhi on Aug., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ≖nd /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 26°D of the aid Act to the following persons, namely ;-

a dan Saroop Sanch Lat. Lo do Mashd Road, Jangpura, Bhogal, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Smr. Shreaha Rani. wio Madan Kishore, Smt. Kiran Rani wo Prem Pal, 10 4986, Bazer Lanc. Bhogal, New Delhy. Baij Nath s o Murari Lal, rlo T-52, Samman Bazar, Bhogal, N. Delhi. Smt, Kiran Khattar wo D, R, Khattar, ro Plot No 29, Block No. 2, W.H.S. Kirti Nagar, N. Delhi

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

MCD No. 4986, plot|kh. No. 806, mg. 342 sq. yds S. Bazar, Jungpura, Bhogal, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-L. Delhi New Delhi

Date : 9-4 1984 Scal;

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGF-I, G-13 GROUND FLOOR OF BUILDING, I. P. LSTATE. NEW DELDI

New Delhi, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-111|8 83|911, - Whereas, f. SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. E-466 situated at Okhla Industrial Area. Phase-II, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at N. Delhi on Aug., 83

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---55-56 GI|84

(1) M/s Auto Engineering Industries through its partners Sohan Lal and Kewul Krishan, rlo 60[26, Ashok Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Pragati Accesories Pvt. Ltd., New Delbi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-46|6, mg. 619.4 sq. yds, Okhlo Industrial Area Phase-II, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-L. Delhi New Delhi

Date: 9-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION .RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I, P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|8-83|983.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the itamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Sathari, N. Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

N. Delhi on Aug., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquilition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Mrs. Kumari Sachdeva wo Sham Lal Sachdeva, rlo M-72, Greater Kuilash-II, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mr. Deepak Vaid s|o Shri Girdhari Lal Vaid, r|o HIC|4, Lajput Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 12 bighas and 17 biswas khusra Nos. 690(3-5), 691(4-16), 692(4-16), village Satbari, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 9-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1984

Ref. No. IAC Acq. I|SR-III|8-83|921.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and hearing No. E-540 situated at Gr. Kailash II. N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

N. Delhi on Aug., 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M[s Bhatia Apartments, A-18, Kailash Colony, New Delhi

(Transferor)

(2) Mcs. Rani Kapoor
 w|o Shri J. C. Kapoor,
 76. Winchester Drive Heaton Norris,
 Stockport Choshire, U. K.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-540, Greater Kailash-II, N. Delhi mg. 550 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 9-4-1984

FORM · I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OTTICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGEN, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I. P. ESTATE, NEW DEI HI

New Delhi, the 9th April 1984

Ret No 14C/Acq I/SR-III 8-83/960 --- Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No F-101, situated at Gr Kailash-II, ND

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

N. Delhi on Aug, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as iforeact risked the a parent consideration therefor by more than filtern per cent of all happarent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 709D of the and Act, to the following persons, namely:

(1) Om Prakash Aggatwal slof I' Devi Dayal, rlo F-101, Gr. Kullash-II, New Delhi.

(2) The House Builders, P-17, Green Park I str., New Delhi, through its partner Sh. Rajesh Arona.

(Transferee)

(Transferor)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of property No. E-101, mg. 250 sq. yds, Greater Kailash-II, New Delhi

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|Ne v Delhi

Date 9-4-1984

beal.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. EST

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATT, NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acq,I|SR-III|8-83|951.--Whereus, I SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing

No. Plot No. A 58'2, situated at Okhla Indi. Atea, Phase-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

N. Delhi on Aug., 83

for an apparent consideration which is less than the four mark to due of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceed, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any incom cor any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforetaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manchy:—

(1) M/s Allied Metal and Engineering Works, 4-Park Area, Karol Bagh, New Delhi, through its partner Sh. S. S. Lai Kohn and SPA of remaining partners H. C. Kohli and Navin Kohli.

(Transferor)

(2) Lakshman Exports (P) Ltd., A-58[2, Okbla Industrial Area Phase-II, New Delhi, through its Director Sh. S. S. Lul Kohli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TAPIANTION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No A-58/2, mg. 1007.60 sq. yds. Okhla Industrial Area Phase-II, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date : 9-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OLLICI: OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1984

Ref. No. 1AC|Acq.I|SR-III|8-83|972.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H-62 situated at Kotlamubarikpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on Aug., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of unasfer with object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Pushpa Devi wo late Sh. Sardara Singh, ro House No. H-61, Subash Market, Kotlamubarikpur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Chameli Devi wo Sh. Chhitter Mal Aggarwal, ro H. No. 360, Kotlamubarikpur, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Probles (i.e. single storey house), part of MCD No. H-62, erected on the plot, about 45 sq. yds., part of khasra No. 633|21, situated at Kotlamubarikpur, N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date : 9 1-1984

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATE,

NEW DELHT

New Delhi, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|8-83|927.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-261, situated at Gr. Kailash-I, N. Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at N. Delhi on Aug., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secton 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Ravinder Singh so late Surinder Singh, ro W-103, Gr. Kaílash-I, New Delhi.

(2) Anoop Kumar Jalota
s o Roop I al Jalota,
r o B-211, Greater Kailash,
New Delhi.
and Madan Kukreja,
s o D. K. Kukreja,
r o 23, Feroz Gandhi Road,
Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1]4th share of property No B-261, mg 351 sq. yds. Greater Kailash-I, N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Date: 9-4-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|8-83|971.—Whereas, f, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 115, Pvt. No. S-1 situated at Gr. Kailash, No v Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at N. Delhi on Aug., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Through its partner Smt. Necta Seth wo Sh. Satish Chand Seth tlo G-1116. Daryagan, New Delin.

(Timeferar)

(2) Sh. S. K. Ahuja slo late Sh. R. K. Ahuja, Smt. K. K. Ahuja wlo Sh. S. K. Ahuja, rlo C-3, Gicater Kailash-l New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same merning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat of second floor (Pvt. No. S-1), Plot No. 115, Greater Kailash, N. Delhi mg. 43 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1984

Ref. No. 1AC|Acq,I|SR-1II|8-83|930.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the indoovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-IV|38, situated at Lajpat Nagar, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on Aug., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (-of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—56—56 GI|84

(1) Sh. Ved Parkash slo Shri Basant Ram, r o 2876, Kucha Chellan, Daryagani, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Satish Kumar Sood sio Shri Purchand Sood, rio A.IVi6, Lajpat Nagar, (D. Storey), New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5-IV|38, Lajpat Nagar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 9-4-1984

(1) Shri Hari Chand S|o Mittal R|o Dera Mandi, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Rlo Dera Mandi, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|82-83|911.--Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. Land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(2) Shri Om Prakash So Sultan Singh

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 11 bighas and 14 biswas M. No. 41, Killa No. 1 (4-12), 2(2-0), M. No. 97, Killa No. 24(1-12), M. No. 114, killa No. (3-10), Village Dera Mandi, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi New Delhi

Date: 9-4-1984,

(1) Smt. Bachant Kaur 59-Jain Mander, New Delhi.

(2) Sh. Vijay Kumar, 5130,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, L P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1984

Ref No. 1AC|Acq1|SR-III|8-83|952.—Whereas, 1, SUDHJR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Double Storey House, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Main Bazar, Pahargani, New Delhi.

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storey house kucha built mg. 133 sq. yds., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi.

Date: 9-4-1984,

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONI-R OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acq l|SR-III|8-83|932.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No.

Agr. Land situated at Vill. Godaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (10 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motion under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Khazan Singh S|o Sh. Surjan of Vill. Godaipur, Teh. Meh., New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Gopal Saraf, Director of Jeevan Vihar Properties Pvt. Ltd., at 53, Chowransee Road. Calcutta-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 3 bighas and 4 biswas out of his share 45/33th in land vide khasra Nos. 69, 70/1, 70/2, 71, 72, 74, 92 94, 93, 95, 106 and 134, village Gadaipur, Teh, Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-I,
Delhi|New Delhi

Date: 9-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-1Π|8-83|933.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Agr. Land situated at Vill. Gadaipur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi on 1-8-1983.

for an appa ent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Khazan Singh S|o Sh. Surjan of Vill. Gadaipur, Teh. Meh., New Delhi,

(Transferor)

(2) Shii Ram Gopal Saraf, Director of Jeevan Vihar Properties Pvt. Ltd., at 53, Chowransee Road, Calcutta-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used become as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 4 bighas and 16 biswas, out of his 5|33th share, vide khaste Nos. 69, 70|1, 70|2, 71, 72, 74, 92, 93, 94, 95, 106, and 134 area of vill. Gadaipur. Teh. Meh.. New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi.

Date: 9-4-1984.

FORM ITN9---

(1) Shri Khazan Singh Soo Sh. Surjan of Vill.
Gadaipar, Teh. Meh., New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ram Gopal Saraf,
Director of Jeevan Vihar Properties Pvt. Ltd.,
at 53, Chowransce Road,
Calcutta-16.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NE'V DELHI

New Delhi, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|8-83|934.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as t'ze 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. Agr. Land situated at Vill. Gadaipur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1932 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the oublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. J bighas 9 biswas, 29|138th share of Khasra No. 41, 105, 107, 108, 109, 131, 128, 129, 130, 225, 236|1, 236|2, of village Gadalpur, Teh. Meh., N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Delhi|New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-4-1984,

(Transfice)

FORM ITNS-

 Sh. Narain Singh Slo Sh. Sultan Singh rlo village Gadaipur, Teh. Meh. New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF FHE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Rain Gopal Sarur, Director of Jeevan Vihar Properties Pvt. Ltd., at 53, Chowrangee Road, Calcutta-16.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND ILOUR CR BUILDING, I P ESTATE. NEW DELIII

New Delhi, the 9th April 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|8-83|935 -- Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

(b) by any other person interested in the said immovabre property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

No. Agr. Land situated at Vill. Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi in August 83

> EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the latof the fransferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the manafer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land mg. 4 bighas and 16 biswas, out of his 5|33th share vide khasta Nos. 69, 7017 70|2 71, 72, 74, 92, 94, 95, 105 and 134, area of vill. Gataipur, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDEA Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 9 4 1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAN ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, '

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 9th April 1984

Ref. No. 1AC|Acq1|SR III|8-83|936 —Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Althority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000) and

bearing No Agr Land situated at Vill Dadaspur, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at New Delhi in August, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957),

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely —

(1) Shri Tuk, Ram Sic Surjan of Village Gadaipur, Teh Meh, New Delhi (Transferor)

(2) Shii Ram Gopal Sarat, Director of Jeevan Vihir Properties Pvt Itd at 53 Chowlangee Road, Calcutta-16.

(Transfice)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg 4 bighas and 16 biswas, out of his 5(33th share vide khasia Nov 69, 70|1, 70|2, 71, 72, 74, 92, 94, 93, 95 106 and 134 area of vill Gadaipur, Teh Meh New Delhi

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
Delhi|New D II

Date 9 4 1984 Seal .

FORM ITNS-----

 (i) The Paradam Famor To The Killing Single (to till Gastingen)
 (ii) Meh. New Oeth

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ram Gopal Saraf, Director of Jeevan Vihat Properties Pvt. Ltd., at 53, Chowrangee Road. Calcutta-16.

(Transfree)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.
G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATE,
NFW DELHI

New Delhi, the 9th April 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. 14C'Acq I'SR-III 8-83|937.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rv 25,000/- and bearing No.

Ngr. Land situated at Vill. (sadaipur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at New Delhi in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--57---56 GII84

THE SCHEDULE

Land mo 4 bighas and 16 biswas, out of his 5|33th in the land vide khu or Nos. 69 70|1, 70|2, 71, 74, 92, 93, 94 95, 106 and 134 mea of Vill Gadaipur Teh. Meh., New Delhi

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi!New Delhi.

Date 9-4 1984 Sent : FORM IT.NS.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I, P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|AcqI|SR-III|8-83|938—Whereas, I, SUDHIR (HANDRA, being the (ompetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. Agr. Land situated at Vill. Gadaipur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at New Delhi in August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Rattan Singh So Shri Surjan village Gudupur, Joh. Moh., New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Gopal Saraf Director of Jeevan Vihar Properties (P) Itd., at 53, Chowransee Road, Calcutta-16.

(Transfrco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 4 bighas and 16 biswas, out of his 5|33th share, vide khasru Nos. 69, 70|\$\forall f\$, 70.2, 71, 72, 74 92 93, 94, 95, 106 and 134 area of Vill. Gadainur, Teh. Meh. New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax Acquisition Range-f, Delhi|New Delhi

Date: 9-4-1984, Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 14th March 1984

 \sim Ref. No. P R. 2732|Acq.-23|U|83-84.— Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

hearing No. R.S. No. 193A paiki situated at Vijulpui Tal Navsari

(and more trilly described in the Schedule aunexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

office of the Registering Officer at Officer at Navsari on 12-8-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have heason to behave that the fair marker value of the property as arrorsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Incititating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Mangubhai Khushalbhai Patel 2. Thakorbhai Khushalbhai Patel Pavanivad — Tarota Bazar, Navsari
 - (Transferor)
- (2) Ganga Co. op. Hsg. Socy., Kadamban Center, Station Road, Naysari.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Jand is situated at Vijalpiur Tal: Navsari R. S. No. 193A Paiki adm. 9776 sq. ft. The document is regd. at S.R. Navsari vide No. 2632 date 12-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 14-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th March 1984

Rel. No. P.R. No. 2733 Acq.23₁11[83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. R.S. No. 193A parki Vijalpor Tal. Navsari,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Navsari in August 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any locome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Thakorbhai Khoshalbhai Patel,
 - Mangubhai Khushalbhai Patel, Pavani Vad Tarota Bazar, Navsari,
 - 3. Natwarbhai Punjabhai Patel, Asha Nagar Navsari,

(Fransieror)

 Shri Jesal Co-op. Hsg. Socy. Kadambari Center—Station Road, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The laud situated at Vijalpor Tal. Navsari S. No. 193A paiki adm. 9682 sq. ft. The document is regd, at S.R. Navsari vide No. 2402 August 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 14-3-1984

- (1) 1 Mangubhai Khushalbhat Patel.
 - Thakorbhai Khushalbhai Patel, Pavani Vad, Tarota Bazar, Navsari.

(Transferot)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shir lesal Co-op. Hag Socy Kadambari Center, Station Road,

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Act, shall have the same meaning as given

(Transferse)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASMRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2734 Acq.23 [II]83 84 —Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

beating No RS No. 193 \ paikt Vijalpui Ial, Navsati (and more fully described in the schedule annexed hereto), bearing No RS has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 5-8-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION: - The terms and explessions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The land at Vijalpor Tal. Navsan R.S. No. 193A paiki adm. 9776 sq. ft. The document is regd. at S.R. Navsari vide No 2491 Dt 5-8-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the i-sue of this notice under ub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-3 1984

Stal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD **AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 14th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2735 Acq.23 [II] 83-84.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 193A paiki Vijalpor Tal. Navsan, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Navsari on 3-8-83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) I. Mangubhai Khushalbhai Patel,

Thakorbhai Khushalbhai Patel, Khakharia Vad Tarota Bazar, Navsari,

3 Natwarlal Punjalal Patel, Asha Nagar, Navsari.

(Transferor)

(2) Shri Chandanvan Co-up. Hsg. Socy.. Kadambari Center, Station Road, Navsari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are demed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land situated at Vijalpor S. No. 193A paiki adm. 7072 sq. ft. The document is read, at S.R. Navsan vide No. 2485 dated 3-8-83,

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the 'ollowing persons, namely:-

Date: 14-3-1984

FORM ITNS---

NOTIC: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mangubhai Khushalohai Patel
 Thakorbhai Khusnalbhai Patel, Khuvri Vad-Tarota Bazar. Navsari.

 Natwarbhai Punjabhai — Asha Nagar Navsari.

(Transferor)

 Shii Chandanyan Co-op, Hsg. Socy., Kadambari Center, Station Road, Nassari.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2736 Acq.23|II|83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S No. 193A paiki Vijalpor Tal. Navsati,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 5-8-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land at Vijalpor S. No. 193A paiki adm. 7930 sq. ft. The document is regd. at S.R. Navsari vide No. 2490 Dt. 5-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Abruedabatt

Date: 14-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE, AHMEDABAD 380009

Ahmedabad-380009, the 14th March 1984

Ref No. P. R No 2737 Acq. 23 [11]83-84---Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing R. S. No. 126 Paiki Maktampura,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Bharuch on Aug, 1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or pny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

i, Palin Tagatin Mansh 2, FO Theremopal

(Transferors)

(2) Star Verry Pirk Color Har Socy, Maktampura Lit. Dr.t. Bharach

(fransferce)

Objections, if any, the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 40 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land situated at Makatampure S. No. 126 paiki adm J Acre.
The document is read at S R. Bharuch vide No. 1718 Aug. 1983.

R. R. SHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

DAte : 14-3-1984 Seal :

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISTION RANGL, AHMLDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 14th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2738 Acq. 23/II/83-84--- Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing S. No. 277 Paiki, Gad Khol Tal Ankleshwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

atAnkleshwar on 20-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) (1) Bai Punji walo Mohan Vasan

(2) Bal Shanta dio Mohan Vasan At Gadkhol V.K. Gulamhussein Nathubhai Kher At Gandhu Tal; Valia

(Transferor)

(2) Mayanagari Co. on, Hsg. Socy. President:—Azizur Rehman, 4, Patel Mamalapark Socy. Ankleshwar Secretary:—Mahesh Ganpat lal Bhaysar Bhugyodaya Socy, Ankleshwar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoviable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land at Gadkhol Tal: Ankleshwar S. No. 277]- Paiki adm. 32670 sq. ft. The document is rtgd. at S. R. Aikleshwar vide No. 1936 Dt. 2-8-83.

> R. R. SHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition 'Range--II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the 'said Act' to the following rersons, namely ;--

Date: 14-3-1984

Seal:

58---56 GI|84

(1) M|s Shree Ram Aptt. Co. op. Hsg. Socy. 1|864 Athugar Street, Timalia wad, Nanpura, Surat, (Transferor)

(2) Shri Kamal Surendra Inamdar Clo A. Inamdar 2-B ' Hari Niyas' K.V.N.N. Cioss Lone. A. K. Marg, Bombay-400036.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACL, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th March 1984

Ref. No P. R No. 2739 Acq. 23 [11] 83-84- Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 911 situated at Shri Ram Apit, Nanpura Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering undersigned at 37EE on 25-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

IPXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The flat situated at Rajeshwar Aptt. on Ninth Floor adm. 600 sq. ft. The document have been submitted to the office of the under singed as per 37 EF received on 25-8-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmeanhad

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-3-1984 Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2740 Acq. 23 JJ 83-84 Whereas J, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 294 & 295 P S.No. 621 P 58 P 56 P, 136 P 137 P Village Chiri Taj : Pardi No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Paidi on 11-8-1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income OF any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Rama Industrial Chemicals Pvt. Ltd. 812. Rekha Chambers, Nariman Point, Bombay 400021.

(Transferor)

(2) Rama Pulp & Paper Pvt. Ltd. 812, Rekha Chambers, Nariman Point-Bombay-400021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Iand situated at village Chiri & chavad Tal: Pardi. S. N o. 621|P. 58|P, 56|P 136|P. 137|P adm. 23420 sq. mtrs. The document is regd. at S. R. Pardi vide No. 1258 Di. 11-8-83.

> R. R. SHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aiquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15-3-1984

FORM 1.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISTION RANGE, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th March 1984

Ret. No. P.R. No. 2741Acq.23|I1|83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. R.S. No. 240 Plot No. 8 Akota—Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Officer at Baroda on 2-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesuld property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than nitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shamsunder Yashwantrao Khedkar 2]18, Gujarat Refinery Township P.o. Jawaharnagar, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Kiranbhai Manmohandas Shah, Mehta Pole, Kashi Sheri Baroda.

(Tiansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Akota R. S. No. 240 Plot No. 8 of Someshwat Socy, adm. 344 sq mtr. Document for transfer of property regd. with S.R. Baroda under No. 4645 Dt; 29-8-83

> R. R. SHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the suid Act, I hereby mittate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

DAte: 14-3-1984

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2742Acq.23|II|83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. Sangita Apartment Flat No. 402 Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda on 8-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of hie aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Natubhai Apabhai Patel, 27, Abhishek Society, R.C. Circle, Baroda.

(Transferoi)

(2)Shri Laxmichand Nagjibhai Shah, 402, Sangita Apartment, Alkapuri, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

1 (PI MATION):—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat at Alkapuri, 402, Sangita Apartment adm. 1270 sq. ft. Document for transfer of property regd. with R.R. Baroda under No. 4207 Dt. 8-8-1983.

R. R. SHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Line: 15-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th March 1934

Ref. No. P. R. No. 2743.Acq.23|11|83-84.—Whereas, I, R. SHAH.

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sayajiganj—Amar Hat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Barcala on 12-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Amar Builders & Contractors
 C|o Premchand Shamjibhai Patel,
 10, Kasturba Nagar,
 behind Station,
 Baroda

(Transferors)

(2) Shri Pravinbhai Ramabhai Patel, 7, Anand Society, Race Course Road, Baroda.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat at 'Amar Flat' Sayajiganj adm. 1230 sq. ft. Document for transfer of property regd. with S. R. Baroda under No. 5080 Dt. 12-8-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad,

Date: 15-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND 1-1 OOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2744.Acq.23|II|83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Sayajiganj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda on 29-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or are moneys or other assets which have not been o, which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indiar Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notic under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Amar Builders & Contractors
 Clo Shri Premchand Shamlibhai Patel,
 10, Kasturba Nagar,
 behind Station,
 Baroda

(Transferors)

(2) Smt Bhanumatiben Shandlal Patel, Sayajigani, Anand Society, Ashirvad Appartment, Baroda.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable peroperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Sayajiganj adm. 1186 sq. ft. Document for transfer of property regd. with S. R. Baroda under No. 5077 Dt. 29-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 15-3-1984

FORM ITNS . -

 Sint, Sakina Abbas Karim & Others, Clo Mr H M Mir.
 Binanagar Vasna Road, Baroda,

(Lranslerois)

(2) Shu Giran Prakash Gangland, 14. Kalpna Socy Rice Course Baroda

(Transferges)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2745 Acq.23 II 83-84 - Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No 342 situated at Tandalja, Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at Baroda in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Typianation .—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Tandalja R. S No. 342 adm. 8075 sq. ft. Document for transfer of property legd, with S. R. Buloda under No 4221 Aug 1983

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedahad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date: 15-3-1984

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2746 Acq 2311183-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Sayajiganj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Enorda on 29-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—59—56 GI|84

(1) Amer Thiklers is Contractors
Clo Premchand Shamjibhai Patel,
10, Kasturba Nagar,
behind Station,
Baroda

(Transferors)

(2) Shi Hasmukhbhai Prabhudas Gosalia, Jelikepa Pyt. I td. Atladara, Baroda.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Sayajiganj adm. 1239 sq. ft. Document for transfer regd. with S. R. Baroda under No. 5079 Dt. 29-8-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedobal.

Date: 15-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II

2ND LLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, ALIMI DABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2747.Acq.23[11]83-84.—Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Sayajiganj Flat No. 2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Baroda on 22-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Amar Builders & Contractors Clo Premchand Shampbhai Patel, 10, Kasturba Nagar, behind Station, Baroda

(Transferors)

(2) Smt. Nirmalaben Arvindbhai Patel, Jelikeps Pvt. I td Atladara, Tal: Baroda.

(Transferees)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Baroda Sayajiganj adm. 1186 sq. ft. Document for transfer of property regd, with S. R. Baroda under No. 5082|Dt. 22-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition
Adequisition
Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-3-1984

Seal -

- 1

(Transferors)

([ransleree)

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 8-3-84.

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2748Acq.23/II/83-84.--Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. S. No. 243, 244, 245 situated at Kadi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer at Kadi on 1-8-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Shubhlaxini Co. op. Hsg. Socy (Proposed), Clo Shri Amiatlal Dwarkadas Patel Shij Dashrathbhai Chunilal Patel,

(1) Patel Buchardas Atmaram

fal: Kadi Dist. Mehsana.

Kundal

Kadi,

Dist. Mehsana.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used begein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kadi R. S. No. 243, 244, 245 adm. 13556 sq. ft. Document for transfer of property regd. with S. R. Kadi under No. 1901 Dt. 1-8-83.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Shri Babubhai Prandas Patel Mukhino Vas, Neat Chora. Kalol Dist. Mehsana.

(Transferors)

NCOME-

(2) Shri Bholabhai Hargovandas Patel Ilvan Prakash Co.op. Socy Kalol Dist Mehsana.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF JHL INSPECTING ASSISTAN1 COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1984

Ref. No P R. No. 2749Acq 23 [II] 83-84.—Whereas, J, R. R. SHALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R S. No. 10 situated at Kalol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Kalol on 8-8-1983

persons, namely :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 ot 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein. as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Kalol S. No. 10 adm. 2400 sq. yds. Document for transfer of property regd. with S. R. Kalol under No. 1329 Dt. 8-8-83.

R. R. SHAII Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 8-3-84,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHM DMBAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1984

Ref. No. P. R .No. 2750.Acq.23[II]83-84.-Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 324, 325, 326 situated at Nadiad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Nadiad on18-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shu Kanubhai Ambalal Desai

Gangamaiya Socy. College Road, Nadiad. Shri Dilipbhai Jayantibhai Desai

Shakti Park Socy, College Road, Shri Rupenkumar Vithalbhai Desai Bhayandag Khudki,

Nadiad.

(Transferors)

(2) Shri Vasudev Shankerlal Dalvadi, New Pali Hill Quarry, Sevalia, Tal: Thasara.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nadiad R. S. No. 324, 325, 326 adm. 3389 sq. mir. Document for transfer of property regd. with S. R. Nadiad under No. 3365 dt. 18-8-83.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-3-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dhyani Haribhai Gordhanbhai 'Kailash Bhuvan' Undi Sheri—Anand.

(Transferors)

(2) Patel Jashbhai Vaghjibhai Navrang Socy, Amul Dairy Road. Anand.

(Transferces)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2751.Acq.23|II|83-84,---Wnereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. TPS. 4 FP 95 1 situated at Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Anand on 6-8-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or sthe Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Anand TPS, 4 FP 95|1 adm, 526.38 sq. mtr. Document for transfer of property regd, with S. R. Anand under No. 3610 dt. 6-8-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahutedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-3-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSL, ASHRAM ROAD, ATMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1984

Ref. No. P. R. No 2752 Acq.23 | II | 83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. T.P.S. 3 F.P. 214 situated at Anand
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Anand on 2-8-1983

Annual on 2-8-1983
for an apparent consideration which is less than the for market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. SShri Mangalbhai Vithalbhai Chauhan

Mohanbhai Vithalbhai Chauhan,
 Babubhai Vithalbhai Chauhan,
 Anaud.

(Transferers)

(2) Shri Nitinkumar Ravjibhai Patel, Yogi Park Socy.Nr. Greed Anand,

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Anand TPS, 3 FP, 214 adm, 1935 sq. mtr. Document for transfer of property regd, with S. R. Anand under No. 3561 Dt. 2-8-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Seal:

Date: 6-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMPDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2753¹Acq.23|It¹83-84 —Whereas, f, R, R, SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. T.P.S. 5 F.P. 4 situated at Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 9-8-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax * Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Balkrishna Chandulal Shah, Raghunathjini Pole, Nadiad

(Transferor)

(2) Patel Narsibhai Lakhubhai Bin Khunjibhai & Others— Near Kailash Bhumi, Anand

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N. A. land at Anand T.P.S. 5 F.P. No. 4 adm. 895 sq. mtr. Document for transfer of property regd, with S.R., Anand under No. 3624 dated 9-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2754 |Acq.23| Π |83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. T.P.S. 2 F.P. 548 situated at Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anand on 10-8-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforosaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—50—56 GI|84

 Shri Jesingbhai Boghabhal Parmar, Clo Bhatt Ramanlal Chhotalal (P.A. Holder), Kaseujini Khadki, Anand.

(Transferor)

(?) Dr. Kiritbhai Fulabhai Amio, Opp. Navlivala Bldg., Upper Floor of Knira Dist. Madhyastha Sahkari Bank, Anand.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Anand TPS, 2 P.F. 548 adm. 474 q mtr. Document for transfer of property repd, with S.R., Anand under No. 3639 dated 10-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2755 Acq. 23 [II] 83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. T.P.S. 4 F.P. 219|4, 5, 6, 7 situated at Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anand on 20-8-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Shri Nanubhai Chhotabhai Chavde

2. Shri Harmanbhai Shanabhai,

1. Smt. Manekben Nanubhai,

 Shri Kantibhai Nanubhai,
 Shri Jayantibhai Nanubhai. Mangalpura-Tal, Anand.

(Transferor)

(2) 1. S|Shri Ravindrakumar Ambalal Patel, Nagjibhai Dodabhai's Khadki, Anand.

Sir Chhunibhai Somabhai Patel Nr. Ice Factory,

 Λ nand.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Anand T.P.S. 4 F.P. 219|4, 5, 6, 7 adm. 1126 sq mtr. Document for transfer of property regd. with S.R., under No. 3767 dated 20-8-1983.

R. R SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 69D of the said Act, to the following rersons, namely:--

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2756 Acq. 23 [H] 83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 425 situated at Kalol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on 2-8-1983,

Madras Central (Doc. 114|83) on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fitteen per cent of such apparent consideration and . that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Shantaben Ambalal Patel,

2. Ketankumar Naranbhai Patel,

Arvindkumar Mafatlal. Shreenagar, Kalol Distt. Mehsana.

(Transferor)

(2) Patel Natverlal Somabhai, Moti Nagar Co-op. Hsg. Socy., Kalol Distt. Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kalol S. No. 425 adm. 383 sq mtr. Document for transfer of property regd, with S.A., Kalol under No. 1299 dated 2-8-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Chunibhai Zaverbhai Patel, Anand Tal. Anand, Distt. Kaira.

(Transferor)

(2) Pragjibhai Mahijibhai Patel (HUF), Navlivala Bldg., Station Road, Anand, Tal. Anand Distt. Kaira,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2757 Acq. 23 [11] 83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. T.P.S. 2 F.P. 566 3 situated at Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 10-8-1983 & 12-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair names value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichwhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Anand T.P.S. 2 F.P. 566|3 adm. 505 sq mtr. Document for transfer of property regd. with S.R., Anand under No. 3637 dated 10-8-1983 and 3662 dated 12-8-1983.

> R. R. SHALL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSL, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th March 1964

Ref. No. P.R. No. 2758 Acq 23 [H 83 84.--Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

R. S. No. 114 F.P. No. 481 C.S. 1512 situated at Jetalpur. Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda, on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Vimlaben Baldevbhai Patel. 8-A, Amulakh Society, Ranip-Ahmedabad.

(Tran deror)

(2) Y. P. Patel & Associates, Clo Chetankumar Pramukhbhai Patel, Suvarnanagar Socy., Memnagar Road, Ahmedabad-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 appearation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Jetalpur (Baroda) R.S. No. 114 F.P. 481 C.S. No. 1512 adm. 685 sq mtr. Document for transfer of property regd. with S.R., Baroda under No. 4620 dated 1-8-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15-3-1984

FROM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Nileshwariben Sobanlal Doshi, 80, Moti Majan Scheme, Udaipur-313 001.

(Transterer)

(2) Smt. Taraben Nanalal Chokshi, Mehta Pole, Baroda,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2759 Acq 23 II 83-84.—Whoreas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Rs. No. 2330 situated at ayajigani, aroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 11-8-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for 1922 moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or 'he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULŁ

Building at Sayajiganj, 26, Friends Co-op. Hsg. Socy., Baroda, S. No. 2330. Document for transfer of property regd. with S.R., Baroda under No. 4872 11-8-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSF, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2760|Acq.23|II|83-84.—Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income_tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

R.S. No. 1672, 1673 situated at Dehgam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Dehgam on 17-8-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration at the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor te pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Nandubhai Govindbhai Amin, Aminvado, Dehgam, Tal. Dehgam.

(Transferor)

(?) Kalpananagar Co-op. Hsg. Socy. (Proposed) Clo Rajedrakumar Somehand Shah, Dehgam Tal. Dehgam, Distr. Ahmedabad (1) insferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Dehgam R.S. No. 1672, 1673 adm. 11804 sq mtr. i.e. 14160 sq yds. Document for transfer of property regdwith S.R., Dehgam under No. 665 dated 17-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Abmedabad-380 009, the 15th March 1984

Ref. No. P.R. No. 1761 Acq. 23 [II] 83-84,---Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1901) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1704 Flut No. 301 situated at Athwa Lines, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16, of 1908) in the Office of the Registration Officer (16 of 1908) in the Office of hte Registering Officer at Surat on 3-8-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1, Shri Manharlal Chunilal Vakharia Karta of HUF. 2. Shri Maheshchandra Manharlal Vakharla.

3. Rajeshchandra Manharlal Vakharia. Navapura Kadava Road, Surat.

(Transferer)

(?) Shii Satya Narayan Rathi, Radha Krishna Aptt. Narmad Magar, Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as? are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The I fot is situated at Athwa adm 900 sq ft, Flat No. 301. The document is read, at S.R., Surat vide No. 4145 dated

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedahad

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-3-1984

FORM ITNS.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th March 1984

Ref No. P.R. No. 2762 Acq. 23 [1] 83-84. Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 13-A Nondh No. 4-4 Paiki Viabhav Aptt. Co-op. Hsg. Flat No. C-3 situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed here;o). has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in August, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-61—56 GI 84

 Pravinchandra Manilal Modi. Athwa Lines, Opp. Ashwin Park, Vijay Vihar, Surat.

(2) Smt. Geetaben Bahadursinh Raj, C-1. Vaibhav Aptt. Athwa Lines, Surat_

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The flat situated at Vaibhav Aptt. Flat No. C-3 Athwa Lines. Surat Adm. 500 sq. ft. The document is regd at S. R., Surat vide No. 6734 August, 1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2763 Acq.23 [Π]83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 317-H. No. T.P.S. No. 3 Katargam-Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 6th August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Ravjibhai Tulsibhai Patel Vimlaben Ravajibhai Patel 3. Pravincvhandra Ravajibhai Patel V. K. Ashabhai Shankerbhai Patel Jayantibhai Tulsibhai Patel Savitaben Jayantibhai Patel Bharatbhai Jayantibhai Patel Pradeepbhai Jayantibhai Patel Manishbhai Jayantibhai Patel V. K. Jayantibhai Tulsibhai Patel Vimlaben Tulsibhai Patel Sardar Nagar Society, Sumul Dairy Road, Smat.

(Transferor)

(1) 1. Vasantkumar Hasmukhlal Mistry Kot Safil Road, Surat. 2. Kusumben Arvindlal Patel,

Ambavadi, Ahmedabad. Partner of Gunatit Associates.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EVPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property situated at Katargam S. No. 3817 T.P.S. No. 3 Plot No. 21 paiki 1444 sq. metre + 1444 sq. meter. The documents are registered at S.R. Surat vide No. 6987, 6986 dated 6-8-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 15-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2764 Acq.23|II|83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Plot No. 4 Block No. 14

Udhyognagar Udhana—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 30th August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incom earising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shantilal Ishwarlal Patel, 10, Satyakam Apartment Majuagate, Surat.

(Transferor)

Shri Chandrakantbhai Jagdishchandra Pal
 Himansu Prabhakant Pal
 Soni Falia,
 Moti Desal Vedo
 Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Udhna Udyognagar Sahkari Sang—Plot No. 4 Block No. 14 adm. 501.67 sq. meter. The document is registered at S.R. Surat vide No. 30-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 15-3-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIQNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2765 Acq.23|11|83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/an dbearing No.

Shree Apartment-3rd Floor-Flat No. 307

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Nandlal Mansukhlal At Rampura, Main Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri A. Ramanathan, 307, Shree Apartment, Nanpura Makkai Pool, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Flat is situated at Shree Apartment Nanpura, Makkai Pool, Surat. The document is registered at S.R. Surat vide No. 6680 August, 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 27th March 1984

Ref. No. P.R No. 2766 Acq.23|11|83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Ward No. 1 Nondh No. 318, 381, 382 Vaishali Co-op, Hsg. Flat No. 1-1 Nanpura—Surat, and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16)

of 1908) in the office of the Registered officer at Surat on 2-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Gop Kanaiyalal Chandvani, No. 6, Sagar Society, Timaliavad, Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) Ncena Gunvantiai Desai At Patel Chambers, Nanpura, Opp. Police Chokey, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The flat situated at Vaishali Co-op, Hsg. Society No. E-1 adm 624 sq ft. The document is registered at S.R. Surat vide No. 7012 dated 9-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Date: 27-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

9, Sweta Park Society, Ambawadi. Ahmedabad,

(1) Harish Babulal Mehta,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 27th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2767 Acq.23[II]83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Athwa Lines—Shital Apartment Flat No. 204 Athwa Lines—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Surat on 2-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :--

(2) Smt. Madhu Ashokkumar Kaul, C|22 Luthra Apartment, Navabwadi, Begampura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The flat is situated at Shital Apartment Flat No. 204, Godhod Road, Athwa Lines, Surat. The 37EE is received by the undersigned on 3-8-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 27th March 1984 Ref. No. P.R. No. 2768 Acq 23 H 83-84... Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward Umara Bombay Market Shop No. A-5—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 4-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Ms. M. Gokaldas & Co. 326 Old Post Office Gali, Mangaldas Market, Bombay.

(Transferor)

(2) Arvindkumar Sakarlal Kapadia, 7, Meru Apartment Gopipura, Kayastha Mohalo, urat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Shop is situated at Bombay Market A-5 adm. 764 sq. ft, The document is registered at S R. Surat vide No. 7011 dated 4-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedobad

Date: 27-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 27th March 1984

Ref. No. P.R No. 2769 Acq.23|H|83-84,--Whereas, 1, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating No.

Nondh No. 138 and 139 Ward No 13

Athwa Lines-Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer. Surat on 19-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which, have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sarkar Associates—

Partners :---

 Mahendra Chhaganbhai Zaveri Prabhu Darshan Socy. Athwa Lines

Sakarchand Chhaganbhai Sarkar Bombay—Walkeshwar

- 3. Navinchandra Chhaganbhai Sarkar
- 4 Ramniklal Zaverchand Sarkar Gopipura—Surat
- Avniben Avinas Majumdar Ghod-dod Road, Surat.

Transferor)

 Kishoriben Satishbhai Parikh V K. Rajnikant Navnitbhai, Book-seller—Balaji Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Athwa Lines—Sumangiam Apartment, Surat. The document is registered at S.R. Surat vide No. 7275 dated 19-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ahmedabad

Date: 27-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad-380009, the 27th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2770 Acq.23[II]83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Nanpura—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at

Surat on 20-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

62---56 GI|84

- (1) 1. Jayesh Nandlal Member At Rumpura Main Road, Surat,
 - 2. Smt. Jyotsnaben Natwarlah Ajan, Dist. Surat.

(Transferor)

2. Smt. Jyotsnaben aNtwarlal Shri Apartment, Makai Pool, Nanpura, Flat No. 308—3H Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The flat situated at Shri Apartment Nanpura Makai Pool, Surat--Flat No. 308-H. Adm 685 sq. ft. The document is registered at S.R. Surat vide No. 7892 dated 20-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Date: 27-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND 1 LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 29th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2771 Acq 23|II|83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000- and bearing No.

23 1 -- Sayajiganj

(and more fully described in the Schedule annexed hereo), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Baroda on 25-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Deepakbhai Sharadchandra, Sayajiganj, Baroda.

(Transferor)

Ushaben Mukundbhai Dave,
 Ashopalav Flats,
 Nr. Hotel Surya, Sayajiganj,
 Baroda,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Baroda Ashopalav Flats—adm. 761 sq. ft. Document for transfer of property registered with S.R. Baroda under No. 25-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 29-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 29th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2772 Acq.23[II]83-84,—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 484|1 Nadiad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 6-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition or the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Induben Ramabhai Patel, Nadiad.

(Transferor)

(2) Vikasdeep Co-op. Housing Society (Proposed) Co Yasvant Vallabhdas Rao Mission Road, Nadiad. 2. Maheshkumar Natverlal Brahambhatt, Nava Ravpura, Nadiad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein, are are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same mraning as given in 'nar Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nadiad S. No. 484 adm. 3845 sq. meter. Document for transfer of property registered with S.R. Nadiad under No. 3149 dated 6-3-83.

> R. R. SHAH Competent Authority raspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, **Ahmedabad**

Date: 29-3-1984

FORM I.T.N.S,--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 29th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2773 Acq.23 II [83-84,-Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 540 Jetalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda on 12-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shii Hiteshkumar Somabhai Patel. Suparivala Building, Vadi Vadi--Raopura, Baroda.

Transferor(s)

(2) Shrinivas Narayan Acharya, Nr. Vishwas Colony, Alkapuri, 12 Vadi Vadi, Baroda.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Vraj Vadi-Baroda. Document for transfer of property registered with S.R. Baroda under No. 6244 dated 12-8-83.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 27-3-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 29th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2774 Acq 23|II|83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 78 Jetalpur `

(and more fully described in the Schedule annxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Vindo Shankerlal Sura,
 Shri Ramesh Shankerlal Sura,
 134, 136, Javeri Bazar,
 Bombay-400002.

(Transferor)

 M|s. Gangotri Premises (Pvt.) Ltd. 36, Bombay Shopping Centre, Race Course, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and plinth at S. No. 78 of Jetalpur adm. total 16000 sq. ft. Document for transfer of property registered with S.R. Bombay in the month of August, 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 27-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2775 Acq.23 II 83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 2 Nondh No. 1956|K|1 situated at Sagrampura, Near Golkiwad Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Salamabibi Wo Shri Abdul Rehman Haji Ahmed, Near Moti Masjid, Hafesaji Street, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) North Avenue Co. op. Hsg. Socy. Reg. No. 9785—404— Diamond Aptt. Salyedpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Sagrampura, Near Golkiwad Ward No. 2 Nondh No. 1956|K|1 adm. 259 sq. yds. The document No. 6923 is regd. at S.R. Surat in August, 1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 29-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Salamabibi Wo Shri Abdul Rehman Haji Ahmed, Near Moti Masjid, Hafcsaji Street, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) South Avenue Co. op. Hsg. Socy Ltd. Regd. No. 9073-801 Sita Apartment, Nanpura, Surat.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2776 Acq.23|II|83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Ward No. 2 Nonth No. 1956|K|2 situated at Sagrampura, Near Golkiwad, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in August, 1983

Surat in August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective. persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Sagrampura near Golkiward Nondh Nofl 1956|K|2 adm. 259 sq. yd. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 6920 Dt. 3-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition, Range-II
Ahmedabad

Date: 29-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2777 Acq.23[11]83-84.—Whereas, I. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

S. No. 143 paiki situated at Village Chavaj Tal: Bharuch (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bharuch on 9-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or tvasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

1.Shanabhai Parsottambhai Patel
 Vardhabhai Parsottambhai Patel
 At Chavaj Tal: Bharuch,

(Transferor)

 Patel & Patel Accounts— Partner: —
 Abdul Majidbhai Valibhai Patel At Kumbharia Building, Station Road, Bharuch.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land situated at Chavai S. No. 143 paiki, adm. 20661 sq. mtr. The document is regd. at S.R. Bharuch vide No. 1688, 1684, 1685 & 1687 Dt. 9-8-1983,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 29-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2778 Acq.23 | 11 | 83-84. - Whereas, I. R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to es the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

S. No. 208 situated at Gad-Khol Tal: Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Ankleshwar on 29-8-1983

Antiesuwar on 29-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Nagjibhal Bapubhai Alias Kalidas Patel At P.O. Andada-Tal: Ankleshwai.

(Transferor)

(2) Raj Bharti Associates, Ankleshwar, Rajpipla Road, Ankleshwar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land situated at Gadkhol Tal: Ankleshwar S No. 208 adm. 2 Acre 14 Gunthas. The document is regd. at S.R. Ankleshwar vide No. 2196 Dt. 29-8-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstw Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-63---56 GI|83

Date: 29-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Kusumben Amaidas Patel
 K. Rameshbhai Makanji Patel
 Shanti Niketan,
 Sumul Dairy Road, Surat,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IL,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2779 Acq.23|II|83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

No. 264-1 paiki situated at Gadkhol Tal: Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ankleshwar on 25-8-1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Kiritbhai Dalsukhbhai Pandya 22, Jai Hind Society Near Ram Baug, Maninagar—Ahmedabad-22.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immsovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land at Gadkhol S. No. 264-1 adm. 5 Acre 7 gunthas and 1 Acre 17 gunthas. The document is registered at S.R. Ankleshwar vide No. 2193 and 2194 Dt. 25-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assisstant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 29-3-1984 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2780 Acq.23|II|83-84,—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
S. No. 228|2|1+2|2|1 & 229|2|1+2|2|1 situated at
Sai Nagar, Vijalpur, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M|s. Desai & Desai Associates. Partners:—
 - 1. Balvantrai Haribhai Desai
 - Sumantrai Maganlal Desai
 Smt. Savitabon Balvantrai Desai
 - 4. Parul Savitaben Balvantrai Desal
 - 5. Gunvantral Maganlal Desai Bombay.

(Transferor)

 Hasumati Mahendrabhai Desai
 Mahendrabhai Bhimbhai Desai At Sai Nagar Ashapuri Road, Vijalpur, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Sai Nagar Vijajpur Ial; Navsari. The document is regd, at S.R. Navsari vide No. 446 in August, 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Actt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 29-3-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2781 Acq.23|II|83-84|—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 228|2|1+2|2|1 & 229|2|1+2|2|1 situated at Sai Nagar, Vijalpur, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Navsari on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mls. Desai & Desai Associates. Parthers:—
 - 1. Balvantrai Haribhai Desai 2. Sumantrai Maganlai Desai
 - 3. Smt. Savitaben Balvantrai Desai
 - 4. Parul Balvantrai Desai
 - Gunvantrai Maganlal Desai Bombay.

(Transferor)

(2) Narendra Mohanlal Desai Indravadan Mohanlal Desai Dipak Shankarji 12/94 Gujarat Housing Colony, Vijalpur Road, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and Appressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Sai Nagar Vajalpur S. No. 228|2|1+2|2|1 & 229|2|1+2|2|1. The document is regd. at S.R. Navsari vide No. 447 Aug. 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 29-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2782 Acq.23|11|83-84|--Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
S. No. 228|2|1+2|2|1 & 229|2|1+2|2|1 situated at

Sai Nagar, Vijalpur, Naysari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Navsari on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Ms. Desai & Desai Associates.
 - Partners :-1. Balvantrai Haribhai Desai
 - 2. Sumantrai Maganlal Desai
 - 3. Smt. Savitaben Balvantrai Desai 4. Parul Savitaben Balvantrai Desal
 - Gunvantrai Maganlal Desai Bombay.

(Transferor)

- (2) 1. Jagubhai Lallubhai Patel
 - 2. Jasumati Jagubhai Patel
 - 1. at Abrama Tal: Navsari 2. Chij Gam. Tal: Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that-Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Sai Nagar Vajalpur S. No. 228|2|1+2|2|1 & 229|2|1+2|2|1. The document is regd. at S.R. Navsari vide No. 754 Aug. 1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 29-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2783 Acq.23[II]83-84.—Whereas, I. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'maid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 812 Ward No. 2 situated at Aradhana Aptt. 3rd Floor, Hira Modi's Street, Surat

vide form No. 37EE registered in the office of the (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at undersigned on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s Aradhana Builders, Gopipura, Sangadivad, Surat.

 Shri Nirmalchand Becharaj Kankaria,
 General Muthia Mudali Street, Savkorpeth, Madras.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires litter?

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The flat is situated at Aradhana Aptt. Adm. 700 sq. ft. The 37EE is received by the undersigned in 17 August, 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 30-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kiritkumar Ramnikhal Parekh 8, Sumati Society Saralpur Road, Nasik (Maharashtra).

(Transferors)

(2) Shri Himanshu Anantrai Ajmera Clo R.J. Karia, Advocate, Dholaria Building, 2nd Floor, Para Bazar, Rajkot

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2904 Acq.23|I|83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 454|2, Plot No. 12, situated at Nirmala Convent Rd.

Kalavad, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 20-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 786.87 sq. yd., situated at Kalawad Road, Rajkot duly regd. by S.R. Rajkot vide sale deed R. No. 5097 20-8-1983,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2905 Acq.23|I|83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1, 3rd floor, Flat No. 45, of Hajur Palace Road, Nr. Ranjit Vilas Palace, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on 30-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 M|s. Pradumana Development Corporation, throhgu:
 Shri Chandrasinh Prithwasinhji Ranjit Vilas Palace Road, through:

(Transferor)

(2) Int. Chandanben Pranlal Mehta, No. 45 3rd floor, Hajpur Palace Raod, Ranjit Vilas, Palace, Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 704 sq. ft. i.e. 78 sq. yd., situated at Rajkot, duly regd. by S.R. Rajkot vide sale deed R. No. 6644| 30-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 16-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Pradipkumar Mukundrai Maniar, Clo Mahendra Gordhandas Maniar, Dev Nivas, Opp: Manekwadi Nr. Station. Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Tribbovandas Manishankar Trivedi Girikunj, Plot No. 748 Nr. Diamond Chowk. Bhavnagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. (2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2906 Acq.23|I|83-84.—Whereas. I.

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impossible in the interval of the competence of t property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land at Tilaknagar Co. op. Socy, situated at S. R. Bhavnagar on 9-8-1983 Behind Mahila College Plot No. 19, Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (10 of 1908) in the Office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the 'consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction vasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

THE SCHEDULE

Land at Tilak Nagar Co. op. Socy. Plot No. 19 Regd. vide R. No. 2749 Dt. 9-8-1983.

(b, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-3-1984

Seal:

64-56 GII84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Smt. Salina woo late R. Robert Masy, Rlo 78, Jaora Compound, Indore.

(Transferor

(2) Km. Lavina d|o R. Robert Masy, R|o 78, Jaora Compound, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P

Bhopal, the 6th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4455.—Whereas I, D P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of House on Plot No. 83 situated at Greater Tirupati Colony, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on August 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Part of House on Plot No. 83 situated at Greater Timpati Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date · 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2908 Acq.23|I|83-84|---Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land 116.611 sq. yd. at Shaikhpur-Khanpur T.P.S. 3 F.P. 220|2 Sub Plot 21|2, 3, 4—Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R. Ahmedabad on3-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Bijuben Kantilal Gopaldas Darshan Socy., Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Kailash Tower Co.op. Hsg. Socy, Through: President— Shri Nayan Shantilal Khadia Char Rasta, Nishani Khadaki, Khadia, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 116.611 sq. yd. situated at Shaikhpur-Khanpu. Ahmedabad vide R. No. 1056 Dt. 31-8-1983 at T.P.S. 3 Ahmedabad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 16-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2909 Acq.23|I|83-84,—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land at Wadaj, T.P.S. No. 28 F.P. No. 668-1 Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ahmedabad on 4-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Manilal Tulsidas, Ahmedahad

President Secretary
 Satlaj Co. op. Hsg. Socy Ltd.
 Regd. Office Keshavnagar,
 Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used become average defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Wadaj TPS 28 F.P. 668-1 Regd. vide R. No. 11171 Dt. 4-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 16-3-1984

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2910 Acq.23|I|83-84..-Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at Wadaj TPS. 28 FP No. 668-1 situated at Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Ahmedabad on 4-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ratiual Sarabhai— Ahmedahad

(Transferor)

 President Secretary, Satlaj Co.op. Socy., Regn. No. 6199, Kcshavnagar, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Wadaj T.P.S. 28 F.P. 0668--1 Regd. vide R. No. 11173 Dated 4-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 16-3-1984.

 Prabhakar Balvantray Mehta, Power of Attorney Holder, Shri Harlvadan. M. Thakor, Jemini Flat, Dafnala— Shahibaug, Ahmedabad-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Yashprabha Owners Association, President, Shri Arvindkumar Bhikhalal Bhavsar, Khanpur, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2911 Acq. 23|1|83-84.—Whereas, I R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land at Memnagar seem S. No. 88-1 Sub-Plot No. 5 S. No.

910 Memnagar TPS, 1 F.P. 196

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (17 of 198) in the office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Memnagar seem S. No. 88-1 Sub-Plot No. 5 S. No. 910 Memnagar T.P.S. 1 T.P.S. 1 F.P. 196.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 16-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMITAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, ALIMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2912 Acq.23[1]83-84.—Whereas, IR. R. SHAH,

k. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Flat at Vishnunivas Co.op. Socy. Gulbai Tekra. TPS. 30 FP. 631 Flat No. Ale

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 12-8-1983

at Ahmedabad on 12-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

ITNS

(1) Govindlal Bhailal Tripathi,

A|6, Vishnunivas Co.op Socy. (Flat),

Gulbai Tekara,

Opp. Vasundhara Society,

Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Pankaj Kantilal Vimawala, 1289 Porwad Khancho, Sarangpur, Talia's Khancho, Present Address Now at:--Pankaj K. Vimawala, Flat A/6, Vishnunivas Co.op. Socy., Gulbai Tekara Opp. Vasundhara Socy. Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Uat at T.P.S. 3 Gulbai Tekara, Vishnunivas Co.op. Socy. Uat No. Al6, regd. vide R. No. 11563 12-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of nome-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the ofllowing persons, namely:—

Date : 16-3-1984. Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2913 Acq. 23|I|83-84.—Whereas, J R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatier referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Flat at T.P.S. 19 Flat No. 3 31-A-B Paiki F.P. No. 49. Sub

Plot No. 2A Flat No. A-6 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S.R. Ahmedabad on 3-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Pradip Pratapchand Chopra, Clo Pratapchand Chopra, 9A Near Vithalbhai Colony, Stadium Road, Ahmedabad-13.

(Transferor)

(2) 1. Jayshreeben BBharatkumar Shah, Bharatkumar Ramanlal Shah, Shankultlal Society, Near Usmanpura, Ranchhodji Temple, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at T.P.S. 19. Memnagar Plot No. 313-A1B Paiki F.P. No. 49. Sub Plot No. 2A. Flat No. A-6. registered vide R. N. 11099 dated 3-8-1984.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assitant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 16-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

- ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2914 Acq.23 [1] 83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat at Changispur, alias Mithakhali TPS 20 at 3, Bababhai Flat, Behind H. L. Commerce College, situated at Navrangpura, Ahmedabad-9.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Ahmedabad on 9-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

65---56 GI[84

(1) Rajendrakumar Gulabray Bhatt, Plot No. 213, Sector No. 22, Behind Jain Temple, Gandhinagar-382 022.

(Transferor)

(2) Punamchand Manilal Mehta, 3. Bababhai Flat, Behind H. L. Commerce College, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Changispur-TPS. 20 S. No. 49-1-2 at Bababhai Flat, Behind H. L. Commerce College, Navrangpura Ahmedabad regd. vide R. No. 11370 dated 9-8-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assisstant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 16-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2915 Acq.23|I|83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat at Ayan Co.op. Socy. Block No. 'A'— Khanpur, Ahmedabad Shahpur Ward No. 2 Third Floor, Flat No. 9 (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ahmedabad on 5-8-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or watch ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Shardabenvallabhdas Shah, M. 21, Yashkamal Socy., Opp. Ayojanagar, Jivraj Park Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Subodhchandra Milapchand, Royal Appartment, 3rd Floor, Khanpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Shahpur Ward. No. 2 Ayan Co.op. Socy. Block No. A 3rd Floor, Flat No. 9 Regd. vide R. No. 11231 dated 5-2-83

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 16-3-1984.

FORM ITNS----

._____

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2916 Acq. 23 [183-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No.

Land at VeJalpur seem. S. No. 1334 paiki Sub Plot No. 10 &

17 Paiki 618 sq yd Iand
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the Registering Officer нt

Ahmedabad on 18-8-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Ushaben Mukundbhai Modi, 27. Nepeysanci Road, Ist Floor, West Hill, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant Atmaram Shah, President of Purvi Appartment Vikas Mandal, 8. Rajohat Society, Paldi, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garatte on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vejalpur seem Si No. 1334 paiki Sub Plot No. 10 & 17 paiki land regd. vlde R. No. 11831, August 1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 20-3-1934.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THI. INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2917 Acq.23|I|83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat at Vasana Vrandavan Vihar Co.op. Socy. Flat No. 159 N., T.P.S. 26 F.P. No. 114-115-116 Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, markely:—

 Smt. Bhartiben Hasmukhlal Sanghavi, Bombay.

(Transferor)

(2) Bhavgatprasad Girjashankar Vyas, Clo Rupam Art Studio, Nagar Gate, Jamkhambhalia, Distt. Jamnagara. Ahmedabad Address: Vrandavan Vihar Flat, Vasana, Flat No. N[159, Jst Floor, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at TPS. 26 FP No. 114, 115, 116 at Vrandavan Vihar Co.op. Socy. 1st Floor, Flat No. N|159 regd. vide R. No. 11689, 16-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 20-3-1984.

TOXOL

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2918 Acq.23|I|83-84.--Whereas, 1 R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat Narayannagar Hastagiri Co.op. Socy. Flat No. A/6, Paldi, Ahmedabad F.P. No. 164 S. No. 33-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-8-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income using from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this native under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Kumarpal Jayantilal Javeri, Post Kuvar. Tal| Sami Distt. Mehsana.

(Transferor)

 Shri Chhanalal Ratilal Sheth, Post Surel, Tal. Patdi, Distt. Surendranagar. New Address:-Flat No. A|6, Hastagiri Co.op. Socy, Near Sabar Flats Narayannagar, Paldi, Ahmedabad.

(Fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Hastagirl Co.op. Socy. Peldi, Narayannagar No. A|6, at S. No. 33-34-35 paiki FP No. 164 regd. R. No. 948 Dated 17-8-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 20-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedwbad-380 009, the 20th March 1984

Re.f No. P.R. No. 2919 Acq.23|I|83-84.--Whereas, IR. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[-and bearing

Bidg. at T.P.S. 21 F.P. 552|2 & 556|11F Ambawadi, Monanagar Co. op. Socy., situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 17-8-1983

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hasmukhlai Maganlai Shah, 'Ashera' B|4, R. C. Patel Road, Chandravarkar Marg, Borivali, Bombay (West).

(Transferor)

(2) Smt. Urmilaben Manubhai Chudgar, 1795, Navo Rasto, Mandvini Polc, Ahmedabad. Residential new Address: Smt. Urmilaben Manubhai Chudgar, B. No. 1, Monanagar Co.op. Socy., Near Smruti Kunj, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property. I may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bidg. at TPS. 21 Monanagar Co.op. Socy., Ambawadi, B. No. 1, FP No. 555|2 by 556|1 F regd. vide R. No. 11082 dated 17-8-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 20-4-1948.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FI OOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2920 Acq . 23|I|83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land at Vasana, T.P.S. 26 F.P. No. 99 of Sub Plot No. 16 S. No. 66 paiki Sub Plot No. 29 having land adm. 600 sq. yd. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at

office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid executes the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Naliniben Pravinchandra Oza, C-32, Rameshwar Flat, Vikas Greh Road, Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferor)

(2) Prabhuta Appartment Owners Association, President:— Kusumben Amendal Kotak C₁o Rutesh Construction Corporation, Vasana, Ahmedabad.

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vasana TPs. 26 S No 66 Paiki S.P. No. 29 of F.P. No. 99 having land adm. 600 sq yd. regd. vide R. No. 12210 Dt · 25-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-I, Ahmedabad

Date: 20-4-1948,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 21st March 1984

Ref. No. P.R. No. Acq. 23|1|83-84.—Whereas, ,I R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. Vejalpur seem S. No. 1176 Sector No. 7 Plot No. 46,670 sq. yd. land

(and more fulry described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ahmedabad on 24-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Manjulaben Babubhai Power of Attorney Shri Ashokkumar Tribhovandas Patel 1, Adarsh Society, High Way Road, Mensana.

(Transferor)

Smt. Ushaben Jayendrabhai Karsania,
 Hindu Colony Opp Stadium,
 Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vejalpur seem S. No. 1176 at Satyagrah Chhavani Soc. Sector No. 7. Plot No. 46 regd. vide R. No. 12104 24-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
specting Assistant Commissioner of ncome-tax
Acquistion Range-I, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---

Date: 21-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2922 Acq. 23|I|83-84,—Whereas, I, R. R. SHAII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat at Usmanpura seem S. No. 44-2 F. P. No. 61 Flat No. 2-B Nandima Appartment, Stadium Road A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-8-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 769C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition for the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely:—
66—56 G1|84

(1) Kusumben Chhotalal Mody B-2 Nandima Appartment, Near Pathik Socy. Studium Road, Naviangpula, Ahmedabad.

(Transferor)

Shri Chandrakant Chhotalal Mody,
 Jasumatiben Kanchanlal
 Mayank Hasmukhlal Mody,
 B Nandima Appartment,
 Near Pathik Socy. Stadium Road,
 Ahmedabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Usmanpura Seem S. No. 44-2 F. P. No. 61 Flat No. 2-B. regd. vide R. No. 12166 Dt : 25-8-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-I, Ahmedabad

Date: 20-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 26th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2923 Acq.23[I|83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing

No. Office Ist floor, Coins Corners, Dr. Yagnik Road, Raikot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) ASHA Corporation Lilam Chambers, Dhebar Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Kamlesh. J. Tanna of K.M.K. Family Trust -Tanna House, Ratnakar Building, Narayan Dabholkar Road, Bombay-400 005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. R. Rajkot vide sale deed R. No. 4309, Aug. 83. S. R. Rajkot vide sale deed R. No. 4309 Aug. 83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-I, Ahmedabad

Date: 26-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 26th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2924.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building Jin Plot, Dhrangadhara, Dist: Surendranagar. (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharangadhara on 8-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Ramuben. Ratiful Parekh, Trikon Baug, Dhrangadhara, Dist: Surendranagar.

(Transferor)

(2) Smt. V.jyaben Ramniklal Trivedi, Gin Plot, Dhrangadhara, Dist: Surendrangar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 319.48 sq. mtr situated at Gin Plot, Dhrangadhara, duly regd. by S. R. Dhrangadhara vide sale deed R. No. 1610|8-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assissant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-I, Ahmedabad

Date: 26-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF UNDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2925.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building- 63-B-Panchwati Co- op. Hsg. Socy. Kalavad

Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer et Rajkot on 17-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Shri Diliphhai Vithaldas Vaidya, 2. Smt. Kamlaben Dil.pbhai Vaidya, 21, Association Building, Manmala Tank Road, Matunga, Bombay-16.

(Transferor)

(2) Smt. Chendrikaben Rajnikant Patel. herself and also as a karta of HUF of late Shri Rajnikant Mohanlal 63-B, Panchwati Co. op. Hsg. Socy. Kalavard Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. - situated at 63-B, Panchwati Co-op. Hsg. Socy. Kalavad Road, Rajkot duly regd. by S.R. Rajkot vide sale deed R. 4956 17-8-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-I, Ahmedabad

Date : 29-3-1984 Seal '

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMI-DABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2926 Acq 23|I|83-84.—Whereas, I, R R SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S. No 456-1-2 Park Kalavad Road, Rajkot. (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s Sayona Corporation, Through Smt. Hasumati Shantilal Shah, Chhaniata Sales Agency, Gondal Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shr' Vasantlal Manilal Thakkar, Through Guardian, Shri Manilal Lalji Thakkar, Post . Welda, Dist; Midnapur, West Bengal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building situated at Kalwad Road Rajkot duly regd. by S.R. Rajkot vide Sale-deed R. No. 4717, 1-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 29-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shii Keshubhai Rudabhai Zagarda, Junagarh.

(Transferor)

(2) Shree Madhuvan Co. op Hsg. Socy. Through: Shri Kanjibhai Ramjibhai of Zazarda, JUNAGADH.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2927 Acq. 23|1|83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - total bearing No.

S. No. 27 parki - situated at Zazarda, Junagarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 22-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein ask are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 3091 sq. mtr. i.e. 3709 sk. yd.-situated at Zazarda S. No. 27 paiki, Junagadh duly regd. by S. R. Junagadh vide salc deed R. No. 1834|22-8-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-I, Ahmedabad

Date: 29-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2928 Acq. 23|I|83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. City Survey No. 352 T.P.S. 29 Vijyanagar Colony, Flat No. 96|573 Ist Floor, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 pt 1908) in the Office of the Registering Officer

A'bad on 25-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Gitaben P. Jasani, C-36, Karmachari Nagar, Near Ranna Park, Ghatlodia, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Manguben Bhogilal Patel, Para - 3G Line, Mehsana. A'bad Address. Flat No. 96|573 1st floor, Vijaynagar Colony, Naranpura - Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Vijeynagar Colony Flat No. 96|573 rggd. vide R. No. 8921 D:t 25-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income tax
Acquistion Range-I, Ahmedabad

Date: 29-3-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUÍSITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th March 1984

Ref. No. P. R. No. 2929 Acq. 23|1|83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing

Flat at Rajal Co.op Socy. T. P. S. 19 F.P. 360 Shaikhpur-Khanpur—Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. A'bad on 1-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

(1) Nayanbhai Jesingbhai Parikh, 21, Dhansushya Society, Sama Road, Vadodara-8 (Baroda)

(Transferor)

(2) Sm^{*}. Hiraben Chumpaklal Mehta 10, Jivabhai Appartment, Ashrum Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Rajal Co.op. Socy. T. P. S. 19 F. P. 360 regd. vide R. No. 7795 Dt : 1-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-I, Ahmedabad

Date: 29-3-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2930|Acq.23|I|83-84.--Whereas, I, R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Industrial shed at Gujarat Vepari Maha Mandal Industrial Estate—Odhav Plot No. 252—Survey No. 67, 68 to 70 to 74 etc.—Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per 37 EE from filed in the office of the undersigned at A'bad on 5-8-1983

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—67—56GI|84

(1) Kumari Gitaben
Do Shri Hasmukhbhai Chimanlal
Power of Attornery—
'Vrandavan' Kalyan Socy.,
Ellisbridge,
Ahmedabad-6.

(Transferor)

 M|s. Uday Group Industries 11|43, Parmanand Vadi, Dr. Jaykar Marg, Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The serms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shed at Gujarat Vepari Maha Mandal Odhav Sub Plot No. 252 Survey No. 67, 68, 70 to 74 etc. regd. vide R. No. 9815|37EE 5-8-1983 37G recd. in August, 1984.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 29-3-1984

Sool:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-L 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th March 1984

Ref. No. P.R. No. 29931 Acq. 23 [1] 83-84.---Whereas. I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Kalupur Ward 1 Survey No. 1280 and S. No. 1281 paiki

Land.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

A'bad on 9-8-1983

for an apparent consideration which is leas than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(1)1. Shri Shailesh Vadilal Shah Vakta Chambers, Laxminarayan Pole

Khadia, A'bad. 2. Kantilal Ratanlal Vokta

3. Chandrakant Ratanlal Vakta 4. Dinesh Ratanlal Vakta

Shri Balchand Virchand

(Transferor)

(2) Chairman, Vakta Chambers Commercial Centre Owners Association, Laxminarayan's Pole. Khadia, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kalupur S. No. 1280 and 1281 regd. vide R. No. 11358, 11373, 11394, 11357, 12269 9-8-1983 & 25-8-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 29-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2932|Acq.23|1|83-84.—Whereas. I. R. R. SHAH. being the Competent Authority under Section 269B

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and hearing No.

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and hearing No. Vastrapur seem, S. No. 125|1, 2 paiki Sub plot No. 20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 16-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Hasikant Hariray Buch Manmohan Society, Behind Lalbaug, Vadodara (Baroda).

(Tansferor)

1-

 Mjs, Friends Corporation C-14, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) be any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vastrapur seem S. No. 125|1, 2 Sub Plot No. 20 land regd. vide R. No. 11705 Dt. 16-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Dute: 30-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st March 1984

Ref. No. P.R. No. 2933 Acq. 23 | 1 | 83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Bldg, at Pandit Nehru Road, main part is Jampuri Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 1-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly ystated in the stald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hirachand Gokaldas Punjara Clo Punjara & Co. Ranjit Road. Jampagar.

(Transferor)

1. Lalchand Asumal Lalvani
 2. Baluram Asumal Lalvani
 3. Manohar Asumal Lalvani
 4. Tirth Asumal Lalwani
 Bihand Darbar Gadh,
 Memon Sheri.

Jamnagar.

(Tansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Pandit Nehru Marg, Jampuri Estate Main part (G) regd. vide R. No. 2320 Dt. 11-8-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometar,
Acquisitien Range-II
Ahmedabad

Date: 31-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd April 1984

Ref. No. P.R. No. 2934 Acq. 23 [1] 83-84. Whereas, I. R. R. SHAH.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding No. Building at Wagawadi Road, Ward No. 7 Sheet No. 243 Rs. 25,000 and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act; 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bhavnagar on 4-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen user cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Kantilal Jayantilal Shah Trupti Flat No. 5. Opp: Hospital, Kala Nala. Bhaynagar.

(Transferor)

(2) 1. Dr. Niranjan M. Karelia2. H. M. Karelia guardian M. T. Karolia. Kansara Sheri, Diwanpara Road, Bhaynagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share in plot of land and Ground Floor of Bldg, thereon at Bhavnagar Wagawadi Road, Ward No.7 Sheet No. 243 registered vide R. No. 2647 Dt. 4-8-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IJ Ahmedabad

Date: 2-4:1984 Seal:

(1) Shin Kantilal Jayantilal Shah i lat No 5, Frupti Flat Opp Hospital, Bhavnagar

(Tansferor)

(2) Dr. Hansaben Ghanshyambai Katelia Vadya Khijdayali Sheri Bhaynagar

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE:
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad 380 009, the 2nd April 1984

Ref. No. P.R. No. 2935[Acq 23]I[83-84 —Whereas I, R. R. $_{\odot}HAH$

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Bldg at Wagawadi Road, Plot No 2108 C|B Bhivnagai

Bldg at Wagawadi Road, Plot No 2108 C/B Bhivinggit (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registent at

Bhavnagar on 4-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apperent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the puttes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, the refore. In pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lessue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act is the following persons pamely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Share in plot of land and Fist Floor of building at Wagawidi Roul Pl t No 2108 CB Bhavnagar road vide R. No 2646|4 8 1983

R R SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1 (i|c)
Ahmedabad

Tute 2-4 1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 5th March 1984

Ref. No. 1AC|Acqn.|Bpl|4325.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Part of house No. 607 & 615 constructed on plot No.

6[3 situated at Near Doongaji Colony, Rajkumar College Ward, Rajpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipur on August, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Roshan Doongaji Wo Shri N. K. Doongaji through Mukhtyare Aum Dharmchand Slo Mannulal, Baijnathpara, Raipur.

(Transfero. .

 Master Jaiprakash through Raojibhai, Rlo Moti Talao, Jagdalpur. M. P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetteor a period of 30 days from the service of notince on the respectiv persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house Number 607/615 constructed on plot Number 6/3 Block No. 27 near Doongaji Colony, Raikumar College Ward, Raipur. This is the immovable property which has been described in the form No. 37-G verified by the transferce.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. внораг. м. р.

Bhopal, the 5th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4326.-Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. part of house No. 605 615 construted on plot No. 6 3 situated at Near Dongaji Colony, Rajkumar Ward, Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer

at Raipur on August, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Roshan Doongaji
Wo Shri N. K. Doongaji Mukhtyare
Am Dhaim chand, Rlo Baijnathpura, Raipur.

(Transferor)

(2) Master Jitendra Choptra, Minor and Wali Raobhai, Rlo Moti Talao, Jagdalpur, M. P.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as a are defined in Chapter XXA of the said Acashall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house Number 605 615 construted on plot number 6|3, Block No. 27 situated at Rajkumar College Ward, Near Doongaji Colony Raipur. This is the property described in the form number 37G verified by the transferee

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 4th Floor, Gangotri Building. T. T. Nagar Blopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 5-3-1984

THE GAZETTE OF INDIA, MAY 12, L. 4 (VAISAKHA 22, 1906).

PART III-SEC. 11

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th March 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4354.—Whereas, I,

D. P. PANTA,

68--56GI 84

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 13, Sheet No. 34 situated at Baldeo Bag.

Rajnandgaon.

cand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

At Rajnandgaon on 4th August, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and∕or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Anantnath Bagchi Slo Shri Upendranath Bagchi, Rlo Civil Line, Rajnandgaon.

(Transferor)

(2) Shri Piemprakash Agarwal Slo Shri Nathmal Agarwal, Rlo Baldcobag, Rajnandgaon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of Plot No. 13, Sheet No. 34 situated at Baldeobag, Distt. Rajnandgaon.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, • T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 6-3-1984 Seal ·

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th March 1984

Ref. No. IAC|Asqn|Bpl|4355.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. Part of Plot No. 13 situated at Baldeo Bag, Rajnand-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Rajnandgaon on 4th August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Anantnath Bagchi Slo Shri Upendranath Bagchi, Rlo Civil Line Rajnandgaon Teh. & Distt. kajnandgaon.

(Transferor) (2) Smt. Savitri Agarwal

Wo Shri Nathmal Agarwal, Ro Baldco Bag, Distt. Rajnandgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

A part of plot No. 13, Sheet No. 34 situated at 34, Baldeo Bag, Rajnandgaon.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6.3.1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 76th March 1984

Ref. No. IAC|ACqn|Bpl|4358.-Whereas, I, D. P. PANTA, peing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land Khasra No. 338|16, 338|17 and 338|20

situated at Tatibandh, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), pas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Raipur on 17-8-1983

Raipur on 17-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to be the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following. persons, namely :-

(1) Smt. Chetanrani woo Pyarelal, R|o Fafadih, Raipur, M.P.

(Transferor)

(2) Jaika Automobiles Finance Private Limited Through Director Shri Prafullakumar Slo Shri Kashiram Kale Rlo Chobe Colony, Raipur.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra Number 338|16, 338|17 and 338|20 situated at G.E. Road at Mauja Tatibandh, Raipur.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th March 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4363.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propery having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 44, 85, 86, 126 86 (Part of plot)

situated at Nayapura, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shopal on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income which ought to be disclosed by the transferee for any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Nyas Sarvajanik Ramanand Ashram Fufa Mandir, Lalghati, Bhopal through Mahant Narsinghdasji Tyagi Shishya late Narayandasji Tyagi.

(Transferor)

(2) Pragyesh Seth Slo Shri Shashikant Seth, Ro Beldarpura, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of plot bearing No. 44, 85, 86, 126/6 situated at Navapura, Bhopal.

> D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4364.—Whereas, I, D. P. PANTA, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a air market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Land: Kh. No. 181|2|2|1 stituated at

Gram Dosigaon, Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of to unsfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, no nely:—

Shri Prabharjya Lakshmi
 Wo Lokendrasinghji Saheb Bahadur
 Ro Mohalla Lokendra Bhawan Sansthan,
 Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Madhoprasad Gowasji & Company, Station Road, (Partnership Firm) Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 181|2|2|1 situated at Gram Dosigaon Tah. & Distt. Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assisstant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th March 1984

Ref. No. 1AC|ACqn|Bpl|4365.—Whereas, I, D. P. PANTA, being, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 4 situated at 16|1, Race Course Road, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Messrs Sushma Apartment Through partners

 Shri Ashok Kumar So Pratapsingh Bais
 Shri Raghuvirsingh

So Ramsingh Rathore Ro 12, Manoramagani, Indore.

(Transferor)

 Sandeep s|o Sumantkumar Ganediwala, R|o 14|1, Dr. R. S. Bhandari Marg, Indore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 2nd floor situated at 16|1 Race Course Road, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely —

Date: 19-3-1984

FART HI -- SEC. 1] A. A. H. B. GALLILLE OF IN., A. MAY 12, I., A.A. A. A. HA 24, 190 A

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|8pl|4366.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House (Old) No. 4:1326 (New) 127 on first and second floor situated at Sati Darwaja, Gopal Madir Marg, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ujjain, on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

1. Pyarchand s|o Nanuramji
 2. Satyanarayan s|o Pyarchandji
 R|o Unhel va Musaddipura,
 Ujjain,

(Transferor)

 Smt. Pukhrajbai w|o Sushilkumar
 Sushilabhai w|o Parasmalji Jain R|o Ramchandra Seth ki Gali, Chhota Sarafa, Ujjain.

(Transferec)

(3) Shri Laxmi Narayan, Chandmal Mangilal

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First and second floor of House No. (Old.) 4:1326 and (Nek.) No. 127 situated at Sati Darwaja, Gopal Mandir Road, Ujjain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-3-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4367.-Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing House No. 4|1326 and New No. 127 situated at Sati Darvaja, Gopal Mandir Marg, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transerred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, wenely:—

(1) Shri 1. Pyarchand so Nanuramiji
2. Satyanarayan so Pyarchand
Ro Gram Unbel Pargana Khachroud and
Mussadipura,
Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Parasmal slo Manaklalji Rlo Rachandra Seth Ki Gali, Chhota Sarafa, Ujjain.

(Transferee)

(3) Balmukund BaldeojiFamous Tailors,127, Gopal Mandir Marg,Ujjain.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if anyy to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4/1326 and New No. 127 situated at Sati Darwaja, Gopal Mandir Marg, Ujjain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 19-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 4961)

GOVERNMENT OF INDIA

QFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4368.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
House No. (Old) 4 1326 and New No. 127 situated at
Sati Darwaja, Gopal Mandir Marg, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Surat on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

69-56GI|84

Shri Pyarchand s|o Nanuramji
 Satyanarayan s|o Pyarchandji
 R|o Gram Unhel Pargana Khachrand,
 Musaddipura,
 Uiiain.

(Transferor)

(2) Shri Sushilkumar s|o Manaklalji Jain R|o Ramchandra Seth Ki Gali, ` Chbota Sarafa, Ujjain.

(Transferee)

(3) Shri Babulal slo Shri Pratapmal Jain, 127, Gopal Mandir Marg, Uijain.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. (Old) 4|1326 and New No. 127 (Ground floor), situated at Sati Darwaja, Gopal Mandir Marg, Ujjain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 19-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bp||4369,—Whereas, 1, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing House No. 1|1018 and New No. 60 situated at Nijatpura, Ujjain (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sardar Baldevsingh Gur s|o Sardar Jaimalsingh Gur, Assistant Engineer, M.P. Electricity Board, R|o Mahasamund Distt, Raipur Hall Mukam Ujjain, M.P.

(Transferor)

(2) Lalluji & Sons, Ujjain, Haad, Office Rambag, Allahabad Partner: Shri Vinodkumar Agarwal Slo Balgovinddasji Agarwal Rlo Allahabad Hall Mukam Koyala Fatak, Agra Road, Ujjain.

(Tansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1/1018, New No. 60, situated at Nijatpura, Ujjain,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 19-3-1984

10001

FORM ITNS-

-.YTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4370.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House Municipal No. 74 situated at Vivekanand Nagar Colony, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Ujjain on August, 1983

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than little per cent of such apparent consideration and that the said reason to be a such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to gay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facthtating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Suresh Sharma
 S|o Keshavprasad Sharma
 R|o Vivekanand Colony,
 Ujjain.

(Transferor)

 Shri Chandrashekhar Chaterji S|o Mohit Mohan Chaterji, R|o 28, Moti Bunglow, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on Municipal Plot No. 74 situated at Vivekanand Nagar Colony, Ujjain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 19-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4371.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land; Khata No. 33|1 situated at Gram Tajpur, Gadbadi

Ujjain on August, 1983

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :---

(1) Shri Rameshwar soo Fakirchand 2. Geetabai wo Fakirchand R|o Bajalpur Teh. Ujjain.

(Transferor)

(2) Nutan Grih Nirman Sahkari Sanstha Ltd., Ro 542, Lodhipura, Indore through President Shri Govinddayal Neema.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property * may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khata No. 33|1 situated at Gram Tejpur, Gadbadi.

> D. P. PANTA Competent Authority,
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 19-3-1984

(1) Shri Devisingh So Amarsingh, Ro. Bijalpur

(Transferor)

(2) Nutan Grih Nirman Sah. Sanstha Ltd., through President Govinddas Neema, 54/2, Lodhipura, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL. M. P.

BHOPAL, the 20th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4372.—Whertas, I D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land Kh. No. 34/1, 34/2 situated at Gram Tejpur,

Gadhadi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Indore on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) It may of the afforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 34|1, 34|2 situated at Gram Tejpur Gadbadi Teh. Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 20-3-1984

Stal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL. M. P.

BHOPAL, the 20th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl| 4373— Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land: Kh. No. 33|2 Situated at Tajpur, Gadbadi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Indore on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Bhagirath Sukhram
 Saligram, Ro Bijalpur, Indore.

(Transferor)

(2) Nutan Grih Nirman Housing Society Limited 54/2, Lodhipura, Indore through President Shri Govinddas Neema.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 33|2 situated at Gram Tejpur Gadhadi Teh. Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 20-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL. M. P.

Bhopal, the 20th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4374—Whereas I, D. P. PANTA,

being the competent authority under Section 269 D of the Income-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

No. Land: Kh. No. 16/1 situated at Gram Tejpur Gadbadi, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on August 1983

has been transferred Bangalore on 8th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- rb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income to Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kanhaiyelal So Balwant, Ro Bijalpur.

(Transferor)

 (2) Nutan Grih Nirman Sahkari Sanstha Limited
 54|2. Lodhipura, Indore through President Govinddas Neema.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 16]1 situated at Gram Tejpur Gadbadi Teh. Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 20-3-1984

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 20th March 1984

Ref. No. JAC|Acqn|Bpl|4375--Whereas I, D. P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Kh No. 16/2, situated at Gram Tejpur Gadbadi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Indore on August 1983

for an apparent consideration which is less than the mir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, is
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sitaram Slo Balwant Rlo Bijalpur Feh. Indore.

(1) Nutan Grih Numan Sanstha Maryadat Limited, 542, Lodhipura, Indore.

(Transferee)

[PART III— SEC. 1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 16/2, situated at Gram Tejpur Gadbadi Teh. Indore,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 20-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 20th March 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|4376.-Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
No. House No. 2013, situated at South Tukogani, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that The consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferece for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :-70---56GI]84

(1) Smt. Suganbai Wo Gajendra Kumar 2. Kamal Kumar 3. Vimal 4. Nirmal Kumar So Gajendra Kumar 5. Chanda Wo Mohanlai, Ro 462, Tilak Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Subhaschandra 2. Sharadchandra
3. Sureshchandra Slo Rameshchandra
4. Kumudani Devi Wlo Rameshchandra Pandey,

Rib 2013, South Tukogani, Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2013, St. No. 1 situated at South Tukogani, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 20-3-1984

FORM ITNS----

 Smt. Chandrani Fabbi Wio Nagendralalji Fabbi, R(c. 10 Maharani Rosal, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ANDIA

(2) Shri Inderchand Surana Sjo Shri Tejkaranji Surana, Rjo Chhota Sarafa, House No. 20, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 20th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4377.--Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 70, situated at Anoop Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on August, 1983

D. P. PANTA,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given it, that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or sension of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Plot

(b) facilitating the concea ment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 70 situate at Anoop Nagar, Indor.

D. P. PANTA Competent Authority Inspection Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore in oursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in rate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Date: 20-3-1984

(1) Smt. Pannabai W|o Mohd. Uri Memad Nayata R|o Pankhedi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sari O P. Kediya, Ro 6, I ord Colony, Indore. (Transferee)

(2) Kediya Rubber Pirvate Ltd. P. op.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M P

Bhopal, the 20th March 1984

Ref No IAC, Acqn Bpl, 4378 —Whereas. I, D P PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sai, Act'), have reason to believe that the immovable property? having a fair marnet value exceeding Rs. 25,000 'and bearing No. Land Kh. No. 407/2 situated at Gram Sejaya,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the other of the Registering Officer at

Dhar on August, 1983
for an apparent consideration which is less than the tair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pulslication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 407/2 situated at Gram Sejvaya.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar. Bhopal.

low, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the esaid property by the issue of this notice under subion (1) of Section 269D of the said Act, to the following ons, namely -

Date : 20-3-1984

FORM ITNS.....

(1) Shri Santoshkumar Slo Onkarlal Khandelwal, Rlo 66, Sir Seth Hukumchand Marg, Indore. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Smt. Purmibabhai w|o Makkanlalji Agarwal
 Shobhadevl w|o Mahabir Prasadji Agarwal
 Parmeshwaridevi w|o Motilalji R|o 24, Yeshwant Colony, Indore

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 20th March 1984

Ref. No. IAC(Acqn|Bpl|4379.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|s and bearing No. Plot No. 39 situated at Kanchanbag, Inoder

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 39 situated at Kanchanbag, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-3-1984

GAZ WIE OF INDIA, MAI 12, 1984 (\$) . HA 22, 1 .) SEC. 1) r ART

FORM ITNS----

(1) Shri Balkirshan So Shri Vichandasji Naiyyar, R|s Shanti Nagar, Raipur Post Office, Shanker Nagar, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THI- INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shar Murhdhar Somani S[o Shri Munnalalji Sonumi R o House No. 100, Juna Pitha, Indore. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE BHOFAL, M. P.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire, later,

Bhopal the 21st Match 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No IAC Acqn Bpl 4380 -- Whereas, I, D. P. PANJA,

> LAPIANATION '-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sail Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tail market value exceed ag Rs. 25,000]—and bearing No.

House constructed on Plot No. 15 situated at Shapler Per Auton Lindow.

Shanker Bir Colony, Indore

(and more fully described in the schedule annexed berefit) has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Inore on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair feather value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is afor-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been frubs taked in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of my income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

House constructed on Plot No. 15 situated at Shanker Bag Colony, Indore.

> D P. PANIA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Isloot, Gangotti Building T. T. Nagar Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:-

Date : 21-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 21st March 1984

Ref. No. IAC [Acqn|Bpl|4381.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,0001- and bearing No

Open plot of land No. N-77 situated at Anoop Nagar Extension Colony, Indote.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Indoic on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Leela Wlo Radhelal Gargava, Rlo 120-El4, Mahavir Nagar Colony, Bhopal, presently at Indore.

(Transferor)

(2) Shri Sureshchandra Slo Chunnilal Jaja, Rlo Bhat Mohalla Shajapur, M.P. Presently at Indore M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in 3 that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land bearing No. N-77, situated at Anoop Nagar Extension Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar. Bhopal.

Date: 21-3-1984

(i) Shri Noor Mohammad 5 a Sheikh Kalu Musalman Kjo Kasera Bazar, Post Burhanpur.

(Transfreor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4382.--Whereas, I. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. House No. 424, situated at Kasera Bazar, Ward Chowk Kamla Nehiu Marg, Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Burhannur on August, 1983 For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(2) Smt. Sou Pramilabai Tojé Vantantio Kasar, Rio Kuseia Bazar, Post Burhanpur

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storied house No. 424, Ward No. 7 situated at Kasera Bazar, Ward Chowk, Kamla Nehru Marg, Burhanpur. This is the immovable property details of which are described in Form 37 verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax) Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 21-3-1984

(1) Shri Noor Mohammad Slo Sheikh Kalu Musalman F o marcia Billar, Post Burhappur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AY ACT, 1961 (43 OF 1961) (?) Sod Nabaidabi Joje Dagadu Kasar P.o Kaseri Bazia, Post Burhanpur.

(Transferge)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIB COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGL

BHOPAL, M.P

Bhopal, the 27th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4383 -- Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'aid Act') have reason to believe that the minovable property, having a fair market value exceeding Re 25 000 and bearing

Double storted frouse No. 471 situated at Mohalla Kasera Bazar, Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Grazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by my other person interested in the said immovall property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Double storied house No. 434, Ward No. 7, situated at Mohalla Kasera Bazar, Burhanpur, This is the immovable property details of which are described in Form No 37-G verified by the transferce.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

D. P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date 27-3-1984 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE

BHOPAL, M.P

Bhopal, the 21st March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4384.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Diverted land Sheet No. 2, Plot No. 14, 15 103|1 situated at Mouja Sujapur Kala, Khandwa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. #at Khandwa on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

71-56GI[84

- Shri Gendalal S|o Nanakram Jain Saravagi Mahajan R|o Vitthal Mandir Road, Kaharwadi Khandwa Self and Kaita of Hindu Family.
- (Transficor)
 (2) Firm Shrikr shan Commercial Company, Khandwa
 Partners: 1. Pannalal S|o Laduram
 2. Ganeshlal S|o Babulal 3. Rajendrakumar
 va Chhaganlal 4. Pushpabai va Sprajmal Agarwal
 5. Sou, Aabha Joje Narendrakumar Agarwal
 6. Sanjay Kumar va Chhaganlal Agarwal
 R|o Gol Bazar, Khandwa Distt. East Nimar.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given it that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Sheet No. 2, Plot No. 14, 15, 103 1 situated at Sujapu Kala with rooms. Kholis and constructed area. This is the immovable property described in the Form No. 37. G verified on behalf of the transferec.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotvi Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 21-3-1984

Seal ;

FORM I.T.N.S.———

 Shrimati Lokendrasinghji Ke Mu. Aum Smt. Prabharajyalaxmi wo Shri Lokendrasinghji Saheb, Ro Lokendra Bhawan Compound Bhawan, Ratlam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Harivadan wo Betwalalji Shreshtha, Ro Ratlam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal M.P., the 26th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4385.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Part of Ranjeet Vilas Palace situated at Ratlam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this aprice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Ranjeet Vilas Palace, situated at Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Acquisition Range
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 26th March 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|4386.—Whereas, I, p. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetent Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. House situated at Mohalla Ranjit Vilas Palace, Ratlam

No. House situated at Mohalla Ranjit Vilas Palace, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Srimati Maharaja Saheb Shri Lokendrasinghji Saheb Bahadur Ratlam, Naresh Ke Mu. Aum Smt. Prabharajya Laxmi wo Shri Lokendrasinghji Saheb, Ro Lokendra Bhawan, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Milankumar s|o Shri Champalalji Jain, R|o Mohalla Tripoliya Gate, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Out of House, Baggikhane and Servants Quarters' one Quarter situated at Mohalla Ranjit Vilas Palace, Ratlam.

D. P. PAN' A
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Bhagwatibai wo Parmanand Choube, Ro Parkota Ward, Sagar,

(Transferor)

(2) Arvindbhai w|o Deojibhai Gujrati, Ro Bhagwangani Ward, Sagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal M.P., the 26th March 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|4387.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), Have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land: Kh. No. 29, 37/1, 37/2 situated at Guru Govindsingh Ward Sagar,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on August, 1983

for an apporent consideration which is less than the Extract value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any theome arising from the transfer; mad /or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

www, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 29, 37|1, 37|2 situated at Guru Govindsingh Ward, Sagar. This is the imovable prothe imovable property details of which ar described in Form No. 37-G verified by the transferce.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assiistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(JFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 26th March 1984

Ref. No. IAC |Acqu|Bpi|4388.—Whereas, I, D. P. PANTA,

belig the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15 situated at

Land: Kh. No. 31/1, 31/2, 37/1, 47/2, 29 situated at Guru Govinds ngh Whard, Sagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Sagar on August, 1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Smt. Bhagwatibai
 w o Parmanand Choube,
 R o Parkota Ward,
 Sagar.

(Transferor)

Shri Jethalalji
 s|o Devjibhai Gujrati,
 R|o Bhagwanganj Ward,
 Sagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 29, 31|1, 31|2, 37|2 situated at Guru Govindsingh Ward, Sagar This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G, verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 26-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Bhimjibhai wo Karanjibhai Gujrati,

(1) Smt. Bhagwatibai

Sagar.

(Transferor))

Ro Bhagwanganj Ward, Sagar,

wo Parmanand Choube, Ro Parkota Ward,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Phopal, the 26th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4389.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land: Kh. No. 29 situated at Guru Govindsingh Ward, Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at

Sagar on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 29 situated at Guru Govintsingh Ward, Sagar. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 26-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Phopal, the 26th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4390.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Land: Kh. No. 29, 37|1, 37|2, 31|1, 31|2 situated at Guru Govindsingh Ward, Sagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Sagar on August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

- (1) Smt. Bhagatibai Wo Parmanand Choube, ro Parkota Word, Sagar.
 - (Transferor)
- (2) Shri Dayalal So Jivrajbhai Gujarati, ro Bhagwangani, Ward, Sagar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

0

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereir as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land beating Kh. No. 29, 37|1, 37|2, 31|1, 31|2 situated at Guru Govindsingh Waid, Sagar. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Acquisition Range
4th floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Phipal

Date : 26-3-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mus. Pratimabai Wo Janab Triyabali Sulemanji, Ro Napier Ton, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Janab Mohammad Salim So Janab Ismail, Ro Sarafa Ward, Kotwali, Jabalpur.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 2th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4391,—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. House No. (New) 38 situated at Sarafa Wrad, Jabahpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has be n transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabupur on August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period (***pric** = 50;**)
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. (New) 38, plot No. 78|1, Block No. 48 situated at Sarafa Ward, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Acquisition Range
4th floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Phopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely;—

Date: 26-3-1984

Sca! ;

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Phopal the 26th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4392.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 7C|7 situated at adar Bazar, Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at
Officer at Jabalpur on August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to cary tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heroby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the finitewing persons, samely :---72-56GI 84

(1) Shri Asab Hussain, Sukanibai 3. Ismail, Sirajuddin, Jehrabai Smt. Hasainara, Nazma Jubeda, Z. H. Joda. Rizva, Nazra, Razia, Abdul Nabi, Sabir and Jainadh Bano all Rlo Kotwali Ward, Jabalpur.

(Transferee)

(2) Shri Sureshchandra Dube Slo Shri Vrandavan Dube, Saujeev and Sandeep Dube both sons of Sureshchandra, Sadar Bazar, Jabalpur.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this meties in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the poblication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

House No. 7C/7, situated at Sadar Bazar, Jabalpur. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G veriged by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Acquisition Range 4th floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Phopal

Date: 26-3-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Phopal the 26th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4393.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No Land: Kh. No. 2146, 2145 situated at Narsinghpur Road, Chhindwara.

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chhindwara on August, 1983.

Officer at Chilindwara on August, 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Sharda Joje Shri Mohan Vighane Slo late Vishvanath Khinkhede Rlo Shradhanand Peth, Nagpur.

(2) Shri Raftv Bindra S|o Shri Vishwamitra Bindra R|o Chhindwara 2 Narendrakumar Bindra S|o Shri Vishwamitra Bindra R|o Chhindwara 3. Smt. Meena Joje Shri Amrit Bora, Nagpur 4. Ku. Chainika D|o Shri Shivajibhai Shah, Nagpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apart of land bearing Kh. No. 2146, 2145 situated at Narsinghpur Rd., Chhindwara. This is the immovable property, details of which are described in Form No. 37-G veriged by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Acquisition Range
4th floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhops

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

T. T. Nagar, Phopal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 27th March 1984

Ref. No. IAC[Acqn|Bpl|4394.—Whereas, I,

D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Land No. 2146, 2145 situated at Narsinghpur Road, Chhind-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer
Officer at Chhindwara on August, 1983.
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more #than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Lata Joje Shri Shyam Joshi S|o late Shri Vishvanath R|o Civil, Lines, Nagpur. (Transferor)

(2) Shri Rajiv Bindra So Shri Vishvamitra Bindra, Rlo Chlindwara. 2. Shri Narendrakumar Bindra So Shri Vishvamitra Bindra R|o Chhindara,
3. Smt. Meeena Joje Shri Amrit Bota R|o Nagpur. 4 Ku. Cainika d|o Shri Shivjibhai Shah rlo Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of land No. 2146, 2145, situated at Narsinghpur Road. This is the Immovable Property details of which are described in From No. 37-G verifed by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Bulding T. T. Nagat Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 27-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 27th March 1984

Ref. No.IAC|Acqn|Bpl|4395.--Whereas, I.

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Setion 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land Kh. No. 2146, 2145 situated at Narsinghpur Road,

Chhindwara.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering

Officer at Chhindara on August, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11. of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Km. Anita Vishvanath Khinkhede, R[o Civil Lines, Nagpur.

(Transferor)

- (2) Shri Rajeev Bindra So Shri Vishvamitra Bindta Rlo Chhindwara 2. Narendrakumar Bindra So Vishvanath Bindra
 - Rio Chhindwara
 3. Smt. Meena Joje Amrat Bora Rio Nagpur 3. Smt. Meena 10jc Annut Bona Rio Nagpur. 4. Ku. Chainika dio Shivjibhai Rio Nagpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing No. Kh. No. 2146, 2145 situated at Nar singhpur Road, Chhindara. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority 4th Floor, Gangotri Bulding
> T. T. Nagar Bhopal

Date : 17-3-1984.

(1) Vijayabai wlo. late Shii Vishwanath Rlo Civil Lines, Nagoui.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4396.—Whereas, 1, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Land Kh. No. 2146, 2145 situated at Narsinghpur Road, Chhindwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transerred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chhindwara in August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Miteen per cent of such apparent consideration and that the cansideration euch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Shii Rajeev Bindra sjo Shri Vishvamitra Rlo Chhindwara 2, Shri Narendrakumai Bindra Bindra s o Shri Vishwanath Bindra, R o Chhindwara 3. Smt. Meena Joji woo Shri Amrat Bora, Ro Nagpur 4. Ku. Chainika do Shri Shivjihai Shah Ro Nagpur. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said within 45 days from immovable property. date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 2146, 2145 situated at Narsinhpur Road, Chhindwara. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transieree (A part of land).

> D. R. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bhopal

Date: 27-3-1984

wo Anil Deshpande so late Shri (1) Kiran Joje Vishvanath Khinkede Ro Civil Lines, Nagpur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th March 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|4397.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Land Kh. No. 2146, 2145 situated at Narsinghpur Road, Chhindwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chhindwara in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Rajeev Bindra s|o Shri Vishvamitra Bindra, R|o Chhindwara 2, Shri Narendrakumar Bindra s|o Shri Vishwanath Bindra R|o Chhindwara 3, Smt. Meena Joje w|o Shri Amrat Bora R|o Nagpur 4, Ku. Chainika do Shri Shivjibhai Shah Ro Nagpur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may he made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 2146, 2145 situated at Narsinghpur Road, Chhindwara. This is the immovable property, details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferce. (A part of land).

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-3-1984

FORM ITNS----

(1) Smt. Kanchan Joje woo Dattatriya Khansode soo Shri Vishvanath Khinkhede Ro Civil Lines, Nagpur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Rajeev Bindra s|o Shri Vishvamitra Bindra, R|o Chhindwara 2, Shri Narendrakumar s|o Shri Vishwanath Bindra R|o Chhindwara 3, Smt. Meena Joje w|o Shri Amrat Bora R|o Nagpur 4, Ku. Chainika d|o Shri Shivjibhai Shan-R|o Nagpur.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4398.--Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Kh. No. 2145, 2146 situated at Narsinghpur Road, Chhindwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Chhindwara in August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

53—46 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 2146, 2145 situated at Narsinghput Road, Chhindwara. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee. (A part of land).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bhopal

Date: 27-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4433.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Part of House No. 129|1, 129|2 situated at Saverkar Ward, Nai Busti, Mundwara. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Katni on August. 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Lakshmanprasad Khanna, Slo Shri Trilokmath Khanna, Rjo Saverkar, Ward, Katni.
- (2) Smt. Chanda Kapoor Wo Shri Nath Kapoor, Ro Nai Basti, Saverkar Ward, Katni.

(Transieree)

(3) Shri Dr. Naresh Gupta Gupta Nursing Home Nai Basti Kutni.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 129|1, 129|2 situated at Saverkar Ward, Nai Basti, Mudwara. This is the immovable property which has been described in the Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Build
T. T. Nagar, 8hopal.

Date: 10-4-1984.

1 ORM TINS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF PAY BHOPAL M P

Bhop il the 27th Much 1984

Ref. No. IAC AcqnBpl 4434 = Whereas, ID P PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing No House No 46 BA situated at Beoharbagh Nehrii Waid,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at labalpur on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as and a street and the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

> (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

> (b) I will time the concealment of any moonie or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Incomesax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1937 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—73—56GI|84

(f) F Devibu Wo Mr and Pura in

Shir Nanak Ram

Shir Kishan Slo Mehamal Parasmani

4 Shti Chandrakumar Slo Mehamal Paraswani

5 Smt Manubai dlo Mehamal Paraswani

Mayadevi dio Mehamal Smt Ro Ulhasnagar, Bombay

(Transferor)

(2) 1 Shii Narayandas So Sunderlat Indurkhya,
2 Smt. Parbatibat Wio Narayandas Indurkhya
3 Shii Sanjaykumar Sio Narayandas
4 Shii Ajaykumar Sio Narayandas
5 Shii Vijaykumar (Minor) Sio Narayandas
R o 460 Kotwali Ward Jabalpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Hotel No. 116 BA. Wild Tabalpar studied at Beoliaibush Nehru

> D. P PANTA Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor Gangotri Building I T Nagar Bhopal

Date 27 3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 27th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4435.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part of plot Sheet No. 60, Plot No. 102/6 situated at in Mohalla Moti Talab Ramaiyapara Ward, Jagdalpur, (and more fully described in the Schedule annered hereteo), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagdalpur on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely.

- (1) Shri Kunwai Yashwantsingh Slo Nethusingh, Rajput, Rlo Netaji Subhash Ward, Kunwarpada, Jagdalpur.
- (2) Shri Master Ganeshmal (Minor) son of Shri Motilal Kakkad through Shri Motilal Slo Budhmal Rlo Piatapganj, Jagdalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of plot situated on Sheet No. 60, Plot No. 10216 in Mohalla Moti Talab. Remaiyapara Ward, Jagdalpur.

D P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangatri Building T. T. Nagar, Bhowal

Date : 27-3 1984. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 27th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4436.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 369B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of plot, Sheet No. 60, Plot No. 102/1 situated at Mohalla Moti Talab, Ramaiyapara Ward, Jagdalpur. (and more fully described in the Schedule annexed herto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Landalnum on August. 1983

Japanet on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(1) Shri Kunwar Ganeshsingh Slo Arjunsingh Rajput Ro Netaji Subhash Ward, Kunwarbada, Jagdalpur.

(Transferor)

(2) Master Ganeshmal (Minor) son of Shii Motilal Kukkad through Shri Motilal Soo Budhmal Ro Pratapganj, Jagdalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of plot situated on Sheet No. 60, Plot No. 102|1 in Mohalla Moti Talab, Ramaiyapara Ward, Jagdalpur.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotti Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 b of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 27-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-'TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal the 30th March 1984

Ref. No. LAC, Acqn/Bpl/4437.—Whereas, 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 460 situated at Hanumantal Ward Jabalpin (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpin on August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incom-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mukunddas Maheshwari So late Seth Narsinghdas Maheshwari Ro Hanumanta, Jabalour.

(Transferor)

(2) Smt. Chitia Devi W.o. Mukunddas Maheshwai R.o. 460, Hanumantal, Jabalpur

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

I-YPI (NATION :- -) he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building No. 460 situated at Hanumantal Ward, Jabalpur. This is the immovable property details of whic hare described in Form No. 37-B verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-fax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bi

Dale . 30-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 30th March 1984

Rel. No. 1AC1Acqn, Bpl, 4438.- - Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. '1961 (43 of 1°61) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. House No. 18/2, situated at Vivekanand Ward, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jabalpun on August, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shu Natthulal Kesharwani, Ro Purbi Niwardgani, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Summe Roadways Limited, Assaf Ali Road, New Delhi through Shri Subhash Agarwal, Gopalbag, Jabalpur.

(Transferce)

Objection, if cury to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE XHILDULE

Home No. 18/2 situated at Vivekanand Ward, Jabahuu This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANIA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 30-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 30th March 1984

Rcf. No. IAC₁Acqn|Bpl|4439.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

gHouse No. 18/2 situated at Vivekanand Ward, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Jabalpur on August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any measys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Navinchand Kesharwani, Purvi Niwadganj, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Mis. Supreme Roadways Limited. Ansafall Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 18/2 situated at Vivekanand Ward, Jabalpur, This is the immovable property, details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

(A part of the property)

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 30-3-1984.

(1) Shri Ramkumar Kesharwani, Ro Purvi Niwarganj Ward,

(2) M/s. Supreme Roadways 1 imited

may be made in writing to the undersigned :--

Aasafah Road, New Delhi. Care ratinidhi Subhash Agarwal.

Jabalpur,

Gopalbag, Jabalpur.

(Transferor)

(Transferce)

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOMI-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

Bhopal, the 29th March 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpt|4440.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (Rereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1812 situated at Vivekanand Ward, Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

BHOPAL, M. P. Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sadi Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 1812 situated at Vivekanand Ward, Jabalpur.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Non therefore in nursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following hair m' princil . .

Date: 29-3-1984,

FORM ITMS -- -

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th March 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4441.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

House B. No. 48 situated at Tagore Marg. Neemuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Neemuch on August, 19983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesoi exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

111 Ind Themaway Was Samshedji Contractor, Burylow No 48, fagore Marg, Neeemuch. (Transferor)

(2) Shri Babulal Agarwal Slo Shri Parasram Agarwal, Rlo Tilak Marg, Neemuch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given? in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop, (Ground floor) Block No. 48 situated at Tagore Marg, Neemuch. This is the immovable property, details of which are described in Form No 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T 7 Nagar, Bh.ppal.

Date: 29-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4442.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop B No. 48, situated at Tagore Marg, Neemuch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch on August, 1983.

- If or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
74—56GI|84

(1) Smt. Shahnawaz Wo Shri Jamshedji Contractor, Bunglow No. 48, Tagore, Marg, Neemuch. (Transferor)

(2) Shri Govind Gopal Mittal Slo Omprakashli Mittal, Rlo Neemuch Distt, Mandsaur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons' whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop, B. No. 48 situated at Tagore Marg, Neemuch. This is the immovable property, details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 29-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4443.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House: Muncl. No. 88 23 situated at Mohalla Nolaipura,

Rietlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been

transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ratlam, on ugust, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shantilal So Choukchandji Patwa, Rlo Anand Nagar Colony, Khandwa. (Transferor)

 Shri Bhanwarlal Slo Manakialji Munnat,
 Navinchand Slo Manakialji Munnat, Rlo Chomukhi Pool, Ratlam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said interested able property within 45 days from the district of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used fields are defined in Chapter XXA of the said & shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Muncl. No. 88|23 situated at Nolalpura, Ratlam. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferce.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely: -

Date: 29-3-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

*OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX..

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th March 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4444.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section

243-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Bagicha No. 19 situated at Neemuch Cantt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Neemuch on August. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely •—

- (1) Shri Khursheedali S|o Abdulhussainji Bohra, R|o Neemuch Cantt. Neemuch.

 (Transferor)
- (2) M|s. Malwa Enterprises Noemuch
 Partner: Shri Mahendrakumar Samrathmalji
 Patwa r|o Neemuch Cantt.

(Transferee)

Objections, if teny, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHIDULE

Land bearing Bagicha No. 19 situated at Neemuch Cantt.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 29-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th March 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4445.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land-Bagicha No.19 situated at Neemuch Cantt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Neemuch on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Khurshidali so Abdul Hussainji Bohra, Ro Neemuch Cantt, Neemuch.

(Transferor)

(2) Malwa Enterprises Neemuch through partner Shri Mahendrakumar slo Samrathmalji Patwa, Rlo Neemuch Cantt.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

LAND, Bagicha No. 19, situated at Neemuch Cantt, Neemuch.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th March 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|4446.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land: Bagicha No. 19 situated at Neemuch Cantt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Neemuch on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Khurshidali s|o Abdul Hussainji Bohra, R|o Neemuch Cantt, Neemuch.

 (Transferro)
- (2) Malwa Enterprises Neemuch through Partner Mahendrakumar slo Samrathmalji Patwa, Rlo Neemuch Cantt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of Bagicha No. 19 situated at Neemuch Cantta

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 4

BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4447.—Whereas, I, D. P. PANTA,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House (Part of first floor) Muncl. No. 14/7, situated at New Palasia 2 C, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Authority at Indore on August, 1983.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri Vijyendra Ghatge s|o Shri Fateshinghrao Ghatge R|o Bombay through Aum Mukhtiyar Fatehsinghrao Ghatge, s|o Dattajirao Ghatge, R|o Vijay Niwas, 2|1, New Palasia, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh slo Raichand Shah,
(2) Smt. Kokila wlo Rameshji Shah,
Rlo 14/7, St. No. 7, New Palasia, 2-C, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House (Part of first floor) bearing Muncl. No. 14/7 situated at New Palasia, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, 4th floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 9-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4448.—Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 14/7 (Ground floor), situated at New Palasia, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in August, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to any tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vijayendra slo Fatehsingh Ghatge through attorney Fatehsinghtao slo Dattajirao Ghatge Rlo 2/1, Palasia, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Sushil kumar Jiyalalji Shah,
 (2) Smt. Vimala w|o Sushil kumar Shah,
 R|o 14|7, New Palasia, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House (Ground floor) No. 14/7 situated at New Palasia, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 9-4-1984

(1) Shri Dr. Pukhraj s o Shri Bansilal, Ro Jawahar Marg, Khetia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pushparani Kakkad wo Shri Om prakashji Kakkad, Rlo 17, Khatipura, Indore.

(Traneferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopel, the 6th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4449.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, havinb a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. 5 constructed on Plot No. 7C situated at

Kailash Park Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officre at

Indore on 4th August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the protein has not been table to the call installment of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication if this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 5 Out of Flats constructed on Plot No. 7 situated at Kailash Park Colony, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;--

Date: 6-4-1984

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th April 1984

Ref No IAC |Acqn Bpl|4450 - Whereas, 1, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Park, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office of 1908) in the Office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income er any accepts or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue or this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—75—56GI|84

(1) Sanhiath Apartment-Partner Smt. Kanaklata woo Premehand Ro 46, Mahatma Gandhi Marg, Indore, (2) Shri Jagdish Prasad Nagarmal Ro Freeganj, Uliain 3 Smt. Vidya Bai wo Gopal Sharan Gangarade Ro 50 Kanchanbag Indore.

(Transferor)

(2) Mannalal so Shri Remdeon Agarwal 2 Smt. Chamelibai wo Mannalalji, Ro 46, M. G Marg. Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4, Near Geeta Bhawan, situated at Kailash Park, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T T Nagan Bhopal

Date : 6-4-1964

FORM JTNS---

(1) Shri Chetumal soo Chanchaldasji, Ro M. B. Road, Dhamnod.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Raj Kumai woo Shri Kripal Singh Roo House No. 15, Jairampui Colony, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

(b) by any other person interested in the said immov-

able property, within 45 days from the date of the publication of this nouce in the Official Gazette.

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th April 1984

Ref No IAC|Acqn|Bpl|4451.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No 6 constructed on Plot No 327, situated at Visian Shah Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of has been transferred

the Registering Officeer at Indore on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction as evalent of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); House No. 16 constructed on Plot No. 327 situated at Vashan Shah Colony, Indore.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4452.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Part of house No. 17 situated at Shankerbag Colony, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on 29th August 1983,

value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income acking from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Murlidhar s|o Munnalalji Somani, R|o 100, Juna Pitha, Indore.

(Transferou)

(2) Shri Amarjitsingh soo Bhagsingh Mundra, Ro 17, Shankerbag Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this gotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Muncl. No. 17 situated at Shankerbay Colony Indore (A part of house).

O. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Bud's T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-4-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-İ, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th March 1984

Ref. No. P.R. No. 2907 Acq.23[I]83-84.—Whereas, I,

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable having a fale market value exceeding Rs. 25,000/property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. at Shahpur & Survey No. 3415 situated at 9th Floor, Block No. D. Flat No. 9-B (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

S.R. Ahmedabad on 1-8-1983

S.R. Ahmedabad on 1-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid (ALEADS the apparent consideration therefor by more than futteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of a afterestald people by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely :--

(1) Shri Subadhahandra Ratilal Shah, Near Swaminarayan Mandir, Kalupur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Alex Augstin Fernandise Ambica Bhavan, Shahpur, Shahour Bahai Centre. Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Shahpur-2 Survey No. 3421-5-A-26. Block No. 3, 9th Floor, Flat No. 9-B Read. vide R. No. 10954 Dt. 1-8-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 16-3-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopul, the 6th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4456.-Whereas I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House constructed on Plot No. 83 situated at Greater

Tirupati Colony, Indore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at

Indore on August 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of minister with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth ax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Salina woo late R. Robert Masy, R o 78, Jaora Compound, Indore.

(Transferor)

(2) Km. Lavina dlo R. Robert Masy, R o 78, Jaora Compound, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House on plot No. 83 situated at Greater Tirupati Colony, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the i-sue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Narayandas Guru Sheshnarayandas Bairagi, R|o 287, M.G. Road, Indore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferor)

(2) Shri Javerchand slo Poonamchand Dassani, Rlo 31/42-C, New Palasia, Indore.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4457.-Whereas I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land: Survey No. 225, situated at Gram Talawali Sri-

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16. of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 25th August 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Assistant shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 225 situated Gram Talawah Sriram Distt. Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the maid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4458,—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House: Muncl No. 242, Old No. 192 situated at Tilak Path. Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 16th August 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Aditya Pratap slo Bahadur Shah, iklo Shiv Vila, Katol Road, Nagpui

(Transfer ()

(2) Smt. Kalawatibai w_io Chandulal Kuril, R_io 242, Tilak Path, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Muncl. No. 242, Old No. 192 situated at Tilak Path, Indore (A part of house).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. 4th Floor. Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-4-1984

HORM ITNS-- ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4459.--Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000-and bearing

No. House: Muncl. No. 17 situated at Sadhu Nagar, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 in the office of the Registering Officer at Indore on 18th August, 1983.

of the Registering officer at Indore on 18th August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trensferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section ?69D of the said Act, to the following ng persons, namely:—

(1) Shri Jaikuthar Slo Shri Jethanandji Rlo 195, Palsikai Colony, Indore 2 Stut Mohandas Slo Shri Radhakishand Rlo Bairathi Colony No. 2, Indore, 3 Beena Wlo Chandrakumar, Rlo 10, Ganji Compound, Indore 4, Santoshkumar Slo Ramchand Rlo B, K, Sindhi Colony, Indore.

(Tran-feror)

(2) Shri Deepak So Parmanandji Ro 87, Triveni Colony, Indose.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House bearing Muncl. No. 17 situated at Sadhu nagar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar. Bhopal.

Date: 5-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th April 1984

Ref. No IAC Acqn Bpl 4460, -- Whereas, 1. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. House Muncl. No 17 situated at Sadhu Nagar, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 4th August, 1983.
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bhri Ini Kamar I / Jothamana R|o 195, Palsikar Colony, Indore, 2 Mohandas S|o Shri Radhakishani R|o 143, Banathi Colony, Indore 3 Sint. Beena Wio Chandrakumai Rio 10, Gaini Compound, Indore 4 Sintoshkumar Sio Ramchandi i Rio 18, B. K. Sindhi Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shu Deepak So Parmanandji Ro 87, Tuveni Colony, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Muncl. No. 17 situated at Sadhu Nagar,

D P PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotti Building, T. T. Nagar. Bhopal

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely :-

76—56GI 84

Date: 5-4-1984

(1) Shri Abdul Gaffar . 5 Mohd. Saheb, Ro H No 28, Daul 1, inj, Indoic

(lighsteror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ahemad Hussain S[o Mohd Ibrihim R[o 15, South Hathipial) Indore

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal the 6th April 1984

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref No IAC|Acqn|Bpl|4461 -- Whereas, J. D P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No House Muncl No 7/1 situated at Chamai Moballa, (Gadı Adda), Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indoic on 5th August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atorisaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afocuard exceeds the appaent consideation theefor by more than consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transeror to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House Muncl No 7/1 situated at Chamai Mohalla (Gadi Adda), Indore This is the immovable property details of which are described in Form No 37 G verified by the transteree (A part of house),

> D P PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor Gangotri Building. T. Nagar Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores ud property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely '--

D) ite 6 4-1984 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th April 1984

Ret. No. IAC|Acqn|Bpl|4462.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. House: Muncl. No. 711 situated at Chamar Moballa, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Abdul Gaftar Slo Mohammad Saheb, Rlo 28|3, Daulatganj, Indore.

(Transferor)

(2) Firm Salyakam Steel Centre, 86, Hathipala (Hathipala) Indore Portner: Shri Sureshkumar Slo Nathulal Rlo 36, Hathipala, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House bearing Muncl, No. 7/1 situated at Chamar Mohalla, (Gadi Adda), Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-ŢAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4463.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House: Muncl. No. 7|1 situated at Chamar Mohalla, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed has been transferred under the Registration Act. 19088 (16 of 1908) of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Indore on 18th August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is, respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thesefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Abdul Gafoor S|o Mohammad Saheb, R|o 28|3, Daulatganj, Indore.

(Transferor)

(2) Firm: Fine Steel Sales, 22, Hathipala, Indore Partner: Mohammad Mu-stakeem Mohd. Ibrahim 2. Mohammad Salim Slo Mohammad Ibrahim, Rlo 10, Ganji Compound. Indore 4. Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.*
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House: Muncl, No. 7|1 situated at Chamar Mohalla, (Gadi Adda), Indoic.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopat.

Date : 5-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th April 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4464. Whereas, 1,

D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing No.

No. House constructed on Plot No. 14, situated at Chhatrapati Nagar, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

indore on 5th August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to b have that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Radhakishan Slo Gordhanii. Rlo ChhatrapatiNagar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntalabai Woo Shri Radhamohanji, Khandelwal R o 25, North Yeshwantgani. Indose.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and and part of house constructed on Plot No. 14 situated at Chhatrapathi Nagar, Indore. This is the immovable property desceribed in the Form No. 37-G ventiled by the transferec.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomotax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T.T. Nagar, Bhopai.

Date - 5-4 1984

Saai :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Bhopal, the 5th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4465.—Whereas, I, D. P. PANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Ground floor house No. 6[559 (part of house) situated at Rajkumarsingh Colony, Dewas Road, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ujjain on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the gald Act, to the following persons, namely:—

Shri Gulabehand
 s|o Bapulalji Vijayvargiya Mahajan,
 R|o 90, Dashehra Maidan,
 Ujjain.

(Transferor)

 Smt. Sou. Mita Batra wo Kishore Batra, Ro 127, Dashehra Maidan, Ujjain,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property of may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said movable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house (Ground floor) bearing No 6,559 situated at Dewas Road, Rajkumarsingh Colony, Ujjain,

D. P. PANI'A
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
'T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-4-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th April 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4466. -Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'caid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing House on plot No. 783 situated at Indore Vikas Pradhi-

karan, Yojna Kramank 44, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration. Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at

Indore on 17 August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforciald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Shri Omprakash s o Fatandas, 2. Smt. Manju wio Ashokkumar, Rlo 3, Kutju Colony, Indore Tarte aum Mu, Balchand slo Shivaldas, 3, Katju Colony, Indore.

(Fransferoi)

(2) Alpha Mata Sewak Sangh Gilh Niiman Sabkari Sanstha Maryadit, Upadhyaksh Damjibhai, so Shri Pragji, 23 3, Jawahai Maig. Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

A part of House constructed on Plot No. 783 at Indore Vikas Pradhikaran, Yojna Kramank 44, Khatiwala, Tank, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date · 6-4-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th April 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|4467.—Whereas, 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 18, situated at Phadnis Colony, Manik Bag, Indore

Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sm. Moranomadevi wlo Snivprasad Bihari through Mu Aum Gryabracad Bihari sio Harth junial ishim, Rio Valiann i amii-43, Indoie.

(Transicion)

(2) Smt. Rabiabai wlo Moh. Ibrahim, Moh. Yunus slo Chhotekhan, Rlo 33, Snehlataganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 18, Survey No. 1533 situated at Phadrus Colony, Manik Bag, Indore.

D P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotti Building,
T. T Nagar, Bhopal

Date: 6-4-1984

FORM LT.N.S.

Shri Gayaprasad
 Harbhajanlal Bihari,
 Ro 45, Ballabh Nagar,
 Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Moh. Iqbals|o Moh. Ibrahim,2. Moh. Iliyass|o Chhotekhan.

(Fransferce)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M. P. Bhopal, the 6th April 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|4468,--Whereas, I.

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Plot No. 21, Kh. No. 1533 situated at Phadnis Colony, Manikbag, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Acta 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registrating officer at

Indore on 9th August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Plot No. 21, Kh. No. 1533 situated at Phadnis Colony, Manik Bag, Indore.

THE SCHEDULE

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

регволя, па**mely** :— 77—56**GI**|84 Date: 6-4-1984

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Prem Kumar Rlo 1-B, Anand Nagar Colony, Khandwa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Sardar Manoharsingh, Rlo Baroka, Dhanbad (Bihar).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4469.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Open Plot: Kh. No. 41|2, situated at Anand Nagar
Colony, Khandwa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

1908) in the office of the Registering officer at Khandwa on 25th August, 1983

at knandwa on 25th August, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land, Kh. No. 41/2 situated at Anand Nagar Colony, Khandwa.

D. P. PANTA Competent Authority Inpecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under subsection (1, of Section 269D of the said Act, to the following tersons, namely:—

Date: 64-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th April 1984

Ref. No. IAC[Acqn|Bpl]4470.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land New No. 45 situated at Gram Bado, Bujrug (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Burhanpur on August, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shitalprasad
 s|o Badriprasad Dube,
 Brahaman,
 R|o Budhwara, Burhanpur.

(Transferor)

(2) I. Shri Sadanand s|o Balchand Patel

2. Smt. Shakuntalabai wo Sadanand Patel,

3. Prabhudas Sadanand Patel.

Shri Bhagwandas Sadanand Patel,
 Chandrakant

 Chandrakant slo Sadanand Patel (Minor) Guardian father Sadanand, Rlo Itwara, Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing New No. 45 situated at Gram Bada Bujrug, Teh. Burhanpur. This is the immovable property, details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferce. (with well and trees).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4471.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land: Kh. No. 327/2, New No. 355 situated at Borgaon Khurd, Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chunnilal Dharamdas Gujarat Mod., Rlo Dholi Wada Ward, Daudpura , Burhanpur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Sadanand s|o Balchand Patel, Self and Vali Chandrakant (Minor) son of Shri Prabhudas Sadanard Patel,
 - Shri Bhagwandas Sadanand Patel, Gujrati Mod, Itwara, Burhanpur.
 - 3. Sou, Shakuntalabai Joje Sadanand Patel, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Old No. 327/2 and New No. 355 situated at Gram Borgaon Khurd Teh. Burhanpur. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 4-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th April 1964

Ref. No IAC (Acqui Bpi, 4472 - Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₃ 25,000/- and bearing

No. House, Muncl. Corpn. No. 84 situated at Jawahar Marg, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indoic on August, 1983

of or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

Shri Vidhyasagar
 Ro Ramawatarji Mishra,
 Ro 11, Pipliyarao,
 Bhanwarkuwan, Road, Chouraha,
 Indote.

(Transferor)

(2) Shri Bhagirath S|o Bonderji, R|o 510, Mahatma Gandhi Marg, Indore. Karta of H.U.F.

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 APIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House bearing Muncl. No. 84, situated at Jawahar Marg, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
1. T. Nagat, Bhopal

Date: 4-4-1984

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4473.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
House No. 580|186 situated at Sneh Nagar, Indore
/and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Chhaganlal Shakuniya, R|o 45, Rambali Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Daudbhai Parikh s|o Shri Noor Mohammad Parikh, R|o 6|4, Murai Mohalla, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 580|186 situated at Sneh Nagar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-4-1984

Seal

 Smt. Chandibai wo Chainsukh Modi, Ro 92, Nemi Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4474.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. House No. 16, situated at Narsingh Bazar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on August 1983

Indore on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) 1. Shri Abdul Ali s¦o Khan Ali, ' R|o 6, Maharani Road, Indore.

2. Smt. Shamim
wlo Gulam Rasool,
Rlo 17/1, Rampura,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 16 situated at Narsingh Bazar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 4-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Hariram sjo Milkiram Pahuja,

> 2. Sukhibai wlo Hariram Pahuja, Rlo 61, Gopalbag Colony, Indore.

(Transferot)

(2) Smt, Gouribai wlo Tarachand Israni, Rlo 61, Gopalbag Colony, Indore.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4475.-Whereus, I,

D. P. PANTA. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

House No. 61, situated at Gopalbag Colony, Indore (and wars failly described in the schedule approach hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at Indore on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 lays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

House No. 61 situated at Gopalbag Colony, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge, 4th floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 3rd April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4476.—Whereas, L. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 1|333 (old) & (New) No. 54|2 situated at Fabbra chowk, Dev Saheb Ki Gali, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ujjain on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any facome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ()1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
78—56 GII84

 Shri Tikamdas Motumalji Sindhi, R|o Fabbara Chowk, Dev Saheb Ki Gali, Ujjain.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Iqbar Hussain s|o Abdul Aziz,
 - Naushad
 s|o Iqbal Hussain,
 (Minor) guardian father Iqbal Hussain
 R|o Mjjwa-D,
 Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1|333 and No. 54|2(NEW) situated at Fabbara Chowk, Dev Saheb Ki Gali, Ujjain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th floor,
Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 3-4-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 3rd April 1984

Ref No. IAC|Acqn|Bpl|4477.—Whereas, I, D. P. PANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing 11 use No 25, situated at Katju Colony, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aircreasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-g persons, namely:—

(1) Shri Prabhudas slo Bhikchand, Rlo 25, Katju Colony, Indore.

(Transforer)

(2) Smt. Leelabai
 w|o Tahilramil,
 R|o House No. 25 Katju Colony,
 Indore.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 25 (Part of 2nd floor) situated at Katju Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th floor,
Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 3-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 3rd April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4478.—Whereas, I, D. P. PANTA,

bling the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000 and bearing

Plot No. 21 situated at Lalabag, Burhannur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the registering officer at Burhanpur on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Halesh Bhagwandas Jagwani, Faipur Taluka Yaval.

(Transforei)

(2) Shri Keshavsingh s|o Kripalsingh, R|o Lalbagh Road Teh. Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period re 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

and bearing New No. 244, 245, plot No. 21 situated at Lalbagh Teh. Burhanpur. This is the immovable property, details of which are described in Form No. 374G veried by the transferee.

D. P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incone-tax
Acquisition Range, 4th floor,
Gangotri Building
T. Nagar, Bhopal.

Date: 3-4-1984

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 3rd April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4479.---Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3, situated at I.Al BAG, BURHANPUR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Burhanpur in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Harcsh Jagwani, Ro Faijpur Taluka Yaval.

(Transforer)

(2) Shri Kamalkishore s|o Murli Manohar Devda, R|o Chowk Burhanpur Teh. Burhanpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); and bearing No. (New) 244, 245, plot No. 3 situated at Lalbag, Burhanpur. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G xerified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th floor, Gangotrii Building
T, T. Nagar, Phopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings fo rthe acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-4-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 3rd April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4480.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land: Kh. (New) No. 603 (Old) No. 514, situated at Gram Amagird Teh. Burhanpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Burhanpur in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

(1) Rameshchandra s|o Manilel Shah, Commissioner, Nagar Palika Nigam, Burhanpur.

(Transferor)

(2) Shri Narayans|o Roopa Mahajan,R|o Rastipura,Burhanpur.

(Traneferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 603 (New), No. 504 (Old) situated at Amagird Teh. Burhanpur. This is the immovable property details of which are decribed in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th floor,
Gangotri Builling
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 3-4-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4481.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 14, situated at Ranjit Vilas Place, Ratlam. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ratlam in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not beeen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Shri Srimant Maharaja Saheb Lokendrasinghji Saheb,
 Mu. Aum Smt. Prabharajya Srimant Lokendrasinghji,
 Lokendra Bhawan, Ratlam.

(Transferor)

 Shri Kunwar Saheb Bhupendrasingh s|o Krishanchandraji Rathore, R|o Kaneti Distt. Ratlam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 14, situated at Ranjit Vilas Palace, Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th floor,
Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection...(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4482.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

House No. 40|188 situated Sarafa Bazar, Leskar, Gwalior. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of registering officer

at Gwalior on 2nd August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shri Kedarnath sjo Shrikrishan Agarwal, Rjo Parakhji Ka Bada, Lashkar, Gwalior.

(Transforer)

(2) Madhav (Minor) s|o Rajendraprasad Agarwal Guardian mother Sudha Agarwal w|o Rajendraprasad Agarwal, Sarafa Bazar, Loshkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 40 138 situated at Sarafa Bazar, Lashkar Gwalior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th floor,
Gangotri Bullding
T. T. Nagar, Bhopal,

Date: 5-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4483.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Gram Majhera, Sivpuri,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Shivpuri in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Khalil Ahmad & Sagir Ahmad both sons of Shri Jahur Ahmad, Ro Purani Shivpuri.

(Transferee)

(2) Shri Jagsingh, Gurmitaingh, Mahendrasingh, Balvindersingh, sons of Jorasingh Sikh, Rļo Punjab.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Gram Majhera Teh. Shivpuri. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th floor,
Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-3-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4484.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Land situated at Gram Majhera Teh. Shivpuri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269th of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
79—56 GI|84

(1) Shri Khelil Ahmad & Sagir Ahemad sons of Sh. Jahur Ahmad, R[o Purani Shivpuri.

(Transforer)

(2) Shri Rajendrasingh
 s|o Gurucharansingh
 R|o Malliyawala
 Tch. Bhoga Fardikot (Punjab)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: :--The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Gram Majhera Teh. Shivpuri. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th floor,
Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 4-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAI, M. P.

Bhopal, the 5th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4485.—Whereas, I, D. P. Panta,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Gram Majhera Teh. Shivpuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Sagir Ahmad's Soo Shri Jahur Ahmad, Roo Purani Shivpuri.
- (2) Shri Mukundsingh S|o Sardar Chandasingh, R|o Malliyawala Teh. Moga, Faridkot (Punjab)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

and situated at village Majhera Tehsil Shivpuri. This is the immovable property, which has been described in the Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-4-1984

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 3rd April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4486.—Whereas, I, D. P. Panta,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Gram Mojhera

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Shivpuri on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922). or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sagir Ahemed's S|o Shri Jahur Ahemad Musalman, R|o Purani Shivpuri.
 R|o Purani Shivpuri.

(Transferor)

 Shri Gurmit Kaur Wo Shri Gurucharan Singh, Ro Malliyawala Teh. Bhoga, Faridkot, Punjab.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPIANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Giam Majhera Disst. Shivpuri.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 3rd April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4487.—Whereas, I, D. P. Panta,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land: Kh. No. 207|1, 207|2, 208|3 209|1 situated at Ratanpur Sadak, Distt. Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering

Officer at Bhopal on August 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the cobject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Parasram S|o Prahlad, R|o Ratanpur Sadak Distt. Bhopal.

(2) Shri Sardar Pritamsingh So Lal Ishwardasil, Ro E-3 68, Arera Colony, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 207|1 207|2, 208, 209|1 situated at Gram Ratanpur Sadak Distt. Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-4-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4488.—Whereas, I, D. P. Panta,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot situated at Sagar Bhopal Road, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Maheshkumar Soo Parmanand Chourasia, Roo Purvyas Tori, Sagar.

(Transferoi)

Shri Surjeetsingh
 Paramjitsingh
 Diljit Singh,
 all sons of Shri Gyan Singh
 Bhagwan Ganj
 Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning in given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 8256 sq. ft. bearing Kh. No. 196 situated at Sagar Bhopal Road, Sagar. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gaugotti Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-4-1984

(1) Smt. Bhagwatibai Wo Parmanand Choube, Rlo Parkota Ward, Sagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Karamsibhai Slo Vishrambhai Gujrati,
 Rlo Bhagwanganj Ward, Sagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th April 1984

Ret. No. IAC Acqn Bpl 4489.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land: Kh. No. 35 situated at Guru Govindsingh Ward,

Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Sagar on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land bearing Kh. No. 35 situated at Guru Govindsingh Ward, Sagar. This is the immovable property, details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

THE SCHEDULE

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotti Building T. T. Nagai, Bhopat

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-4-1984

(1) Smt. Bhagwatibai Wo Parmanand Choube, Rio Parkota Ward, Sagar.

(Transferor)

(2) Govindbhai S|o Karamsighbhai Gujrati, R|o Bhagwanganj Ward, Sagar.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4490.—Whereas, I. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land Kh. No. 35, 36 situated at Guru Govindsingh Ward, Sagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 10th August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(a) by any of the aferceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 35, 36 situated at Guru Govindsingh Ward, Sagar. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferce.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income fax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-4-1984

FORM, ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4491.--Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. Land: Kh. No. 35 situated at Guru Govindsing Ward,

Teh. & Distt. Sagar.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi

at Sagar on August. 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Bhagwatibai Wdo Parmanand Choube Rlo Parkota Ward, Sagar,

(Transferor)

(2) Shu Ramjibhai Sjo Vishrambhai Gujrati, Rio Bhagwangani, Ward Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actes in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No 35 situated at Gurn Govindsingh Ward, Teh & Distt Sagar.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Bullding, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-4-1984

Seni :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(1) Smt. Bhagwatibai Wo Parmanand Choube Rio Parkota Ward, Sagar.

(Transferor) (2) Shri Narayanbhai So Ramjibhai Gujrati, Rlo Bhagwangani Ward, Sagar.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4492.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land: Kh. No. 36 situated at Guru Govindsing Ward,

Sagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Sagar on 10th August, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land: Kh. No. 36 situated at Guru Govindsing Sagar. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namelý 💴 80---56GI|84

Date: 7-4-1984

- (1) Shri Darshanpal Arora S|o Mohanlal Arora, R|o Gupteshwar, Madan Mahal, Jabalpur (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ushasingh Wo D. S. Singh Mandora, Ro Distt. Jalaon, U. P. Hall, Jabalpur. (Transferee)

GOVERNMENT OF EVELA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4493.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 870|B, Block No. 4, Plot No. 22 situated at Napier Town, Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registered Officer at Jabalpur, on August, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid prperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undereigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 870 B. Block No. 4, Plot No. 22 situated at Napier Town, Jabalpur,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 7-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4494.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land: Kh. No. 139 situated at Mouja Lalai Tori Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sagar on August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gajadhar 2. Dulichand So Tolaram Patel,

3. Bharosi

4. Ramcharan So Bhagu Patel,

Indrani Wo Bhagu Patel,
 Ro Katra Distt. Sagar.

(Transferor)

(2) Firm Radhelal Shri Narayan Maheshwari, through Radhelal So Mannulal Maheshwari, Ro Bhagwangani, Sagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 139 situated at Mouja Lafai Tori Distt. Sagar. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 7-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4495.--Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. No. Land: Kh. No. 12, 18, 19, 20, 23, 1, 23 2 & 39 1 situated at Bilhari, Jabalpur,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on August, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Gayanrasad Slo Trilok Kachwaha. R o Bilhari, Jabalpur.

(Transferor)

 (2) 1. Sardar Nirmalsingh S|o Kesharsingh,
 2. Sardar Balwantsingh S|o Kesharsingh,
 3 Sardar Gurdarshansingh S|o Jagirsingh,
 4. Sardar Gurdeosingh S|o Jagirsingh,
 Plot 12812 Bibberi Ro 1382, Bilhari, Jabalpur.

(Transferee)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whicher period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 12, 18, 19, 20, 23|2 and 39|1 situated at Bilhari, Jabalpur,

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 9-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th April 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|4496.—Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impact that the impact of the said Act') having a fair market value exceeding movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 1858 situated at Ranhi, Narsingh Ward,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jabalpur on 18th August, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consederation to such apparent consideration and the consederation to such the second to between the consideration for such transftr as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Indrabai Mohta Wo Shri Omprakash Mohta, Calcutta through Mu. Aum Smt. Narbada Devi Joje late Shri Seth Narsinghdas, Hanumantal, Jabaipur.

(2) Smt. Veerbai Joje Indersingh Mastana, Ro Ranjhi, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of . 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1858 on Land bearing Kh. No. 91, 92 1, 93 1, 94 20, Sheet No. 10, Plot No. B-14 situated at Ranjhi, Narsingh Ward, Jabalpur,

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 7-4-1984

(1) Smt. Mu. Lakshamibai Joje Moolchand Patel. Rlo Subhash Nagar Ward, Sagar,

(Transferor)

(2) Smt. Vijayantibai Wo Lokman Khatik, Rlo Chakra Ghat Ward, Sagar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th April 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4497.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Land: Kh. No. 23 4, situated at Mouja, Lalai, Tori Distt. Sagar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sagar on 22nd August, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land: Kh. No. 23|4, situated at Mouja Lalai Tori, Distt. Sagar. This is the immovable property, details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferec.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range,
> 4th Floor, Gangotri Building,
> T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 7-4-1984

Scal -

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4498.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 96, Kh. No. 232, 233 situated at Gram

Lakshamipur, Jabalpur.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur in August, 1983,

Pudumandapam, (Doc. No. 450[83) on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amolsingh Rajpoot Slo Shri Lalsingh Rajpoot, Rlo 881, Amanpur, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Darshan Thakur Wo Shri B. S. Thakur, Ro 1225, Napier Town, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 96, Kh. No. 232, 233 situated at Lakshamipur Gram Distt. Jabalpur. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 7-4-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Darshanpal Arora
 So Mohanlal Arora,
 Ro Gupteshwar, Madan Mahal,
 Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Rambahadursingh Slo Maharapingh Sa. Patel, Rlo Nagar Urai Distt. Jalaon, U. P. Hall, Jabalpur.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th April 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|4499.—Whereas, 1, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 870 (A part of house) situated at Napicr Town, Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur in August 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or a hich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHFDULF

Part of House No. 870, Block No. 4, on Plot No. 22 situated at Napier Town, Jabalpur.

D. P PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th April 1984

Ref. No IAC|Acqn|Bpl|4547.--Wherqas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. House No. 1858 Plot No. 14-B. Kh. No. 91, 91 1, 93 1.

94|20, Sheet No. 10 situated at Ranjhi, Narsingh Ward Distt.

Jabalour.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Jabalpur on 18th August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the salt Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---81---56 GI 84

(1) Smt. Indrabai Mohta Wo Shri Prakash Mohta, Calcutta, Mu. Aum Smt. Narbada Devi Joje late Shri Narsinghdas, Hanumantal Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Triloksingh, Kamaljitsingh So Indersingh Mastana, Rlo Ranjhi, Jabalpur.

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House measuring 5850 Sft. constructed on Plot No. 14-11. Kh. No. 91, 92|1, 93|1, 94|20, Sheet No. 10 situated at Ranjhi, Narsingh Ward, Teh. Jabalpur.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4548.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Land: Survey No. 6 1, 7, 9 situated at Gram Bajatta

Khurd, Barwani

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Barwani on August, 4983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Teja s o Narsingh Maru, Ro Taloon Teh., Barwani

(Transferor)

(2) Shri Ganpat s o Kishanji Maru, R o Taloon Teh., Barwani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propermay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 6|1, 7, 9 situated at Gram Bajatta Khurd, Teh. Barwani,

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range,
> 4th Floor, Gangotri Building,
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-4-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M. P.
Bhopal, the 6th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4549.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

No. Double storied house Muncl. No. 51 situated at Mohalla Mochipura, Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ratlam on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Jagannath
 - 2. Rameshwar
 - 3. Mohanlal

 Bansilal sons of Chandmalji, Surajbai wd|o Chandmalji, R|o Mohalla Mochipura, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Noor' Mohammad s|o Allahabeliji R|o Mohalla Maratho Ka Vas, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storled house Muncl. No. 51 situated at Mohalla Mochipura, Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopai

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4550.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Plot No. 112 situated at Subhash Nagar, Sanwar Road, Uliain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ujjain on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Arun Dattatriya Kulkarni s|o Dattatriya Vishnu Kulkarni, R|o Agar Road, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Nagar Sahkari Grih Nirman Samiti, Ujjain, through President Sheshnarayan s|o Narayanji Vyas, R|o Subhashnagar, Sanwar Road, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 112 situated at Subhash Nagar, Sanwer Rd., Ujjain,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4551.—Whereas, I,

of transfer with the object of :-

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Plot No. 28 situated at Subhash Nagar Colony, No. 2, Sanwer Road, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ujjain on August, 1983
For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the seid instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Subhash Nagar Sahkari Grih Nirman Samiti, Ujjain, through President Shri Sheshnarayan so Narayan Vyas, Ro Subhash Nagar Colony, Sanwer Rd., Ujjain.

(2) Smt. Meena Kulkarni wo Dr. A. D. Kulkarni, Ro Agar Road, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 28 situated at Subhash Nagar Colony No. 2, Sanwer Road, Ujjain.

D. P. PANTA.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-4-1984

(1) Shri Jitendrakumar s|o Sobhagyamalji, Ro Neem Chowk, Nayapura, Ujjain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sagarmal Kothari so Ranglalji Kothari Ro Chousath Yogani Marg, Neem Chowk, Nayapura, Ujjain.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4552.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|1 and bearing
No. Plot No. 72 situated at Ravindra Nagar Colony, Ujjain (and recon fully described in the Schaduly property having)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Ujjain on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 72 situated at Ravindra Nagar Colony, Ujjain,

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4553.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 133 situated at Pipliyarao, Vishnupuri Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on Augu st, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Narayanlal s|o Shri Bhaulalji Naval, R|o Gram Varla Distt. Khargone.

(Transferor)

(2) Smt. Pramila Kori w|o Shri Komalchandji Kori, R|o 5, Meerapath, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 133 situated at Pipliyarao, Vishnupuri Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopul

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4554.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 40-B situated at Jaora Compound, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in August, 1983
for an apparent consideration which is less than, the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt, Femidabix
 Do Abdul Rehman (woo Kamar Saida Khan),
 Road,
 Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Sudhir Soni,
2. Sanjeev Soni
s|o Liladharji Soni,
R|o 12|1, Nihalpura,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 40-B situated at Jaora Compound, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-4-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL. M. P.

Bhopal, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4555,—Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. Land: Survey No. 55, 62, 6411 situated at Gram Khodu.

No. Land: Survey No. 55, 62, 6411 situated at Gram Kheda Rathore

Kathore

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jawad in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- c) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—82—56GI|84

(1) Shri Onkar s|o Khemaji, R|o Kheda Rathore.

(Transferor)

(2) The Gwalior Rayon Silk Manufacturing Weaving Company Limited,
Birlagram Nagda
through President Shri C. P. Jaju

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of he publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 55, 62, 64|1 situated at Gram Kheda Rathote. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authoriv
Inspecting Assistant Commissioner of nicome-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangoth Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M P.

Bhopal, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4556.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land No. 40|1, 40|2, 37|3, 37|4, 64|10, 49|3, 37|5 situated at Gram Kheda Rathore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jawad in August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shanker s o Kishanji Malı, Rlo Kheda Rathore Village.

(Transferor)

(2) The Gwalior Rayon Silk Manufacturing Weaving Company Limited, Birlagram Nagda through President Shri P. C. Jaju

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 40|1, 40|2, 37|3, 37|4, 64|10, 49|3, 37|5 which is situated at village Kheda Rathore Tehsil Jawad. This is the immovable property which has been described in the Form No. 37-G verified on behalf of the transferee.

> D. P. PANTA Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range.
> 4th Floor, Gangotri Building,
> T. T. Nagar, Bhopul

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M, P.

Bhopal, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpi|4557.—Whereas, I, >D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land No. 171 situated at Gram Kheda Rathore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jawad in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hamidkhan Urf Abdul Hamidkhan s|o Rehmankhan, R|o Jawad.

(Transferor)

(2) The Gwalior Rayon Silk Manufacturing Weaving Company Limited,
Birlagram Nagda
through President Shri C. P. Jaju
son of Shri Ramnarain Jaju,
Vice President
'The Gwalior Rayon Silk Manufacturing Weaving
Co. Ltd.,
Birlagram, Nagda.,
at present residing at
Bunglow No. 28, Neemuch.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 171 which is situated at village Khcda Rathore, Tehsil Jawad Distt. Indore. This is the immovable property which has been described in the Form No. 37-G verified on behalf of the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-4-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4558,-Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land No. 58, 59, 112, 115 situated at Gram Kheda Rathore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jawad in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii Rajaram Soo Jetram Gujar, Roo Gram Kheda Rathore.
- (Transferor)

 (2) The Gwalior Rayon Silk Manufacturing Weaving Co. Ltd., Birlagram Nagda through President Shii C. P. Jaju son of Shri Ramnarain Jaju, Vice President The Gwalior Rayon Silk Manufacturing Weaving Co. Ltd., Birla Gram, Nagda, at Present residing at Bunglow No. 28, Neemuch. (Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No 58, 59, 112, 115 which is situated at Village Kheda Rathore Tehsil Jawad, Dist. Indore. This is the immovable property which has been described in the Form No. 37-G verified on behalf of the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 9-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 2690(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th April 1984

Ref. No. 1AC|Acqn| Bpl|4559,--Whereas, 1, D P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and

bearing No. Part of House No. 580|1-2-3, situated at Lakshmipur Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Jabalpur on August, 1983

Registering Officer at Jabalpur on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Smt. Saraswati Bai Wdo late Kashiprasadji Kevat. 2. Shri Kallu and

3. Shii Pritam Urf Pittu both sons of late Shir Kashipiasadji Kevat, R|o Choudhi Katra, Adhattal, Jabalpur through Mu. Aum Shri Babulal Patel.

(Transferor) (2) Shii Shivchaianlal Slo Ayodhyaprasad Gupta, Rio Bhartipur, Jabalpur.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 580|1-2-3 situated at Lakshmipur, 'Jabalpur.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 7-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4560.—Whereas, I, D. P. PANTA,

ransfer with the object of :---

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000|-and bearing No. Part of House No. 580|1-2-3 situated at Lakshmipur, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jabalpur for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid pdoperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Saraswatibal Wd|o late Kashiprasadji, Kevatji Kallu and Shri Pritam Urf Pittu both sons of late Kashiprasad Kevat R|o Raddi Choudhi, Katra Adhartal, Jabalpur Mu. Aum Shri Babulai Patel.

(2) Shri Jagdeoprasad Soo Omprasad Srivastava,
 Ro Wright Town No. 2,
 Shankerlal Pandey
 Soo Akshaynath Pandey

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 580|1-2-3 situated at Lakshmipur, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopai.

Date: 7-4-1984. Seal:

FORM ITNS----

(1) Smt. C. Chandrarani Babu Wo C. Ramchandra Jain Ro Dhunsour Teh. Patan Distt. Jabalpur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Guttulal Slo Late Paramlal Patel, R|o Garha, Jabalpur.

(Transfree)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th April 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl,4561.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land: Kh. No. 519 | 1 Kh situated at Garha (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land: Kh. No. 519 1 Kh situated at Garha Jabalpur.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heroby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4562 —Whereas, I, D. P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House Munc!. No 60/1A situated at Monta Gada, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jabalpur in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. S. Singen Chandrarani Babu Joje Shri S. C. Ramchandra Jain Sa. R/o Thunsar Teh. Patal Hall Napier Town, Town Ward, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Sou. Tilkabai Joje Shri Guttulal Patel, Rlo Gadha Teh. & Distt. Jabalpur.

(Transfix

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House: Muncl. No. 60|1A situated at Gada Ward, Jabalpur. Distt, (Land and Building)

D. P. PANTA
Gompetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 7-4-1984.

(1) This Himiel S'o Branchiles Bafne , R o Jagdalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Madholal Slo Banshilal Bafna, Rlo Jagdalpur. -

(Transfree)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bhopal, the 7th April 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4563 - Whereas, I, D. P PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Double story house on plot No. 24/5, Sheet No. 92, situated at Jagdalpur Sadar Ward.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagdalpur on August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Double story house constructed on Plot No. 24|5. Sheet No. 92 situated at Jagdalpun Sadar Ward.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotti Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under tub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
83—56GI|84

Date: 7-4-1984.

Scal:

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpi|4564,—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 1026, 1027 and 1069 Block No. 123 situated at Dharmapur Chowk Omati Ward No. 40, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Tarachand

 Maganchand
 Gyanchand Solo late Shri Phoolehand Sonkar, Rlo 475, Bhactipur, Jabalpur.

(Tansferor)

(2) Smt, Chandrakantadevi, Joje Durgadas Gupta R|o House No. 1059, Dhamapui Chowk, Jabalpur. (Transitee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice; in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House No. 1026, 1027 and 1069 Block No. 123, Part Plot No. 49 situated at Dhafnapur Chowk, Omati, Ward No. 40, Jabalpur.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Bullding T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 7-4-1984.

(Transferor)

(2) Smt. Vatsamma Anthony Wo Anthony Joseph, Ro Panchsheel Nagar, Dewas.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4565.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000]- and

House No. Plot No. 44 situated at Lakshaman Nagar. Dewns

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Dewas on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the vansfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on Plot No. 44 situated at Lakshaman Nagar, Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Bullding
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAl, M.P.

Bhopal, the 7th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4556.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Land Kh. No. 700, 699 situated at Gram Mendaki Teh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at

Dewas on August, 1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) Shi Hindusingh So Pannalalji Vaidh, Rio Sardar Patel Marg, Dewas, M.P.

(Transferor)

(2) Anukul Nagar Grih Numan Sahkari Sanstha Maryadit, Dewas, M.P. through Piesident Shri Dinesh Nigam So Harish Nigam, Rlo 1388, Bank Note Press, Dewas, M.P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that, Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 679, 700 situated at G1am Mandaki, Teh. Dewas.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotti Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 7-4-1984.

FORM ITNS----

(1) Shri Mukut Biharifal S|o Shri Brijkishore Bhargav R|o Bhargava & Co. South Tukoganj, Indore, M P

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shin Jedhmal Slo Vijayaraj Modi and Sou. Mangibai Wlo Jethmal Modi, R¹o 128, Sneh Nagar, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONI R OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th April 1984

Ref. No IAC|Acqn|Bpl|4567.—Whereas, 1. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

Plot No. 12 situated at lanki Nagar Colony, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12 situated at Janki Nagar, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th April 1984

Raf. No. IAC|Acqn|Bpl|4568.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land: Kh. No. 365 situated at Gram Lohar Pipliya Teh. Dewas.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Dewas on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferee for the puurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely:—

(1) 1. Chunnilal
so Makundram
2. Girdhari
so Mukundram,
3. Nanuram
so Govindram

sjo Govindram
all Rjo Gium Lohar Pipliya
Th. Dewas Distt. Dewas.

(Transferor)

(2) Mis. Pyore Industrial Coke & Chemicals (India), I.td., 10, Midalton Road, Calcutta-71. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of pulication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 365 situated at Loharpipliya Teh. Dewas Distt. Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 7-4-1984

FORM ITNO-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Bhupendrakumar Jain s|o Rishabidas Jain, R|o Mahavir Marg, Satna

(Transferor)

 5hr. Ashok Kumar Jain S[o Rishabhdas Jain R[o Mahavir Marg, Satna.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopla, the 7th April, 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4569.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Part of House No. 125, Ward No. 13, situated at Chowk Bazer, Sarna.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Satna in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of house No. 125, Ward No. 13 situated at Chowk Bazar, Satna.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-4-1984

S. A:

PORM ITHE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECPTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4570 —Whereas I, D P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of House No. 125, Ward No. 13, situated at Chowk

Bazar, Satna.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Satna in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Chri Bhupendrakumar Jein sjo E thubhuas Jain, Rjo Mahavir Marg.
 Ca '

(Transferor)

(2) Shri Surendrakumai Jain sho Rishabhdas Jain, Rlo Mahavir Marg, Saina

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 10 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 125, Ward No. 13 situated at Chowk Bazar, Satna.

D P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangorri Building
T T. Nagar, Bhopal.

Date: 7-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th April, 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4571.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land & building situated at Ward No. 28, Madan Mahal, Jabahpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Jabelpur in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

84-56GI 84

 Smt. Kashibai Joje Kachhedilal Sen R|o 266, Srinath Ki Tallaiya, Jabalpur.
 Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Dayashanker
 So Kachhedilal Sen
 Ro 237, Srinath Ki Tallaiya,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Ward No. 22, Madan Mahal, Jabapur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-4-1984

(1) Seat. Halkibai Wo Bhopalsingh Kisan, Ro Sahavan Teh. Gaderwara.

2. Vishvanath both minors.

Rlo Sahavan Teh. Gaderwara.

(2) Shri Hemandkumar

Self and Vali,

(Transferor) ·

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th April, 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4572.—Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetent, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the unit-Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ra. 25,000/-and bearing No.

Land Kh No. 195|2, 212|1, 227|1, 397|1, 206|1 situated at Mouja Sahayin Teh, Gaderwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gaderwara, in Augus, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair mar ket value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective garages, whichever period expires later;

sons of Rameshkumar and Raghunathsingh Kisar,

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Quanto.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given inthat Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 195[2, 212]1, 227[1, 397]1, 206[1, situated at Mouja Sahavan, Teh. Gaderwara. This is the immovable property details of which are described in Form No. 37 verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Dect: 9-4-1984 Scal:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

though the 9th April, 1984

Ref. No. IACIACINI pp 14573.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000; and bearing No.

Three starfed tiouse situated at Uditis Ashrain, Guna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ouns, in 18th August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income science from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kantashchand, Ramgopal, Radheshyam Slo Shri Mohanial Rlo Guna

(Transferor)

(2) Shri Prakashchand Jain So Shri Dattulal Jain, Ro Guna

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the universigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsible property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hisrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storied house situated at Udasi Ashram, Guna,

D P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS- ·

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th April 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4574.—Whereas, I. D. P PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. House constructed on plot No. 10, 11 situated at Usha-

ganj Colony, Manasa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mandsaur on August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Bapulal So Phoolchand Rlo Neemuch.

(Transferor)

(2) Shrl Arvindkumar 2. Romeshkumar Chandraprakash. Pisran Slo Bapulalji Manawat, Ro Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on Plot No. 10, 11 situated at Ushagani Colony, Manasa. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 10-4-1984

FORM LT.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th April 1984

Ref. No. IAC[Acqn]Bpl|4575.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land No. 660,661, 662, 664 situated at Multanputa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mandsaur on August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the enid Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initaite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

49—56 GI/84

(1) Naitik Vichar Samiti Mandsaur through Shri Rajendrakumar

Slo Ramchandraji Paliwal,

Rio Mandsaur.

· - TO THE LEWISE TRANSPORT

(Transferer) an **Sa**hkari

(2) Shiksha Vibhagiya Sewak Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit, Mandsaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 660, 661, 662, 664 situated at Mouja Multanpura Distt. Mandsaur. This is the immovable property details of which are described in form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 10-4-1984

Scal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th April 1984

Ref. No IAC Acqn Bpl 4576.-Whereas, 1,

The Panta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
No. Land No. 221|2 situated at Mouja Munyakhedi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mandsour in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 or 1957);

- (1) Naitik Vichar Samiti Mandsaur through Shri Surendrakumar So Rajmalji Lodha R o Mandsaur.
- (Tiansferor) (2) Shiksha Vibhagiya Sewak Grib Nirman Sahkari Samiti Maryadit, Mandsaur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land bearing No. 221|2, Khata No. 102 situated at Mouja Munyakhedi. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G verified on behalt of the mansferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-4-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 30th March 1984

Ref. No: IAC|Acqn|Bpl|4542.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Part of property No. 3|1, Block No. 18 situated at Bivin Bazar, Civil Lines Ward, Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). 1908) in the Office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jabalpur on September, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

- (1) Modern Sahkari Grih Nirman Samiti Maryadit, through Rope Agencies, M. G. Road, Raipur, (Transferor)
- (2) Smt. Sudhabai Wo Dinesh Pafikh Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLAINATION s—The terms an dexpressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property No. 3|1. Block No. 18 situated at Civil Lines Ward. Jabahour.

D. P. PANGA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Buildin a
T. T. Nagar, Bhopol.

Date: 30-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M. P. Agro Co. Private Director: Rajendrakumar Slo Biharilal Jain, Rlo Raipur.

(I fansteror)

(2) Mahavu Transport Co., Rajnandgaon Smt. Sushila Jain Wo Manoharlal Jain. Ro Rajnandason.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th April 1984

Ret. No. IAC|Acqn|Bpl|4546.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating No.

and situated at Hirapur P Ho No. 103 Mandal, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lates:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

LXPLANATION :---The terms and expressions used herein to ane defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937); Land P.H. No. 103, situated at Hirapur Mandal, Raipur This is the immovable property details of which are described in Form No. 37-G verified by the transferce.

D. 7. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P

Bhopal, the 6th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4453.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 25.000-and bearing

No. House: Muncl. No. 15. New No. 17, situated at Shankerbag Colony, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 1st September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Murlidhar S o Murmalalji Somani, R o 100, Juna Pitha, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Bhagatsingh Slo Babusinghji, Rlo Shankerbag Colony No 17, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:— .

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this netice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of House No. 15 (old) and No. 17 (New) situated at Shanker bag Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date . 6-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th April 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpal|4454,---Whereas, 1.

D. P. PANTA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House constructed on Plot No. 15, Old H. No. 15, situa-

ted at Shankerbag Colony, Indore (and more fully described in the scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Indore in 12th January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Murlidhar Somani Slo Shri Munnalal Somani, Rlo 100, Juna Pitha, Indore.
- (2) Shri Paramjeetsingh Mundra Slo Bhagsingh Mundra, Rlo 17, Shankerbag Colony, Indoie.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of notice in the Official Gazette or a period of 30. from the service of notice on the respective pers whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A Part of House No. 15 (Old), No. 17 (New) constructed on Plot No. 15 situated at Shankerbag Colony, Indore,

THE SCHEDULE

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assit. commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotti Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the a quisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-4-1984

(1) Shri A. K. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. G. Malapani.

(Transferes +

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1984

Ref. No. AR-III|37EE|2704|83-84.—Whereas, 1, I.AHIRI,

g the Competent Authority under Section 269B of the Indome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-tand bearing No. Flat No. 103, 1st floor situated at 176 Jawahar Nagar, Goregaon (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement
is registered under Section 269AB of the Income-tax Act.

1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor, 176, Jawahar Nagar, Goregoan (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide Serial No. ARIII|37EE|1206|83-84, dated 1-8-1983.

A. LAHIRI.
Competent Authority
Inspeciting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the seid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

Date: 12-4-1984

		,		,		 T.
						•
					,	
•						
7						
S ⁷⁷						
5. 1.						
` .	1					
b.						
-						
i.			•			
<i>Y</i> .		,				
*						
• *						
	·					
		F				

•	•	
		~
	•	
		- \ .
		,
		A ;
		1
		,
		i